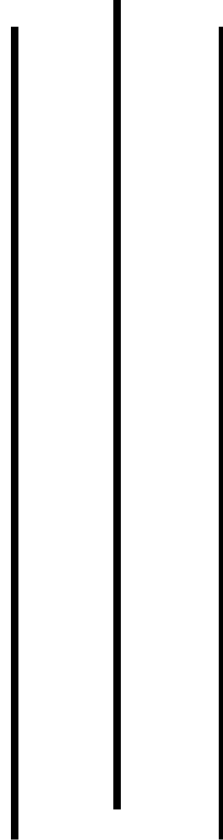


रुपन्देही जिल्लाको
पञ्चवर्षीय वन व्यवस्थापन कार्ययोजना
(आ.व. २०७५/०७६ - आ.व.२०७९/०८०)

जिल्ला वन कार्यालय
रुपन्देही
२०७५

रुपन्देही जिल्लाको
पञ्चवर्षीय वन व्यवस्थापन कार्ययोजना
(आ.व. २०७५/०७६ देखी आ.व.२०७९/०८० सम्म)



तयार गरी पेश गर्ने
जिल्ला वन कार्यालय
रुपन्देही

२०७५

पञ्चवर्षिय कार्ययोजनाको संक्षिप्त सारांश

१. भू उपयोगिता :

| सि नं | भू-उपयोगिता | क्षेत्रफल | |
|-------|--|---------------|--------------|
| | | हेक्टर | प्रतिशत |
| १ | कृषि क्षेत्र | ८९,५५९ | ६८.५६ |
| २ | वन क्षेत्र | ३३,८५४ | २५.९१ |
| | क. वन | २५,१०५ | १९.२१ |
| | ख. भाडी बुट्यान ग. अतिक्रमण भएको वन क्षेत्र | ४०३ ८,३४६ | ०.३० ६.३८ |
| ३ | घाँसे मैदान | २०४० | १.५६ |
| ४ | अन्य (वस्ती, शहर, एयरपोर्ट आदि) | ५१६८ | ३.९५ |
| | जम्मा | १३०६२१ | १००.० |

श्रोत : जिल्ला वन कार्यालय, रुपन्देही

२. जिल्लाको वन जंगलको किसिम र क्षेत्रफल :

| वनको किसिम | जम्मा वनक्षेत्र (हेक्टर) | प्रतिशत |
|------------------------|--------------------------|------------|
| साल Sal | ८५३५.७ | ३३.४६ |
| साल तराई हार्डउड (STH) | १५५६५.१ | ६१.०२ |
| तराई हार्डउड (TH) | १००४.२ | ३.९३ |
| अन्य | ४०३ | १.५७ |
| जम्मा | २५५०८ | १०० |

श्रोत : जिल्ला वन कार्यालय, रुपन्देही

३. संकलन हुने काष्ठ तथा अन्य वन पैदावारहरुको परिमाण :

| वन पैदावारको किसिम | इकाई | संकलन हुने वन पैदावारको वार्षिक परिमाण | |
|-------------------------|----------|---|-----------------|
| | | सरकारद्वारा व्यवस्थित वन (साभेदारी समेत)बाट | सामुदायिक वनबाट |
| काठ | क्यू फिट | ११०००० | २८०००० |
| दाउरा | चट्टा | २१५ | ९३० |
| जडिबुटि (लघु वन पैदावर) | के जी | १७००० | २२००० |
| ढुंगा गिटी बालुवा | क्यू फिट | २०८३००० | ० |

श्रोत : जिल्ला वन कार्यालय, रुपन्देही

४. जिल्लाको वन पैदावारको माग र आपूर्तिको स्थिति :

| वन पैदावारको किसिम | ५ वर्षको अनुमानित माग | आपूर्ति गर्ने निकाय | | | | कैफियत |
|--------------------|-----------------------|---------------------|-------------|--------------|------------|---------------------------|
| | | सरकारद्वारा व्य. वन | साभेदारी वन | सामुदायिक वन | निजी आवादी | |
| काठ (घ.फि.) | ३८,७९,००० | ५,००० | ४,५७,५०० | १४,००,००० | ७,००,००० | नपुग छिमेकी जिल्लाहरु बाट |
| दाउरा (चट्टा) | ३०९७० | २० | ९५५ | ४,६५० | २,७५० | |

श्रोत : जिल्ला वन कार्यालय, रुपन्देही

५. सामुदायिक वन :

| हस्तान्तरित सा.व. संख्या | क्षेत्रफल (हे.) | लाभान्वीत घरधुरी |
|--------------------------|-----------------|------------------|
| १०३ | १६२११.५६ | ६३८४२ |

श्रोत : जिल्ला वन कार्यालय, रुपन्देही

६. जिल्लाको औसत संचिति (Growing Stock), बृद्धिदर तथा वार्षिक संकलन परिमाण

| क्र.सं. | विवरण | संचिति प्रति हे.घ.मी. | बृद्धिदर प्रति वर्ष (घन मी./हे.) | वार्षिक संकलन परिमाण | |
|---------|--------------------------|-----------------------|----------------------------------|----------------------|---------------|
| | | | | काठ (घ.फि) | दाउरा (चट्टा) |
| १ | साभेदारी वन (२ वटा) | २०९.९७ | ६.३ | ९१५०० | १९१ |
| २ | सामुदायिक वन | १४७.० | २.९ | २८०००० | ९३० |
| ३ | सरकारद्वारा व्यवस्थित वन | १०४.४५ | १.० | १००० | ४ |
| | जम्मा | ४६१.४२ | १०.३ | ३७२५०० | ११२५ |
| | औसत | १५३.८१ | ३.४३ | | |

श्रोत : जिल्ला वन कार्यालय, रुपन्देही

७. वन अतिक्रमण भएको क्षेत्रफल : ८३४६ हेक्टर

८. गरिब तथा व्यवसायिक प्रयोजनका लागि हस्तान्तरण भएको कबुलियती वन संख्या तथा क्षेत्रफल : हालसम्म कुनै पनि कबुलियती वन हस्तान्तरण नगरिएको ।

९. निजी वनको संख्या र क्षेत्रफल : ८५ वटा निजी वनको क्षेत्रफल ९५.७८ हेक्टर रहेको ।

१०. सम्भावित संरक्षित वनको नाम, विशेषता र क्षेत्रफल :

यस जिल्लाको समुदायको पहुँच भन्दा टाढा रहेको चुरे क्षेत्रको वन क्षेत्रलाई वातावरणीय सेवाहरुको अभिवृद्धि गर्न संरक्षित वनको रूपमा व्यवस्थापन गर्न पहल गर्ने प्रस्ताव गरिएको ।

११. सम्भावित साभेदारी वनको नाम, समूह संख्या र क्षेत्रफल :

यस जिल्लामा हालसम्म लुम्बिनी र देवदह गरी दुई वटा साभेदारी वनमा २०८५.२४ हे वन क्षेत्र व्यवस्थापनमा गएको छ, जसबाट ५०४५६ घरधुरी लाभान्वित भएका छन् । यस बाहेक सम्भावित साभेदारी वन क्षेत्र नरहेको ।

१२. भौतिक पूर्वाधारको विवरण :

निर्मित भवनको संख्या र अवस्था : जम्मा संख्या १८ वटा, पुन निर्माण गर्नुपर्ने ६ वटा, सामान्य मर्मत गर्नुपर्ने ११ वटा

१३. आयोजनागत बजेट (अगामी ५ वर्ष अवधि) :

राष्ट्रिय वन विकास तथा व्यवस्थापन तर्फ : रु. १५ करोड ३० लाख ।
 सामुदायिक वन विकास तर्फ : रु. २ करोड ९४ लाख २० हजार ।
 राष्ट्रपति चुरे संरक्षण कार्यक्रम तर्फ : रु. २ करोड २५ लाख १५ हजार ।
 वृक्ष सुधार वृक्षारोपण तथा निजी वन कार्यक्रम तर्फ : रु. १० करोड ०६ लाख ८९ हजार ।
 वन्यजन्तु संरक्षणका लागि क्षेत्रीय सहयोग प्रवर्द्धन आयोजना तर्फ : ५० लाख
 अन्य (जि.व.पै.आ.समिति, साभेदारी तथा सा.व.कोष आदि) : २० करोड २७ लाख ९६ हजार
कुल जम्मा बजेट : रु. ५१ करोड ३४ लाख २० हजार ।

१४. श्रृजना हुने रोजगारी तथा राजश्व :

| आगामी पाँच वर्षमा सिर्जना हुने प्रत्यक्ष रोजगारी (श्रमदिन) | राजश्व तथा आम्दानी (रु. हजारमा) | | |
|--|---------------------------------|---------------------------|--------------------------|
| | नेपाल सरकार | अन्य समिति समुहको आम्दानी | जम्मा राजश्व तथा आम्दानी |
| ५,६२,८८० | २६४९९५ | ५३०००० | ७९४९९५ |

१५. वृक्षारोपण :

हालसम्म वृक्षारोपण भएको क्षेत्रफल : सरकारी तथा सामुदायिक गरी २७८१ हेक्टर ।
 आगामी ५ वर्षमा वृक्षारोपण हुनसक्ने क्षेत्रफल : सरकारी तथा सामुदायिक गरी करिब ७०० हेक्टर ।

१६. धार्मिक वन :

४ वटा धार्मिक वन रहेको जसको क्षेत्रफल २७.७२ हे. रहेको ।

१७. पाँच वर्षमा बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन कार्यान्वयन हुने क्षेत्रफल :

सामुदायिक वनको क्षेत्रफल: ४५०० हे. (सघन व्यवस्थापन हुने क्षेत्रफल ५६ हे. प्रतिवर्ष)

साभेदारी वनको क्षेत्रफल : २०८५.२४ हेक्टर (सघन व्यवस्थापन हुने क्षेत्रफल लुम्बिनी साभेदारी वनमा ७५ हे., देवदह साभेदारी वनमा ५० हे. कार्ययोजनामा उल्लेखित कार्यक्रम संचालन गरिने ।)

१८. अघिल्लो पञ्चवर्षिय कार्ययोजनाको मुख्य उपलब्धी र आगामी पाँच वर्षको लक्ष्यको तुलनात्मक विश्लेषण :

| सि.नं. | कृयाकलाप | इकाई | अघिल्लो कार्य योजनाको उपलब्धी | आगामी ५ वर्षको लक्ष्य |
|--------|--|------|-------------------------------|-----------------------|
| १ | जिल्लाको पञ्चवर्षिय वन व्यवस्थापन योजना तयारी (आईई समेत) | गोटा | १ | १ |
| २ | अतिक्रमण व्यवस्थापन (वृक्षारोपण समेत) | हे. | १२८.१ | १५० |

| सि.नं. | क्याकलाप | इकाई | अघिल्लो कार्य योजनाको उपलब्धी | आगामी ५ वर्षको लक्ष्य |
|--------|---|-------------|-------------------------------|-----------------------|
| ३ | साभेदारी वनमा बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन (लुम्बिनी र देवदह) योजना कार्यान्वयन | गोटा | २ | २ |
| ५ | भौतिक पुर्वाधार विकास (भवन निर्माण) | गोटा | ३ | २ |
| ६ | सामुदायिक वन समुह गठन तथा हस्तान्तरण | गोटा | १५ | १० |
| ७ | सामुदायिक वन हस्तान्तरण (वन क्षेत्रफल) | हे. | १२८३.७६ | १००० |
| ८ | सामुदायिक वनको कार्ययोजना नविकरण | गोटा | ५३ | २० |
| ९ | सामुदायिक वनमा बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन (कार्ययोजना तयारी र स्विकृति) | गोटा | १८ | ५ |
| १० | सामुदायिक वनमा बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन योजना कार्यान्वयन | गोटा | २० | २५ |
| ११ | विरुवा उत्पादन तथा वितरण (सरकारी, निजी र समुह मार्फत्) | गोटा हजारमा | ४८५० | ३५०० |
| १२ | सरकारी, सामुदायिक तथा सार्वजनिक (नदी उकास) जग्गामा वृक्षरोपण | हे. | ४०५.१९ | ३०० |
| १३ | काठ उत्पादन तथा वितरण (सबै निकाय मार्फत्) | घ.फि. | १०६५३८६.७६ | २३०० |
| १४ | दाउरा संकलन तथा विक्री वितरण (सबै निकाय) | चट्टा | २२४५.९४ | ७१२५ |
| १५ | राजश्व संकलन | रु. हजार | १५३३२८.९२० | २४०००० |

संक्षिप्त शब्दहरूको सूची

| | |
|----------------------|--|
| ई.व.का.. | ईलाका वन कार्यालय |
| से.मी | सेन्टीमीटर |
| स.व.अ. | सहायक वन अधिकृत |
| सा.व. | सामुदायिक वन |
| सा.व.उ.म. | सामुदायिक वन उपभोक्ता महासंघ |
| न.पा. | नगरपालिका |
| गा.पा. | गाउँपालिका |
| व. वि. कोष | वन विकास कोष |
| टि.सि.एन. | Timber Corporation Nepal |
| जि.व.अ. | जिल्ला वन अधिकृत |
| जि.व.पै.आ.स. | जिल्ला वन पैदावार आपूर्ति समिति |
| जि.स.स. | जिल्ला समन्वय समिति |
| कि.मी. | किलोमिटर |
| से.व.का. | सेक्टर वन कार्यालय |
| क्यू.फिट | क्यूबिक फिट |
| AAC | Annual Allowable Cut |
| Cft | Cubic Feet |
| CBS | Central Bureau of Statistics |
| DFSCC/जि.व.क्षे.स.स. | District Forestry Sector Coordination Committee/ जिल्ला वनक्षेत्र समन्वय समिति |
| EIA | Environmental Impact Assessment |
| GIS | Geographical Information System |
| GPS | Geographical Positioning System |
| Ha (हे) | Hectare/ हेक्टर |
| IEE | Initial Environmental Examination |
| KS | Khair-Sisoo |
| LRMP | Land Resource Mapping Project |
| Misc | Miscellaneous |
| M ³ | Cubic meter |
| NTFPs | Non Timber Forest Products |
| OFMP | Operational Forest Management Plan |
| REDD | Reducing Emissions from Deforestation and Forest Degradation |
| S | Sal Forest |
| SK | Sisoo-Khair Forest |
| STH | Sal Terai Hardwood Forest |
| TH | Terai Hardwood Forest |

विषय सूची

| क्र.सं. | शिर्षक तथा उपशिर्षकहरू | पेज नं. |
|--|---|---------|
| | पञ्चवर्षिय कार्ययोजनाको शारांस | I |
| | संक्षिप्त शब्दहरूको सूची | V |
| | विषय सूची | VI |
| अ. | परिचय | १ |
| आ. | विगतका कार्ययोजनाहरूको समिक्षा | २ |
| इ. | कार्ययोजना तयार गर्नको लागि अपनाइएको कार्यविधि | ३ |
| ई. | सिमितता | ६ |
| भाग १ : जिल्लाको सामान्य परिचय | | |
| १.१ | ऐतिहासिक पृष्ठभूमी तथा राजनीतिक विभाजन | ७ |
| १.१.१ | जिल्लाको सामान्य इतिहास तथा मुख्य विशेषताहरू | ७ |
| १.१.२ | जिल्लाको सिमाना | ७ |
| १.१.३ | राजनीतिक विभाजन | ७ |
| १.१.४ | सामाजिक तथा आर्थिक अवस्था | ८ |
| १.१.५ | प्रमुख धार्मिक तथा पर्यटकीय स्थलहरू | ९ |
| १.२ | भौगोलिक अवस्था तथा बनोट | ९ |
| १.३ | जियोलोजी तथा भू बनोट | ९ |
| १.४ | जलवायु तथा वर्षा | ९ |
| १.५ | जल सम्पदा | १० |
| १.६ | भौतिक पूर्वाधारहरू | १० |
| १.६.१ | यातायात र संचार | १० |
| १.६.२ | जिल्ला वन कार्यालयको भौतिक सम्पत्ति | ११ |
| १.७ | भू उपयोगिता | १२ |
| १.८ | अन्य प्रयोजनको लागि उपलब्ध गराइएको वनको विवरणहरू | १२ |
| १.९ | सहयोगी संघ संस्थाहरू | १३ |
| १.१० | मौजुदा वन संगठन | १३ |
| १.११ | वन व्यवस्थापनका समस्या, चुनौति अवसर र हाल सम्मका सिकाई | १४ |
| १.११.१ | वन व्यवस्थापनका समस्या/चुनौतीहरू | १४ |
| १.११.२ | अवसरहरू | १६ |
| १.११.३ | सिकाइहरू | १८ |
| भाग २ : वन प्रजाति तथा वन्यजन्तुहरूको विवरण | | |
| २.१ | वन क्षेत्र तथा वन्य प्रजातिहरूको विवरण | १९ |
| २.१.१ | वन जंगलको किसिम | २० |
| २.१.२ | मुख्य प्रजातिहरूको वितरण तथा वृद्धि मौजुदात | २० |
| २.१.३ | प्राकृतिक पुनरुत्पादनको अवस्था | २२ |
| २.१.४ | वन संरक्षण | २३ |
| २.२ | वन्यजन्तुहरूको विवरण | २५ |
| २.२.१ | स्तनधारी प्रजाति, चरा, घस्रने प्रजाति, माछा आदिको विवरण | २५ |
| २.२.२ | वन्यजन्तुका लागि महत्वपूर्ण मानिएका स्थानहरू | २५ |
| २.२.३ | वन्यजन्तु संरक्षण | २६ |
| भाग ३ : वन सदुपयोग | | |
| ३.१ | जिल्लाको जनसंख्या तथा घरधुरी | २८ |
| ३.२ | बजार तथा बजार योग्य उत्पादनहरू | २८ |

| क्र.सं. | शिर्षक तथा उपशिर्षकहरू | पेज नं. |
|---------|--|---------|
| ३.३ | घरायसी प्रयोगको वस्तुहरू | २८ |
| ३.४ | वनजन्य वस्तुहरूको माग र आपूर्तिको अवस्था | २८ |
| ३.५ | मुख्य वनजन्य प्रजातिहरूको संकलन तरिका तथा त्यसको खर्चहरू | ३१ |
| ३.६ | मुख्य प्रजातिहरूको दर | ३१ |
| ३.७ | वन पैदावारमा आधारित उद्योग व्यवसायहरूको विवरण | ३२ |
| ३.८ | वन पैदावारको वितरण तथा बिक्रीको तरिका | ३२ |
| ३.९ | ढुङ्गा गीट्टी बालुवा संकलन | ३३ |
| ३.१० | खनिज उत्खनन उद्योगहरूको विवरण | ३४ |
| ३.११ | व्यवसायिक कबुलियती वनहरूको विवरण | ३४ |
| ३.१२ | अन्य वन पैदावारहरूको उत्पादन, वितरण तथा बिक्रि | ३४ |

भाग ४ : वन व्यवस्थापन कार्ययोजना

| | | |
|----------|---|----|
| ४.१ | अवधी | ३५ |
| ४.२ | दुरदृष्टि, लक्ष्य तथा उद्देश्य | ३५ |
| ४.३ | कार्यनीति | ३६ |
| ४.४ | प्रस्तावित कार्यक्रमहरू | ३६ |
| ४.४.१ | सरकारद्वारा व्यवस्थित वन व्यवस्थापन कार्यक्रम | ३७ |
| ४.४.२ | संरक्षित वन व्यवस्थापन कार्यक्रम | ३८ |
| ४.४.३ | जनसहभागीतामा आधारित वन व्यवस्थापन कार्यक्रम | ३९ |
| ४.४.३.१ | सामुदायिक वन व्यवस्थापन कार्यक्रम | ३९ |
| ४.४.३.२ | साभेदारी वन व्यवस्थापन कार्यक्रम | ४२ |
| ४.४.३.३ | कबुलियती वन व्यवस्थापन कार्यक्रम | ४४ |
| ४.४.३.४ | धार्मिक वन व्यवस्थापन कार्यक्रम | ४४ |
| ४.४.४ | वन संरक्षण कार्यक्रम | ४४ |
| ४.४.४.१ | वन सिमाना | ४५ |
| ४.४.४.२ | वन अतिक्रमण नियन्त्रण | ४५ |
| ४.४.४.३ | वन पैदावार चोरी निकासी नियन्त्रण | ४६ |
| ४.४.४.४ | जैविक विविधता संरक्षण कार्यक्रम | ४६ |
| ४.४.४.५ | वन डहेलो नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन | ४८ |
| ४.४.४.६ | चरिचरण नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन | ४८ |
| ४.४.५ | प्राकृतिक तथा कृतिम पुनरुत्पादन कार्यक्रम | ४९ |
| ४.४.५.१ | प्राकृतिक पुनरुत्पादन कार्यक्रम | ४९ |
| ४.४.५.२ | कृतिम पुनरुत्पादन कार्यक्रम | ४९ |
| ४.४.५.३ | सम्पन्न भएको वृक्षरोपणको विवरण र हालको स्थिति | ५३ |
| ४.४.५.४ | शहरी वन विकास कार्यक्रम | ५३ |
| ४.४.६ | सार्वजनिक तथा निजी वन प्रवर्द्धन एवं उद्यम विकास सहयोग कार्यक्रम | ५४ |
| ४.४.६.१ | सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापन कार्यक्रम | ५४ |
| ४.४.६.२ | निजी वन कार्यक्रम | ५५ |
| ४.४.६.३ | उद्यम विकास तथा जीविकोपार्जन सहयोग कार्यक्रम | ५६ |
| ४.४.७ | ऐतिहासिक, धार्मिक, पुरातात्विक तथा पर्यटकीय दृष्टिले महत्वपूर्ण क्षेत्रको संरक्षण एवं विकास | ५७ |
| ४.४.८ | भू तथा जलाधार संरक्षण कार्यक्रम | ५८ |
| ४.४.९ | वैकल्पिक उर्जा प्रवर्द्धन कार्यक्रम | ५९ |
| ४.४.१० | प्रचार प्रसार कार्यक्रम | ५९ |
| ४.४.११ | विशेष आय मुलक कार्यक्रम | ५९ |
| ४.४.१२ | जलवायु परिवर्तन व्यवस्थापन सहयोगी कार्यक्रम | ५९ |
| ४.४.१२.१ | जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण वा निष्प्रभाविकरण कार्यक्रम | ६० |

| क्र.सं. | शिर्षक तथा उपशिर्षकहरु | पेज नं. |
|---|---|---------|
| ४.४.१२.२ | जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कार्यक्रम | ६० |
| ४.४.१३ | भौतिक पूर्वाधार निर्माण कार्यक्रम | ६१ |
| ४.४.१४ | जनशक्ति व्यवस्थापन | ६१ |
| ४.४.१५ | मानव वन्यजन्तु द्वन्द न्युनिकरण सहयोग कार्यक्रम | ६२ |
| ४.४.१६ | योजना निर्माण, अनुकरणीय एवं सिर्जनशिल कार्यक्रम | ६२ |
| ४.४.१७ | वन पैदावर सदुपयोग तथा आपूर्ति सम्बन्धी कार्यक्रम | ६३ |
| ४.४.१८ | बजेट व्यवस्थापन | ६३ |
| ४.४.१८.१ | आवश्यक कुल बजेट | ६३ |
| ४.४.१८.२ | आवश्यक बजेटका संभावित श्रोतहरु | ६४ |
| भाग ५ : उपलब्धी, अनुगमन तथा समन्वय | | |
| ५.१ | प्राप्त हुने राजश्वको विवरण | ६६ |
| ५.२ | कार्यक्रम कार्यान्वयनको उपलब्धि | ६६ |
| ५.३ | रोजगारीका अवसर र गरिवी निवारणमा योगदान | ६८ |
| ५.४ | अनुगमन कार्य योजना | ६९ |
| ५.५ | समन्वय योजना | ७२ |
| ५.६ | कार्ययोजना संशोधन | ७४ |
| ५.७ | प्रतिवेदन (जाहेरी) | ७४ |
| ५.८ | विविध | ७७ |
| | सन्दर्भ सामाग्री | ७९ |
| अनुसूचीहरु | | |
| १ | नक्साहरु | |
| १.१ | रुपन्देही जिल्लाको सेक्टर र इलाका वन कार्यालयको क्षेत्र देखिने नक्सा | ८० |
| १.२ | रुपन्देही जिल्लाको भू उपयोग नक्सा | ८१ |
| १.३ | रुपन्देही जिल्लाको वन अतिक्रमण क्षेत्र देखाइएको नक्सा | ८२ |
| १.४ | वन डढेलो र चोरी निकासीको हिसावले संवेदनशील क्षेत्र देखाइएको नक्सा | ८३ |
| १.५ | रुपन्देही जिल्लाको उपजलाधार क्षेत्र देखाइएको नक्सा | ८४ |
| १.६ | लुम्बिनी साभेदारी वनको आवधिक खण्ड देखाइएको नक्सा | ८५ |
| १.७ | लुम्बिनी साभेदारी वनको पुनरोत्पादन कटान हुने उपखण्डहरु देखाइएको नक्सा | ८६ |
| १.८ | देवदह साभेदारी वनको आवधिक खण्ड देखाइएको नक्सा | ८७ |
| १.९ | देवदह साभेदारी वनको पुनरोत्पादन कटान हुने उपखण्डहरु देखाइएको नक्सा | ८८ |
| १.१० | स्थानीय तह र प्रस्तावित सबडिभिजन कार्यालय र सो को कार्यक्षेत्र देखाइएको नक्सा | ८९ |
| २.१ | आगामी ५ वर्षमा गरिने प्रस्तावित कार्यक्रमहरु | ९० |
| २.२ | आगामी ५ वर्षको लागी प्रस्तावित तलव तथा अन्य चालु खर्च अर्न्तगतको बजेट | १०६ |
| २.३ | आगामी ५ वर्षमा प्राप्त हुने राजश्व तथा आमदानीको प्रक्षेपण | १०७ |
| २.४ | आगामी ५ वर्षमा प्राप्त हुने रोजगारीको प्रक्षेपण | १०८ |
| ३ | पुर्व वन व्यवस्थापन कार्य योजनाको अवधिहरु खुलेको विवरण | १०९ |
| ४ | जिल्ला वन कार्यालय रुपन्देहीमा कार्यरत जिल्ला वन अधिकृतहरुको कार्यावधी | ११० |
| ५ | पुनरोत्पादन सर्वेक्षणको विवरण | १११ |
| ६ | वन अनुसन्धान तथा विउ उत्पादन प्लटहरुको विवरण | ११३ |
| ७ | काठ, दाउराको वर्तमान विक्रि मूल्य सूचीको विवरण | ११४ |

| क्र.सं. | शिर्षक तथा उपशिर्षकहरू | पेज नं. |
|---------|--|---------|
| ८ | वन समूहहरूको विवरण | ११५ |
| ८.१ | सामुदायिक वन समूहहरूको विवरण | ११५ |
| ८.२ | दर्ता भएको नीजि वनको विवरण | ११७ |
| ८.३ | साभेदारी वनको विवरण | १२० |
| ८.४ | धार्मिक वनको विवरण | १२१ |
| ८.५ | जिल्लामा सुचिकृत सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापन समूहको विवरण | १२२ |
| ९ | अन्य प्रयोजनको लागि दिइएको वन क्षेत्रको विवरण | १२६ |
| १० | जिल्ला वन कार्यालय देखीको दुरी | १२९ |
| १०.१ | जिल्ला वन कार्यालय देखी सेक्टर वन कार्यालय र इलाका वन कार्यालय रहेको स्थानसम्मको दुरी | १२९ |
| १०.२ | जिल्ला वन कार्यालयसँग (सदरमुकामबाट) साविक गा.वि.स.हरूको दुरी | १३० |
| ११ | वन अतिक्रमणको विवरण | १३२ |
| ११.१ | वन अतिक्रमणको विस्तृत विवरण | १३२ |
| ११.२ | वन क्षेत्र अतिक्रमण गरी बसेका विद्यालयहरूका विवरण | १३५ |
| १२ | वन तथा वन्यजन्तु सम्बन्धि अपराधहरूको अद्यावधिक विवरण | १३७ |
| १२.१ | जिल्ला वन कार्यालय रुपन्देहीमा दायर वन मुद्दाको विवरण | १३७ |
| १२.२ | रुपन्देही जिल्ला अदालतमा दायर वन मुद्दाको विवरण | १३७ |
| १३ | जिल्लामा हाल सम्म भएको वृक्षरोपणको विवरण | १३८ |
| १४ | जिल्लामा भएका स्थायी नर्सरी तथा अन्य नर्सरीहरूको विवरण | १४० |
| १५ | जिल्लाबाट संकलन भएको काठ, दाउरा, तथा विक्री भइ आएको राजस्व विवरण | १४१ |
| १५.१ | विगत ५ वर्षमा जि.व.का, टिसिएन र आपूर्ति समितिबाट भएको काठ दाउरा बिक्रीको विवरण | १४१ |
| १५.२ | सामुदायिक वन तथा नीजि आवादी जग्गाको काठ दाउरा बिक्रीको विवरण | १४१ |
| १५.३ | विगत ५ वर्षमा वन क्षेत्रबाट प्राप्त राजश्वको विवरण | १४१ |
| १५.४ | विभिन्न जिल्लाबाट निकासी इजाजत लिई रुपन्देही जिल्लामा घाटगद्दी गरी आ.व. ०७४।७५ मा निकासी गरेको जडिबुटीको विवरण | १४२ |
| १६ | जिल्लामा संचालित आयोजना, योजनाहरू संचालन भएको अवधि तथा मुख्य उपलब्धिहरू | १४३ |
| १७ | कर्मचारी दरबन्दी विवरण | १४४ |
| १७.१ | जिल्ला वन कार्यालय रुपन्देहीको मौजूदा कर्मचारी दरबन्दी विवरण | १४४ |
| १७.२ | डिभिजन वन कार्यालय रुपन्देहीको स्विकृत संगठन तथा दरबन्दी विवरण | १४५ |
| १८ | रुपन्देही जिल्लाको गा.पा./न.पा. गत रुपमा रहेको वन क्षेत्रको विवरण | १४६ |
| १९ | रुपन्देही जिल्लाको प्रस्तावित सब डिभिजनहरूको नाम तथा कार्य क्षेत्र विवरण | १४७ |

रुपन्देही जिल्लाको पञ्चवर्षिय वन व्यवस्थापन कार्ययोजना

अ. परिचय

प्रस्तावना

नेपाल सरकारको वन नीति र वन ऐन, २०४९ तथा वन नियमावली, २०५१ को भावना अनुरूप सर्वसाधारण जनताको वन पैदावारको आवश्यकता पूरा गर्न, सामाजिक तथा आर्थिक विकास गर्न तथा वातावरणीय सन्तुलन कायम गरी सरकारद्वारा संरक्षित राष्ट्रिय वनलाई समुचित रूपमा व्यवस्थापन गरी वनको विकास, संरक्षण तथा वन पैदावारको सदुपयोग गर्न आवश्यक भएको र सो का लागि वन ऐन २०४९ को दफा २० र २१ मा भएको व्यवस्था अनुरूप यस रुपन्देही जिल्लाको पञ्चवर्षिय वन व्यवस्थापन कार्ययोजना (आ.व. २०७५/०७६ देखि २०७९/०८० सम्म) तयार गरिएको छ।

लक्ष्य

वनको दिगो एवं वैज्ञानिक व्यवस्थापन तथा विस्तारद्वारा जिल्लामा वन पैदावारको सतत् आपूर्ति तथा आयआर्जन एवं रोजगारी श्रृजना गर्नुका साथै राष्ट्रिय अर्थतन्त्र र वातावरणीय सन्तुलनमा टेवा पुऱ्याउने रहेको छ।

उद्देश्य

- वैज्ञानिक वन व्यवस्थापनको माध्यमबाट वन पैदावारको उत्पादन बढाई जनताको वन पैदावार सम्बन्धी आवश्यकता पूरा गर्नुका साथै राजश्वमा वृद्धि गर्ने।
- वन देखी टाढा रहेका क्षेत्रहरूमा नीजि तथा सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापन मार्फत वन पैदावारको उत्पादन तथा आपूर्ति वृद्धि एवं जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण गर्न टेवा पुऱ्याउने।
- वन, वातावरण र जैविक विविधताको प्रभावकारी संरक्षण गरी वातावरणीय सेवामा अभिवृद्धि गर्ने।
- वन क्षेत्रलाई स्थानीय जनताको रोजगार र आय आर्जनको माध्यम बनाई गरीवी न्यूनीकरणमा टेवा पुऱ्याउने।
- वन क्षेत्रमा क्षमता अभिवृद्धि एवं सहभागिता, समावेशी, पारदर्शिता, योजना, अनुगमनलाई बढावा दिई शुसासनलाई सफल बनाउदै जाने।

कार्यान्वयनको लागि आवश्यक पर्ने बजेट :

यो कार्ययोजना कार्यान्वयनको लागि कार्यक्रमतर्फ करिब ५१ करोड र प्रशासनिक कार्य तर्फ करिब ३१ करोड गरी जम्मा ८२ करोड बजेट प्रस्ताव गरिएको छ। बजेटका मुख्य मुख्य श्रोतहरूको रूपमा संघिय तथा प्रादेशिक सरकार, जिल्ला वन पैदावार आपूर्ति समिति, स्थानीय सरकार (जिल्ला समन्वय समिति समेत), जिल्ला स्थित साभेदारी वन तथा सामुदायिक वनका कोषहरू आदि रहेका छन्।

अपेक्षित उपलब्धी

यस अवधिमा जिल्लाको करिब २००० हे. वन क्षेत्र लुम्बिनी तथा देवदह साभेदारी वनको रूपमा स्विकृत वन व्यवस्थापन कार्ययोजना बमोजिम वैज्ञानिक रूपमा व्यवस्थापन हुने, यस अघि हस्तान्तरण भैसकेको करिब १६ हजार हे. वन क्षेत्र र कार्ययोजना अवधिमा हस्तान्तरण हुने करिब एक हजार हे. वन क्षेत्र गरी जम्मा १७ हजार हे. वन क्षेत्र सामुदायिक वनको रूपमा विकास एवं व्यवस्थापन हुने, समथर भू भागमा रहेका अधिकांश सामुदायिक वनहरूमा वैज्ञानिक वन व्यवस्थापनको सिद्धान्त अनुरूप हुनेगरी व्यवस्थापनका

कार्य सञ्चालन हुने, नीजी तथा सार्वजनिक जग्गामा व्यापक रुपमा समुह गठन भई वृक्षरोपण हुने, वार्षिक रुपमा बहु वर्षिय विरुवाहरु उत्पादन तथा वितरण भई वृक्षरोपण कार्यको नतिजा प्रभावकारी रुपमा महशुस गरिने, समग्रमा रुपन्देही जिल्ला वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन र बहु वर्षिय विरुवा उत्पादन र नीजि क्षेत्रमा वन विकासको दृष्टिले नेपालकै नमुना जिल्लाको रुपमा विकास हुने अपेक्षा गरीएको छ । यो कार्ययोजना कार्यान्वयनबाट करिब ५ लाख ६२ हजार श्रमदिन बराबरको (पुर्ण वर्षमा करिब ५११ जना) रोजगारी सृजना हुने, नेपाल सरकारलाई २६ करोड ५० लाख बराबरको राजश्व तथा विभिन्न समुह तथा समितिलाई करिब ५३ करोड बराबरको आम्दानी प्राप्त हुने अपेक्षा गरिएको छ ।

आ. विगतका कार्ययोजनाको समिक्षा

विक्रम सम्बत् २०४० साल सम्म रुपन्देही जिल्लाको वन लुम्बिनी फरेष्ट डिभिजन अर्न्तगत रहेकोमा तत्पश्चात् मात्र विकेन्द्रीकरणको सिद्धान्त अनुरूप छुट्टै जिल्ला वन कार्यालयको रुपमा स्थापना भएको हो । विगतमा लुम्बिनी वन डिभिजन हुँदा रुपन्देही जिल्लालाई समेत समावेश गरी २०२६ मा प्रथम र सन् २०३० मा दोश्रो वन व्यवस्थापन कार्ययोजना बनाइएको पाइन्छ ।

छुट्टै जिल्ला वन कार्यालयको रुपमा स्थापना पश्चात् वन जंगलको विकास, संरक्षण, संवर्धन र सदुपयोगका लागि वन व्यवस्थापन कार्ययोजना तयार गरि प्रभावकारी रुपमा कार्य संचालन गर्नुपर्ने भनि २०४५।६।२६ मा वन कार्ययोजना तर्जुमा संबन्धि गोष्ठीद्वारा पारित मस्यौदा पत्र बमोजिम यस जिल्लामा ५ वर्षे वन व्यवस्थापन कार्ययोजना तयार गर्ने क्रम सुरु भएको पाइन्छ । जस अनुसार २०४५।०।४६ देखि २०४९।०।५० सम्मका लागि पहिलो पञ्चवर्षिय वन कार्ययोजना तयार भएको र २०५१।०।५२ देखि २०५५।०।५६ सम्म दोश्रो ५ वर्षे वन कार्ययोजना तयार गरि कार्यान्वयनमा ल्याइएको थियो ।

उपरोक्त दुइ कार्ययोजनाको अलावा जिल्लाको सबै वन संपदालाई उत्पादन क्षमता र व्यवस्थापन जिम्मेवारीका आधारमा वर्गिकरण गरी व्यवस्थापन गर्दै जाने अभिप्रायले आ.व. २०५२।०।५३ देखि २०५६।०।५७ सम्मका लागि वन अनुसन्धान तथा सर्भेक्षण केन्द्रको सहयोगमा ५ वर्षे वन व्यवस्थापन कार्ययोजना (Operational Forest Management Plan) तयार गरि वन विभागद्वारा स्वीकृत भइ केही कार्यक्रमहरु संचालन भएतापनि कार्ययोजनाले अपेक्षा गरे अनुसारको वन व्यवस्थापन हुन सकेन ।

त्यसपछि आ.व. २०५६।०।५७ देखि २०६०।०।६१ सम्मका लागि ५ वर्षे कार्ययोजना तयार गरि स्वीकृतिको लागि वन विभागमा पठाइएको भए पनि स्वीकृत भइ प्राप्त भएन । आ. व. २०६०।०।६१ देखि ५ वर्षका लागि तयार गरिएको कार्ययोजना वन विभागको २०६०।०।१७ को विभागीय निर्णय अनुसार स्वीकृत भइ लागु भएको थियो । उक्त वन व्यवस्थापन योजना कार्यान्वयनको क्रममा सकृय वन व्यवस्थापनका कृयाकलापहरु नभएतापनि ढलापडा तथा सुख्खड खडा काठ संकलन, विभिन्न १७ वटा सामुदायिक वन समुह गठन तथा हस्तान्तरण र विभिन्न सरकारी, सामुदायिक, सार्वजनिक पर्ति तथा नदि उकास जग्गामा करिब ३०८ हे. क्षेत्रमा वृक्षरोपण र कोठी वन क्षेत्रमा १० कि.मि. वन पथ र १० कि.मी. अग्नी रेखा मर्मत संभार भएको थियो ।

आ.व. ०६५/०६६ देखि आ.व. ०६९/०७० सम्मको अवधिको लागि तयार भएको रुपन्देही जिल्लाको वन व्यवस्थापन कार्य योजना वन विभागको मिति २०६५/६/१२ को विभागीय निर्णयले स्वीकृत भइ कार्यान्वयनमा आयो । यस कार्ययोजना अवधीमा सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको १११८ हे. वन क्षेत्र लुम्बिनी साभेदारी वनको रुपमा उपभोक्ता समुह गठन, कार्ययोजना तयारी तथा स्विकृत भई १४.४ हे.

वन क्षेत्रमा बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन पद्धति अनुरूप व्यवस्थापन भएको, २५ गोटा सामुदायिक वन उपभोक्ता समुह गठन गरी ३२२९ हे. वन क्षेत्र सामुदायिक वनको रूपमा हस्तान्तरण भएको र दुईवटा सामुदायिक वनको बैज्ञानिक वन व्यवस्थापनको सिद्धान्तमा आधारित कार्ययोजना तयार भई कार्यान्वयन गरेको र भौतिक पूर्वाधार विकासतर्फ जिल्ला वन पैदावर आपूर्ति समिति मार्फत् जिल्ला वन कार्यालय कम्पाउण्डमा ३ कोठे कार्यालय भवन निर्माण भएको र शान्ति तथा पुर्न निर्माण मन्त्रालय मार्फत् २ वटा रे.पो. भवन (सालभण्डी र ठकुरापुर) निर्माण भएको थियो ।

आ.व. ०७०/०७१ देखि आ.व. ०७४/०७५ सम्मको कार्ययोजनाको समिक्षा

आ.व. ०७०/०७१ देखि आ.व. ०७४/०७५ सम्मको अवधिको लागि तयार भएको रुपन्देही जिल्लाको पञ्च वर्षिय वन व्यवस्थापन कार्य योजना वन विभागको मिति २०७०/९/२५ को विभागीय निर्णयले स्वीकृत भइ कार्यान्वयनमा आयो । यस कार्ययोजना अवधीको मुख्य मुख्य लक्ष्य तथा उपलब्धीहरुलाई निम्नानुसार तालिकामा देखाइएको छ ।

| सि.नं. | कृयाकलाप | इकाई | लक्ष्य | प्रगति |
|--------|--|-------------|--------|------------|
| १ | जिल्लाको पञ्चवर्षिय वन व्यवस्थापन योजना तयारी (आईई समेत) | गोटा | १ | १ |
| २ | अतिक्रमण हटाई व्यवस्थापन (वृक्षरोपण समेत) | हे. | १५० | १२८.१ |
| ३ | लुम्बिनी साभेदारी वनमा बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन (कार्ययोजना नविकरण) तथा योजना कार्यान्वयन | गोटा | १ | १ |
| ४ | देवदह साभेदारी वन समुह गठन, योजना तयारी तथा कार्यान्वयन | गोटा | १ | १ |
| ५ | भौतिक पूर्वाधार विकास (भवन निर्माण आपूर्ति समिति मार्फत्) | गोटा | ५ | ३ |
| ६ | सामुदायिक वन समुह गठन तथा हस्तान्तरण | गोटा | १० | १५ |
| ७ | सामुदायिक वन हस्तान्तरण (वन क्षेत्रफल) | हे. | १००० | १२८३.७६ |
| ८ | सा.व. कार्ययोजना नविकरण | गोटा | ६१ | ५३ |
| ९ | सामुदायिक वनमा बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन (कार्ययोजना तयारी र स्विकृति) | गोटा | २५ | १८ |
| १० | सामुदायिक वनमा बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन योजना कार्यान्वयन | गोटा | २५ | २० |
| ११ | विरुवा उत्पादन तथा वितरण (सरकारी, निजी र समुह मार्फत्) | गोटा हजारमा | ५२३० | ४८५० |
| १२ | सामुदायिक तथा सार्वजनिक जग्गामा वृक्षरोपण | हे. | १२५ | ४०५.१९ |
| १३ | काठ उत्पादन तथा वितरण (सबै निकाय मार्फत्) | घ.फि. | २३ लाख | १०६५३८६.७६ |
| १४ | दाउरा संकलन तथा विक्री वितरण (सबै निकाय) | चट्टा | ७२०० | २२४५.९४ |
| १५ | राजश्व (नेपाल सरकारको मात्र) संकलन | रु. हजार | २६५२०० | १५३३२८.९२ |

इ. कार्ययोजना तयार गर्दा अपनाइएको कार्यविधि

यो कार्ययोजना निर्माण गर्दा विगतमा यस अघि तयार भै व्यवहारिक रूपले कार्यान्वयन गर्न नसकिएका Operational Forest Management Plan (OFMP), 1995 र वन व्यवस्थापन कार्य योजनाहरुको अनुभव, वर्तमान कार्य पद्धति र कार्य क्षमतालाई आधार मानिएको छ । जिल्ला वन क्षेत्रगत योजना २०६५ ले निर्दिष्ट गरेका र कार्यक्रममा समेटिनु पर्ने भनि औल्याईएका पक्षहरु, जिल्लामा कार्यरत प्राविधिक कर्मचारीहरुको अनुभव, जिल्लास्थित अन्य सरोकाकारवाला व्यक्ति संघ संस्थाहरुको सुझाव समेतलाई आधार मानी तयार गरिएको यो ५ वर्षे कार्ययोजनामा जिल्लाको वस्तुस्थिती, भू-उपयोगिता, वन श्रोतको सर्वेक्षण तथा विश्लेषण, वन विकासका पूर्वाधारहरु, जिल्लाको आगामी ५ वर्षको कार्ययोजना एवं यसको

सबल कार्यान्वयनको लागि आवश्यक अनुगमनका पक्षहरूलाई समेत समेटी तयार गरिएको छ । यस कार्ययोजना व्यवहारिक, तथ्यपरक भई सही कार्यान्वयनबाट नमूनाको रूपमा स्थापित हुनेछ । यस कार्ययोजनाको ठोस कार्यान्वयनबाट मानवीय एवं वातावरणीय समुन्नतिका साथै प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक विकासको अपेक्षा गरिएको छ ।

विद्यमान निति ऐन नियम विश्लेषण

यो कार्ययोजना विद्यमान ऐन, नियम र नीतिको परिधिभित्र रही तयार गरिएको छ । खासगरी वन निति २०७१ र वन क्षेत्रको रणनिति २०७२, चौधौं योजना (२०७४- २०७६) का साथै विद्यमान वन ऐन २०४९, वन नियमावली २०५१, वातावरण संरक्षण ऐन २०५३ तथा यसको नियममावली २०५४, साइटिस ऐन २०७३, चुरे संरक्षण गुरुयोजना २०७४, विभिन्न अन्तरराष्ट्रिय सन्धि सम्झौताहरू विचार गरी ती निति योजनाहरूले लिएका उद्देश्य समेतलाई ख्याल गरी कार्यक्रमहरू तय गरिएकाले यसको प्रभावकारी कार्यान्वयनबाट ठोस उपलब्धी हासिल गर्न सकिने अपेक्षा राखिएको छ ।

कार्ययोजनाको प्रारूप (खाका)

यो कार्ययोजनाको प्रस्तुतिकरण वन विभागबाट स्विकृत कार्यसुचि २०७४ को आधारमा तयार गरिएकोछ । जसअनुसार पहिलो भागमा जिल्लाको परिचय अन्तरगत जिल्लाको भौतिक र जैविक विवरणका साथसाथै आर्थिक, सामाजिक, साँस्कृतिक र ऐतिहासिक विवरण भल्काईएको छ । यसै भागमा पूर्वाधारहरू अन्तरगत जिल्ला वन कार्यालय रुपन्देहीले गरेका वन तथा वातावरण संबन्धि कार्यहरूलाई प्रस्तुत गरिएको छ । दोस्रो भागमा वन प्रजाति तथा वन्य जन्तुहरूको विवरण, वितरण तथा मौज्जात र संरक्षण सम्बन्धी विवरणहरू उल्लेख गरिएको छ । तेश्रो भागमा वनको सदुपयोग सम्बन्धी विवरणहरू समावेश गरिएको छ । यस भागमा वनको उत्पादन तथा वितरण योजना रहेको छ । खासगरी वन्य प्रजातिहरूको बजार, माग तथा आपूर्तिको अवस्था विश्लेषण, वन्य प्रजातिहरूको संकलन, विक्री तथा वितरण तरिका उल्लेख गरिएको छ । चौथो भाग वन व्यवस्थापन कार्ययोजना रहेको छ । यसमा वन तथा वातावरण सम्बन्धि कृयाकलापहरूलाई जिल्ला वन क्षेत्रगत योजनाले पहिचान गरेका विषयगत क्षेत्र समेटि प्रस्तुत गरिएको छ । यस कार्ययोजनाले जिल्लामा नीजि, जनसहभागिता, स्थानिय तह तथा सरकारी (संघिय/प्रादेशिक) निकाय मार्फत् दिगो रूपमा वनको व्यवस्थापन गरी सामाजिक न्यायको सिद्धान्त अनुसार आवश्यक वन पैदावारको सतत् आपूर्ति तथा आर्थिक अभिवृद्धि गरि जिविकोपार्जन सुधार गर्ने भन्ने दुरदृष्टि राखेको छ । यस भागमा वन विकास तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी विभिन्न १७ वटा उप शिर्षकहरूमा योजना तयार गरी प्रस्तुत गरिएको छ । पाँचौं भागमा कार्ययोजना कार्यान्वयन भए पश्चात्का उपलब्धीहरू उल्लेख गरिएको छ । कार्ययोजनाको अन्त्यमा सन्दर्भ सामग्री र विभिन्न अनुसूचीहरू राखिएको छ ।

तथ्यांक संकलन

यो योजना तयार गर्दा आवश्यक पर्ने स्थलगत तथ्यांक तथा सहायक तथ्यांक संकलनका लागि तल उल्लेखित विधिहरू अपनाईएको थियो ।

वन क्षेत्रको स्रोत सर्वेक्षण

रुपन्देही जिल्लामा तराईको समथर भु भागमा रहेको वन क्षेत्र सामुदायिक वन र साभेदारी वनको रूपमा व्यवस्थापन हुँदै आएको छ । सरकारद्वारा व्यवस्थित वन क्षेत्र चुरे क्षेत्रमा मात्र रहेको छ । सरकारद्वारा व्यवस्थित वन क्षेत्रको ०.१ प्रतिशत स्याम्पलिङ इन्टेन्सिटीको आधारमा स्रोत सर्वेक्षण कार्य गरीएको छ । तलको तालिका क र ख मा वन खण्डको नाम, क्षेत्रफल र नमूना प्लट संख्याको विवरण प्रस्तुत गरीएको छ । वन क्षेत्रको स्रोत सर्वेक्षण तथा तथ्यांक संकलनको लागी सिस्टेमेटिक पद्धतिबाट नमूना (sample

plot) लिने प्लटको छनौट गरिएको छ । जि.आइ.एस. को सहयोगमा वन क्षेत्रमा स्रोत सर्वेक्षण गर्ने विन्दुको पहिचान गरी नक्सामा अंकित गरियो र जिपिस को सहयोगले नक्सामा अंकित नमुना प्लट फिल्डमा पत्ता लगाइ त्यस प्लटमा पाईने विभिन्न प्रजाति अनुसार रुख, पोल, विरुवा र गैर काष्ठ वन पैदावार प्रजातिको नापजांच र वन डढेलो, चरिचरण तथा आवश्यक व्यवस्थापन कार्यको जानकारी लिइएको थियो ।

तालिका क : नमूना प्लटको विवरण

| सि.नं. | विरुवाको वर्गीकरण | वोट विरुवाको साइज | स्याम्पल प्लट |
|--------|-------------------|---|---------------|
| १ | रुख | छातीको उचाइमा ३० से.मि. वा सो भन्दा माथि व्यास भएको | २० X २५ |
| २ | बल्लाबल्ली | छातीको उचाइमा १० - २९.९ से.मि. व्यास भएको | १० X १० |
| ३ | पुनरूत्पादन | छातीको उचाइमा १ मिटर उचाइदेखि माथि १० से.मि. भन्दा | ५ X ५ |
| | (क) लाथ्रा | कम व्यास भएको । | |
| | (ख) विरुवा | ३० से.मि. देखि १०० से.मि. (१ मिटर) सम्म उचाइ भएको | ५ X २ |

तालिका ख : वन खण्डको नाम, क्षेत्रफल र नमूना प्लट संख्याको विवरण

| सि.नं. | वन क्षेत्र | क्षेत्रफल (हे) | स्याम्पलिङ इन्टेन्सिटी % | नमूना प्लट संख्या |
|--------|--------------|----------------|--------------------------|-------------------|
| १ | चुरे क्षेत्र | ५००० | ०.०७५ | ७५ |

फिल्ड निरीक्षण र भ्रमण एवं अनुगमन

जिल्लाको विभिन्न क्षेत्रहरूको फिल्ड निरीक्षण र भ्रमण एवं अनुगमनको सिलसिलामा प्राप्त तथ्याङ्कहरूलाई प्रयोगमा ल्याइएकोछ । फिल्ड स्तरमा रहेका मुख्य जानकारहरू, सरोकारहरू संग छलफल गरि श्रोतहरूको अवस्था वारे तथ्याङ्क संकलन गरिएको छ ।

सेक्टर स्तरीय गोष्ठी

शितलनगर सेक्टर वन कार्यालय अन्तरगत र वुटवल सेक्टर वन कार्यालय अन्तरगत गरि २ वटा सेक्टर स्तरीय गोष्ठी संचालन गरि प्राप्त सुझावलाई समेट्ने प्रयास गरिएको छ । यी गोष्ठीमा मुख्यतया ५ वटा विषयगत क्षेत्रहरू संग सम्बन्धित विषयहरूमा छलफल भएको थियो । गोष्ठीमा सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहका सदस्यहरू, वन क्षेत्रमा कार्यरत गैह्र सरकारी संघ संस्थाहरू, वन पैदावर व्यवसायी, स्थानीय जनप्रतिनिधी तथा राजनैतिक दलका प्रतिनिधी, निजी वन धनीहरू, जि.व.का.का फिल्ड कर्मचारीहरू एवं स्थानीय व्यक्तिहरूको सहभागिता रहेको थियो ।

लक्षित समुह छलफल

कार्ययोजना तयारीको क्रममा निम्न ५ वटा वन व्यवस्थापन संग सरोकारवाला समुहहरूको सुझावलाई समेटिएको छ ।

- वनको बैज्ञानिक एवं दिगो व्यवस्थापन
- गैह्रकाष्ठ वनपैदावार तथा वन उद्यम
- सिमसार संरक्षण, व्यवस्थापन तथा आयआर्जन
- निजी तथा सार्वजनिक जग्गामा वन विकास तथा व्यवस्थापन
- वन, वातावरण तथा जैविक विविधता संरक्षण

सहायक तथ्यांक संकलन विधि

वन क्षेत्र सम्बन्धि तथ्याङ्कहरू इलाका स्तरीय, सेक्टर प्रोफाइलहरू, जि.व.का. मा रहेका प्रतिवेदनहरू, लगायत जिल्लामा उपलब्ध अन्य विषयगत तथ्याङ्क प्रकाशन सामग्रीहरू, भू-उपयोग नक्साहरू आदिको प्रयोग गरिएको छ । यसको साथै जि.व.का.मा स्विकृत भई लागु भएका पुर्व प्रारम्भिक वातावरण परिक्षण प्रतिवेदनहरू, कार्ययोजनाहरू, विगतका वर्षहरूमा जि.व.का.बाट संचालन भएका वन विकासका कामहरू सम्बन्धी तथ्याङ्कहरू, विगतका वर्षहरूमा जि.व.का.बाट उत्पादन तथा बिक्री भएका काठ, दाउरा, ढुंगा, गिट्टी, बालुवा सम्बन्धी तथ्याङ्कहरू आदिबाट तथ्याङ्कहरू संकलन गरिएको छ । वन संग संबन्धित विद्यमान नीति, ऐन, नियम, निर्देशिकाहरू, चालु त्रिबर्षिय योजना र जिल्ला वन क्षेत्रगत योजनाहरू पुनरावलोकन गरिएको छ ।

तथ्याङ्कको विश्लेषण विधि

- नक्सा खप्त्याउने विधि, जि.आई.एस प्रविधि प्रयोग गरि नक्सा तयारी तथा नक्सा विश्लेषण गरि तथ्याङ्क संकलन गरिएको ।
- वातावरणको क्षेत्रसंग सम्बन्धित नीति, कानून, रणनीति एवं मापदण्डलाई विचार गरिएको ।
- वन क्षेत्रको मौज्जात विश्लेषणमा सामुदायिक वनको श्रोत सर्वेक्षण निदेशिका (परिमार्जित) २०६१ बमोजिम विश्लेषण गरिएको ।
- ढुंगा, गिट्टी संकलनमा विगतका वर्षमा संकलन गरिएको परिमाणलाई आधार बनाइएको ।

ई. सिमितता

- मौजुदा वनको अवस्थाको लागि संपूर्ण स्थलगत तथ्यांकहरू प्राप्त गर्न यथेष्ट स्रोत साधनको अभाव भएकाले नमुना प्लट स्थापना गर्दा न्युन स्याम्पलिंग इन्टेन्सीटी लिई सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको मात्र स्थलगत सर्वेक्षण गरिएको । सामुदायिक र साभेदारी वनको हकमा सम्बन्धीत वनको कार्ययोजनामा उल्लेखित विवरणहरूलाई आधार बनाई तथ्यांक संकलन एवं विश्लेषण गरिएको ।
- जैविक विविधता संबन्धि आधारभुत तथ्यांकको अभाव रहेको ।
- उपलब्ध तथ्यांकहरूमा एकरूपता नभएकाले विप्लेषणमा केही कठिनाई परेको ।

भाग १

जिल्लाको सामान्य परिचय

१.१ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा राजनीतिक विभाजन

१.१.१ जिल्लाको सामान्य इतिहास तथा मुख्य विशेषताहरु

रुपन्देही जिल्ला प्राचीन शाक्य, कोलिय (६०० इसा पूर्व) कविलत राज्यको कर्म थलोको रूपमा चिनिन्छ। शाक्य कूलमा ५६३ इसा पूर्व सिद्धार्थ गौतमको यही जिल्लाको लुम्बिनीमा जन्म भएको हो। यस जिल्लाको नामाकरण समेत भगवान गौतम बुद्ध संग जोडिएको छ। गौतम बुद्धको आमा माया देवी यसै जिल्ला देवदहको भवानीपूरमा जन्मिएकी थिइन। उनी अत्यन्त सुन्दरी भएकोले उनलाई रुपिदेवी भनिन्थ्यो र त्यही शब्द रुपिदेवीवाट रुपन्देही र रुपन्देही भएको हो भन्ने भनाई छ। राजा शुद्धोधनको रानी मायादेवी कोलिय राजकन्या रुपादेवी थिइन। शाक्यहरु र कोलियहरुको आवतजावत गर्ने मार्गमा विश्राम स्थलको रूपमा रहेको एउटा वगैचाको नाम यीनै रानीको नामवाट रुपादेवी राखियो। कालान्तरमा उक्त शब्द अपभ्रम्स हुदै रुम्बिनी देई, रुमिनी देई हुदै लुम्बिनी र यसैवाट रुपन्देही जिल्लाको नाम रहेको सुन्नमा पाइन्छ। यसरी बनेको लुम्बिनी गाउँ आज पनि दक्षिण पश्चिम रुपन्देहीमा अवस्थित छ।

सामाजिक विभेद वा जातिय विभेद, हिंसा र बली असत्यको विरोध सम्बन्धि बुद्ध दर्शन प्रतिपादक भूमि लुम्बिनी नेपालको सार्वभौमिकता बचाउनु अंग्रेज साम्राज्यवादी विरुद्ध विजय प्राप्त गरेको यही जिल्लाको बु.न.पा.मा रहेको जीतगढी किल्लानिर नेपाली समाजको ऐतिहासिक गौरव गाथा बोकेको ठाउँ यस जिल्लाको प्राप्त कालिन मानव सभ्यताको इतिहास अलिखित भए पनि मानव पुर्खा १ करोड १० लाख वर्ष पुरानो नर वानरको दाँत भेटिएको चुरे श्रृंखलाको काखमा रहेको जिल्ला जसले प्राचिन प्रातः कालिन मानव सभ्यताको विकासको ऐतिहासिक प्रमाणीकता बोकेको छ। यसरी ऐतिहासिक निधी गौतम बुद्ध, विश्व संपदा सूचिकृत लुम्बिनी क्षेत्र, गौरव गाथा बोकेको जीतगढी किल्ला र प्राप्त ऐतिहासिक मानव सभ्यताको प्रतिक मानव पुर्खा, बुटवल पिथेकस, (रामापिथेकस) ऐतिहासिक जिल्ला रुपन्देही नेपाल र नेपालीको मात्र नभै भ्रण्डै असी करोड बुद्धमार्गीहरु र इतिहास, दर्शन र प्राकृतिक ज्ञानका आकांक्षी विश्व मानव समुदायको आकर्षणको जिल्ला बनेको छ।

१.१.२ जिल्लाको सिमाना

यस जिल्लाको सिमाना निम्न बमोजिम रहेको छ।

| | |
|--------|--|
| पूर्व | :- नवलपरासी (दाउन्ने सुस्ता पश्चिम) जिल्ला |
| पश्चिम | :- कपिलवस्तु जिल्ला (कोठिखोलाको सिमाना) |
| उत्तर | :- पाल्पा र अर्घाखाँची जिल्ला (चुरियाको पानी ढल) |
| दक्षिण | :- भारत उत्तर प्रदेशको महाराजगञ्ज जिल्ला। |

१.१.३ राजनीतिक विभाजन

यस जिल्लालाई राजनीतिक विभाजन अनुसार ५ प्रतिनिधीसभा निर्वाचन क्षेत्र, तथा १० प्रदेश सभा निर्वाचन क्षेत्रमा विभाजन गरिएको छ। यस जिल्लामा एक वटा उपमहानगरपालिका (बुटवल) पाँच वटा

नगरपालिका (देवदह, सैनामैना, तिलोत्तमा, लुम्बिनी सांस्कृतिक र सिद्धार्थनगर) तथा १० वटा गाउँपालिका (सुद्धोदन, सियारी, कञ्चन, गैडहवा, ओमसतिया, मायादेवी, रोहिणी, समरीमाई, मर्चवारी र कोटहीमाई) रहेका छन् । यस जिल्लाको जिल्ला सदरमुकाम सिद्धार्थनगर (भैरहवा) मा रहेको छ भने पाँच नम्बर प्रदेशको अस्थायी राजधानीको लागी बुटवल तोकिएको छ ।

१.१.४ सामाजिक तथा आर्थिक अवस्था

१.१.४.१ जनसंख्या

वि.सं. २०६८ को जनगणना अनुसार यस जिल्लाको कुल जनसंख्या ८,८०,१९६ रहेको छ । जसमध्ये पुरुष ४,३२,१९३ (४९.१ %) र महिला ४,४८,००३ (५०.९ %) रहेको छ । यस जिल्लाको जम्मा घरधुरी १,६३,९१६ रहेको छ भने जिल्लाको औसत ५.३७ प्रति परिवार, जनघनत्व ६४७ प्रति वर्ग कि.मि. र जनसंख्या वृद्धिदर २.१७ प्रतिशत रहेको छ । रुपन्देही जिल्ला जनसंख्याको दृष्टिकोणबाट नेपालको तेस्रो ठुलो जिल्ला हो । यस जिल्लाको साक्षरता प्रतिशत ६९.७८ प्रतिशत रहेको छ ।

१.१.४.२ जातजाति, धर्म, भाषा र पेशा

यस जिल्लामा बसोबास गर्ने जनसंख्याको जातजाति धर्म, मातृभाषा र पेशा तालिका १.१ मा दिइएको छ ।

तालिका १.१ : रुपन्देही जिल्लाको जातजाति, भाषाभाषी, धर्म र पेशाको विवरण (प्रतिशतमा)

| जातजाति* | भाषाभाषी* | धर्म** | पेशा* | | | | | |
|----------|-----------|---------|-------|--------|-------|--------------|-------|-------|
| ब्राह्मण | १५.१९ | अवधी | ५०.७७ | हिन्दु | ८६.२३ | पेशा | पुरुष | महिला |
| थारु | १०.५७ | नेपाली | ३४.५७ | इस्लाम | ८.२२ | कृषि | ८७.७ | ९२.४ |
| मुस्लिम | ८.८७ | थारु | ६.३२ | बौद्ध | ४.६ | सरकारी नोकरी | ३.१ | ०.९ |
| मगर | ८.७८ | मगर | ३.३३ | अन्य | १ | | | |
| यादव | ७.६९ | गुरुङ्ग | १.३९ | | | व्यापार | २.० | १.३ |
| क्षेत्री | ५.८१ | अन्य | ३.६२ | | | अन्य | ७.२ | ५.४ |
| अन्य | ४३.०९ | | | | | | | |

स्रोत : * जिल्ला वस्तुगत विवरण २०६४, शाखा तथ्यांक कार्यालय, कपिलवस्तु, २०६४

** राष्ट्रिय जनगणना २०६८ को संक्षिप्त प्रतिवेदन, केन्द्रिय तथ्यांक विभाग, २०६९

१.१.४.३ बसाई सराई

भौतिक पूर्वाधारले सम्पन्न तथा तराईको विकशित जिल्ला मध्ये एक भएकाले रुपन्देही जिल्लामा बसाई सराईको अत्यधिक चाप रहेको छ । धेरै पहिले देखिनै गुल्मी, पाल्पा, अर्घाखाँची, स्याङ्गा, पर्वत, बाग्लुङ्ग जस्ता जिल्लाबाट यस जिल्लामा बसाई सरि आउने क्रम सुरुभएकोमा आजसम्म पनि यो क्रम जारी छ । भारतको उत्तर प्रदेशबाट पनि व्यापारिक उद्देश्यले आएका मानिसहरु, हाल नेपाल भारत दुवैतर्फ बसोबास गर्ने गरेको पाइन्छ । सुखी जीवन तथा सम्पन्नताको खोजीमा द्रुत गतिमा पहाडबाट तराई भर्ने मानिसको कारणले गर्दा धेरै जसो वनक्षेत्र खेतियोग्य जमिनमा परिणत भइसकेको छ भने ग्रामिण क्षेत्र पनि शहरमा परिणत हुँदै छन् । पहाडबाट तराई भरेर बसोबास गर्नेहरुलाई पहाडिया भन्ने गरिन्छ । यिनीहरुको बस्ति जिल्लाको उत्तरी भेगमा वनक्षेत्रसंग जोडिएर रहेको छ ।

१.१.५ प्रमुख धार्मिक तथा पर्यटकीय स्थलहरू

यस जिल्लामा विश्व सम्पदा सुचिमा सुचिकृत गौतम बुद्धको जन्मस्थल लुम्बिनी क्षेत्र रहेको छ। जिल्लाको प्रमुख धार्मिक तथा पर्यटकीय स्थलहरूमा लुम्बिनी, मणिमुकुन्द सेनको दरवार, फुलवारी उद्यान, देवदह (बुद्धको मावली गाउँ), नन्द भाउजु ताल (चिल्हिया), जितगढी किल्ला (बुटवल), गैडहवा ताल (विष्णुपुरा), प्रकटेश्वर महादेव (गोनाहा), मर्चवारी देवी (बोगडी), पर्रोहा परमेश्वर बोलवम धाम, सैनामैना ऐतिहासिक स्थल (पर्रोहा), राजापानी (सालभण्डी), सिद्धवावा धाम (बुटवल), अजम रामजानकी मन्दिर (वभनी), कन्यामाई र बैरीमाई, कालिदह, कुमारवर्ती माई, कृष्णेश्वर महादेव (बुटवल), गणेश मन्दिर (छिपागढ), चञ्चाइ माई (विष्णुपुरा), जलविनायक (बुटवल), नरेश्वर महादेव मन्दिर, नारायण मन्दिर (बुटवल), नारायण मन्दिर (सिद्धार्थनगर), मन्ठधारी वावा र काली माई (विष्णुपुरा), रंगमहल (बुटवल), शिवालय मन्दिर (वसडिलवा), सतीया माई (पट्खौली) आदि।

१.२ भौगोलिक अवस्था तथा बनौट

नेपालको प्रदेश नं. ५ को तराईमा पर्ने रुपन्देही जिल्ला २७° २०' – २७° ४५' उत्तरी अक्षांस र ८३° १०' – ८३° ३०' पूर्वी देशान्तरमा रहेको छ। यो जिल्ला समुन्द्र सतहदेखि १०० मिटर उचाइको तराईको समथर मैदान देखि १२१९ मिटर उचाइको चुरे पहाडसम्म फैलिएको छ। यस जिल्लाको कुल क्षेत्रफल १३०,६२१ हेक्टर रहेको छ। यस जिल्लाको कुल क्षेत्रफलको लगभग १३ प्रतिशत क्षेत्र चुरे क्षेत्रमा पर्दछ। जिल्लाको भू उपयोग सहितको अवस्थिति देखाउने नक्शा अनुसूची १.२ मा राखिएको छ।

१.३ जियोलोजी (खनिज, चट्टान र माटो) तथा भू बनौट

यस रुपन्देही जिल्लाको जियोलोजिकल वनावटलाई हेर्दा यसको उत्तरमा सिवालिक (चुरे) पहाड छ भने दक्षिणमा माटो थुपेर बनेको समथर मैदान (Alluvial Plain) रहेको छ। सिवालिक क्षेत्र Sandstone, siltstone, shale, conglomerate जस्ता tertiary rocks ले बनेको छ। यो क्षेत्र अति कमलो भएकाले भू-क्षयको दृष्टिकोणले अति संवेदनशील छ। यसलाई पहाडहरूमा सबभन्दा पछि बनेको मानिन्छ। भू-उपयोगिता सर्भेक्षण प्रतिवेदन २०३१ अनुसार चुरेतर्फ loamy sand देखि silty clay loamy / sandy clay loamy तथा तराई क्षेत्रमा नदिले बगाएर ल्याइ थुपारिएर बनेको माटो (Alluvial plain) पाइन्छ। दक्षिणी तराईमा भन्दा उत्तरी तराईमा पानीको तह (water table) जमिनको सतहभन्दा धेरै गहिराईमा रहेको छ।

हिमालय पहाडको तल्लो तथा बाहिरी भागमा रहेको सिवालिकको माथिल्लो पहाडी भाग खस्रो, रुखो तथा अति भिरालो तथा चट्टानै चट्टानले बनेको छ भने फेदी (Foothills) कम भिरालो तथा केहि हदसम्म खेतियोग्य रहेको छ। सिवालिकको फेददेखि भारतको सिमानासम्मको तराईको समथर मैदानी भाग खेतियोग्य उर्वर भूमिको रूपमा परिचित भएतापनि अत्यधिक जनसंख्याको चापले गर्दा कमश वन विनास हुन गई माटोको उर्वराशक्ति घट्दै गएको कृषि उत्पादनमा समेत हासआएको महसुस गरिएको छ।

१.४ जलवायु तथा वर्षा

उष्ण र उपोष्ण प्रकृतिको (Tropical and sub-tropical) हावापानी भएको रुपन्देही जिल्लाको औसत अधिकतम तापक्रम ३६.१३ डिग्री सेल्सियस तथा औसत न्यूनतम तापक्रम २२.५ डिग्री सेल्सियसका बिचमा रहने गरेको छ भने जेठ-असार महिनामा अत्यधिक गर्मी भइ तापक्रम ४५.२ डिग्री सेल्सियस रेकर्ड गरिएको छ। मुख्य गरी असार देखि असौज महिनासम्म वर्षात हुने यस जिल्लामा औसत वार्षिक वर्षा २२२० मिलीमिटर रहेको छ। चैत्र महिनामा कहिलेकाहीँ तातो हावा “लु” चल्ने गर्दछ भने पुष / माघ महिनामा सितलहर चल्दा न्यूनतम तापक्रम २ डिग्री सेल्सियस सम्म मापन भएको छ।

१.५ जल सम्पदा

रुपन्देही जिल्ला भएर बग्ने प्रमुख नदीहरूमा पाल्पा जिल्लामा मुहान रहेको तिनाउ नदी प्रमुख हो जुन रुपन्देही जिल्लामा प्रवेश गरेपछि पुनः तिनाउ तथा दानव नदीका नामले दुइतिर बाँडिएर बग्ने गर्दछ । अन्य नदीहरूमा रोहीणी, कोठी, कञ्चन, डण्डा, सुखौरा, कजरार, इन्गुरिया, घोडाहा, वगेला, कोइली, भाङ्ग, पहिला, जवइ आदि रहेका छन् ।

यस जिल्लामा रहेका तालहरूमा गैडहवा ताल (गैडहवा गा.पा., विष्णुपुरा) प्रमुख हो जुन संरक्षण ताथ सिमसार सुचिमा सुचिकृतको पर्खाइमा छ भने अन्य तालहरूमा नन्दभाउजु ताल (सियारी गा.पा., चिन्हीया), दानापुर ताल (कञ्चन गा.पा., गजेडी), बढ्की र कर्महवा ताल (गैडहवा गा.पा., सुर्यपुरा), पोखरा ताल (रोहीणी गा.पा., छोट्की रामनगर), आदि रहेका छन् । जिल्लाको जलाधार क्षेत्र तथा ताल देखिने नक्शा अनुसुची १.४ मा राखिएको छ ।

भूमिगत जलश्रोतलाई हेर्दा यस जिल्लाको ओमसतिया, सियारी, मायादेवी गाउपालिका र सिद्धार्थनगर नगरपालिका लगायतका केही स्थानहरूमा जमीनको सतहबाट ५० फिट देखि १०० फिट सम्ममा आर्टिजन श्रोत फेला पार्न सकिन्छ भने अन्य स्थानहरूमा आर्टिजन श्रोतकोलागि २०० फिट भन्दा बढी गहिराइमा पुग्न पर्ने हुन्छ । यस जिल्लाको अधिकांश जनताले भूमिगत जललाई खानेपानीको श्रोतको रूपमा प्रयोग गरेका छन् ।

१.६ भौतिक पूर्वाधारहरू

१.६.१ यातायात र संचार

रुपन्देही जिल्ला तराईको अत्यधिक जनसंख्याको चाप भएको तथा विकासका पूर्वाधारहरूले सम्पन्न विकसित जिल्ला मध्ये एक हो । हवाई र सडक यातायात यहाँका प्रमुख सवारी साधन हुन् । गौतम बुद्ध विमानस्थल यस जिल्लाको एक मात्र विमानस्थल हो । यस विमानस्थललाई आवश्यक पूर्वाधार विकास गरी अन्तर्राष्ट्रिय क्षेत्रीय विमानस्थलको रूपमा विकास गर्ने कार्यको थालनी भएको छ । हाल यस विमानस्थल देखि दैनिक काठमाण्डौं उडान हुने गर्दछ । सिवालिकको फेदी हुँदै निर्मित पूर्व पश्चिम लोकमार्गले यस जिल्लाको पूर्व पश्चिम छिचलेको छ । यसै राजमार्गमा वुटवल उपमहानगरपालिका समेत पर्दछ । दक्षिणमा भारतीय सिमाना वेलहिया सुनौली र सिद्धार्थनगर नगरपालिका हुँदै सिद्धार्थ राजमार्गले उत्तर दक्षिण छिचलेको छ । सिद्धार्थनगर नगरपालिका हुँदै हुलाकी सडकले पूर्व पश्चिम छिचलेको छ । यस जिल्लामा ३९२ कि.मि. कालोपत्रे सडक, ६४ कि.मी. ओटासिल सडक, ९७५ कि.मि. ग्राभेल सडक, १२२ कि.मि. कच्ची सडक रहेको छ । यस जिल्लाको सबै गाउपालिका तथा नगरपालिकाहरूमा यातायात र संचार पुगेको छ । प्रयाप्त मात्रामा हुलाक सुविधा र टेलिफोनतर्फ Land line, Fibre line, Namaste mobile, CDMA, NCELL संचालनमा छन् । यस जिल्लामा हाल १२ वटा एफ. एम. रेडियो स्टेशनहरू संचालनमा छन् भने यस जिल्लाबाट १० वटा दैनिक, २ वटा अर्धसाप्ताहिक, १७ वटा साप्ताहिक, ७ वटा पाक्षिक र दुइवटा मासिक पत्रिका प्रकाशित हुन्छ ।

१.६.२ जिल्ला वन कार्यालयको भौतिक सम्पत्ति

वन तथा भू-संरक्षण मंत्रालयको संगठनात्मक स्वरूप २०५० अनुसार रुपन्देही जिल्लालाई ख वर्गको जिल्लामा वर्गिकरण गरिएको र सोही अनुसार यस जिल्लामा २ वटा ईलाका वन कार्यालय र १२ वटा रेञ्जपोष्ट रहेकामा २०७० मा भएको संगठन पुर्नसंरचना बमोजिम इलाका वन कार्यालयलाई सेक्टर वन कार्यालय र रेञ्जपोष्टलाई इलाका वन कार्यालयको रूपमा नामाकरण गरिएको छ भने संख्या यथावत नै रहेको छ । त्यस्तै वन कार्यालयको भौतिक पूर्वाधारहरूमा सवारी साधन तर्फ हाल एउटा मात्र पिक अप गाडी संचालनमा रहेको छ भने एकवटा गाडी दुर्घटनामा परेर मर्मतको पर्खाईमा रहेको छ । त्यसैगरी चारवटा मोटर साइकल चालु हालतमा (आपूर्ति समितिको समेत) र एकवटा मर्मत गर्नुपर्ने अवस्थामा रहेको छ । जिल्ला वन कार्यालय र अन्तर्गतका भवनहरूको वर्तमान अवस्था तालिका १.२, जग्गा जमिनको विवरण तालिका १.३ र अन्य उपकरणको विवरण तालिका १.४ मा उल्लेख गरिएको छ ।

| तालिका १.२: भवनको अवस्था | | | | | |
|--------------------------|-------------------|--------------|-------------------------|---|--|
| सि नं | भवन | स्थान | विवरण | अवस्था | कैफियत |
| १ | जि व का भवन | बसन्तपुर | पुरानो २ | जिर्ण | एक वटा आपूर्ति समिति बाट निर्माण भएको |
| २ | जि व अ निवास | बसन्तपुर | पुरानो १ | जिर्ण | मरमत गर्नुपर्ने |
| | | | नयाँ १ | राम्रो | आपूर्ति समितिबाट निर्माण भएको |
| ३ | स व अ निवास | बसन्तपुर | पुरानो १ | जिर्ण | मरमत गर्नुपर्ने |
| ४ | स व र क्याम्प | बसन्तपुर | पुरानो १ | जिर्ण | मरमत गर्नुपर्ने |
| | | | नयाँ १ | राम्रो | आपूर्ति समितिबाट नयाँ भवन निर्माण भएको |
| ५ | शितलनगर से व का | शितलनगर | पुरानो १ | ठिकै | मरमत गर्नुपर्ने |
| ६ | शितलनगर इ.व.का. | शितलनगर | पुरानो १ | ठिकै | मरमत गर्नुपर्ने |
| ७ | भलुहि इ.व.का. | भलुही | पुरानो १ | ठिकै | मरमत गर्नुपर्ने |
| ८ | शिवनगर इ.व.का. | वुटवल-९ | नभएको | | वनाउनुपर्ने |
| ९ | शंकरनगर इ.व.का. | शंकरनगर | नभएको | | वनाउनुपर्ने |
| १० | धकधई इ.व.का. | धकधई | द्वन्दकालमा क्षतिग्रस्त | जिर्ण | वनाउनुपर्ने |
| ११ | चिल्लीया इ.व.का. | सिद्धार्थनगर | पुरानो १ | ठिकै | मरमत गर्नुपर्ने |
| | | | नयाँ १ | राम्रो | आपूर्ति समितिबाट निर्माणाधिन |
| १२ | वुटवल से. व का | वुटवल | पुरानो १ | ठिकै | मरमत गर्नु पर्ने |
| १३ | स. व. अ. निवास | वुटवल | पुरानो २ | ठिकै | मरमत गर्नु पर्ने |
| १४ | तामनगर इ.व.का. | वुटवल-१२ | नभएको | | वनाउनुपर्ने |
| १५ | परोहा इ.व.का. | सैनामैना | नभएको | | वनाउनुपर्ने |
| १६ | बाँसगढी इ.व.का. | सैनामैना | नभएको | | वनाउनुपर्ने |
| १७ | बाँसगढी स व र भवन | दुधराक्ष | द्वन्दकालमा क्षतिग्रस्त | भत्किएको | मरमत गर्नुपर्ने |
| १८ | सालभण्डी इ.व.का. | सैनामैना | नयाँ १ | शान्ति तथा पुर्न निर्माण मन्त्रालयबाट निर्माण भई हस्तान्तरण नभएको | |
| १९ | ठकुरापुर इ.व.का. | गौडहवा | नयाँ १ | | |
| २० | भैसाही इ.व.का. | कञ्चन | पुरानो १ | ठिकै | मरमत गर्नुपर्ने |
| २१ | राजमार्ग चेकपोष्ट | वुटवल | नभएको | | वनाउनुपर्ने |
| २२ | भन्सार चेकपोष्ट | वेलहिया | नभएको | | वनाउनुपर्ने |

श्रोत : जिल्ला वन कार्यालय, रुपन्देही

तालिका नं. १.३ जि.व.का. रुपन्देहीको नाममा रहेको जग्गाको विवरण

| सि नं | क्षेत्र | ठेगाना, नक्सा सिट | क्षेत्रफल | कित्ता नं. | कैफियत |
|-------|-----------------------------|-------------------|----------------------|--------------|--|
| १ | जि.व.का.को कार्यालय क्षेत्र | बसन्तपुर ढक | ३-१४-९ | २४१ | |
| २ | चिन्हिया इ.व.का. | सि. न.पा. ७क | ०-४-१३.५ ०-४-८.७५ | ४०६६ ४०६७ | |
| ३ | बुटवल से.व.का. | बुटवल न.पा. ढख | ३-१५-१० २-१०-० | १८ २० | |
| ४ | केरवानी | केरवानी ७क | ०-५-० | ९०० | देवदह आदर्श बहुमुखी क्याम्पस देवदह ७ लाई देवदह ५ को वन क्षेत्र नेपाल सरकार म.प.को ०६८।९।१२ को निर्णयबाट उपलब्ध गराएकोमा सो को सट्टा भर्ना बापत प्राप्त । |

श्रोत : जि.व.का. रुपन्देहीको रेकर्ड २०७५ अनुसार

| तालिका १.४ : अन्य उपकरणको विवरण | | | | |
|---------------------------------|----------------|------|--------|---------------------------------|
| क्र.सं. | विवरण | इकाई | परिमाण | कैफियत |
| १ | कम्प्युटर | वटा | १४ | |
| २ | ल्यापटप | वटा | ८ | |
| ३ | प्रिन्टर | वटा | १० | |
| ४ | फोटोकपी | वटा | २ | १ थान काम नलाग्ने |
| ५ | डिजिटल क्यामरा | वटा | ५ | |
| ६ | जि.पि.एस. | वटा | ४० | केही विग्रिएका |
| ७ | गाडी | वटा | ७ | १ वटा चालु ५ वटा लिलाम गनुपर्ने |
| ८ | मोटरसाईकल | वटा | ७ | ५ वटा मात्र चालु हालतको |
| ९ | मल्टीमिडिया | वटा | ४ | |
| १० | स्क्यानर | वटा | २ | |
| ११ | टेलीफोन | वटा | २ | |
| १२ | फ्याक्स | वटा | १ | |
| १३ | टाइपराइटर | वटा | १ | |

श्रोत : जि.व.का. रुपन्देहीको रेकर्ड २०७५ अनुसार

१.७ भू उपयोगिता

यस जिल्लाको भू उपयोगिता नक्शा अनुसूची १.२ मा र विवरण तालिका १.५ अनुसार रहेको छ । यसरी हेर्दा कृषि क्षेत्रले यस जिल्लाको करिब ६८ प्रतिशत भु भाग ओगटेको छ । वनले ढाकेको क्षेत्रफल करिब २० प्रतिशत रहेको देखिन्छ ।

१.८ अन्य क्षेत्रको लागि उपलब्ध गराइएको वनको विवरण

जिल्ला वन कार्यालय र वन तथा वातावरण मन्त्रालयबाट प्रकाशित प्रतिवेदनको आधारमा यस जिल्लाको २८ स्थानमा रहेको वन क्षेत्रको १८४६.९८ हेक्टर वन क्षेत्र नेपाल सरकारको निर्णयबाट अन्य क्षेत्रको लागि उपलब्ध गराइएको छ । यसको विस्तृत विवरण अनुसूची ९ दिइएको छ ।

तालिका १.५: जिल्लाको भू उपयोगिता विवरण

| सि नं | भू-उपयोगिता | क्षेत्रफल | |
|-------|---------------------------------|---------------|--------------|
| | | हेक्टर | प्रतिशत |
| १ | कृषि क्षेत्र | ८९५५९ | ६८.५६ |
| २ | वन क्षेत्र | ३३,८५४ | २५.९१ |
| | क. वन | २५,१०५ | १९.२१ |
| | ख. भाडी बुट्यान | ४०३ | ०.३० |
| | ग. अतिक्रमण भएको वन क्षेत्र | ८,३४६ | ६.३८ |
| ३ | घाँसे मैदान | २०४० | १.५६ |
| ४ | अन्य (वस्ती, शहर, एयरपोर्ट आदि) | ५१६८ | ३.९५ |
| | जम्मा | १३०६२१ | १००.० |

१.९ सहयोगी संघ संस्थाहरु

यस जिल्लामा वन तथा वातावरण मन्त्रालय अर्न्तगतको निकायको रूपमा जिल्ला भू संरक्षण कार्यालय रहेको छ भने जिल्ला विकास समिति मार्फत् पनि विभिन्न कार्यक्रमहरु सहकार्यमा सञ्चालन गरिदै आइएको छ । यसबाहेक साभेदारी वन र सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहहरु पनि सहयोगी संघ संस्थाको रूपमा रहेका छन् । यस अघि बेलायती सहयोग नियोगको आर्थिक सहयोगमा जिविकोपार्जनका लागि वन कार्यक्रम आ.व. ०६८।६९ सम्म सञ्चालन भएको थियो भने बहुसरोकारवाला वन कार्यक्रम आ.व. २०७२।७३ सम्म सञ्चालनमा आएको थियो । उक्त कार्यक्रमलाई रिम्स र नेकोस संस्थाले सामाजिक परिचालनका कार्यहरु सञ्चालन गरेका थिए । यस जिल्लामा वन वातावरणको क्षेत्रमा सहयोगी संस्थाहरु निम्नानुसारका रहेका छन् ।

- सामुदायिक वन उपभोक्ता महासंघ (जिल्ला शाखा, नगर तथा गाउँस्तरीय शाखा)
- विभिन्न सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहहरु
- लुम्बिनी र देवदह साभेदारी वन व्यवस्थापन समुह
- निजी वन सञ्जाल रुपन्देही
- सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापन समुहहरु तथा सञ्जाल
- देवदह गाउँ वन समन्वय सञ्जाल
- तिलोत्तमा सामुदायिक वन सञ्जाल
- तराई दलित सरोकार मञ्च रुपन्देही
- इन्द्रेणी ग्रामिण विकास
- नेकोस

१.१० मौजुदा वन संगठन

विक्रम सम्बत् २०७० सालमा स्विकृत रुपन्देही जिल्लाको वन संगठन अनुसार जम्मा १४० जना कर्मचारीको दरवन्दी रहेकोमा हाल यस जिल्लामा ८८ जना मात्र स्थायी कर्मचारी कार्यरत रहेका छन् भने ५२ जना खाली रहेको छ । स.व.र.तर्फ १६ जना करारमा रहेका छन् । संघिय संरचना बमोजिम डिभिजन वन कार्यालय रुपन्देहीमा विभिन्न पदका गरी ९४ जनाको दरवन्दी स्विकृत भएको देखिन्छ । मौजुदा वन संगठन तथा दरवन्दी र संघिय संरचना मुताविक स्विकृत संगठन तथा दरवन्दी सम्बन्धी विस्तृत विवरण अनुसुची १७ मा राखिएको छ ।

१.११ वन व्यवस्थापनका समस्या, चुनौती, अवसर र हालसम्मका सिकाई

१.११.१ वन व्यवस्थापनका समस्या/चुनौतीहरु

वन संरक्षण

१. यस जिल्लामा हाल नयाँ अतिक्रमण नभएता पनि जिल्लाको कुल वन क्षेत्र २५१०५ हे. र अतिक्रमित वन क्षेत्र ८ हजार तिन सय हे. गरी करिब ३३ हजार हे. वन क्षेत्र रहेकोमा करिब २४ प्रतिशत वन क्षेत्र पहिले देखि नै अतिक्रमणको चपेटामा परेको छ । यस्ता अतिक्रमित क्षेत्रहरुमा राज्यका विभिन्न निकायहरुबाट लगानी भई पक्की सडक, खानेपानी, विद्युत, टेलिफोन, विद्यालय, क्याम्पस, स्वास्थ्य संस्था जस्ता भौतिक पूर्वाधारहरुको निर्माण भई हाल नगरपालिका समेत घोषणा भैसकेको अवस्थामा राज्यको नीति बमोजिम तत्काल अतिक्रमण क्षेत्र खाली गर्ने संभावना अत्यन्त न्युन छ ।

२. जिल्लाको बासगढी क्षेत्र विगत देखि कै वन पैदावर चोरी निकासी गर्ने क्षेत्र रहँदै आएको र यसबाहेक सालभण्डी क्षेत्र, विष्णुपुरा क्षेत्र र देवदहको उत्तर पूर्वी क्षेत्रमा यदाकदा वन तस्करहरुले मौकाछोपी वनपैदावारको चोरी निकासी गर्ने गरेको । दरबन्दी अनुसारको कर्मचारी पदपूर्ति हुन नसक्नु, उमेर छिप्पिएका, दौड धुप गर्न नसक्ने, अन्यत्र जिल्लामा सरुवा नहुने, इलाकामा बास बस्न नरुचाउने फिल्ड कर्मचारीहरुको बाहुल्यता हुनु र फिल्डमा कार्यालयको आफ्नै भवन नहुनु जस्ता समस्याको बाबजुद आवश्यकता अनुसारको सवारीसाधनको (गाडी, मोटरसाइकल तथा साइकल) को कमी, तथा भएका सवारी साधन पनि धेरै नै पुरानो भइ नियमित मर्मत गर्नुपर्ने अवस्थामा रहेकामा मर्मत बजेट धेरै न्यून हुने गरेको तथा इन्धनको लागी समेत बजेट विल्कुलै न्युन हुने गरेकाले आवश्यकता अनुसारको फिल्ड गस्तीलाइ वाधा भईरहेकोले चोरी निकासी नियन्त्रणलाई निर्मूल पार्न नसकिएको ।

३. गर्मी मौसममा लाग्ने वन डढेलो पनि वन संरक्षणको हिसाबले समस्याको रुपमा रहेको छ । चुरे क्षेत्र गाउँ बस्ती भन्दा टाढा, सामुदायिक वन क्षेत्र भन्दा बाहिर भएको, यातायातको सहज पहुँच नभएको, जिल्ला तथा छिमेकी जिल्लाका गाइ गोठालाहरुले जानी जानी आगो लगाउने गरेको र उक्त आगो विस्तार हुँदै चुरे फेदी र घना सालको जंगलमा समेत प्रवेश गरी वन जंगलको हानी नोक्सानी हुने गरेको विगतको समस्याहरु नरहेका होइनन् । वन कर्मचारीमा समय सापेक्ष यस सम्बन्धी तालिमको कमी, अग्नि रोधक सामग्री तथा उपकरणको कमी, विभिन्न स्थानमा अग्नी संवेदनशील जानकारी स्टेसनहरुको कमी, आम समुदायमा सचेतनाको कमी, आदि समस्याहरुको कारण यसलाई निर्मूल पार्न सकिएको छैन ।

४. गाउँ बस्ती किनारमा रहेका सामुदायिक वनहरुमा चरिचरण केही हदसम्म नियन्त्रण रहेको भएता पनि चुरे क्षेत्रमा यो समस्या रहि आएको छ ।

५. जिल्लामा हुने जुनसुकै विकास निर्माणका कार्यका लागि पहिलो रोजाई वन क्षेत्रकै जग्गा पर्ने हुँदा वन क्षेत्रको जग्गालाइ वचाउनु प्रमुख समस्या बनेको । उदाहरणको लागि जिल्लाका ७० भन्दा बढी शैक्षिक संस्था वन क्षेत्रमा नै रहेका छन् ।

वन विकास तथा व्यवस्थापन

६. सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहले सामुदायिक वनको राम्रो संरक्षण गरेको भए पनि वन सम्बर्द्धन र व्यवस्थापनका कामहरु प्रति कम ध्यान दिने गरेको, जसले गर्दा यात अति वृद्ध उमेरका रुख तथा साना उमेर समुहका विरुवाहरुको बढी घनत्व भई सबै उमेर समुहका रुख, पोल तथा पुनरुत्पादनको समानुपातिक प्रतिनिधित्व नभएको । समथर क्षेत्रका सामुदायिक वनहरुमा वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन कार्यक्रम लागु भएता पनि कार्ययोजना अनुरूप वनको व्यवस्थापनको लागि उपभोक्ताहरुको थप क्षमता

अभिवृद्धिको कार्य गर्नुपर्ने देखिन्छ । साथै, सामुदायिक वनबाट उत्पादन भएको वन पैदावर छिमेकी समुह तथा जिल्ला भित्र टाढा रहेका उपभोक्ताहरूलाई समेत वितरण गर्नका लागि स्पष्ट नीति सहितको निर्देशिका जारी हुन नसक्दा वन पैदावर वितरणमा कठिनाई भएको ।

७. यस जिल्लामा सरकारद्वारा व्यवस्थित वन चुरे क्षेत्रमा मात्र पर्ने तथा अत्यधिक चरिचरण र वन डढेलोको कारण साना विरुवाहरू नहुकिने र बुढा रुखहरू मात्र रहन गई ऋणात्मक औसत वृद्धिको अवस्थामा पुगिसकेको भएपनि वनको अवस्थामा सुधार ल्याउन कठिनाई भएको । जिल्लामा रहेको दुईवटा साभेदारी वनमा बैज्ञानिक वन व्यवस्थापनको कार्य शुरु गरिएको भएता पनि उक्त क्षेत्रमा पुनरुत्पादन कटान गरिएको क्षेत्रमा नयाँ पालुवा विरुवा हुर्काउनु र त्यसको स्याहार सुसार गर्ने कार्य अथक प्रयास, इच्छाशक्ति, दृढ संकल्पबाट मात्र संभव देखिन्छ । हाल शुरु गरिएको उक्त कार्यलाई समुह तथा कर्मचारीले कार्ययोजनाको अक्षरस पालना गर्दै उल्लेखित बुँदाहरूलाई संकल्प सहित आत्मसात गरी निरन्तरता दिनु अपरिहार्य छ । साथै बैज्ञानिक वन व्यवस्थापनको सिकाई एवं अनुभवको प्रचार प्रसार गर्दै थप क्षमता अभिवृद्धिको कार्यक्रम सञ्चालन गर्नुपर्ने देखिन्छ, अन्यथा, यस कार्यबाट दुष्परिणाम समेत निस्कन सक्ने संभावना रहन्छ ।

८. गरीवी न्यूनीकरण गर्ने उद्देश्य लिइ गैर काष्ठ वन पैदावारको विकास तथा विस्तारमा महिला, गरीव तथा दलितहरूलाई समावेश गराई सामुदायिक वन भित्र कबुलियती वन कार्यक्रम संचालन गरिएता पनि लक्षित उपलब्धि हासिल गर्न नसकिएको ।

९. जिल्लाको जनसंख्या र जनसंख्या वृद्धिलाई हेर्दा वन क्षेत्र निकै कम भएको, भएको वन क्षेत्र समेत जिल्लाको उत्तरी क्षेत्र र चुरे क्षेत्रमा रहेको, उत्पादनशील वन क्षेत्र निकै कम रहेकोले उपभोक्ताको वन पैदावरको माग र आपूर्ति व्यवस्थापन गर्न निकै कठिनाई रहेको छ । सबै क्षेत्रमा बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन हुन सकेमा र वन नभएको स्थानहरूमा वन विकास गर्न सकिनेमा यस समस्यालाई आगामी दिनहरूमा केही हदसम्म संबोधन गर्न सकिने देखिन्छ ।

१०. विगतमा तराई सामुदायिक वनको कार्यकालमा ४८ ओटासम्म नर्सरी सञ्चालन भएको यस जिल्लामा हाल कार्यक्रम तथा बजेटको कमीले ४ वटा मात्र नर्सरीमा सिमित हुनु पर्दा मागको तुलनामा नीजि क्षेत्रमा विरुवा आपूर्ति न्युन हुने गरेको । बहुवर्षीय विरुवाहरूको समेत माग र आवश्यकता भएको अवस्थामा बजेट तथा कार्यक्रमको कमीले यस्तो कार्यलाई बृहत रूप दिन नसकिएको ।

११. निजी वन लगाउने जग्गाधनीलाई सहजीकरण तथा प्रोत्साहन सम्बन्धी कार्यक्रम हुन नसक्दा निजी वनको विस्तारमा उल्लेखनीय प्रगति हासिल गर्न कठिनाई रहेको ।

१२. सार्वजनिक जग्गामा वन विकास पश्चात् उपभोगको सम्बन्धमा जग्गाको स्वामित्वको कारणले स्पष्ट नीति नहुँदा विवाद आउने गरेकाले यी क्षेत्रमा वन विस्तार गर्न समस्या परेको ।

१३. बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन तथा वन विकासबाट रोजगारी सिर्जना, आयआर्जनका अवसरमा वृद्धि, वन मार्फत् उद्यमीकरणमा संभावना हुँदा हुँदै यथेष्ट मात्रामा योगदान पुर्याउन नसकिएको ।

वन प्रशासन

१४. वर्षौदेखी एउटै जिल्लामा बसी कामकाज गरेको फिल्ड कर्मचारीहरूबाट कार्य सञ्चालन गर्दा स्थानीय प्रभावका कारण मोलाहिजा हुने सम्भावना बढी हुने भइ प्रभावकारी रूपमा कार्य गर्नमा बाधा पुग्ने गरेको । वन सेवा, जनरल फरेष्ट्र समुहका एकै जिल्लामा पटक पटक गरी लामो अवधी बसेका कर्मचारीलाई नियमित रूपमा अन्यत्र जिल्लामा सरुवा गरिनुपर्ने ।

१५. समय सापेक्ष भैरहेका जन प्रशासन र वन विकासका नयाँ आयाममा कर्मचारीहरूको कार्यशैलीमा परिवर्तन हुन नसक्दा लक्ष्य गरे बमोजिमका उपलब्धी हासिल गर्न समस्या हुने गरेको । मानव श्रोतको दक्षता विकास तथा कार्यक्षमताको आधारमा पुरस्कार तथा दण्डको व्यवस्था कडाइका साथ लागु गर्नुपर्ने ।

१६. फिल्डस्तरका कार्यालय भवन निर्माण तथा मर्मत र कार्यालयको लागि आवश्यक श्रोत, साधन, उपकरण (कम्प्युटर, प्रिन्टर, इन्टरनेट, जिपिएस, आदि) हुन नसक्दा फिल्ड स्तरबाटै प्रवाह हुने सेवा प्रभावकारी रूपमा जनसमक्ष पुर्याउन नसकिएको । साथै जिल्लामा एक मात्र सवारी साधन (जिप) चालु हालतमा रहेकोले वन व्यवस्थापन समेतको कार्यले कार्यबोझ अत्यधिक बढेको अवस्थामा एक नयाँ सवारी साधन अत्रिलम्ब उपलब्ध हुन सकेमा मात्र सौँच बमोजिमको लक्ष्य हासिल गर्न सकिने देखिन्छ ।

विविध

१७. नीजि वन धनीहरूले आफ्नो जग्गामा भएको रुखहरूको आफु खुशी गर्न पाउने व्यवस्था भएकोले जिल्लामा न्युन संख्यामा रहेका कुसुम, खयर, सिमल, जस्ता जैविक विविधताको दृष्टिले महत्वपूर्ण प्रजातिहरूको कटान रोक्न नसकिएको ।

१८. जिल्लामा उल्लेख्य संख्यामा सिमसार क्षेत्रहरू रहेको र व्यवस्थापनका लागि राष्ट्रिय सिमसार नीति २०६९ लागु भएतापनि आवश्यक कानुन, बजेट तथा व्यवस्थापन प्रकृयाका लागि निर्देशिका जारी नभएकाले व्यवस्थापनमा अन्योलता रहेको ।

१९. यस जिल्लामा बुटवल बेलहिया ६ लेनको सडक निर्माणको कार्य जारी रहेको, बुद्ध सर्किट (चक्रपथ) निर्माणाधिन अवस्थामा रहेको, भैरहवा अन्तर्राष्ट्रिय क्षेत्रीय विमानस्थल निर्माणाधिन रहेको, विभिन्न सडक आयोजनाहरू निर्माणाधिन अवस्थामा रहेको, पहाडी जिल्लाबाट हुने बसाई सराई भै घर निर्माण हुने, औद्योगिक नगरी एवं प्रादेशिक राजधानीको रूपमा हुने विकास कार्य लगायत जिल्लामा हुने अन्य नियमित विकास निर्माण कार्यको लागि नदीजन्य पदार्थको व्यापक माग तथा सो संकलनको लागि व्यापक दबाब परिरहेको छ । यस जिल्लामा खोला नालाहरू वन क्षेत्रबाट वा वन क्षेत्र हुँदै वग्ने हुँदा वन कार्यालयले सधैँ यस्ता पदार्थको संकलनमा रोक लगाउनु त्यति सहज र व्यवहारिक देखिदैन । तसर्थ, ढुंगा गिटी संकलन तथा सोको नियमन एक चुनौतिको रूपमा देखा परेको छ ।

१.११.२ अवसरहरू

१. पुर्ण रूपमा भौतिक संरचना बनी सुविधा सम्पन्न भैसकेको स्थानहरूमा जग्गाको उचित मुल्य लिई सो रकमले जिल्ला भित्रको सस्तो स्थानमा जग्गा खरिद गरी वन विस्तार गर्ने र निश्चित अवधीसम्मको विरुवा हुर्काउने जिम्मा समेत लिने । पुर्ण रूपमा भौतिक संरचना नबनेका र जग्गा मात्र कब्जा गरेका स्थानहरूमा विशेष सुरक्षा बल गठन गरी उक्त बललाई नै श्रोत र साधनले सम्पन्न गराई अतिक्रमण हटाई वृक्षरोपण सम्मका कार्य गर्न जिम्मा दिने (जस्तै : छिमेकी मुलुक भारतमा आर्मीबाट अवकाश प्राप्त कर्मचारीलाई यस किसिमको टास्क फोर्समा समावेश गरेको उदाहरण पाइन्छ) ।

२. बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन गर्ने क्रममा काठ दाउरा संकलन, घाटगद्दी, तारबार, वृक्षरोपण जस्ता कार्य गनुपर्ने र यस्ता कार्य गर्दा अत्यधिक रूपमा रोजगार सिर्जना भई स्थानीय जनताको आय वृद्धि हुनुका साथै राष्ट्रिय अर्थतन्त्रमा समेत टेवा पुर्याउने देखिन्छ । त्यसैगरी यस किसिमको बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन कार्यमा आवश्यक हुने ज्यामी तथा कामदारको रूपमा वन क्षेत्रमा चोरी निकासी कार्यमा संलग्न व्यक्तिहरू नै अनुभवी हुने हुँदा त्यस्ता व्यक्तिहरूलाई रोजगार दिई चोरी निकासी कार्य न्युनीकरण गर्न सकिने । यसरी

वन व्यवस्थापन गर्दा तुलनात्मक रूपमा वन पैदावरको आपूर्ति बढ्न गई चोरी निकासी समेत कम हुँदै जाने देखिन्छ ।

३. सहभागितामुलक वन डढेलो नियन्त्रण सञ्जाल गठन र परिचालन, अग्निरोधक सामाग्रीहरुको उपलब्धता, कर्मचारीहरुलाई सम्बन्धित विषयमा दक्षता अभिवृद्धि, अग्नी सुचक स्टेसनहरुको सञ्चालन, जनचेतना अभिवृद्धि, अन्य निकायसँगको सहकार्य जस्ता कृयाकलापहरु मार्फत् वन डढेलो नियन्त्रण गर्न अवसर देखिन्छ ।

४. सहभागितामुलक वन व्यवस्थापन समुहहरुको परिचालन गरी नियन्त्रित चरिचरण, वन र वन क्षेत्र बाहिर घाँस तथा डालेघाँसको अभिवृद्धि गरी बधुवा पशुपालन प्रणालीको विकास गर्दै कृषि उत्पादनमा समेत वृद्धि हुने देखिन्छ ।

५. समुदायमा आधारित वन व्यवस्थापन समुहहरु बैज्ञानिक वन व्यवस्थापनको अवधारणामा प्रष्ट भएका र यसलाई आफ्नो समुहमा लागू गरिरहेका, नागरिक समाज यस अवधारणा प्रति सकारात्मक रहेको, सबै खालमा वनमा प्राकृतिक पुनरुत्पादनको संभावना अत्यधिक बढी रहेको, कतिपय सामुदायिक वनहरुमा पोलको बाक्लो उपस्थिति भई संबर्द्धन तत्काल गर्नुपर्ने आवश्यक रहेको, जि.व.का.को टिम प्राविधिक रूपले सक्षम र सहजीकरण गर्न तयार रहेको, वनको माथिल्लो निकायले यस कार्यलाई बढवा दिएको, आदि कारणबाट यस जिल्लामा बैज्ञानिक वन व्यवस्थापनको कार्य शुरु भएकोमा यसको निरन्तरता आवश्यक रहेको ।

६. यस जिल्लामा करिब दश हजार हेक्टर सार्वजनिक जग्गा रहेको, सार्वजनिक जग्गामा वृक्षरोपण गर्न स्थानीय पालिकासंग समन्वय गर्न सकिने, यसका साथै नीजि जग्गामा समेत विरुवा रोप्न किसानहरु लालाहित भएको, सामुदायिक वन क्षेत्रका खाली क्षेत्रमा उपभोक्ताहरुले वृक्षरोपण गर्ने चाहना देखाएको, खोला किनार संरक्षण गर्न जिल्ला समन्वय समिति तथा कतिपय गाउँपालिकाले अर्न्तगतको सडक किनारा, विद्यालय क्षेत्र वरपर विरुवा लगाउने चाहना व्यक्त गरी जिल्लामा विरुवाको माग व्यापक रूपमा बढेको अवस्थामा यस्ता क्षेत्रमा वृक्षरोपण गरी विरुवा हुर्कने शुनिश्चिताको लागि एक वर्षीय तथा बहुवर्षीय विरुवा उत्पादन गरी व्यापक वृक्षरोपण गर्ने अवसर रहेको छ । साथै रुपन्देही जिल्ला एक औद्योगिक जिल्ला भएकोले वन उद्यम मार्फत् महिला, दलित, पिछडिएको वर्गको रोजगारीको अवसरको संभावना रहेको छ ।

७. वन क्षेत्र मार्फत् हुने अप्रत्यक्ष वातावरणीय सेवाहरु जस्तै कार्बन सञ्चितीमा वृद्धि, जैविक विविधता संरक्षण, जलस्रोत संरक्षण, जमिनको उर्वराशक्ति वृद्धि, पर्यापर्यटन विकास, हरियाली वृद्धि जस्ता सेवाहरुको स्पष्ट रूपमा लेखाजोखा गरी वन क्षेत्रले स्थानीय, प्रादेशिक तथा राष्ट्रिय अर्थतन्त्रमा पुऱ्याएको योगदानको उच्च मुल्यांकन गर्दै वातावरणीय सेवाको भुक्तानीको शुरुवात गर्न सकिने ।

८. समुदायमा आधारित वन व्यवस्थापन पद्धतिबाट अधिकारमुखी विकासको अवधारणाको व्यवहारिक प्रयोग हुने भएकाले स्थानीय स्तरमा सञ्चालन हुने विकास निर्माणका योजना छनौट तथा कार्यान्वयनमा सामुदायिक वनको सिकाइलाई लैजान सकिने ।

९. चुरे क्षेत्रको संरक्षणको समस्या बहु आयामिक भएकाले र चुरे संरक्षणको कार्यक्रमलाई राष्ट्रिय गौरवको रूपमा पहिचान भएकाले यसका लागि सबै सरोकारवाला निकायहरुलाई एकिकृत विकासको अवधारणा बमोजिम एकैसाथ लैजान सकिने ।

१.११.३ सिकाइहरु

१. जिल्लाको गाउँ बस्ति वरपरका सबै जसो वन क्षेत्र सामुदायिक वनको रूपमा हस्तान्तरण भैसकेको र यसबाट वन जंगलको थप अतिक्रमण हुनबाट रोकिएको साथै उक्त क्षेत्रको संरक्षणमा प्रभावकारिता देखिएको । अतिक्रमित क्षेत्र खाली गराउँदा तारबार सहितको वृक्षरोपणलाई समेत प्याकेजको रूपमा लैजानुपर्ने र घर भएको क्षेत्र खाली गराउनु पूर्व तारबार गरी जग्गा कब्जा गर्न उपयुक्त हुने ।
२. तत्कालिन अवस्थामा तराई सामुदायिक वन विकास परियोजनाले गरेको वृक्षरोपणले हालसम्म जिल्लाको वन पैदावारको आपूर्तिलाई सहयोग पुगि राखेकाले निजी तथा सार्वजनिक जग्गामा अभियानकै रूपमा ठूलो संख्यामा वृक्षरोपण गर्न ढिला भैसकेको ।
३. निःशुल्क विरुवा वितरणको कार्यबाट निजी तथा सार्वजनिक जग्गामा रुख लगाउने लहर चलेको र कलिलो विरुवाको तुलनामा परिपक्व विरुवाको निश्चित प्रजातिको मात्र माग हुने गरेको ।
४. OFMP मा संरक्षित वन भनि छुट्याइएको चुरे क्षेत्रको माथिल्लो भेगपनि सामुदायिक वनमा हस्तान्तरण भइसकेकाले उक्त क्षेत्रलाई सामुदायिक वनको संरक्षित ब्लक बनाइ सोहि अनुसार सामुदायिक वनको वन व्यवस्थापन कार्ययोजना बनाइ संरक्षण गरिएकोमा संरक्षण प्रभावकारि देखिएको ।
५. वनको वैज्ञानिक व्यवस्थापन मार्फत् वन पैदावारको तत्कालिन आवश्यकता पूर्ति हुनुका साथै वनको अवस्थामा सुधार आएको र सबै जसो सामुदायिक वनहरु वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन प्रति सकारात्मक रहेको ।

भाग २

वन प्रजाति तथा वन्यजन्तुहरूको विवरण

२.१ वन क्षेत्र तथा वन्य प्रजातिहरूको विवरण

परापूर्व कालमा गौतमबुद्धको जन्म स्थल लुम्बिनी वरिपरि सालको घना वन थियो, तर अहिले यो क्षेत्रमा सालको प्राकृतिक वन नै नरहेको अवस्था छ। हाल जिल्ला वन कार्यालय रहेको क्षेत्र (वसन्तपुर क्षेत्र) वरिपरि करिब ५०-६० वर्ष पहिले सम्म प्राकृतिक वन जंगल रहेको भनाइ छ। तर अहिले यसको २०-२५ किलो मिटर वरिपरिसम्म कुनै पनि वन जंगल छैन। बसाइ सराइको कारणवाट जनसंख्याको वृद्धि अत्यन्तै तिब्र गतिमा भएपछि वनक्षेत्र फाँड्ने, खेतीगर्ने, घर बस्तिको विकासगर्ने क्रम बढ्दै गयो। महेन्द्र राजमार्ग, सिद्धार्थ राजमार्गको निर्माण, आन्तरिक सडकहरूको निर्माण तथा विकास, विद्यालय तथा अन्य भौतिक पूर्वाधारहरूको विकास, तथा सुकुम्बासी आयोगवाट समेत वनक्षेत्रको जग्गा वितरणको कारणले गर्दा यस जिल्लाको वनक्षेत्र साँघुरिदै गएर उत्तरमा मात्र सिमित हुन पुगेको छ। यसको साथसाथै देशमा राजनैतिक परिवर्तन हुँदा वनमाथि हुने हस्तक्षेप पनि यस जिल्लाको वन क्षेत्र घट्नुको एउटा प्रमुख कारण हो।

यस जिल्लाको १ उपमहा नगरपालिका, ५ नगरपालिका र १० गाउँपालिका मध्ये ९ वटा पालिका (गा.पा./न.पा) वन क्षेत्र विहिन छन्। उत्तरका तीनवटा पालिकामा २४ प्रतिशत जनसंख्या बसोबास गर्ने र करिब ८६ प्रतिशत जंगल रहेको छ। जंगलको नजिकका गा.पा./न.पा.का बासिन्दाले सजिलैसँग वन पैदावरको उपयोग गर्न पाएका छन् भने जंगल भन्दा टाढाका बासिन्दाले वन पैदावरको उपयोग गर्ने आफ्नो परम्परागत अधिकार समेत गुमाएका छन्।

अतिक्रमणको अवस्थालाई हेर्दा यस जिल्लामा सन् १९७८ देखि हालसम्म करिब ८३४६ हे वन क्षेत्र अतिक्रमण भएको छ। सन् १९९०/९१ - २०१०/११ सम्ममा वन क्षेत्रमा भएको परिवर्तन विवरण तालिका २.१ मा दिइएको छ।

तालिका २.१: रुपन्देही जिल्लाको वन क्षेत्रमा भएको परिवर्तन

| वन क्षेत्र (१९९०/९१ हे.) | | वन क्षेत्र (२०१०/११ हे.) | | वन क्षेत्रमा परिवर्तन क्षेत्रफल (हे.) | | वार्षिक परिवर्तनको दर (प्रतिशत) | |
|--------------------------|------|--------------------------|------|---------------------------------------|-------|---------------------------------|-------|
| चुरे | समथर | चुरे | समथर | चुरे | समथर | चुरे | समथर |
| १९५२२ | ७८०० | १८५९३ | ६५१२ | -९२९ | -१२८८ | -०.२६ | -०.९३ |

श्रोत: तराई र चुरे क्षेत्रको वन श्रोत सर्वेक्षण प्रतिवेदन, वन अनुसन्धान तथा सर्वेक्षण विभाग, २०१४

रुपन्देही जिल्लाको वन क्षेत्रमा प्रमुख रूपमा साल, अस्ता, बाँभी, कर्मा, हरो, बरो, जामुन, सिमलका साथै सिसौ तथा टिक (वृक्षरोपण) प्रजाति रहेको पाइन्छ। त्यसैगरी वन क्षेत्रमा रोहीणी, बोट धयेरो, थाकल लगायतका प्रजाति समेत रहेका छन्। जिल्ला वन कार्यालय रुपन्देहीले आ.व. ०६८।६९ मा रुपन्देही जिल्लाको जैविक विविधता विषयमा गरेको अध्ययन प्रतिवेदन अनुसार यस जिल्लामा २२२ प्रजातिका वनस्पतिहरू रहेको देखाएको छ। जसमध्ये ९४ प्रजातिका वनस्पतिहरू रुख वर्गका, ३२ प्रजातिका वनस्पतिहरू भुआडी वर्गका र ९६ प्रजातिका वनस्पतिहरू भुआर वर्गका रहेको देखिन्छ। त्यसैगरी काठको रूपमा प्रयोग गर्न सकिने वनस्पतिहरू २८ प्रजातिका छन् भने गैह्रकाष्ठ वन पैदावरको रूपमा प्रयोग गर्न सकिने वनस्पतिहरू ८३ प्रजातिका रहेका देखिन्छ (जि.व.का रुपन्देही, २०६९)।

२.१.१ वनजंगलको किसिम

OFMP, 1995 का अनुसार यस जिल्लाको प्राकृतिक वनलाई तलका तीन प्रकारमा विभाजन गरिएको छ ।

क) सालको वन (Sal Forest): मुख्य प्रजाति साल (*Shorea robusta*) रहेको यस वनमा सालको उपस्थिति करिब ६० प्रतिशत रहेको छ । यस बाहेक साल संगसंगै अस्ना (*Terminalia tomentosa*), वर्रो (*T. belerica*), कर्मा (*Adina cordifolia*), जामुन (*Eugenia jambolana*) र बाँभी (*Anogeissus latifolia*) का रुखहरु पाइन्छन् । खासगरि पानी नजम्ने ठाउँमा यस प्रकारको वन जंगल पाइन्छ । हाल यस वनमा सालको पुनरुत्पादनको अवस्था राम्रो रहेको छ । पुनरुत्पादन देखि लाथा, पोल तथा रुख गरि सबै साइजका विरुवाहरु पाइन्छ भने वयस्क रुखहरु वृद्धि रोकिसकेको अवस्था भइसकेका छन् । यस प्रकारको जंगलले रुपन्देहीको कुल जंगलको करिब ३४ प्रतिशत भूभाग ओगटेको छ ।

ख) साल-तराई हार्डउड वन (Sal-Terai Hardwood Forest) : साल र अन्य प्रजातिहरु वरावरी रहेको यस प्रकारको वनमा साल संगसंगै अस्ना (*Terminalia tomentosa*), वर्रो (*T. belerica*), कर्मा (*Adina cordifolia*), जामुन (*Eugenia jambolana*) र बाँभी (*Anogeissus latifolia*) का रुखहरु पाइन्छन् । यस प्रकारको वन चुरे क्षेत्रसम्म फैलिएको छ । यस प्रकारको वनमा पनि पुनरुत्पादनको अवस्था राम्रो रहेको छ । पुनरुत्पादन देखि लाथा, पोल तथा रुखगरि सबै साइजका विरुवाहरु पाइन्छ भने वयस्क रुखहरु वृद्धि रोकिसकेको अवस्थामा पुगेका छन् । यस प्रकारको जंगलले रुपन्देहीको कुल जंगलको करिब ६२ प्रतिशत भूभाग ओगटेको छ ।

ग) तराई हार्डउड वन (Terai Hardwood Forest) : साल बाहेकका अन्य प्रजातिहरुको मिश्रण रहेको यस प्रकारको वनमा अस्ना (*Terminalia tomentosa*), वर्रो (*T. belerica*), कर्मा (*Adina cordifolia*), जामुन (*Syzygium cumini*), बाँभी (*Anogeissus latifolia*), खयर (*Acacia catechu*), सिमल (*Bombax ceiba*), वेल (*Aegle marmelos*), र कुसुम (*Schleichera oleosa*) का रुखहरु पाइन्छन् । यस प्रकारको वन भावर क्षेत्र तथा खोला किनारको क्षेत्रमा रहेको छ । यस वनमा पुनरुत्पादनको अवस्था राम्रो छैन भने वयस्क रुखहरु वृद्धि रोकिसकेका अवस्थामा पुगेका छन् । यस प्रकारको जंगलले रुपन्देहीको कुल जंगलको करिब ४ प्रतिशत भूभाग ओगटेको छ ।

यस जिल्लामा माथी उल्लेखित वनका किसिम बाहेक करिब जिल्लाको वनक्षेत्रको ४ प्रतिशत क्षेत्र भाडी बुट्यानले ढाकिएर रहेको छ । यी क्षेत्रमा खास गरी धयरो, थाकल, रोहिणी लगायत रुख प्रजातिका साना विरुवाहरु रहेका छन् ।

गैह्रकाष्ठ वन पैदावरको हिसाबले संकलन योग्य उल्लेखनीय प्रजाति एवं परिमाण नभएता पनि भोर्ला पात, थाकल, जंगली कुरिलो, हरो, वर्रो, अमला, बाबियो, खर, अमृसो, बाँस, च्याउ लगायतका प्रजातिहरु रहेका छन् । यस जिल्लामा साइटिस अनुसुची २ मा समावेश भएको वनस्पति सर्पगन्धा (*Rauvolfia serpentina*) समेत पाइन्छ ।

२.१.२ मुख्य प्रजातिहरुको वितरण तथा वृद्धि मौज्दात

जिल्लाको प्राकृतिक वन क्षेत्रमा मुख्यतया साल, अस्ना लगायतका प्रजातिहरु पाइन्छन् भने वृक्षरोपण क्षेत्रमा मुख्यतया सिसौ र टिक लगायतका प्रजातिहरु देख्न पाइन्छ ।

क) सामुदायिक वन

रुपन्देही जिल्लामा हालसम्म हस्तान्तरण भएका सामुदायिक वनहरूको कार्ययोजना अध्ययन गरी प्राकृतिक वन र वृक्षरोपण वन गरी वनलाई दुई किसिममा विभाजन गरीएको छ । कूल हस्तान्तरण भएको १६,२०८ हे. मध्ये वृक्षरोपण वनमा १००० हे. र प्राकृतिक वनमा ८,००० हे. गरी कूल १८००० हे. वन लाई प्रभावित क्षेत्र (उत्पादनशील क्षेत्र) कायम गरी विश्लेषण गर्दा प्राप्त नतिजालाई तालिका २.१ मा उल्लेख गरिएको छ । यसरी हेर्दा रुपन्देही जिल्लाको वन क्षेत्रमा औषत २९० पोल तथा औषत ८६ रुख प्रति हेक्टर रहेको पाइन्छ । रुख तथा पोलको प्रति हेक्टर मौज्जात हेर्दा औषतमा १४७ घन मी. प्रति हेक्टर रहेको पाइन्छ ।

तालिका २.१ रुपन्देही जिल्लाका सामुदायिक वनहरूको वृद्धि मौज्जात

| सि नं | वनको किसिम | पोल संख्या (प्रति हेक्टर) | रुख संख्या (प्रति हे.) | मौज्जात (घ.मी. प्रति हे.) | कैफियत |
|-------|------------|------------------------------|---------------------------|------------------------------|--------|
| १ | वृक्षरोपण | ३२४ | ५४ | ४०.५ | |
| २ | प्राकृतिक | २८६ | ९० | १५९.८ | |

श्रोत : सामुदायिक वन कार्ययोजनाहरूको आधारमा

ख) साभेदारी वन

लुम्बिनी साभेदारी वन र देवदह साभेदारी वनको स्विकृत वन व्यवस्थापन कार्ययोजना अनुसार साभेदारी वनको मौज्जात अवस्था तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका २.२ : साभेदारी वनको मौज्जात अवस्था (प्रति हे.मा)

| साभेदारी वनको नाम | पोल | | रुख | |
|-------------------|--------|--------------|--------|--------------|
| | संख्या | आयतन (घ.मी.) | संख्या | आयतन (घ.मी.) |
| लुम्बिनी साभेदारी | १८२ | ३५.५१ | ८४ | २१२.७ |
| देवदह साभेदारी | १६२ | २८.४७ | ५७ | १४३.२६ |
| औसत | १७२ | ३१.९९ | ७०.५ | १७७.९८ |

श्रोत : लुम्बिनी साभेदारी वनको कार्ययोजना २०७१ र देवदह साभेदारी वनको कार्ययोजना २०७३ ।

ग) सरकारद्वारा व्यवस्थित वन

यस जिल्लामा सामुदायिक वन र साभेदारी वनको रूपमा हस्तान्तरण भएको वन भन्दा उत्तरको चुरे क्षेत्रमा पाल्पा जिल्लाको सिमानासँग जोडिएको वन क्षेत्र सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको रूपमा रहेको छ । यस खालको वन करिब ६ हजार पाँचसय हे. रहेको भएता पनि ठूलो हिस्सा करिब १५०० हे. नेपाली सेनालाई भोगाधिकार उपलब्ध गराइएको क्षेत्रमा रहेको छ, भने करिब एकहजार हे. वन क्षेत्र अन्य जिल्ला (पाल्पा र अर्घाखाँची) बाट सामुदायिक वनको रूपमा हस्तान्तरण भैसकेको छ । चुरे क्षेत्रमा रहेको सो वनमा सामुदायिक वन श्रोत सर्वेक्षण मार्गदर्शन २०६१ बमोजिम मापन गर्दा प्राप्त विवरण तालिका २.३ मा दिइएको छ ।

तालिका २.३ : सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको मौज्जात अवस्था (प्रति हे.मा)

| प्रजाति | पोल | | | | रूख | | | | जम्मा आयतन (घमी) |
|---------|--------|--------------|-----------|-------------|--------|--------------|-----------|-------------|------------------|
| | संख्या | व्यास (सेमी) | उचाई (मि) | आयतन (घ.मी) | संख्या | व्यास (सेमी) | उचाई (मि) | आयतन (घ.मी) | |
| साल | ११०.०० | १७.३० | ११.७० | १५.१२ | २५.०० | ४१.५० | २२.३० | ३७.६९ | ५२.८० |
| असना | ७.४० | १४.३८ | ८.८१ | ०.५३ | १०.४० | ५४.३० | २६.३१ | ३१.६६ | ३२.१९ |
| अन्य | १९.४० | १५.४३ | ७.९० | १.४३ | १३.३० | ३९.६० | २२.०२ | १८.०३ | १९.४६ |
| जम्मा | १३६.८० | ४७.११ | २८.४१ | १७.०८ | ४८.७० | १३५.४० | ७०.६३ | ८७.३७ | १०४.४५ |

श्रोत : चुरे क्षेत्रमा गरिएको फिल्ड सर्भे २०७४ ।

२.१.३ प्राकृतिक पुनरुत्पादनको अवस्था

यस जिल्लामा भएको वन क्षेत्रलाई सामुदायिक वन, साभेदारी वन र सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको रूपमा वर्गीकरण गरी सोही अनुसारको वन क्षेत्रमा रहेका पुनरुत्पादनको अवस्था उल्लेख गरिएको छ । साथै सामुदायिक वन प्राकृतिक वन तथा वृक्षरोपण वन दुवै क्षेत्रमा हस्तान्तरण भएकोले प्राकृतिक वन क्षेत्र र वृक्षरोपण वन क्षेत्रमा विभाजन गरी सोही अनुरूपका तथ्यांकहरु समावेश गरिएको छ ।

क) सामुदायिक वन

रुपन्देही जिल्लामा हालसम्म हस्तान्तरण भएका सामुदायिक वनहरुको कार्ययोजना अध्ययन गरी प्राकृतिक वन र वृक्षरोपण वन छुट्याई सो को आधारमा सामुदायिक वनहरुमा रहेको पुनरुत्पादन अवस्था तालिका २.४ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका २.४ : सामुदायिक वनमा पुनरुत्पादनको अवस्था

| सि नं | वनको किसिम | पुनरुत्पादनको अवस्था | |
|-------|------------|-------------------------|-------------------------|
| | | विरुवा संख्या प्रति हे. | लाभ्रा संख्या प्रति हे. |
| १ | वृक्षरोपण | १६३७ | ७७६ |
| २ | प्राकृतिक | ११२१२ | २९६८ |

श्रोत : सामुदायिक वन कार्ययोजनाहरुको आधारमा निकालिएको

ख) साभेदारी वन

यस जिल्लामा लुम्बिनी साभेदारी वन र देवदह साभेदारी वनको कार्ययोजना तयार भई व्यवस्थापन भएकोले उक्त दुवै साभेदारी वनको कार्ययोजनाको आधारमा साभेदारी वनको पुनरुत्पादनको तथ्यांक तालिका २.५ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका २.५ : साभेदारी वनमा पुनरुत्पादनको अवस्था

| सि नं | पुनरुत्पादनको अवस्था | प्रजाति | संख्या प्रति हेक्टर | | |
|-------|----------------------|---------|----------------------|-------------------|-------|
| | | | लुम्बिनी साभेदारी वन | देवदह साभेदारी वन | औषत |
| १ | विरुवा | साल | १०५८२ | ६६३६ | ८६०९ |
| | | अन्य | ३४५६ | ३७३३ | ३५९४ |
| | | जम्मा | १४०३८ | १०३६९ | १२२०४ |
| २ | लाभ्रा | साल | १३९४ | १४२७ | १४११ |
| | | अन्य | ६१८ | १०३४ | ८२६ |
| | | जम्मा | २०१२ | २४६१ | २२३७ |

श्रोत : लुम्बिनी साभेदारी वनको कार्ययोजना २०७१ र देवदह साभेदारी वनको कार्ययोजना २०७३ ।

ग) सरकारद्वारा व्यवस्थित वन

यस जिल्लामा सामुदायिक वनको रूपमा हस्तान्तरण भएको वन भन्दा उत्तरको चुरे क्षेत्रमा पाल्पा जिल्लाको सिमानासँग जोडिएको वन क्षेत्र सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको रूपमा रहेको छ । यस खालको वनको चुरे क्षेत्रमा सामुदायिक वन श्रोत सर्वेक्षण मार्गदर्शन २०६१ बमोजिम मापन गर्दा प्राप्त विवरण तालिका २.६ मा दिइएको छ ।

तालिका २.६ : सरकारद्वारा व्यवस्थित वनमा पुनरुत्पादनको अवस्था

| सि नं | प्रजाति | पुनरुत्पादनको अवस्था | |
|-------|--------------|-------------------------|-----------------------|
| | | विरुवा संख्या प्रति हे. | लाथा संख्या प्रति हे. |
| १ | साल | २३२९ | ३४३ |
| २ | अस्ना | ५७१ | ६३ |
| ३ | अन्य | १२१४ | १०३ |
| | जम्मा | ४११४ | ५०९ |

श्रोत : फिल्ड सर्भे २०७४ ।

यस जिल्लाको वन क्षेत्रमा बजारयोग्य गैह्रकाष्ठ वन पैदावरहरु हालसम्म संकलन नभएको र त्यस्ता वन पैदावरहरु फाट्टफुट्ट मात्रामा मात्र पाइने भएकाले त्यस्ता प्रजातिहरुको श्रोत सर्वेक्षणको तथ्यांक समावेश गरिएको छैन ।

२.१.४ वन संरक्षण

क) वन अतिक्रमण तथा वन सिमाना

यस जिल्लामा वि.सं. २०४० सालदेखि २०५२ सालसम्म १०६.२१ कि.मी. वन सिमाना लगाएकोमा हाल वन सिमाना भेटाउन सकिदैन । वस्ती नजिकका प्राय सबै जंगलहरु अतिक्रमणको चपेटामा परेका छन् । हाल ८,३४६ हेक्टर वन क्षेत्र अतिक्रमण भएको तथ्यांक छ । यी अतिक्रमित क्षेत्रहरुमा सबै सेवाहरु पुर्याइएकाले सुविधायुक्त वस्ती तयार भएका छन् । पानी, बिजुली, स्कुल, स्वास्थ्य सेवा, मोटरबाटो जस्ता पूर्वाधारको समेत विकास भइसकेकोले यी अतिक्रमित क्षेत्रहरुलाई वन क्षेत्रमा फर्काउन त्यति सजिलो देखिदैन । जिल्लाको मुख्य मुख्य अतिक्रमित वन क्षेत्रहरु र तिनीहरुको विवरण अनुसुची ११.१ र ११.२ मा र नक्सा अनुसुची १.३ मा दिइएको छ ।

ख) वन पथ, डढेलो नियन्त्रण तथा अग्नि रेखा

तराइको जंगलमा प्रशस्त मात्रामा पुनरुत्पादन नहुनुको प्रमुख कारणमा वर्षेनी लाग्ने वन डढेलो रहेको छ । तराई तथा चुरे क्षेत्रको वनलाई सामुदायिक वनमा हस्तान्तरण गरिसकेपछि यस जिल्लाको तराई तथा चुरे क्षेत्रमा देखिने डढेलोमा केही कमी आएको छ । अझै पनि कहिलेकाहीं डढेलोको प्रकोप देखिने गर्दछ । हालसम्म डढेलो नियन्त्रणका लागि भनेर खोरमोर देखि ठकुरापुरसम्म १५ कि.मी. (रुद्रपुरको गरगरे देखि ठकुरापुर सम्मको करिब ७ कि.मि. लम्बाईको क्षेत्र जुन विगत १५ वर्ष पहिले नै अतिक्रमण भइसकेको) पानवारी देखि कोठीसम्म ३ कि.मी., बाँसगढी देखि लौसासम्म ४ कि.मी. (पुरानो अतिक्रमण क्षेत्र) र सालभण्डी क्षेत्रका जंगलको १० कि.मि. अग्नि रेखा निर्माण भएको छ । त्यसैगरी आ.व. ०६८।६९ देखि वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन लागु भएको विभिन्न सामुदायिक वन र लुम्बिनी साभेदारी वन भित्र करिब २२

कि.मी अग्नि रेखा रेखांकन भएको छ । आ.व. ०६९।७० देखी हालसम्म लुम्बिनी साभेदारी वन क्षेत्रमा मात्र १६ कि.मी अग्नि रेखा निर्माण तथा मर्मत गरिएको छ ।

ग) चोरी निकासी नियन्त्रण

सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको प्रमुख समस्याको रूपमा वन पैदावरको कटानी तथा चोरी निकासी रहेको छ । हस्तान्तरण गरिएका सामुदायिक वनमा चोरी निकासी केही नियन्त्रण भएको भएतापनि त्यसको चाप समेत सरकारद्वारा व्यवस्थित वनमा परेको छ । यदाकदा सामुदायिक वनमा पनि चोरीका घटना जानकारीमा आउने गरेका छन् । सामुदायिक वनहरूले आफ्नो वन जोगाउने र सरकारद्वारा व्यवस्थित वनबाट आफ्ना आवश्यकता पूर्ति गर्ने चलन कतिपय क्षेत्रमा विद्यमानै छ । चोरी निकासी नियन्त्रणका लागि कर्मचारीलाई परिचालन गरी नियमित गस्ती गर्ने गराउने, सुराकी परिचालन गरी सुचना संकलन गर्ने, स्थानीय जनसमुदाय तथा सामुदायिक वन समुहका सदस्यहरूको सञ्जाल बनाई त्यसको परिचालन गरी नियन्त्रण गर्ने गराउने, सुरक्षा निकायसँग समन्वय गरी चोरी निकासी नियन्त्रण गर्ने, सञ्चार माध्यममार्फत् वन अपराध नियन्त्रण सम्बन्धी सुचना संप्रेषण गर्ने, स्थानीय जनतालाई वनको महत्व र चोरी निकासी नियन्त्रणका लागि सचेतना जगाउने अर्न्तकृयात्मक छलफल तथा गोष्ठी सञ्चालन, चोरी निकासी नियन्त्रण कार्यमा महत्वपूर्ण भुमीका खेली योगदान पुर्याउने कर्मचारीहरूको मनोबल उच्च राख्न पुरस्कारको लागि सम्बन्धित निकायहरूमा सिफारिस गर्ने जस्ता कार्यहरूलाई जिल्ला वन कार्यालयले व्यापकता दिदै आएको छ । विगतका वर्षमा चोरी निकासी गर्ने विरुद्ध जिल्ला वन कार्यालयमा दायर गरिएको मुद्दाको विवरण तालिका २.७ मा दिईएको छ । सोही अवधीमा जिल्ला अदालत रुपन्देहीमा दायर गरिएको मुद्दाको विवरण अनुसुची १२.२ मा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका २.७ : जिल्ला वन कार्यालय रुपन्देहीमा दायर वन मुद्दाको विवरण

| सि.नं. | आर्थिक वर्ष | मुद्दा संख्या | अभियुक्त संख्या | बरामद काठ (घ.फि.) |
|--------|-------------|---------------|-----------------|-------------------|
| १ | ०७०।७१ | २६ | ४४ | १५०.८ |
| २ | ०७१।७२ | १६ | ३५ | १७५.३३ |
| ३ | ०७२।७३ | १२ | ३४ | ४७७.२६ |
| ४ | ०७३।७४ | ८ | १९ | ६२०.१६ |
| ५ | ०७४।७५ | ७ | १७ | १५७.२७ |

श्रोत : जिल्ला वन कार्यालय, मुद्दा शाखा, २०७५

घ) चरीचरण

अन्य तराईका जिल्लाहरूमा जस्तै यस जिल्लाका वन क्षेत्रमा पुनरुत्पादन न्यून रहनुमा खुल्ला चरीचरण एक प्रमुख कारण हो । अधिकांश सामुदायिक वनहरूमा बाहेक यस जिल्लाका प्रायः सरकारद्वारा व्यवस्थित वनहरू चरीचरणले ग्रस्त छन् । यस जिल्लाका ठकुरापुर, भैसाही, सालभण्डी, बाँसगढी इ.व.का अर्न्तगतका सबैजसो वन क्षेत्रहरू चरीचरणको हिसाबले ग्रस्त रहेका छन् । प्राकृतिक पुनरुत्पादनको प्रचुर संभावना भएका यी क्षेत्रमा चरीचरणले ठूलो क्षति व्यहोर्नु परेको छ ।

ङ) प्राकृतिक प्रकोप

यस जिल्लाको वन क्षेत्रमा वाढी, पहिरो जस्ता प्राकृतिक प्रकोपले त्यति ठूलो असर पारेको देखिदैन । कोठी, कञ्चन, इंगुरिया, बमाहा, रोहिणी र कजरार नदीले जंगलका कोही भाग कटान गरेको भए पनि वन क्षेत्र भित्र नदी कटानको त्यति ठूलो समस्या देखिएको छैन । वन क्षेत्रमा हाल मौज्जात रहेका अधिकांश रुखहरू वुढा, धेरै पाको उमेर भएका, जरा कुहिएका र धेरै गहिराई सम्म जरा नपुगेको भएकाले चैत्र, वैशाखमा

आउने सानो तिनी हावा हुरीले समेत प्रशस्त रुखहरु ढल्ने गरेका छन् र यस्तो क्रम बढ्दो रहेको पाइन्छ । तत्कालै प्राकृतिक पूनरुत्पादनको कार्यलाई बढावा नदिने हो भने यसले कालान्तरमा वन क्षेत्र मरुभूमिकरण वन्ने संभावना देखिन्छ ।

च) ढुंगा गिटी संकलनको प्रभाव

यस जिल्लामा प्रमुख रूपमा वन क्षेत्र बाहिरका तिनाउ, दानव, कञ्चन र रोहिणी खोलाहरुबाट ढुंगा गिट्टी संकलन हुँदै आएको छ । यी नदिहरुमा विगतमा व्यापक दोहन भई नीजी तथा सार्वजनिक सम्पत्तिहरुको कटान समस्या यथावत छ । तर, हाल वातावरणीय प्रभाव मुल्यांकन प्रतिवेदन अनुसार संकलन गरिने हुँदा नियन्त्रण हुनुको साथै कम परिमाणमा संकलन हुने हुँदा जिल्लाको बढ्दो विकास निर्माण कार्यहरु जस्तै, बुटवल बेलहिया ६ लेनको सडक, बुद्ध परिक्रमापथ, भैरहवा क्षेत्रीय विमानस्थल, बढ्दो घर निर्माण, औद्योगिक क्षेत्रको विकास, आदि कार्यको लागि नदीजन्य पदार्थको व्यापक माग रहेको तथा सो आपूर्तिको लागि वन क्षेत्रमा रहेका खोला नालाबाट संकलनको लागि व्यापक दबाव परिरहेको भएता पनि हाल तथा विगतमा वन क्षेत्रमा दोहन नभएका कारण वन क्षेत्रमा त्यति नकारात्मक असर परेको पाइदैन । तथापी वन क्षेत्रबाट वगने खोला नालामा लामो समयसम्म यस्ता पदार्थको संकलनमा रोक लगाउदा कतिपय ठाउँमा कच्चा पदार्थहरु थुप्रिन गई नदी सतह समेत बढेको र वहने दिशा परिवर्तन गर्ने जस्ता समस्याहरु देखा पर्न थालेको हुँदा प्रभावकारी रूपमा नियमन गर्दै यस्ता पदार्थहरु संकलन गर्दा नदी प्रणाली र वन क्षेत्रमा सकारात्मक प्रभाव पर्ने देखिन्छ ।

२.२ वन्यजन्तुहरुको विवरण

२.२.१ स्तनधारी प्रजाति, चरा, घस्रने प्रजाति, माछा, आदिको विवरण

अति वन विनाशको चपेटामा परेको यस जिल्लामा वन्यजन्तुको वासस्थान खल्बलिनु तथा चोरी शिकारीको कारणले गर्दा वन्यजन्तु तथा वनस्पतिको संख्या घट्दै गई जैविक विविधतामा ह्रास आएको देखिन्छ । यस जिल्लामा ५० परिवारको २१३ प्रजातिका चराहरु, १८ परिवारका ३१ प्रजातिका स्तनधारी प्राणीहरु रहेको जि.व.का. रुपन्देहीले २०६९ सालमा गरेको अध्ययनबाट देखिन्छ । त्यसैगरी ४४ प्रजातिका माछा, २१ प्रजातिका रेप्टाइल्स रहेको तथ्यांक पाइएको छ । यस जिल्लामा पाइने वन्यजन्तुहरुमा खरायो, दुम्सि, जंगली विरालो, चित्तल, वनेल, निलगाई, चितुवा र कहिलेकाहीं बाघ समेत देखिएको स्थानिय वासिन्दाको भनाई छ । वन संरक्षणको कारणले गर्दा हालका दिनहरुमा निलगाईको संख्यामा अत्यधिक वृद्धि भएको छ । चराहरुमा धनेश, राजहंश, मयुर, कालिज, सुगा, ढुकुर, सुनचरो, बाज, तिब्रो आदि पर्दछन् । लुम्बिनी विकास कोष तथा आसपासको क्षेत्रमा चराहरुको अध्ययन, अनुसन्धान तथा संरक्षणका प्रयासहरु समेत भएका छन् ।

२.२.२ वन्यजन्तुका लागि महत्वपूर्ण मानिएका स्थानहरु

यस जिल्लाको उत्तरी एवं चुरे क्षेत्रमा वन क्षेत्र रहेको हुनाले वन्यजन्तुको हिसाबले चुरे क्षेत्र नै महत्वपूर्ण वासस्थान रहेको पाइन्छ । स्तनधारी वन्यजन्तुहरु विशेष गरी चित्तल, नीलगाई, दुम्सी, बँदेल, खरायो आदिको हिसाबले महत्वपूर्ण मानिएको वन क्षेत्रहरुमा तिलोत्तमा नगरपालिका अर्न्तगत रहेको शंकरनगर सामुदायिक वन, बुटवल आसपासका सामुदायिक वनहरु, सैनामैना नगरपालिका अर्न्तगतको सालभण्डी क्षेत्रको सामुदायिक तथा साभेदारी वनका साथै देवदह नगरपालिका अर्न्तगतका सामुदायिक तथा साभेदारी वन क्षेत्रहरु रहेका छन् । तिनाउखोला कोरिडोरको वन क्षेत्र खासगरी मोतिपुर र मणिग्राम क्षेत्रका खोलाकिनारको नदी उकास जग्गामा वृक्षरोपण गरी हुर्काइएका सामुदायिक वनहरुमा प्रशस्त

मात्रामा बँदेल, निलगाई तथा दुम्सी लगायतका प्रजातिहरूको अत्यधिक उपस्थिती भई आसपासको क्षेत्रमा खेती बाली, तरकारी बाली र केरा खेती गरेका किसानहरूको बाली क्षति भई मानव वन्यजन्तु द्वन्दको घटनाहरूमा समेत वृद्धि भएको पाइन्छ । त्यसैगरी जिल्लाको दक्षिणतर्फका खोला किनार र सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापन गरेका वन क्षेत्रहरूमा कहिलेकाही अजिंगरहरू समेत पाइने गरेको छ । त्यस्तै, चिल्हिया टिकको वनले परिचित बाउन्नकोटी सामुदायिक वनका साथै सिद्धार्थनगरमा रहेको गौतम बुद्ध विमानस्थलमा समेत निलगाई पाइने र समयमा समयमा स्थानीयको वाली नाली नोक्सानी गर्ने गरेको र विमानस्थलको धावनमार्गमा समेत समस्या हुने गरेको पाइन्छ । त्यस्तै लुम्बिनी विकास कोषको क्षेत्र समेत वन्यजन्तु हिसाबले महत्वपूर्ण मानिन्छ । यस जिल्लामा लोप हुन लागेको अवस्थामा रहेका गिद्धहरू गैडहवा गाउँपालिका अर्न्तगतको गैडहवा सामुदायिक वनको क्षेत्रमा तथा देवदह न.पा. अर्न्तगतको मिलन सा.व.मा रहेको पाइन्छ । पाटे बाघको बासस्थानको हिसाबले जिल्लाको पश्चिम सिमानाको कोठीखोला कोरीडोर तथा देवदह र तिलोत्तमा नगरपालिकाको वन क्षेत्र महत्वपूर्ण मानिएका छन् ।

यस जिल्लामा तिलोत्तमा नगरपालिका अर्न्तगतको शंकरनगर सामुदायिक वन क्षेत्रको वन विहार खण्ड तथा बुटवल उपमहानगरपालिका अर्न्तगतको बुटवल सामुदायिक वन क्षेत्रमा अवस्थित मणिमुकुन्द सेन उद्यान (फुलवारी)मा सानो चिडियाखानाको रूपमा वन्यजन्तुहरू पालन गरेको पाइन्छ ।

२.२.३ वन्यजन्तु संरक्षण

जिल्लाको वन क्षेत्रमा पाइने वन्यजन्तुहरूको सहभागितामुलक ढंगबाट संरक्षण गरिदै आइएको छ । खासगरी यस जिल्लाको सामुदायिक वन क्षेत्रमा पाइने वन्यजन्तुहरूको सामुदायिक वन उपभोक्ता समुह मार्फत् तथा साभेदारी वन क्षेत्रमा साभेदारी वन समुह मार्फत् वन्यजन्तुहरूको संरक्षण हुँदै आएको छ । यस बाहेक लुम्बिनी क्षेत्रमा लुम्बिनी विकास कोषले समेत वन्यजन्तुहरूको संरक्षण गर्दै आएको पाइन्छ । जिल्ला वन कार्यालयले समेत जिल्ला भित्रका वन क्षेत्र तथा वन क्षेत्र बाहिर समेत नियमित गस्ती तथा सुराकी परिचालन गरी वन्यजन्तुको चोरी तस्करी नियन्त्रण गर्दै आएको छ । समय समयमा स्थानीय बासिन्दाले समेत वन्यजन्तु वन क्षेत्र बाहिर रहेको खबर प्राप्त भई जिल्ला वन कार्यालयले वन्यजन्तुको उद्धार गर्ने गरेको छ । प्रहरी प्रशासनसँगको समन्वयमा समेत वन्यजन्तुको चोरी तस्करी नियन्त्रण गर्ने गरिएको छ । वन्यजन्तुको बासस्थान संरक्षण तथा सम्बर्द्धनका लागि सामुदायिक वनको कार्ययोजनाहरूमा त्यस्ता क्षेत्रहरूको प्रवर्द्धन गर्ने गरिएको र प्राकृतिक पुनरुत्पादनलाई बढावा दिने कार्य जिल्ला वन कार्यालयबाट हुने गरेको छ । जिल्लामा पाइने सबै खाले वन्यजन्तुहरूको डाटावेस अद्यावधिक गरिएको, बाघको बासस्थान र वन्यजन्तुको चोरी निकासी हुने संभाव्य नाकाहरूको डिजिटल नक्सा सहितको विस्तृत अध्ययन प्रतिवेदन तयार गरिएको, वन अपराधमा संदिग्ध व्यक्तिहरूको नाम नालेसी तयार गरिएको जस्ता प्रयासहरू जिल्ला वन कार्यालयबाट भएका छन् । सिमित श्रोत र साधन, वनमाथिको अत्यधिक चाप, वन्यजन्तु सम्बन्धी कर्मचारीहरूमा ज्ञान, शिप र अनुभवको अभाव, वन संरक्षण व्यवस्थापनका अन्य कार्यहरूको कार्यबोझ जस्ता कारणहरूले गर्दा वन्यजन्तु संरक्षण चुनौतिको विषय बनेको छ । तथापी जिल्लामा वन्यजन्तु संरक्षणको लागि क्षेत्रीय सहयोग प्रवर्द्धन आयोजना लागु भए पश्चात् वन्यजन्तु संरक्षण कार्यक्रम थप प्रभावकारी भएको छ । यस जिल्लामा पाइने साइटिस सुचीमा सुचीकृत प्रजातिहरूको विवरण तालिका २.८ मा दिइएको छ । पाटे बाघको हकमा स्थानीय व्यक्तिहरूले शंकरनगरको वन क्षेत्रमा २०७४ अषाढ महिनामा २-३ पटक बच्चा सहित देखिएको भनी रिपोर्ट गरेको र सोही अनुसार डब्लु डब्लु एफ को सहयोगमा १ महिनासम्म क्यामेरा ट्र्यापिङ गरिएको भएतापनि रेकर्ड हुन सकेको छैन ।

तालिका २.८: अन्तर्राष्ट्रिय संरक्षण सुचीमा सुचिकृत प्रजातिहरूको विवरण

| वन्यजन्तुको प्रकार | नेपाली नाम | वैज्ञानिक नाम | नेपाल सरकारको कानुनी अवस्था | CITES |
|--------------------|--------------|---|-----------------------------|-------|
| स्तनधारी | पाटे बाघ | <i>Panthera tigris</i> | संरक्षित वन्यजन्तु | I |
| | चितुवा | <i>Panthera pardus</i> | " | I |
| | चरी बाघ | <i>Felis bengalensis</i> | - | I |
| | लंगुर वाँदर | <i>Semenopithecus entellus</i> | - | I |
| | आसामी वाँदर | <i>Macaca assamensis</i> | संरक्षित वन्यजन्तु | II |
| | लोखर्के | <i>Ratufa indica</i> | - | II |
| | सालक | <i>Manis pentadactyla & Manis crassicaudata</i> | संरक्षित वन्यजन्तु | II |
| | स्याल | <i>Canis aureus</i> | - | III |
| | मलसाप्रो | <i>Martes flavigula</i> | - | III |
| | न्याउरी मुसा | <i>Herpestes edwardsi</i> | - | III |
| पंक्षी | धनेश | <i>Aceros nipalensis</i> | - | I |
| | चिल | <i>Aquila heliacal</i> | - | I |
| | वाज | <i>Falco jugger</i> | - | I |
| | कालो स्टर्क | <i>Ciconia nigra</i> | संरक्षित पक्षि | II |
| | सेतोस्टर्क | <i>Ciconia ciconia</i> | संरक्षित पक्षि | |
| | सारस | <i>Grus antigon</i> | | |
| | ढाडे गिद्ध | <i>Gyps bengalensis</i> | - | II |
| | टुईसे सुगा | <i>Psittacula cyanocephala</i> | - | II |
| | कर्रा सुगा | <i>Psittacula eupatria</i> | - | II |
| | कालो गिद्ध | <i>Sarcogyps calvus</i> | - | II |
| सरिसृप | सुन गोहोरो | भारानस फ्लामेसेन्स | संरक्षित सरिसृप | I |
| | अजिङ्गर | <i>Python molurus</i> | संरक्षित सरिसृप | I |
| | गोमन | <i>Naja naja</i> | - | II |

स्रोत : नेपालमा साइटिस कार्यान्वयन, परिचय र पहिचान पुस्तिका

माथि उल्लेखित वन्यजन्तुहरू मध्ये रूपन्देही जिल्लामा सबै स्तनधारी प्रजातीहरू पाइने गर्दछन् । धनेश, चिल, वाज, ढाडे गिद्ध, टुईसे सुगा, कर्रा सुगा आदि समेत सिजनल रूपमा पाइने गर्दछन् । यस जिल्लामा हालसम्म गोही प्रजाती भेटिएको छैन । अजिङ्गर र गोमन पनि यहाँ पाइने गर्दछन् । तथापि वन्यजन्तुहरूको वास्तविक अवस्थाको बारेमा विस्तृत जानकारीका लागि भने थप अनुसन्धान गर्नु आवश्यक देखिन्छ ।

भाग ३ वन सदुपयोग

३.१ जिल्लाको जनसंख्या तथा घरधुरी

वि.सं. २०६८ को जनगणना अनुसार यस जिल्लाको कुल जनसंख्या ८,८०,१९६ रहेको छ । जसमध्ये पुरुष ४,३२,१९३ (४९.१ %) र महिला ४,४८,००३ (५०.९ %) रहेको छ । यस जिल्लाको जम्मा घरधुरी १,६३,९१६ रहेको छ भने जिल्लाको औसत ५.३७ प्रति परिवार, जनघनत्व ६४७ प्रति वर्ग कि.मि. र जनसंख्या वृद्धिदर २.१७ प्रतिशत रहेको छ । रुपन्देही जिल्ला जनसंख्याको दृष्टिकोणबाट नेपालको तेस्रो ठुलो जिल्ला हो । यस जिल्लाको साक्षरता प्रतिशत ६९.७८ प्रतिशत रहेको छ ।

यहाँका प्रमुख जातजातिमा ब्राम्हण, क्षेत्री, थारु, मसुलमान, यादव, लोध, गुरुङ, पासी, तेली, मल्लाह, धोवी आदि हुन् ।

३.२ बजार तथा बजार योग्य उत्पादनहरू

यस जिल्लाको प्रमुख बजार क्षेत्रहरूमा भैरहवा, बुटवल, मुर्गीया, वेलहिया, मणिग्राम, पश्चिम अमुवा, मभगाँवा, कोटीहवा, धकधई, लुम्बिनी, पडरिया, सालभण्डी, ठुटीपिपल, खैरेनी, सौं. फर्साटिकर, भलवारी, मंगलापुर, बाँसगढी, सुर्यपुरा, जोगडा, ड्राइभरटोल, शंकरनगर आदि हुन् ।

यस जिल्लामा खपत हुने मुख्य वन पैदावरहरूमा काठ र दाउरा नै प्रमुख हो । प्रशोधित काठ फर्निचरको रूपमा बजारमा बिक्री हुने गर्दछ । त्यसैगरी ढुंगा, गिटी, ग्राभेल, बालुवा यस जिल्लामा खपत हुने दोश्रो मुख्य वन पैदावरमा पर्दछ ।

३.३ घरायसी प्रयोगका बस्तुहरू

वनबाट प्राप्त हुने काठ, दाउराको साथ साथै डालेघाँस, भूईँघाँस, पात पतिंगर, स्याउला जस्ता वस्तुहरू घरायसी प्रयोगमा आउने वस्तुहरू हुन् । त्यसैगरी वन क्षेत्रमा फल्ने फलहरू जस्तै: अमला, हरो, बरो, कुरिलो, भोर्ला, सालको पात, थाकल पत्ता, बिडी पत्ता, सालको बीउ, सिमलको भुवाका साथै विभिन्न प्रकारका च्याउ, निउरो, जस्ता गैह्रकाष्ठ वन पैदावरहरू समेत वन क्षेत्रबाट घरायसी प्रयोगका लागि संकलन गरिने गर्दछ । यस जिल्लामा यस्ता प्रकारका वन पैदावरहरू प्रशस्त मात्रामा नहुने र स्थानीय उपभोक्ताहरूले घरायसी प्रयोजनको लागि मात्र संकलन गर्ने गर्दछन् ।

३.४ वनजन्य बस्तुहरूको माग र आपूर्तिको अवस्था (वन क्षेत्रमा पर्न सक्ने चापहरू)

३.४.१ वन पैदावरको माग

यस जिल्लामा आगामी ५ वर्षको लागि प्रक्षेपण गरिएको वन पैदावर (काठ र दाउरा) को माग तालिका ३.१ मा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका ३.१ : आगामी ५ वर्षको वन पैदावरको माग

| सि.नं. | आर्थिक वर्ष | जनसंख्या* | घरधुरी* | दाउरा (चट्टा)** | काठ (घ.फि.)*** |
|--------|-------------|-----------|---------|-----------------|----------------|
| १ | ०७५/७६ | १०२२९२३ | १९०४८९ | ५९३१ | ७४२९०७ |
| २ | ०७६/७७ | १०४५१२० | १९४६२२ | ६०६० | ७५९०२६ |
| ३ | ०७७/७८ | १०६७८०० | १९८८४६ | ६१९१ | ७७५४९९ |
| ४ | ०७८/७९ | १०९०९७१ | २०३१६१ | ६३२५ | ७९२३२८ |
| ५ | ०७९/८० | १११४६४५ | २०७५६९ | ६४६३ | ८०९५१९ |

श्रोत : * राष्ट्रिय जनगणना २०६८ को आधारमा प्रक्षेपण गरिएको

** दाउराको खपत तराईमा ४०८ कि.ग्रा. प्रति परिवार प्रतिवर्ष तथा रुपन्देही जिल्लामा २०६८ को जनगणना अनुसार कुल घरधुरीको ३४.३४ प्रतिशतले मात्र इन्धनको रूपमा दाउरा खपत गर्ने आधारमा प्रक्षेपण गरिएको ।

*** काठको खपत ०.११ घ.मि. (३.९ घ.फि.) प्रति परिवार प्रति वर्षको आधारमा प्रक्षेपण गरिएको ।

३.४.२ वन पैदावरको आपूर्ति

हाल यस जिल्लामा तालिका ३.२ मा उल्लेख भए अनुसारका निकायले काठ दाउराको आपूर्ति गर्दै आएका छन् । वन पैदावरको माग अनुसार काठ करिब ७० प्रतिशत र दाउरा करिब २८ प्रतिशत मात्र आपूर्ति भएको देखिन्छ । अन्य जिल्लाबाट स्थानान्तरण भई आएको काठ नै आपूर्तिको मुख्य श्रोत देखिन्छ भने दाउराको आपूर्तिमा सामुदायिक वन र नीजि वन तथा आवादी जग्गाको उत्पादनले ठूलो हिस्सा ओगटेको छ । योजना अवधिमा तालिका ३.२ मा उल्लेख भए अनुसार वार्षिक रूपमा वन पैदावर आपूर्ति हुन सक्ने देखिन्छ ।

तालिका ३.२ वन पैदावर आपूर्तिको अवस्था

| सि.नं. | आपूर्ति गर्ने निकाय | काठ (घ.फि) | | दाउरा (चट्टा) | | कैफियत |
|--------|---------------------------------|-----------------|------------|---------------|------------|--------|
| | | परिमाण | प्रतिशत | परिमाण | प्रतिशत | |
| १ | सरकारद्वारा व्यवस्थित वन | १,००० | ०.१ | ४ | ०.२ | |
| २ | लुम्बिनी साभेदारी वन | ६६,५०० | १०.१२ | १३६ | ७.८ | |
| ३ | देवदह साभेदारी वन | २५,००० | ३.०१ | ५५ | २.७५ | |
| ४ | सामुदायिक वन* | २,८०,००० | ३३.७३ | ९३० | ४६.६ | |
| ५ | नीजि आवादी जग्गाको उत्पादन | | | | | |
| | घरसारमा खपत | ७०,००० | ८.४३ | २५० | १२.५३ | |
| | व्यापारिक प्रयोजनको लागि बिक्री | ७०,००० | ८.४३ | ३०० | १५.०३ | |
| ६ | अन्य जिल्लाबाट भित्रिएको | ३,००,००० | ३६.१४ | ३०० | १५.०३ | |
| | जम्मा | ६,१२,५०० | १०० | १९९५ | १०० | |

* सामुदायिक वनको जम्मा सञ्चित मौज्दातको २ प्रतिशत वार्षिक वृद्धिदर तथा सो को ६० प्रतिशत वार्षिक संकलन परिमाण मानी ५० प्रतिशत काठ तथा ५० प्रतिशत दाउरा मानी प्रक्षेपण गरिएको ।

श्रोत : जिल्ला वन कार्यालय रुपन्देही, २०७५

३.४.३ विगत ५ वर्षको काठ दाउरा बिक्रीको विवरण

यस जिल्लामा वैज्ञानिक वन व्यवस्थापनका कार्यक्रम आ.व. ०६९।७० बाट केही सामुदायिक वन तथा लुम्बिनी साभेदारी वनमा शुरु भएको छ । सो भन्दा अघि वन क्षेत्रमा रहेका ढलापडा र सुख्खड रुखहरुबाट मात्र काठ दाउराको संकलन गरी बिक्री वितरण गरिदै आइएको थियो । विगत ५ वर्षमा जिल्ला वन कार्यालयबाट ढलापडा संकलन तथा वैज्ञानिक वन व्यवस्थापनको क्रममा उत्पादन भई बिक्री वितरणको लागि आदेश भएको काठ दाउराको परिमाण तल तालिका ३.३, सामुदायिक वन तथा नीजि आवादी जग्गामा रहेको काठ दाउराको बिक्री वितरणको विवरण तालिका ३.४ र साभेदारी वन समुहको भागमा परी समुहबाट बिक्री वितरण भएको काठ दाउराको विवरण तालिका ३.५ मा दिइएको छ ।

तालिका ३.३ : विगत ५ वर्षमा जि.व.का, टिसिएन र आपूर्ति समितिबाट भएको काठ दाउरा बिक्रीको विवरण

| सि.नं. | आ.व. | जि.व.का.को बिक्री | | | टि सि एन को बिक्री | | | आपूर्ति समितिको बिक्री | | |
|--------|-------|-------------------|----------|-------|--------------------|------|-------|------------------------|--------|-------|
| | | साल | अन्य | दाउरा | साल | अन्य | दाउरा | साल | अन्य | दाउरा |
| १ | ०७०।७ | ७२१.१३ | १४२०.६५ | २.५ | ५१७९.३५ | ० | ० | ७५७८.१४ | ० | १२ |
| २ | ०७१।७ | १८३३७.५१ | १९४३२.९३ | ७४ | ० | ० | ० | १४२६५.२९ | ० | ७ |
| ३ | ०७२।७ | ११३३९.३९ | १२५०९.६६ | १९ | ० | ० | ० | १४९२०.७५ | ० | १४.९ |
| ४ | ०७३।७ | १४२७५.७६ | २२४०२.१३ | १०७ | ० | ० | ० | १५१३४.९२ | ० | १० |
| ५ | ०७४।७ | ११९७०.६१ | ८९८७.८ | ५६.४ | ० | ० | ० | १८३४१.१५ | २१०.४७ | ३५.५ |

श्रोत : जि.व.का. रुपन्देही, २०७५

तालिका ३.४ सामुदायिक वन तथा नीजि आवादी जग्गाको काठ दाउरा बिक्रीको विवरण

| सि.नं. | आ.व. | सा.व. आन्तरिक बिक्री | | | सा.व.को बाहिर बिक्री | | | नीजि आवादीको बिक्री | |
|--------|-------|----------------------|----------|--------|----------------------|----------|-------|---------------------|--------|
| | | साल | अन्य | दाउरा | साल | अन्य | दाउरा | अन्य | दाउरा |
| १ | ०७०।७ | २३८३४.९६ | ४५५१.६८ | १८.७२ | १२३७.२० | २७७१.०८ | १९.०० | ८०९७४.५० | २२०.२६ |
| २ | ०७१।७ | ४२०९८.५० | ९६२८.११ | १२७.६४ | २७८१.२८ | ३९७९.७८ | १०.०० | १०६२३७.६९ | २४४.९ |
| ३ | ०७२।७ | ७४०२०.५४ | १८३३४.३ | १८०.८५ | ३५६३.४३ | १२६३९.५७ | ३८.०० | ६५३३२.२२ | १६०.५२ |
| ४ | ०७३।७ | ४६७३१.७८ | २४०३९.०३ | १७०.०४ | ६८००.६२ | ७१९२.२२ | २९.०० | ७७०८८.३५ | १९०.२३ |
| ५ | ०७४।७ | ४६००३.३८ | १३७७१.०३ | १२४.७६ | ५५२९.०३ | १७२६०.२६ | ३६.७५ | ४४५९०.६७ | ६०.९७ |

श्रोत : जि.व.का. रुपन्देही, २०७५

तालिका ३.५ विगत ५ वर्षमा साभेदारी वनबाट काठ दाउरा बिक्रीको विवरण

| सि.नं. | आ.व. | लुम्बिनी साभेदारी वन | | | | | | देवदह साभेदारी वन | | |
|--------|-------|--------------------------|------|-------|--------------|-------|-------|--------------------------|------|-------|
| | | समुहभित्र आन्तरिक बिक्री | | | लिलाम बिक्री | | | समुहभित्र आन्तरिक बिक्री | | |
| | | साल | अन्य | दाउरा | साल | अन्य | दाउरा | साल | अन्य | दाउरा |
| १ | ०७०।७ | १०३६० | १६०५ | ४५ | ० | ६५५४ | ० | ० | ० | ० |
| २ | ०७१।७ | २०१४७ | १६२० | ७४ | १३६४ | १००३३ | ० | ० | ० | ० |
| ३ | ०७२।७ | १२८५१ | १५९० | ४१ | ४४४१ | ६९०१ | ० | ० | ० | ० |
| ४ | ०७३।७ | १२५४० | १४४० | ४५ | १४१५ | ६९२६ | ० | ० | ० | ० |
| ५ | ०७४।७ | १५७२ | १५८० | ४२ | १७२६ | ० | ० | ६६७२ | १८९१ | २९ |

श्रोत : सम्बन्धित साभेदारी वनको रेकर्ड २०७५

३.५ मुख्य वनजन्य प्रजातिहरूको संकलन तरिका तथा त्यसको खर्चहरू

यस जिल्लामा मुख्यतया सामुदायिक वन समुहहरू, साभेदारी वन व्यवस्थापन समुहहरू र नीजि तथा आवादीबाट वनजन्य प्रजातिहरूको संकलन गर्ने गरेको पाइन्छ। सामुदायिक वन समुह वा साभेदारी वन व्यवस्थापन समुहको स्विकृत वन व्यवस्थापन कार्ययोजनामा उल्लेख भए अनुसारको वन संबर्द्धन प्रणाली अपनाई सञ्चालन गरिने वन संबर्द्धनका कृयाकलापहरू (पुनरुत्पादन कटान, अन्तिम कटान, पत्ल्याउने, गोडमेल, भाडी सफाई, आदि) तथा वन विकास (वन पथ तथा अग्नि रेखा निर्माण) का कार्यहरू गर्दा उत्पादन हुने वन पैदावरहरू संकलन गरिनेछ। उल्लेखित कार्ययोजनामा संकलन गरिने तौर तरिकाको विस्तृत कार्यविधि तोकिएको छ। प्रचलित वन पैदावर संकलन सम्बन्धी निर्देशिकाले तोकेको प्रकृया अवलम्बन गरी समुह, इ.व.का., से.व.का., जि.व.का.ले निरिक्षण, प्रमाणीकरण गरे पश्चात् इजाजत प्राप्त गरेर मात्र संकलन कार्य गरिनेछ। सम्बन्धित समुहहरूले काठ दाउरा संकलन गर्दा स्विकृत वन व्यवस्थापन कार्ययोजनामा तोकिएको प्रकृया अनुसार समुह आफैले वा ठेक्का बन्दोबस्तबाट काठ दाउरा संकलन गर्ने गर्दछन्। साभेदारी वन र सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको हकमा सम्बन्धित समुह र जिल्ला वन कार्यालयले तोकिएको प्रकृया पुरा गरी ठेक्का बन्दोबस्तबाट काठ दाउरा संकलन गरिनेछ। सरकारद्वारा व्यवस्थित वनबाट ढलापडा रुखहरू मात्र संकलन गरिनेछ। वन पैदावर संकलन गर्दा लाग्ने खर्चको अनुमान जिल्लाको स्विकृत दर रेट तथा वन तथा भू संरक्षण मन्त्रालयले स्विकृत गरेको नर्मस् अनुसार हुनेछ र सो को खर्च सम्बन्धित समुहले आफ्नो कोषबाट व्यहोर्छ।

३.६ मुख्य प्रजातिहरूको दर

यस जिल्लामा राष्ट्रिय वन क्षेत्रबाट संकलन हुने वन पैदावर जिल्ला वन कार्यालयले टेण्डर प्रकृयाबाट लिलाम गरी बिक्री वितरण गर्दछ। सामुदायिक वन क्षेत्रमा उत्पादन हुने वन पैदावर स्विकृत कार्ययोजनामा उल्लेख भएको दर रेट अनुसार आन्तरिक खपतको लागि र बाह्य बिक्री वितरणको लागि टेण्डर प्रकृयाबाट लिलाम बिक्री गर्ने गर्दछन्। हालका वर्षहरूमा सामुदायिक वन समुहहरूले समेत आन्तरिक बिक्री वितरण गर्दा कम्तिमा नेपाल सरकारले तोकेको राजश्व दर रेटलाई अवलम्बन गर्न जिल्ला वन कार्यालयले कडाइका साथ पालना गराउने प्रयास गरेको छ। साभेदारी वन क्षेत्रबाट उत्पादन भएको वन पैदावर जिल्ला वन आपूर्ति समितिको दर रेट अनुसार नै उपभोक्ताहरूलाई बिक्री वितरण गर्ने गरिएको छ। जिल्ला वन पैदावर आपूर्ति समिति मार्फत् बिक्री वितरण हुने वन पैदावरको आ.व. ०७०।७१ र आ.व. ०७४।७५ को दर रेट तालिका ३.६ मा दिइएको छ।

तालिका ३.६: जिल्लामा काठ दाउरा बिक्री मुल्यको अवस्था

| सि. नं. | आ.व. | प्रजाति | ग्रेड | किसिम | इकाई | आपूर्ति समितिको दर (कर समेत) रु. | लिलाम बिक्री हुँदाको अधिकतम दर (संकलन खर्च र मु.अ.कर बाहेक) |
|---------|--------|---------|-------|--------|-------|----------------------------------|---|
| १ | ०७०।७१ | साल | ए | गोलिया | घ.फि. | १४००।०० | |
| | | साल | बि | गोलिया | घ.फि. | १०००।०० | |
| | | साल | सि | गोलिया | घ.फि. | ६००।०० | |
| | | अन्य | | गोलिया | घ.फि. | नभएको। | |
| | | | दाउरा | | चट्टा | २०,०००।०० | |
| २ | ०७४।७५ | साल | ए | गोलिया | घ.फि. | १४४६।०० | ३०८४।१७ |
| | | साल | बि | गोलिया | घ.फि. | ९५३।०० | १९२७।६० |
| | | साल | सि | गोलिया | घ.फि. | ६२४।०० | ११५६।५६ |
| | | अस्ना | ए | गोलिया | घ.फि. | ६२४।०० | |

| सि. नं. | आ.व. | प्रजाति | ग्रेड | किसिम | इकाई | आपूर्ति समितिको दर (कर समेत) रु. | लिलाम बिक्री हुँदाको अधिकतम दर (संकलन खर्च र मु.अ.कर बाहेक) |
|---------|------|-----------------------|-------|--------|-------|----------------------------------|---|
| | | अस्ना | बि | गोलिया | घ.फि. | ४५९१०० | |
| | | सिसौ (गोलाई ४८" माथि) | | गोलिया | घ.फि. | ७८८१०० | |
| | | सिसौ (गोलाई ४८" मुनि) | | गोलिया | घ.फि. | ४५९१०० | |
| | | टिक | | गोलिया | घ.फि. | ९५३१०० | |
| | | दाउरा (साल) | | | चट्टा | २६८८५१०० | |
| | | दाउरा (टिक/ अस्ना) | | | चट्टा | ३२८८५१०० | |
| | | दाउरा (अन्य) | | | चट्टा | २०,८८५१०० | |

श्रोत: जि.व.का. रुपन्देही २०७५

३.७ वन पैदावरमा आधारित उद्योग व्यवसायहरूको विवरण

यस जिल्लामा सरकारी तथा संस्थागत रूपमा हालसम्म कुनै पनि वन पैदावारमा आधारित उद्योग संचालनमा छैनन् । तथापि निजी स्तरमा संचालित वन पैदावारमा आधारित उद्यम व्यवसायको कमि छैन । घरेलु तथा साना उद्योग कार्यालय रुपन्देही दर्ता भई जिल्ला भित्र सञ्चालन भएका वन पैदावारमा आधारित उद्योगहरूको विवरण तालिका ३.७ मा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका ३.७ रुपन्देही जिल्लामा सञ्चालित वन पैदावारमा आधारित उद्योगहरूको विवरण

| सि नं | उद्योगको किसिम | स्थान | संख्या | कैफियत |
|-------|--------------------------------------|------------|--------|--------|
| १ | स: मिल | जिल्ला भरी | १८६ | |
| २ | फर्निचर उद्योग | जिल्ला भरी | ४७४ | |
| ३ | इटा टायल बनाउने फ्याक्ट्री | जिल्ला भरी | ६७ | |
| ४ | प्लाइउड उद्योग | जिल्लाभरी | २ | |
| ५ | भेनियर उद्योग | जिल्लाभरी | ४ | |
| ६ | रोजिन एण्ड टर्पेन्टाइन उद्योग | मधवलिया | २ | |
| ७ | कत्था उद्योग | त्रिहिया | २ | |
| ८ | जडिबुटी प्रशोधन प्लान्ट | जिल्ला भरी | ६ | |
| ९ | बीउ विजन बिक्री केन्द्र | जिल्ला भरी | २ | |
| १० | फलफुल तथा जडिबुटि नर्सरी | जिल्लाभरी | १७ | |
| ११ | कसर, रोडा, ढुंगा उत्पादन तथा प्रशोधन | जिल्लाभरी | ९५ | |

श्रोत : घरेलु तथा साना उद्योग कार्यालय, रुपन्देही, २०७०

३.८ वन पैदावरको वितरण तथा बिक्रीको तरिका

यस जिल्लामा जडिबुटीहरू संकलन नगरिने हुँदा बिक्री वितरण प्रकृया उल्लेख गरिएको छैन । साभेदारी वन व्यवस्थापनबाट नेपाल सरकारलाई प्राप्त हुने काठ दाउरा मध्ये आपूर्ति समितिलाई छुट्याई बाँकी रहन गएको काठ दाउरा र सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको काठ दाउराको लिलाम बिक्री गर्दा वन पैदावर संकलन तथा बिक्री वितरण निर्देशिका २०७३ बमोजिम गरिनेछ । आपूर्ति समितिबाट बिक्री वितरण गर्दा समितिको कार्यविधि तथा स्विकृत कार्ययोजना बमोजिम गरिनेछ । सामुदायिक वन समूहहरूबाट उत्पादन

हुने वन पैदावर सामुदायिक वनको वन पैदावर संकलन तथा बिक्री वितरण निर्देशिका २०७१ र स्विकृत वन व्यवस्थापन कार्ययोजना अनुसार बिक्री वितरण हुने गरेकोछ । यदि यो कार्यविधि निर्देशिका संशोधन भएमा सोही अनुसार अनुसरण गरिनेछ ।

३.९ ढुंगा गिट्टी, बालुवा संकलन

विगतको पञ्चवर्षिय कार्ययोजनाको अवधिमा आ.व. ०६५।६६ र ०६६।६७ को अवधीमा करिब २० लाख घन फिट नदीजन्य पदार्थ वन क्षेत्रबाट ठेक्का बन्दोबस्त गरी बिक्री वितरण भएको भएतापनि सर्वोच्च अदालतको आदेश तथा नेपाल सरकारको निर्णय बमोजिम एकद्वार प्रणालीबाट बिक्री वितरण गर्ने निर्णय भएतापनि त्यसपछिका वर्षहरुमा जिल्ला वन कार्यालय तथा जिल्ला विकास समितिबाट नदिजन्य पदार्थ ठेक्का बन्दोबस्त गरी बिक्री वितरण भएको छैन । तथापी नदीजन्य पदार्थ नदी किनारमा थुप्रिन गई उक्त स्थानबाट नदी जन्य पदार्थ ननिकाल्दा नदी खोलाबे बहाव परिवर्तन गरी वन जंगल वस्ती र अन्य भौतिक संरचनाको नोक्सानीको साथै दैवि प्रकोपको घटना समेत घट्न सक्ने भएकाले त्यस्तो स्थानको मात्र संवेदनशीलतालाई मध्यनजर गरी नदीजन्य पदार्थ स्थानीय विकास निर्माणमा प्रयोग गर्ने गरी जिल्ला दैवि प्रकोप उद्धार समितिबाट निर्णय भए पश्चात् मात्र नगन्य मात्रामा नदीजन्य पदार्थ बिक्री वितरण गरेको पाइन्छ ।

विगतको कार्ययोजनाको अवधीमा उत्पादन भएको तथ्यांकहरुको विश्लेषण तथा प्रारम्भिक वातावरणीय परिक्षणको आधारमा आगामी पाँच वर्षको लागि प्रस्तावित कार्ययोजनाको अवधीमा यस जिल्लाका राष्ट्रिय वन क्षेत्रका खोला नदीबाट उपलब्ध हुन सक्ने ढुंगा, ग्राभेल, बालुवा बढीमा तालिका ३.८ मा उल्लेखित परिमाण मात्र प्रचलित ऐन, नियम, निर्देशिका र सरकारको निर्णय बमोजिम खोला नदीको सतहबाट संकलन गरी निकाल्न प्रस्ताव गरिएको छ ।

तालिका ३.८ : आगामी ५ वर्षमा वन क्षेत्रका खोला, नदीबाट उत्पादन हुनसक्ने नदीजन्य पदार्थको विवरण

| सि.नं. | खोलाको नाम | किसिम | हरेक आ.व. मा उत्पादन हुन सक्ने परिमाण घ.फि | | | | |
|--------|--|---------|--|----------------|----------------|----------------|----------------|
| | | | ०७५/७६ | ०७६/७७ | ०७७/७८ | ०७८/७९ | ०७९/८० |
| १ | राष्ट्रिय वन क्षेत्रका खोला तथा नदीहरु | ढुंगा | १२३५००० | १३५०००० | १२५०००० | १२००००० | ११००००० |
| | | ग्राभेल | ८३७००० | १४००००० | १२००००० | १६५०००० | १३५०००० |
| | | बालुवा | ११००० | ५०००० | २५००० | ५०००० | ५०००० |
| | कूल जम्मा | | २०८३००० | २८००००० | २४७५००० | २९००००० | २५००००० |

रुपन्देही जिल्लाको खोला तथा नदीको मुहान शिवालिक तथा महाभारत पर्वत शृंखलाहरु हुन् । यस्ता खोला नदीले वर्षातको समयमा प्रशस्त नदीजन्य पदार्थ बगाई वन क्षेत्र भित्र समेतका नदी सतह, नदी किनार र नदीको बहाव कम हुने वन क्षेत्रमा थुपार्ने गरेको पाइन्छ । यसरी थुप्रेका नदीजन्य पदार्थ उल्लेखित स्थानबाट ननिकाल्दा नदी उकास बढ्न गई खोला नदीले आफ्नो बहाव परिवर्तन गरी वन जंगल, वस्ती र अन्य भौतिक संरचनाहरुको व्यापक नोक्सानी हुन सक्ने अवस्था सिर्जना भएको समस्याहरु देखाइएका छन् । कतिपय स्थानमा भारी यान्त्रीक उपकरणको प्रयोग नगरी हटाउन नसकिने अवस्था समेत देखिन्छ । अर्कोतर्फ यी नदीजन्य पदार्थ व्यवस्थित रूपमा ननिकाल्ने हो भने नदीको सतह गहिरिन गई विगतमा तिनाउ नदीमा भएको समस्या यस क्षेत्रमा समेत सिर्जना हुन सक्ने देखिन्छ । तसर्थ प्रस्तावित तालिका ३.८ मा उल्लेखित परिमाणमा नबढ्ने गरी कुन कुन खोला तथा नदीबाट के कति परिमाणमा यस्ता नदिजन्य पदार्थ निकाल्न सकिने हो सो यकिन गर्न प्रत्येक वर्ष जिल्ला अनुगमन समितिको निर्णयमा वन क्षेत्रको लागि छुट्टै एक प्राविधिक अध्ययन टोलीको गठन गरी उक्त टोलीको प्रतिवेदनको आधारमा कुन कुन स्थानबाट के कति परिमाण संकलन गर्न सकिने सो एकिन गरिनेछ ।

प्राविधिक टोलीको संयोजक जिल्ला वन अधिकृत वा निजले तोकेको अधिकृत हुनेछ भने सदस्यहरूमा जिल्ला अनुगमन समितिले तोकेको प्राविधिक र सम्बन्धित सेक्टर वन कार्यालय वा इलाकाको प्रमुख रहनेछ । प्राविधिक अध्ययन टोलीले तालिका ३.८ मा उल्लेखित परिमाणको सिमाभित्र रही कुन निश्चित स्थानमा के कस्तो विशेष कारणले भारी यान्त्रिक उपकरण प्रयोग गर्न पर्ने भनी औचित्य र पुष्ट्याई समेतको प्रतिवेदन पेश गरेमा जिल्ला अनुगमन समितिको निर्णयले यस्तो अनुमति दिन सक्ने व्यवस्था रहने भएता पनि भारी यान्त्रिक उपकरण प्रयोग गर्ने कार्यलाई पुर्ण रूपमा निरुत्साहन गरिनेछ ।

३.१० खनिज उत्खनन उद्योगहरूको विवरण

यस जिल्लामा भएका क्रसर, रोडा, ढुंगा उत्पादन तथा प्रशोधन उद्योगहरूको बारेमा माथि तालिका ३.७ उल्लेख गरिएको छ । त्यो बाहेक यस जिल्लामा अन्य खनिज उत्खनन उद्योगहरू भएको रेकर्ड कहिं कतै उल्लेख भएको पाइदैन ।

३.११ व्यवसायिक कबुलियती वनहरूको विवरण

यस जिल्लामा हालसम्म कुनै पनि व्यवसायिक कबुलियती वन हस्तान्तरण भएको छैन ।

३.१२ अन्य वन पैदावरहरूको उत्पादन, वितरण तथा बिक्री

यस जिल्लाको राष्ट्रिय वन क्षेत्रबाट विगत १० वर्षमा जडिबुटी संकलन तथा बिक्री वितरण भएको देखिदैन । यसो भएतापनि यस जिल्लाको वन क्षेत्रमा विभिन्न प्रजातिका जडिबुटीहरू पाइने भएकोले सामुदायिक वन तथा साभेदारी वनहरूबाट स्विकृत कार्ययोजनामा उल्लेखित जात तथा परिमाणको जडिबुटी संकलन गर्न माग भई आएमा सोही कार्ययोजनाको परिधिभित्र रही संकलन तथा बिक्री वितरण इजाजत दिइनेछ । जडिबुटी तथा अन्य वन पैदावर संकलन तथा बिक्री वितरण वन नियमावली २०५१ मा भएको व्यवस्था बमोजिम गरिनेछ । तराईको समथर भू भाग देखी चुरे क्षेत्र सम्मको भौगोलिक विशेषता भएको यस जिल्लाको वन क्षेत्रमा फाट्टफुट्ट मात्रामा कुरिलो, बनकस (खर), अमला, हरो, बरो र बेत लगायतका वन पैदावरहरू पाइन्छ । यी वन पैदावरहरूको श्रोतलाई विचार गरी दिगो संकलनको अवधारणा अनुरूप सरकारद्वारा व्यवस्थित वन, सामुदायिक वन र साभेदारी वनबाट तपसिल बमोजिमका जात र परिमाणको जडिबुटी तथा वन पैदावर प्रत्येक वर्ष संकलन गर्न पाइने व्यवस्था कायम गरिएको छ ।

| सि. नं. | प्रजाति | बैज्ञानिक नाम | प्रयोग हुने भाग | संकलन गर्ने परिमाण (के.जी.) | | जम्मा संकलन गर्न सकिने परिमाण (के.जी.) |
|---------|--------------|-----------------------|-----------------|---|--------------|--|
| | | | | सरकारद्वारा व्यवस्थित वन (साभेदारी वन समेत) | सामुदायिक वन | |
| १ | अमला | <i>P. emblica</i> | फल | १००० | १००० | २००० |
| २ | कुरिलो | <i>A. officinalis</i> | जरा | ३००० | २००० | ५००० |
| ३ | हरो | <i>T. chebula</i> | फल | २००० | २००० | ४००० |
| ४ | बरो | <i>T. belerica</i> | फल | २००० | २००० | ४००० |
| ५ | बेत | <i>C. tenuis</i> | काण्ड | ० | ५००० | ५००० |
| ६ | लेमन ग्रास | <i>C. species</i> | पुरै भाग | ० | ५००० | ५००० |
| ७ | खर | <i>C. species</i> | पुरै भाग | ९००० | ५००० | १४००० |
| | जम्मा | | | १७००० | २२००० | ३९००० |

भाग ४ वन व्यवस्थापन कार्ययोजना

४.१ अबधि

यस जिल्ला वन व्यवस्थापन कार्ययोजनाको अवधी आ.व. २०७५/०७६ देखि आ.व. २०७९/०८० सम्म ५ वर्षका लागि रहेको छ ।

४.२ दूरदृष्टि, लक्ष्य तथा उद्देश्य

दूरदृष्टी (Vision)

यस जिल्लामा स्थानीय समुदाय, सरकारी निकाय र नीजि क्षेत्रको सहभागितामा दिगो एवं वैज्ञानिक रूपमा वनको व्यवस्थापन तथा विस्तार गरी जिल्लाको सामाजिक विकास, आर्थिक समृद्धि र वातावरणीय सन्तुलन कायम भएको हुनेछ ।

लक्ष्य (Goal)

वनको दिगो एवं वैज्ञानिक व्यवस्थापन तथा विस्तारद्वारा जिल्लामा वन पैदावारको सतत् आपूर्ति तथा आयआर्जन एवं रोजगारी श्रृजना गर्नुका साथै राष्ट्रिय अर्थतन्त्र र वातावरणीय सन्तुलनमा टेवा पुऱ्याउने रहेको छ ।

अल्पकालिन उद्देश्यहरू

- वैज्ञानिक वन व्यवस्थापनको माध्यमबाट वन पैदावारको उत्पादन बढाई जनताको वन पैदावार सम्बन्धी आवश्यकता पूरा गर्नुका साथै राजश्वमा बृद्धि गर्ने ।
- वन देखी टाढा रहेका क्षेत्रहरूमा नीजि तथा सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापन मार्फत वन पैदावारको उत्पादन तथा आपूर्ति बृद्धि एवं जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण गर्न टेवा पुऱ्याउने ।
- वन, वातावरण र जैविक विविधताको प्रभावकारी संरक्षण गरी वातावरणीय सेवामा अभिवृद्धि गर्ने ।
- वन क्षेत्रलाई स्थानीय जनताको रोजगार र आय आर्जनको माध्यम बनाई गरीबी न्यूनीकरणमा टेवा पुऱ्याउने ।
- वन क्षेत्रमा क्षमता अभिवृद्धि एवं सहभागिता, समावेशी, पारदर्शिता, योजना, अनुगमनलाई बढावा दिई शुसासनलाई सफल बनाउदै जाने ।

दिर्घकालिन उद्देश्यहरू

- वैज्ञानिक वन व्यवस्थापनको माध्यमबाट वनको हैसियतमा सुधार गर्दै वन पैदावारको उत्पादन बढाई जनताको वन पैदावार सम्बन्धी आवश्यकता पूरा गर्दै राजश्व बृद्धि गरी राष्ट्रिय अर्थतन्त्रमा टेवा पुऱ्याउने ।
- वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन मार्फत स्थानीय रोजगार बृद्धि र वनको उच्चमीकरण गरी गरिवी न्यूनीकरणमा टेवा पुऱ्याउने ।
- निजी तथा संस्थागत जग्गामा वन विस्तार गरी वातावरण सन्तुलन, वन पैदावारमा आत्मनिर्भर, उत्पादन बृद्धि गरी जिविकापार्जनमा टेवा पुऱ्याउने ।

- वन व्यवस्थापन र विस्तार मार्फत वन क्षेत्रमा सहभागिता, समावेशी, शुसासनका अवधारणाहरूलाई मुर्त रूप दिई जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरण गर्न टेवा पुऱ्याउने ।

४.३ कार्यनीति

उपरोक्त अल्पकालिन तथा दिर्घकालिन उद्देश्यहरू प्राप्तिका लागि निम्न कार्यनीतिहरू अपनाइनेछ ।

- स्थानीय जन समुदायलाई सहभागी गराइ विभिन्न ढाँचाको सहभागितामुलक र समावेशी वन व्यवस्थापन पद्धति अपनाइनेछ ।
- वन संरक्षण (चोरी निकासी नियन्त्रण, अतिक्रमण नियन्त्रण, वन डढेलो नियन्त्रण, आदि) कार्यहरूमा जिल्ला स्थित सम्पूर्ण सरोकारवालाहरूको सहभागिताको खोजी गरिनेछ ।
- वनको उत्पादकत्व वृद्धि गर्नको साथै राष्ट्रिय आयमा समेत वृद्धि गर्नका लागि बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन पद्धतिमा आधारित भई वनको व्यवस्थापन गरिनेछ ।
- सरकारद्वारा व्यवस्थित वन माथिको चाप कम गर्नका लागि निजी तथा संस्थागत जग्गामा वृक्षारोपणमा जोड दिइने छ ।
- वनक्षेत्रलाई स्थानीय जनताको रोजगार तथा आयआर्जनको क्षेत्र बनाउने कार्यक्रम संचालन गरिनेछ ।
- वन प्रशासन सम्बन्धि प्रकृत्यालाई सरल तथा पारदर्शिमुलक बनाउँदै लगिनेछ ।
- वन, वन्यजन्तु, वनस्पति, जैविक विविधता तथा जलाधार व्यवस्थापन संबन्धि चेतना अभिवृद्धि गर्न प्रचार प्रसार तथा तालिमका कार्यक्रममा जोड दिइनेछ ।

४.४ प्रस्तावित कार्यक्रमहरू

जिल्लाको वन श्रोतको संरक्षण, सम्बर्द्धन, व्यवस्थापन र विकासको माध्यमबाट यस कार्ययोजनाको लक्ष्य हासिल गर्न जिल्लामा सञ्चालन गरिने कार्यक्रमहरू जिल्लाको वन क्षेत्रगत योजनाले निर्दिष्ट गरे अनुसारका क्षेत्रहरूलाई समेटेर सञ्चालन गरिनेछ । यस कार्ययोजनाको उद्देश्य अनुरुप निम्नानुसारका कार्यक्रमहरू तय गरिएका छन् । तथापी कतिपय कार्यक्रमहरू अन्य उद्देश्यसंग समेत मेल खाने देखिन्छ ।

- **बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन**
 - सरकारद्वारा व्यवस्थित वन कार्यक्रम
 - सामुदायिक वन विकास कार्यक्रम
 - साभेदारी वन व्यवस्थापन कार्यक्रम
 - वन पैदावर सदुपयोग तथा आपूर्ति कार्यक्रम
- **निजी तथा सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापन मार्फत वन पैदावरको उत्पादन तथा आपूर्ति वृद्धि**
 - कृतिम पुनरुत्पादन कार्यक्रम
 - सार्वजनिक तथा निजी वन प्रर्वधन सहयोग कार्यक्रम
- **वन, वातावरण र जैविक विविधता प्रभावकारी संरक्षण**
 - वन तथा जैविक विविधता संरक्षण कार्यक्रम
 - ऐतिहासिक, धार्मिक, पुरातात्विक तथा पर्यटकीय दृष्टिले महत्वपुर्ण क्षेत्रको संरक्षण तथा विकास कार्यक्रम

- भू तथा जलाधार संरक्षण कार्यक्रम
- जलवायू परिवर्तन व्यवस्थापन सहयोगी कार्यक्रम
- बैकल्पिक उर्जा प्रवर्धन सहयोग कार्यक्रम
- मानव वन्यजन्तु द्वन्द्व न्यूनिकरण सहयोग कार्यक्रम
- **स्थानीय जनताको रोजगार र आय आर्जनमा वृद्धि**
 - उद्यम विकास तथा जिविकोपार्जन सहयोग कार्यक्रम
 - विशेष आयमुलक कार्यक्रम
- **वन क्षेत्रमा क्षमता अभिवृद्धि एवं शुसासन**
 - प्रचार प्रसार कार्यक्रम
 - भौतिक पूर्वाधार विकास तथा उपकरण खरिद कार्यक्रम
 - मावन शंसाधन तथा क्षमता विकास कार्यक्रम
 - कार्यक्रम संचालन, समन्वय र अनुगमन सम्बन्धी कार्यक्रम
 - योजना निर्माण तथा अनुकरणीय सिर्जनशिल कार्यक्रम

४.४.१ सरकारद्वारा व्यवस्थित वन व्यवस्थापन कार्यक्रम

यस जिल्लामा रहेको वन क्षेत्रमध्ये करिब पाँच हजार हे. वन क्षेत्र सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको रूपमा रहेको छ । यस खालको वन खासगरी जिल्लाको चुरे क्षेत्रमा रहेको र अधिकांश वन क्षेत्र स्थानीय उपभोक्ताको पहुँचबाट समेत टाढा रहेको छ । सरकारद्वारा व्यवस्थित वन क्षेत्र मध्ये स्थानीय समुदायको पहुँचमा रहेको वन क्षेत्रलाई सहभागीतामुलक ढंगले सामुदायिक वनको रूपमा विकास गर्ने लक्ष रहेको छ, भने चुरे क्षेत्रमा उपभोक्ता पहुँच भन्दा बाहिर रहेको वनको प्रभावकारी ढंगबाट संरक्षण गरी वातावरणीय सेवाको उपलब्धता बढाइनेछ ।

१. उद्देश्य :

- सहभागितामुलक वन व्यवस्थापन पद्धति अपनाई समथर भु भागमा रहेको वनको दिगो व्यवस्थापनको माध्यमबाट वनको अवस्था, स्वास्थ्य, सजिवता र उत्पादकत्वको संरक्षण तथा प्रवर्द्धन गर्नु ।
- स्थानीय उपभोक्ताको पहुँच पुग्न सक्ने र परापूर्वकाल देखी संरक्षण गर्दै आएको वन क्षेत्रलाई सामुदायिक वनको रूपमा स्थानीय उपभोक्तालाई हस्तान्तरण गरी व्यवस्थापन गर्दै जानु ।
- चुरे क्षेत्रका विभिन्न दृष्टिकोणले अति संवेदनशील क्षेत्रहरूलाई प्रभावकारी रूपमा संरक्षण गरी वातावरणीय सेवाको उपलब्धतामा वृद्धि गर्नु ।

२. अपेक्षित उपलब्धि :

- सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको करिब १००० हे. वन क्षेत्र सामुदायिक वनको रूपमा समुह गठन गरी हस्तान्तरण भई व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।
- सरकारद्वारा व्यवस्थित वनमध्ये चुरे क्षेत्रमा रहेको विभिन्न दृष्टिकोणले अति संवेदनशील ढिक्कामा रहेको क्षेत्रलाई संरक्षित वनको रूपमा घोषणा तथा व्यवस्थापनको पहल गरिएको हुनेछ । संरक्षित वनको रूपमा घोषणा नभइञ्जेल वन डढेलो, चोरी कटानी, अति चरिचरणबाट संरक्षण गरिएको हुनेछ ।

- उपल्लो तटीय क्षेत्रमा रहेको सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको प्रभावकारी रूपमा संरक्षण भई तल्लो तटीय क्षेत्रमा वातावरणीय सेवाको अभिवृद्धि भएको हुनेछ ।
- सरकारद्वारा व्यवस्थित वनमा जैविक विविधताको संरक्षण भएको हुनेछ ।

३. कार्यक्रम

- सामुदायिक वनको लागि प्रस्ताव गरिएको क्षेत्रको हकमा सम्बन्धित सरोकारवाला समुहहरूसंग छलफल गरि सहभागितामूलक पद्धतिबाट उपभोक्ताले परम्परा देखी संरक्षण तथा उपयोग गर्दै आएको वन क्षेत्र यकिन गरी उपभोक्ताको चाहना, क्षमता र दुरीको वन क्षेत्र छुट्याई सामुदायिक वनको रूपमा हस्तान्तरण गरिनेछ । यसको कार्यान्वयन गर्दा सञ्चालन गरिने विस्तृत प्रकृया तथा कृयाकलापहरु परिच्छेद ४.४.३.१ मा उल्लेख गरिएको छ ।
- सरकारद्वारा व्यवस्थित वनमध्ये चुरे क्षेत्रमा रहेको विभिन्न दृष्टिकोणले अति संवेदनशील ढिक्कामा रहेको क्षेत्रलाई संरक्षित वनको रूपमा घोषणाका लागि वार्षिक कार्यक्रममा समावेश गरी सरोकारवालाहरुको व्यापक सहभागीतामा कार्ययोजना तयार गरी वन विभागबाट स्विकृत गराई लागु गरिनेछ । संरक्षित वनको रूपमा घोषणा नभइञ्जेल वन डढेलो, चोरी कटानी, अति चरिचरणबाट संरक्षण गर्न निम्नानुसारका कृयाकलापहरु सञ्चालन गरिनेछ ।
 - मौजुदा सामुदायिक वनको पायक पर्ने क्षेत्रहरुलाई सामुदायिक वनको संरक्षित ब्लकको रूपमा जिम्मा लगाई सहभागितामूलक ढंगले व्यवस्थापन गर्ने ।
 - सो भन्दा बाहेकको क्षेत्रमा जिल्ला वन कार्यालयको मौजुदा कर्मचारीहरु परिचालन गरी संरक्षित ब्लक कायम गरी संरक्षण गर्ने ।
 - संरक्षित ब्लकमा चरिचरण गर्न तथा हतियार लिई प्रवेश गर्न पूर्णरूपमा प्रतिबन्ध लगाउने ।
 - संरक्षित ब्लकमा ढलापडा काठ दाउरा संकलन बाहेकका सघन वन व्यवस्थापनका अन्य कार्यहरु नगर्ने ।
 - संरक्षित ब्लकका अति संवेदनशील क्षेत्रमा जिल्ला भू-संरक्षण कार्यालयसंग समन्वय गरी संरक्षणका कार्यक्रमहरु संचालन गर्ने ।
 - संरक्षित ब्लकका खाली क्षेत्रहरुमा समुहको सक्रियतामा वृक्षरोपण गर्ने ।

कार्ययोजना अवधिभरमा सञ्चालन गरिने सरकारद्वारा व्यवस्थित वनसंग सम्बन्धित कृयाकलापहरु अनुसुची २.१ मा उल्लेख गरिएको छ ।

४.४.२ संरक्षित वन व्यवस्थापन कार्यक्रम

यस जिल्लामा संरक्षित वन व्यवस्थापन कार्यक्रम सञ्चालन नभएकोले यस शिर्षकमा कुनै पनि कार्यक्रम उल्लेख गरिएको छैन । तथापी, सरकारद्वारा व्यवस्थित वनमध्ये चुरे क्षेत्रमा रहेको विभिन्न दृष्टिकोणले अति संवेदनशील ढिक्कामा रहेको क्षेत्रलाई संरक्षित वनको रूपमा घोषणा गरी व्यवस्थापन गर्न पहल गरिनेछ । सो को कार्यक्रम माथि सरकारद्वारा व्यवस्थित वनमा उल्लेख गरिएको छ ।

४.४.३ जनसहभागितामा आधारित वन व्यवस्थापन कार्यक्रम

४.४.३.१ सामुदायिक वन कार्यक्रम

जिल्लाको कूल वन क्षेत्र मध्ये बस्ती नजिक र समथर भू भागमा लुम्बिनी साभेदारी वन र देवदह साभेदारी वनले ओगटेको क्षेत्र बाहेकको वन क्षेत्र वन ऐन २०४९ को दफा २५ बमोजिम उपभोक्ता समुह गठन गरी सामुदायिक वनको रूपमा हस्तान्तरण गरिएको छ । हालसम्म यस जिल्लामा १०३ वटा सामुदायिक वन हस्तान्तरण भई करिब १६,२११.५६ हे. वन क्षेत्र सामुदायिक वनको रूपमा व्यवस्थापन हुँदै आएको छ । यस बाहेक यस कार्ययोजना अवधीमा सामुदायिक वनको रूपमा हस्तान्तरण हुने करिब १ हजार हे. वन क्षेत्रका उद्देश्य एवं कार्यक्रमहरु निम्नानुसार रहेका छन् ।

१. उद्देश्य :

- मौजुदा सामुदायिक वन उपभोक्ताहरुको ज्ञान, सिप र क्षमता अभिवृद्धि गरि वैज्ञानिक वन व्यवस्थापनको अभ्यासबाट वनको दिगो व्यवस्थापन गरी वन पैदावरको सहज आपूर्ति, रोजगारी अभिवृद्धि र वनको अवस्थामा सुधार ल्याउने ।
- सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहको संस्थागत क्षमताको विकास, लाभांशको न्यायोचित वितरणको सुनिश्चितता र समुहमा असल शासनको अभ्यास मार्फत् सामाजिक विकास तथा स्थानिय जनताको जीविकोपार्जनमा सुधार ल्याउने ।
- मौजुदा साभेदारी वन क्षेत्र बाहेकको वन क्षेत्र उपभोक्ताको चाहना, क्षमता र पहुँचको आधारमा स्थानिय समुदायलाई सामुदायिक वनको रूपमा हस्तान्तरण गरी दिगो रूपमा व्यवस्थापन गर्ने ।

२. अपेक्षित उपलब्धि :

- वनको वैज्ञानिक व्यवस्थापन मार्फत् उत्पादकत्वमा वृद्धि भई स्थानीय उपभोक्ताको वन पैदावरको आवश्यकता परिपूर्ति, रोजगारी अभिवृद्धि र वनको अवस्थामा सुधार भएको हुनेछ ।
- सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहहरुको संस्थागत तथा मानव स्रोतको विकासबाट सामुदायिक वनको प्रभावकारि संचालन र व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।
- वनक्षेत्रको विकासको माध्यमबाट विपन्न, महिला, दलित, जनजाति एवं पछाडि परेका तथा पारिएका वर्गलाई रोजगारीका अवसरहरुको सृजना तथा आय बृद्धिगरी वैकल्पिक जीविकोपार्जनका अवसरहरुबाट मानविय तथा आर्थिक गरिबि न्यूनिकरण गर्न सहयोग पुगेको हुनेछ ।
- न्यायोचित वितरण पद्धतिद्वारा सामुदायिक वन उपभोक्ता समुह भित्रका गरीब, विपन्न तथा सिमान्त समुदायको समता मुलक पहुँच तथा अवसरको सृजना भएको हुनेछ ।
- सामुदायिक वन हस्तान्तरणबाट वनको संरक्षण, विकास र व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

३. कार्यक्रम :

- मौजुदा साभेदारी वन क्षेत्र बाहेकको वन क्षेत्र उपभोक्ताको चाहना, क्षमता र पहुँचको आधारमा स्थानिय समुदायलाई सामुदायिक वनको रूपमा हस्तान्तरण गरीनेछ ।
- विगतमा हस्तान्तरण भई कार्ययोजनाको म्याद समाप्त भएका समुहको कार्ययोजना नविकरण गरिनेछ । कार्ययोजना नविकरणको क्रममा समथर भूमिमा भएका र उत्पादनशील क्षमता भएका सामुदायिक वनहरुमा क्रमिक रूपमा वैज्ञानिक वन व्यवस्थापनको सिद्धान्त अनुरूप हुने गरी

दीर्घकालिन व्यवस्थापनको खाका समेतको कार्ययोजना बनाई व्यवस्थापनका कार्यक्रमहरु संचालन गरिदै लगिने छ । यस क्रममा वनको आम्दानीको पहिलो प्राथमिकता वनको उत्पादन वृद्धिमा लगाउन अभियानकै रुपमा कार्य सञ्चालन गरिनेछ ।

- कार्ययोजना नवीकरणको क्रममा छुटेका उपभोक्तालाई समावेश गर्न तथा टाढाका उपभोक्ताको वन पैदावार माथिको अधिकारलाई सुनिश्चित गर्न समुहसंग छलफल चलाई यस खालको सवाललाई सम्बोधन गरिदै लगिने छ ।
- टाढाको उपभोक्ताहरुलाई वन पैदावर उपलब्ध गराउन जिल्ला वन पैदावर आपूर्ति समितिलाई सामुदायिक वनहरुले काठ दाउरा उपलब्ध गराउनेछ ।
- टाढाको उपभोक्ताहरुलाई वन पैदावरमा क्रमशः आत्मनिर्भर बनाउदै जानका लागि वन क्षेत्र बाहिर वन विस्तार गर्न सामुदायिक वनहरुको आम्दानीको निश्चित रकम नर्सरी स्थापना, विरुवा उत्पादन, वितरण र संरक्षणमा छुट्याई एक भन्दा बढी समुह, संघ संस्थाको सञ्जाल बनाई प्रभावकारी रुपमा परिचालन गरिनेछ ।
- सामुदायिक वनको कार्ययोजना बनाउँदा स्थानिय जनता, महिला, विपन्न र पिछडिएका समुदायको आवश्यकता पहिचान गर्न विशेष जोड दिइनेछ । त्यसैगरी,
 - उपभोक्ता समुहको विस्तृत सामाजिक-आर्थिक विश्लेषणमा ध्यान दिइने ।
 - वन श्रोत सर्वेक्षणको तथ्यांकलाई आधार बनाई वन सम्बर्द्धनका कार्य र उपज संकलन सिफारिस गर्ने ।
 - उपभोक्ताको आर्थिक अवस्थाको आधारमा वन पैदावारको मुल्य निर्धारण गर्ने ।
 - गरीब तथा विपन्न परिवारका समस्याहरुको पहिचान गरि चाहना र क्षमता अनुसारका आय आर्जन तथा रोजगारका अवसरको पहिचान गरि कार्ययोजनामा व्यवस्था गरी कार्यान्वयन गर्ने । आम्दानीको बाँडफाँड समतामुलक विकासको अवधारण बमोजिम न्यायोचित तरिकाले वितरण गर्ने ।
 - कोष परिचालनको व्यवस्था सुदृढ गराउने ।
- तालिमको आवश्यकताको आधारमा सरोकारवालाहरुको आवश्यकता अनुसार लेखा तथा शुसासन प्रबर्द्धन हुने गरी कोचिंग सञ्चालन, नर्सरी व्यवस्थापन, बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन, वन संवर्द्धनका कार्यहरु, गैह्रकाष्ठ वन पैदावारको प्रसारण तथा व्यवस्थापन, आगलागीबाट वनको वचावट र नियन्त्रण आदि बारेमा तालिम प्रदान गर्ने ।
- समय समयमा सामुदायिक वनहरुको निरिक्षण गरी वार्षिक रुपमा वन संरक्षण, विकास, व्यवस्थापन, जिविकोपार्जन, समुह सञ्चालन आदि क्षेत्रहरुमा सामुदायिक वनहरुको अनुगमन मुल्यांकन गरी उत्कृष्ट सामुदायिक वनको छनौट गरी पुरस्कार वितरण गरिनेछ ।
- पर्यापर्यटन, जलवायु परिवर्तन, कार्वन व्यापार, वातावरणिय सेवा सुविधा बारेमा जनचेतना अभिवृद्धि गर्दै कार्वन व्यापार र वातावरणिय सेवा भुक्तानीको अभ्यासको थालनी गरिनेछ ।
- सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहको क्षमता विकासका लागि उपभोक्ता समुह मार्फत नै कार्यक्रम संचालन गरिने छ ।

- सामुदायिक वनको प्रकृया, कर्तव्य, अधिकार आदि जस्ता कुराहरुमा चेतना जागरण गर्नुकासाथै गरीव, विपन्न, महिला, दलित, जनजाति एवं पछाडि परेका तथा पारिएका तथा सिमान्त उपभोक्ताहरुलाई सामुदायिक वन प्रकृत्यामा समावेश गराउने जस्ता सवालहरुमा सबै उपभोक्ताहरुमा नियमित छलफल तथा अन्तरक्रिया चलाउने ।
- गरीव तथा सिमान्त परिवारलाई विशेष प्राथमिकता दिइ सामुदायिक वन उपभोक्ताहरुले आफ्ना श्रोत र कोषको उपयोग गरि आयमुलक कार्यक्रम संचालन गर्ने ।
- विभिन्न आय आर्जनमुलक कार्यक्रमको कार्यान्वयनको लागि गरीव तथा सिमान्त समुदायका मानिसलाई सिपमुलक तालिम प्रदान गर्ने ।
- जिल्लामा गरिएका वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन (सामुदायिक वन र साभेदारी वन) का अनुभव साटासाट तथा अवलोकन भ्रमण गराई वैज्ञानिक व्यवस्थापनमा जोड दिने । जिल्ला बाहिरका समेत अनुभव साटासाटका लागि विभिन्न ठाउँको अवलोकन भ्रमण गर्ने गराउने ।
- सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहले वार्षिक रुपमा सञ्चालन गरेका वन विकास तथा व्यवस्थापनका कार्यक्रमका साथै समुहले वार्षिक रुपमा गरेका आमदानी तथा खर्चका कृयाकलापहरुको अभिलेख अद्यावधिक गरी वन क्षेत्रले स्थानीय तथा राष्ट्रिय अर्थतन्त्रमा पुर्याएको योगदानको अभिलेखीकरण गर्न तथ्यांक व्यवस्थित गर्न पहल गरिनेछ ।
- वन अनुसन्धान तथा सर्वेक्षण विभाग, वन विज्ञान अध्ययन संस्थान र वृक्ष सुधार शाखासँग समन्वय गरी नर्सरी तथा वन व्यवस्थापनको अध्ययन र अनुसन्धानलाई जोड दिई यसको सिकाईलाई प्रकाशन तथा प्रशारण गरी अन्यत्र समेत विस्तार गर्ने ।
- वार्षिक रुपमा कार्यान्वयनको चरणमा रहेका केही सामुदायिक वनहरुको कार्ययोजनाको छनौट गरी प्राविधिक परिक्षण गरिनेछ ।

४. विपन्न वर्गका लागि विशेष कार्यक्रम

विशेष गरी न्यून आय भएका समुदायलाई लक्षित गरी उनीहरुको चाहना अनुसारका जिविकोपार्जनका कृयाकलापहरु तय गरी जिविकोपार्जन सुधार योजना बनाई कार्यान्वयन गर्ने । यस्ता कृयाकलापहरुमा मौरीपालन, बाखापालन, घाँस, बाँस, बेत, अम्रिसो, निगालो, अमला एवं उपयुक्त गैह्रकाष्ठ प्रजातिको रोपण र प्रबर्द्धन, लघु तथा घरेलु उद्योग, बेतवाँस फर्निचर, जडिबुटी प्रशोधन (साना लगानीका) केन्द्रहरु खोल्ने कार्यमा प्रोत्साहित गरिनेछ ।

- सामुदायिक वन उपभोक्ता समुह सदस्यहरु मध्ये विपन्न सदस्यहरुको उप समुह गठन गरी सामुदायिक वन भित्रको जग्गा छुट्टयाई गरिबमुखी विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गर्न कबुलियतमा दिने ।
- हाल प्रभावकारी देखिएको बाँस तथा अमृसो खेतीलाई अझ प्रभावकारी रुपमा सञ्चालन गर्ने ।
- स्थान सुहाउँदो अन्य आयमुलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।
- माथि उल्लेखित कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहको लगानी शुनिश्चित गरी साभेदारीमा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।

यो योजना अवधिभर सामुदायिक वन अर्न्तगत सञ्चालन हुने कार्यक्रम र लागत अनुमान अनुसुची २.१ मा राखिएको छ ।

४.४.३.२ साभेदारी वन व्यवस्थापन कार्यक्रम

यस जिल्लाको पश्चिम उत्तर क्षेत्रमा रहेको सैनामैना नगरपालिकाको वडा नं. १० र कञ्चन गाउँपालिका वडा नं. ५ को १३२१ हे. वन क्षेत्र ओगटेर लुम्बिनी साभेदारी वन रहेको छ । यस साभेदारी वनमा सैनामैना न.पा., कञ्चन गा.पा., गैडहवा गा.पा., लुम्बिनी सां. न.पा., मायादेवी गा.पा. र कोटहीमाई गा.पा. पुरै वा आंशिक क्षेत्र समेटि कुल २९ वार्डमा बस्ने घरधुरीहरू उपभोक्ताको रूपमा रहेका छन् । त्यसैगरी देवदह न.पा.को वार्ड नं. १०, बुटवल उ.म.न.पा.को वार्ड नं. ७ र तिलोत्तमा न.पा.को वार्ड नं. ११ मा रहेको ७६४.२४ हे. वन क्षेत्र देवदह साभेदारी वनको रूपमा रहेको छ । यस साभेदारी वनमा देवदह न.पा. ९ र १०, तिलोत्तमा न.पा. १ – १२ र १७, ओमसतिया गा.पा. ३ – ५, रोहिणी गा.पा. १ र २ नं. वार्ड गरी कुल २ न.पा. र २ गा.पा.को २० वटा वार्डमा बसोबास गर्ने घरधुरीहरू उपभोक्ताको रूपमा रहेको पाइन्छ । यी दुवै साभेदारी वनका उद्देश्य एवं कार्यक्रमहरू तल उल्लेख गरिए बमोजिमका हुनेछन् ।

१. उद्देश्य

- बाली चक्र अवधीसम्म कुन कुन समयमा, कस्तो कस्तो अवस्थाको वन बनाउने हो सो को स्पष्ट खाका अनुरूप क्रमिक रूपमा आवधिक विस्तृत वन व्यवस्थापन योजनाहरू बनाई वनको बैज्ञानिक व्यवस्थापन गर्ने ।
- सबै तह र क्षेत्रका सरोकारवाला महिला, दलित, गरिब, टाढाको उपभोक्ताहरूको सहभागिताद्वारा साभेदारी वनको दिगो व्यवस्थापन गरि सबै साभेदारहरूलाई सरल तथा सुलभ ढंगले सततः रूपमा वन पैदावारको आपूर्ति गर्ने ।
- सबै सरोकारवालाहरूको सहभागिता जुटाई वन तथा जैविक विविधताको संरक्षण गर्ने साथै वन पैदावारको सदुपयोगमा टाढाका उपभोक्ताहरू समेतको पहुँच पुऱ्याउने ।
- वन व्यवस्थापन कार्यबाट व्यापक रूपमा रोजगारी सिर्जना गर्दै स्थानीय जनतालाई रोजगारी एवं जिविकोपार्जनका अवसरहरू उपलब्ध गराउने ।
- बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन एवं वन क्षेत्र बाहिर वन विस्तारमा स्थानिय एवं प्रदेश सरकार मातहतका निकायको समेत सहभागिता बढाउने ।
- साभेदारी वनको माध्यमबाट वन क्षेत्र बाहिर नीजि तथा सार्वजनिक क्षेत्रमा वन विकासका कार्यक्रम संचालन गरी लाभान्वित क्षेत्रमा क्रमशः वन पैदावरमा आत्म निर्भर बनाउदै जाने ।
- गरीबी न्यूनीकरण र दिगो जिविकोपार्जनमा सहयोग पुग्ने खालका आयमूलक तथा लघु-उद्यमका कार्यक्रम समूह तथा वन क्षेत्रमा सञ्चालन गर्ने ।
- सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापन कार्यक्रम संचालन गर्दा गरिब, दलित तथा पिछडिएको वर्गका उपभोक्ताहरूको लागि प्राथमिकता दिने ।
- साभेदारी वनमा दाउराको चाप कम गर्न वैकल्पिक उर्जा सम्बन्धी कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।
- यस वनको व्यवस्थापन गर्ने सबै साभेदारहरूको मानवीय क्षमताको विकास गर्ने ।

२. अपेक्षित उपलब्धि :

- लुम्बिनी साभेदारी वनमा कम्तिमा ७० हे. वन क्षेत्रमा पुनरुत्पादन कटान भई उक्त क्षेत्रमा १ देखी ५ वर्ष उमेर समुहका विरुवाहरु प्राकृतिक तथा वृक्षरोपण गरी हुर्केका हुनेछन् । ४५ हे. वन क्षेत्रमा लाथा पल्ल्याउने कार्य सम्पन्न भई लाथाको वृद्धिमा टेवा पुगेको हुनेछ ।
- देवदह साभेदारी वनमा कम्तिमा ५० हे. वन क्षेत्रमा पुनरुत्पादन कटान भई उक्त क्षेत्रमा १ देखी ५ वर्ष उमेर समुहका विरुवाहरु प्राकृतिक रुपमा हुर्केका हुनेछन् ।
- दुवै साभेदारी वनको व्यवस्थापन योजना अनुसार वनको व्यवस्थापन गरी स्थानीय, प्रादेशिक र संघिय सरकारको राजश्व वृद्धिमा टेवा पुगेको हुनेछ ।
- बैज्ञानिक वन व्यवस्थापनबाट दुवै साभेदारी वनको अवस्था र उत्पादकत्वमा सुधार भएको हुनेछ ।
- वनस्रोतको दिगो व्यवस्थापनबाट समुदायको आवश्यकता पूर्ति गर्न टेवा पुगेको हुनेछ ।
- टाढाका परम्परागत उपभोक्ताहरुको वन पैदावारको पहुँचको अधिकार पुनः स्थापित भएको हुनेछ ।
- गरीब महिला तथा पिछडिएका वर्गको आयआर्जनमा विशेष टेवा पुगेको हुनेछ ।
- साभेदारी वनको माध्यमबाट वन स्रोत नभएका गा.वि.स. हरूमा वनको विकास भएको हुनेछ ।
- वन व्यवस्थापनमा स्थानीय सरकार तथा नागरिक समाजको सक्रिय सहभागिता भएको हुनेछ ।
- गरिब, महिला, आदिवासी जनजाति लगायत वञ्चितमा परेका समुदायको समूह तथा स्रोतमा पहुँच वृद्धि भई समूहको निर्णय प्रक्रियामा सहभागिता सुनिश्चित भएको हुनेछ ।
- सेवाग्राहीको वन सम्बन्धी निकायप्रति हेराईको दृष्टिकोणमा सकारात्मक परिवर्तन भएको हुनेछ ।

३. कार्यक्रमहरु :

दुवै साभेदारी वनको कार्ययोजना कार्यान्वयन गर्दा

- साभेदारी वनको स्विकृत कार्ययोजना बमोजिम सेल्टरउड प्रणालीमा वनको व्यवस्थापन गरी ८० वर्षभित्र आदर्श वन बनाउने परिकल्पना गरिएकोछ । कार्ययोजना अनुसार लुम्बिनी साभेदारी वनमा ८ र देवदह साभेदारी वनमा ७ वटा आवधिक खण्डमा विभाजन गरी यसको व्यवस्थापन कार्य शुरु गरिएकोमा यसलाई निरन्तरता दिइनेछ । लुम्बिनी साभेदारी वन र देवदह साभेदारी वनको आवधीक खण्ड तथा पहिलो योजना अवधिमा सघन वन व्यवस्थापन हुने उपखण्डको नक्सा क्रमशः अनुसुची १.५, १.६, १.७ र १.८ मा उल्लेख गरिएको छ ।
- सम्बन्धित साभेदारी वनका स्विकृत कार्ययोजनामा उल्लेखित वन सम्बर्धन तथा व्यवस्थापनका सबै कार्यहरु तोकिएको समय भित्रै संचालन गर्ने ।
- साभेदारी वन भित्र नदी किनार तथा सिमान्तकृत जग्गामा प्राकृतिक अवस्थामा रहेका गैह्रकाष्ठ वन पैदावारको व्यवस्थापन गर्ने र यी क्षेत्रमा बाँस, अमृसो, लगायतका गैह्रकाष्ठ वन पैदावरको खेति विस्तार गर्ने ।
- साभेदारी वन माथिको चाप कम गराउनका लागि तथा हरित क्षेत्रबाट कृषकहरुको आय वृद्धि गर्नका लागि लाभान्वित क्षेत्रको निजि, कृषि तथा सार्वजनिक जग्गामा वन विकास गर्न प्रत्येक

साविक गा.वि.स. वा एकभन्दा बढी गा.वि.स. को क्लस्टरमा नर्सरी स्थापना, विरुवा उत्पादन र वितरणका कार्यक्रम संचालन गर्ने ।

- ग्रामिण जीवनशैलिमा तत्काल सुधार ल्याउने आयमूलक कार्यक्रमहरु संचालन गर्ने । यस्ता कार्यक्रमहरु गर्दा गैह्रकाष्ठ खेती, खुद्रापसल, ऋण तथा बचत कार्यक्रम, बहुमूल्य बाली उत्पादन, पशुपालन जस्ता गरिब तथा सिमान्त समुदाय लक्षित कार्यक्रमलाई जोड दिने ।
- उपभोक्ताहरुलाई सम-न्यायिक ढंगबाट काठ दाउरा उपलब्ध गराउन काठ दाउराको वितरण डिपो स्थापना व्यवस्थित गर्ने ।
- साभेदारी वन मार्फत सिर्जना हुने रोजगारीका अवसरहरुमा स्थानीय, गरिब, महिला तथा पिछडिएका वर्गको पहुँचलाई प्राथमिकता दिने ।
- वन पैदावारमा आधारित सहकारी उद्यमको विकास गर्ने ।

४.४.३.३ कबुलियति वन व्यवस्थापन कार्यक्रम

यस जिल्लामा संभावित कबुलियति वन नभएकाले कबुलियति वन संबन्धि कार्यक्रम यस कार्ययोजनामा समावेश गरिएको छैन । तर पनि व्यवसायिक कबुलियती वनको लागि रुपन्देही जिल्लाको उत्तरी भेगको केही वन क्षेत्रहरु संभाव्य हुन सक्ने भएकोले व्यवसायिक कबुलियती वन कार्यविधि, २०६८ बमोजिमका कार्यविधि अनुसारको प्रक्रिया अपनाउन यो कार्य योजनाले कुनै बाधा गर्ने छैन । साथै दक्षिणी भेगका केही सार्वजनिक पर्ति जग्गाहरु समेत कबुलियतमा लिई व्यवसायिक रुपमा वन विकास तथा व्यवस्थापन गर्न माग भै आएमा जिल्ला वन कार्यालयले जग्गाको स्वामित्व भएको निकायसँग आवश्यक समन्वय गर्नेछ । तपसिल बमोजिमको वन क्षेत्रमा प्रकृया पुर्याई सम्बन्धित सामुदायिक वनको सहमतिमा माग भै आएमा पर्यापर्यटन प्रवर्द्धन गर्न व्यवसायीक कबुलियती वनको रुपमा विकास गर्न सकिनेछ ।

- बुटवल सामुदायिक वन क्षेत्र अर्न्तगतको मणिमुकुन्द सेन उद्यान फुलवारीले ओगटेको वन क्षेत्र
- बुटवल सामुदायिक वन क्षेत्र अर्न्तगत बुटवल नुवाकोट केवलकार सञ्चालन गर्न प्रस्तावित वन क्षेत्र
- चुरे सामुदायिक वन क्षेत्र अर्न्तगत बुटवल पाल्पा जाने केवलकार सञ्चालन गर्न प्रस्तावित वन क्षेत्र
- बुटवलको लक्ष्मी आदर्श सामुदायिक वन र शिवनगर सामुदायिक वन क्षेत्रमा पर्ने हिलपार्क क्षेत्र
- शंकरनगर सामुदायिक वन क्षेत्र अर्न्तगतको वन विहार खण्डको वन क्षेत्र

४.४.३.४ धार्मिक वन व्यवस्थापन कार्यक्रम

रुपन्देही जिल्लामा हालसम्म चारवटा धार्मिक संस्थाहरुले २७ हे. को वन क्षेत्र धार्मिक वनको रुपमा व्यवस्थापन गर्दै आएका छन् । यी धार्मिक वनहरुलाई कार्ययोजना कार्यान्वयनमा सहजीकरण गरी उक्त क्षेत्रमा वन विकास तथा व्यवस्थापनमा निरन्तर सहयोग गरिनेछ । साथै परापूर्वकालदेखी धार्मिक हिसाबले महत्वपूर्ण मानिएका क्षेत्रमा धार्मिक संघसंस्थाबाट धार्मिक वनको रुपमा व्यवस्थापन गर्न माग भई आएमा त्यस्ता क्षेत्रलाई प्रचलित कानुन बमोजिमको प्रकृया पुरा भई आएमा धार्मिक वनको रुपमा हस्तान्तरण एवं विकास गरिनेछ ।

४.४.४ वन संरक्षण कार्यक्रम

जिल्लामा न्युन वन क्षेत्र र अत्यधिक जनसंख्याको चापका कारण अन्य तराईका जिल्लाहरुमा भए बमोजिम यस जिल्लामा पनि वन संरक्षणका समस्या जटिल रुपमा रहेको छ । विशेषतः वन क्षेत्रको अतिक्रमण

नेपालकै सबैभन्दा जटिल (कुल वन क्षेत्रको भण्डै ३० प्रतिशत भूभाग) समस्याको रूपमा रहेको छ । यी क्षेत्रहरु मध्ये अधिकांश क्षेत्रहरु सुविधासम्पन्न भौतिक संरचना निर्माण भई नगरोन्मुख भइसकेका छन् । वन निकायको एकल प्रयासले यी क्षेत्रमा पुनः वन कायम गर्न असम्भव भैसकेको अवस्था छ ।

त्यसैगरी मागको तुलनामा वन पैदावर आपूर्ति न्युन हुनाका कारण चोरी निकासी, अवैध कटानी, वन संरक्षणको दोश्रो ठुलो समस्याको रूपमा रहेको छ । जिल्लाको उत्तरी चुरे क्षेत्रमा सामुदायिक वनको पहुँचभन्दा टाढा रहेको क्षेत्रमा यस खालको समस्या रहेको छ । वन कर्मचारीको तुलनामा तस्करहरु शस्त्र हुनु, श्रोत र साधनको प्रयाप्तता नहुनु, दरबन्दी परिपूर्ति हुन नसक्नु, कर्मचारीहरुमा उत्साह र कर्तव्यबोध नहुनु, लामो समयसम्म एउटै कर्मचारी रहनु, स्थानीय कर्मचारीको बाहुल्यता हुनु आदि जस्ता कारणबाट अथक प्रयासका बाबजुद समस्या निराकरण हुन सकेको छैन । तसर्थ वन संरक्षणसँग सम्बन्धित वन सिमाकन, अतिक्रमण नियन्त्रण, जैविक विविधता संरक्षण, चोरी निकासी नियन्त्रण, वन डढेलो नियन्त्रण लगायतका कृयाकलापहरु निम्नानुसार कार्यान्वयन गरिनेछ ।

४.४.४.१ वन सिमाना

विगतमा यस जिल्लामा प्रशस्त मात्रामा वनको सिमाङ्कन भएको भएता पनि हाल वन सिमानाका पिलरहरु कहिँ कतै देख्न पाइदैन । हाल विभागले समेत वन सिमाङ्कन कार्यक्रमलाई निरन्तरता नदिइरहेको अवस्थामा वन क्षेत्रलाई यथा स्थितिमा राख्नको लागि वरिपरिका जंगललाई सामुदायिक वनको रूपमा विगतमा नै हस्तान्तरण भइसके पश्चात् उक्त क्षेत्रमा नयाँ अतिक्रमण बढेको छैन । यसरी हस्तान्तरण गर्दा कतिपय स्थानमा अतिक्रमण क्षेत्र समेत सामुदायिक वनको क्षेत्रभित्र समावेश गरिएको हुँदा सामुदायिक वन क्षेत्रभित्र पर्ने पनि वन अतिक्रमण रहेको पाइन्छ । यसरी वन सिमाना एक जटिल समस्याको रूपमा रहेको अवस्थामा यस कार्ययोजना अवधिमा नीतिगत स्पष्टता भई बजेट कार्यक्रम तथा राजनैतिक प्रतिबद्धता र सहयोग भएको अवस्थामा जिआईएस प्रविधि समेतको प्रयोग गरी वन क्षेत्रको नक्शाकन गरी प्राथमिकताको आधारमा वन सिमाना लगाइनेछ ।

४.४.४.२ वन अतिक्रमण नियन्त्रण

जिल्ला वन कार्यालयको रेकर्ड अनुसार यस जिल्लामा ८३४६ हे. वन क्षेत्र अतिक्रमण भएको देखिन्छ । प्रायः सबैजसो अतिक्रमण पुरानो, ठुला ठुला भौतिक संरचनाले स्थायीत्व पाइसकेको, सरकारद्वारा प्रदान गरिने प्राय सबै सेवाहरुले पूर्ण भएकाले यस खालको अतिक्रमण हटाउन कठिन भएको अवस्थामा जिल्लाका सबै सरोकारवालाहरुको सहयोग र समन्वय गरी नेपाल सरकारबाट स्विकृत अतिक्रमण नियन्त्रण रणनीति २०६८ बमोजिम वन अतिक्रमण नियन्त्रणका लागि विभिन्न कार्यहरु अगाडी बढाउन प्रयास रहनेछ । अतिक्रमण नियन्त्रणका लागि योजनाले प्रस्ताव गरेका कार्यक्रमहरु र लागत अनुमान अनुसूची २.१ दिइएको छ । वन अतिक्रमण नियन्त्रणको लागि विशेष कार्यक्रम र साधन स्रोतको आवश्यक पर्ने हुन्छ । अतः अनुकूल वातावरण एवं सबै पक्षहरुको सक्रिय सहयोग भएमा यस जिल्लामा भएका वन अतिक्रमणहरु नियन्त्रणको प्रयास सदैव जारी राखिनेछ ।

- विभिन्न सरोकारवाला, प्रशासन तथा सुरक्षा बलसंग समन्वय गरी हटाउन सकिने अतिक्रमणकारीलाई तत्काल हटाई उक्त क्षेत्रमा तारवार सहित वृक्षरोपण तथा संरक्षण गरी पुनः वन कायम गर्ने, गराउने ।
- अतिक्रमणमा शुन्य सहनशिलताका साथ यस कार्ययोजना अवधिमा कुनै पनि नयाँ अतिक्रमण हुन दिइनेछैन । यसका लागि जिल्ला स्थित राजनैतिक दलहरुको प्रतिबद्धता जुटाई सुरक्षा निकायको समन्वयमा कार्य सम्पादन गरिनेछ । यसरी थप अतिक्रमण रोक्नका लागि जिल्ला वन कार्यालयका

सवारी साधनलाई चुस्त दुरुस्त राखी जनचेतना अभिवृद्धि, वन कर्मचारी र सरोकारवालाहरूको सञ्जाल निर्माण र परिचालन, नियमित गस्ती, कानूनको पूर्ण पालना, दण्ड र पुरस्कारको व्यवस्थाको पालना, वन क्षेत्र र आवादिको बिचमा वनपथ निर्माण जस्ता कार्यहरू सञ्चालन गर्ने ।

- अतिक्रमणकारीलाई हटाउन नसकिने अवस्थामा नीतिगत निर्णय भई आएमा स्थानिय जनतालाई कृषि वन, कबुलियति वन र सामुदायिक वन व्यवस्थापनका कार्यहरू गर्न प्रोत्साहन दिने ।

४.४.४.३ वन पैदावार चोरी निकासी नियन्त्रण

जिल्ला वन कार्यालयको सम्पूर्ण जनशक्ति तथा साधन श्रोतको परिचालन गरी वन पैदावार चोरी निकासी नियन्त्रण गरिनेछ । यसको अलावा सामुदायिक वन उपभोक्ता समुह सदस्य तथा स्थानीय जनतालाई परिचालन गरी विशेष गस्ती सञ्चालन गरिनेछ । साथै, यस कार्यमा गोप्य रूपमा सुचना दिने सुराकीहरूबाट जानकारी खरिद गरी यो कार्यक्रमलाई प्रभावकारी रूपमा लागू गर्न तल उल्लेख भए अनुसारका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछन् । जसको विस्तृत विवरण र लागत अनुमान अनुसुची २.१ मा दिइएको छ ।

- संभावित चोरी निकासी हुने नाकाहरूमा विशेष निगरानी राख्ने, नियमित गस्ति र गस्तिको क्रममा पक्राउ परेका अभियुक्तहरूलाई कानुनी कारवाही गर्ने । संदिग्ध व्यक्ति र संवेदनशील नाकाहरूको तथ्यांक अद्यावधिक र नियमित अपडेट गर्ने ।
- सुराकीबाट जानकारी खरिद गर्ने ।
- वनमा आश्रित परिवारलाई वन क्षेत्रभित्रै रोजगारीका अवसर सृजना गर्ने ।
- संवेदनशील चोरी कटानी र निकासीका नाका आसपासका विद्यालय, संघ संस्था र समुदायमा वनको महत्व र वन संरक्षण सम्बन्धी जनचेतना फैलाउने ।
- राजमार्ग चेकपोष्टलाई अझ बढि क्रियाशील र उत्तरदायी बनाउने ।
- वन पैदावारमा आधारित उद्योगहरूको निगरानी राख्ने र गैह्रकानुनी कार्यलाई निस्तेज गर्ने ।
- वन संरक्षण तथा वन पैदावार चोरीनिकासी नियन्त्रणका संबन्धमा जिल्ला स्थित विभिन्न पार्टीहरूको प्रतिबद्धता जुटाउने ।

४.४.४.४ जैविक विविधता संरक्षण कार्यक्रम

क) वन्यजन्तु संरक्षण :

वनको संरक्षण तथा व्यवस्थापनको क्रममा वन्यजन्तु तथा यिनीहरूको वासस्थानको संरक्षणको विशेष ख्याल राखिने छ । खासगरी लुम्बिनी साभेदारी वन क्षेत्रको कोठीखोला कोरीडोर, देवदह न.पा. तथा तिलोत्तमा न.पा.को वन क्षेत्र बाघको वासस्थानको हिसाबले महत्वपूर्ण क्षेत्र भएकोले उक्त क्षेत्रमा रहेको वन्यजन्तु संरक्षणमा विशेष ध्यान पुर्याइनेछ । वन्यजन्तुको वासस्थानको हिसाबले महत्वपूर्ण क्षेत्रहरूको अध्ययन, अनुसन्धान, नियमित तथ्यांक संकलनका कार्यका साथै वासस्थान सुधार तथा व्यवस्थापनका कार्य गरिनेछ । यसैगरी सुराकी परिचालन र गस्ती कार्यलाई नियमित गरिनेछ । पंछी संरक्षणको हकमा गैडहवा गा.पा. अर्न्तगत रहेको गैडाताल सामुदायिक वन क्षेत्रमा रहेको गिद्धको वासस्थान संरक्षण एवं जटायु रेस्टुरेन्ट सञ्चालन कार्यलाई निरन्तरता दिइनेछ । सामुदायिक वन क्षेत्र र आसपासको क्षेत्रमा चोरि शिकारी नियन्त्रणका लागि स्थानिय समुह समेतलाई परिचालन गरि विशेष निगरानी राखिने छ । शंकरनगर सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहले व्यवस्थापन गरिरहेको लघु चिडियाखानालाई प्रादेशीक चिडियाखानाको रूपमा विकास गर्न पहल गरी प्रभावकारी रूपमा व्यवस्थापन गरिनेछ । वन क्षेत्र बाहिर

बेला बेलामा भेटिने सबै खाले वन्यजन्तुहरुलाई सुहाउँदो बासस्थान र संरक्षणको शुनिश्चिता हुने क्षेत्रमा छाडी निगरानी राखिनेछ ।

ख) विशेष प्रजातिको वनस्पति संरक्षण

- लोपोन्मुख प्रजातिहरु जस्तै: विजयसाल, सतिसाल, आदिको वंशाणु एवं प्राकृतिक वासस्थानको संरक्षण गरिनेछ ।
- बाउन्नकोटि सामुदायिक वनमा रहेको टिकको बीउ बगैँचा संरक्षणको कार्यलाई निरन्तरता दिइने छ ।
- शंकरनगर सामुदायिक वनमा रहेको सिमलको बिएसओ (ब्रिडिंग सिड अर्चाड) संरक्षण एवं व्यवस्थापन गरिनेछ ।
- चारपाला सामुदायिक वनमा रहेको विजयसाल र राजवृक्षको वंशाणु संरक्षण तथा व्यवस्थापन गरिनेछ ।
- जामुन, अर्जुन, खमारी, बकैनो, बडहर जस्ता स्थानीय माग भएका प्रजातिको विउ बगैँचा स्थापना, संरक्षण र व्यवस्थापनको लागि विशेष कार्यक्रम बनाई संचालन गरिने छ ।

ग) सिमसार संरक्षण :

यस जिल्लामा जैविक विविधता रणनीति २०५९ मा उल्लेख भएको साथै सिमसार सूचिमा सूचिकृत गर्नका लागि नेपाल सरकारद्वारा प्रस्ताव गरिएको गैँडहवा तालका साथसाथै अन्य स-साना ताल तलैया समेत भएकाले यिनीहरुको संरक्षणका लागि छुट्टै कार्ययोजना बनाई कार्यक्रम संचालन गरिने छ । यस्ता ताल तलैयाको संरक्षणमा बढि भन्दा बढि जनसहभागिता जुटाइ, समुह मार्फत संरक्षणका कार्यक्रम संचालन गरिने छ । सिमसार क्षेत्र तथा सिमसारमा आश्रित जलपंक्षीहरुको संरक्षणमा विशेष जोड दिइने छ । योजना अवधिभर सिमसार संरक्षणका लागि सञ्चालन हुने कार्यक्रम र लागत अनुमान अनुसुची २.१ मा राखिएको छ र सो कार्यक्रममा निम्नानुसारका कृयाकलापलाई जोड दिइनेछ ।

- जिल्लामा अवस्थित सिमसार क्षेत्रको पहिचान गरी सिमसारको वर्गिकरण गर्ने ।
- सिमसार क्षेत्रमा पाइने वन्यजन्तु तथा वनस्पतिको पहिचान गरी सुचि तयार गर्ने ।
- सिमसार र स्थानिय जनता विचको अन्तर संबन्धको अध्ययन गर्ने ।
- जन सहभागितामा सिमसार व्यवस्थापन कार्ययोजना तयार गरी कार्यान्वयन गर्ने ।
- सिमसार क्षेत्र व्यवस्थापनको नमुना कार्यक्रमहरु सञ्चालन गर्ने ।
- सुख्खा वन क्षेत्रमा चिस्यान कायम राख्न संरक्षण पोखरी निर्माण गर्ने ।
- गजेडी तालको संरक्षण तथा व्यवस्थापन गर्ने ।

घ) जडिबुटी संरक्षण :

जडिबुटी विकास तथा प्रवर्द्धनको लागि रुपन्देही जिल्लाको सरकारद्वारा व्यवस्थित वन क्षेत्र धेरै उपयुक्त देखिदैन । यस कार्यक्रमको लागि सामुदायिक वन क्षेत्र र नीजि आवादी क्षेत्रहरुमा जडिबुटी संरक्षण तथा विकासको लागि निम्न प्रकारका कार्यक्रमहरु प्रस्ताव गरिएको छ ।

- जडिबुटिको श्रोत नक्शांकन गर्ने ।
- जिल्लाको विभिन्न स्थान पाइने जडिबुटी, तिनीहरुको वासस्थान र अवस्था पहिचान गरी कार्यक्रम बनाई सदुपयोग तथा व्यवस्थापन गर्ने ।
- संरक्षणमा स्थानीय जनता तथा समुहलाई परिचालन गर्ने ।

- तत्काल फाइदा दिने प्रकृतिका जडिबुटीहरूको खेति विस्तारमा जोड दिने ।

जडिबुटी संरक्षणको लागि आगामी ५ वर्षको प्रस्तावित कार्यक्रमहरूको विवरण र लागत अनुमान अनुसूची २.१ मा दिइएको छ ।

४.४.४.५ वन डढेलो नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन

उद्देश्य

- वन डढेलो नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन योजना तयारी र कार्यान्वयन, वन डढेलो सम्बन्धि सचेतना अभियान सञ्चालन गरी चुरे वन क्षेत्रको संरक्षण तथा व्यवस्थापन गर्ने ।

अपेक्षित उपलब्धि

- समुदायमा आधारित वन डढेलो नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन योजना तयारी र यसको कार्यान्वयनबाट चुरे क्षेत्र लगायतको वन क्षेत्रको संरक्षण तथा व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

कार्यक्रम

- नेपाल प्रहरी, सशस्त्र प्रहरी, नेपाली सेना, स्थानीय तह गा.पा./नगरपालिका तथा सामुदायिक वनसंग समन्वय गरी डढेलो नियन्त्रण सञ्जाल गठन तथा परिचालन गर्ने ।
- डढेलो लाग्ने समयमा वन डढेलोको वढी प्रकोप भएको स्थानहरूको अग्रिम सुचना प्राप्त गर्न अग्नि संवेदनशील सुचना केन्द्र स्थापना, सञ्चालन गरी समयमा सुचना प्राप्त गरी डढेलो नियन्त्रण गर्ने ।
- विद्यमान अग्नि रेखाहरूलाई नियमित रूपमा मर्मत तथा कार्ययोजना अनुसारका नयाँ अग्नि रेखाहरूको निर्माण गर्दै लैजाने ।
- वन डढेलो नियन्त्रण सम्बन्धि प्रचार प्रसार कार्यक्रम संचालन गर्ने ।
- अग्नि रोधक सामग्री खरिद गरी सो सञ्चालनको लागि क्षमता अभिवृद्धि गरी व्यवस्थापन गर्ने ।

रुपन्देही जिल्लाको वन डढेलो नियन्त्रण सम्बन्धि कार्ययोजना

| सि.नं. | क्याकलाप | समय | कसले गर्ने | कहाँ गर्ने |
|--------|--|----------------------------------|---|---|
| १. | अग्नीरेखा निर्माण तथा सरसफाइ गर्नुपर्ने स्थानहरूको निर्धारण/ फायरवाच टावर निर्माण क्षेत्र निर्धारण | असोज-मंसिर | सम्बन्धीत ई.व.का., सम्बन्धीत साभेदारी तथा सा.व.उ.स. | आ-आफ्नो वनक्षेत्र |
| २. | प्राप्त प्रतिवेदनहरूको आधारमा बजेट तथा कार्यक्रम विभाजन गर्ने/ फायरवाच टावर निर्माण सुरु /अग्नी नियन्त्रण सम्बन्धि सामानहरूको खरिद | पुस/माघ | जि.व.का./साभेदारी तथा सा.व.उ.स. | जि.व.का.को स्टाफ मिटिङ मा छलफल साभेदारी तथा सा.व.उ.स.को समिति बैठक/साधारणसभामा छलफल |
| ३ | अग्नी नियन्त्रकहरूको नियुक्ती तथा परिचालन/जनपरिचालन / Controlled Burning | फागुन/चैत्र देखि जेष्ठ/असार सम्म | जि.व.का., साभेदारी वन व्य.स., सा.व.उ.स. | निर्धारण गरी तोकिएको क्षेत्रमा |
| ४ | अग्नी नियन्त्रण संजाल गठन/परिचालन/ | पुस/माघ | जि.व.का./सरोकारवालाहरू सबै | जिल्ला भरी |
| ५ | सूचनाहरू प्रशारण /प्रचार पम्प्लेट | फागुन, चैत्र | जि.व.का., सा.व.व्य.स., | रेडियो, पत्रपत्रिका |

| सि.नं. | कृयाकलाप | समय | कसले गर्ने | कहाँ गर्ने |
|--------|---|------------------------------|--|---|
| | वितरण | वैशाख, जेष्ठ | सा.व.उ.स. | मिटिङ/आमभेला/वैठक |
| ६ | जनचेतना प्याली तथा गोष्ठीहरु/सडक नाटक प्रदर्शनी | फागुन, चैत्र वैशाख, जेष्ठ | गैर सरकारी संस्थाहरु, सबै सरोकारवालाहरु | कार्य संचालन गर्दा प्रभावकारी हुने क्षेत्रहरुमा |
| ७ | पानी पोखरी निमार्ण | मंसिर पौस | जिल्ला वन कार्यालय | सुख्खा हुने क्षेत्रमा |

४.४.४.६ चरिचरण नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन

तराईका प्राकृतिक जंगलमा पुनरुत्पादन न्यून रहनुमा चरिचरण पनि एक प्रमुख कारण हो । यस जिल्लाका प्रायजसो सबै वनहरु चरिचरणले ग्रस्त छन् । अनुत्पादक पशुपालन तथा छाडा चौपायाको चाप वन क्षेत्रमा परेको छ । सामुदायिक वन तथा तारवार गरेका वनमा समेत चरिचरण नियन्त्रण हुन सकेको छैन । अतिचरिचरणको कारणले गर्दा पुनरुत्पादनमा असर पर्नुको साथसाथै जमिनको उर्बराशक्ति (soil quality) पनि घटने गर्दछ । हालसम्म चरिचरण नियन्त्रणका लागि जनचेतना जगाउने बाहेक अन्य कार्य हुन सकेको छैन । तसर्थ यस कार्ययोजना अवधीमा स्थानीय सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहहरुका साथै जिल्ला पशु सेवा कार्यालयसँग समन्वय गरी धेरै अनुत्पादनशील पशुको पालन गर्नु भन्दा थोरै उत्पादनशील पशु पालनमा जोड दिन चेतना जगाउने कार्य गरिनेछ । त्यसैगरी भूईँघाँस, डालेघाँसको अभिवृद्धिका लागि नीजि तथा सार्वजनिक क्षेत्रमा विस्तारका लागि नर्सरी, वृक्षरोपण र वीउ वितरणमा जोड दिइनेछ । चुरे क्षेत्रमा हुने अति चरीचरण नियन्त्रणका लागि क्रमशः घुम्टि चरीचरण गर्दै पुर्ण रुपमा चरीचरण नियन्त्रण क्षेत्रको रुपमा घोषणा गरी व्यवस्थापन गरिदै लगिने छ । उत्कृष्ट चरिचरण नियन्त्रण गर्ने क्षेत्रहरुको छनौट गरी पुरस्कृत गरिनेछ । पुनरुत्पादन कटान हुने सबै किसिमका वन क्षेत्रमा पूर्ण रुपमा चरिचरण नियन्त्रणको शुनिश्चितता भएको हुनेछ ।

४.४.५ प्राकृतिक तथा कृत्रिम पुनरुत्पादन कार्यक्रम

यस जिल्लाको वनको विकासका लागि वनको किसिम, प्रजाती र स्थान विशेष अनुसार कृत्रिम तथा प्राकृतिक दुवै किसिमका पुनरुत्पादनमा जोड दिन आवश्यक छ । चुरे लगायतका विभिन्न खाली, पर्ति, सार्वजनिक स्थानहरुमा वृक्षारोपण गरी वनको विकास गर्नु पर्ने अपरिहार्यता देखिएको छ, सोको लागि निम्न बमोजिमका कार्यहरु गरिने छ ।

४.४.५.१ प्राकृतिक पुनरुत्पादन कार्यक्रम

यस जिल्लामा आ.व. ०६९।७० देखी शुरु गरिएको वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन कार्यक्रम हाल जिल्लाको १९ वटा सामुदायिक वनहरु र २ वटा साभेदारी वनमा सञ्चालनमा हुँदै आएको छ । उक्त क्षेत्रमा प्राकृतिक पुनरुत्पादनका कार्यलाई प्रमुख लक्ष्य बनाई प्रभावकारी रुपमा कार्यान्वयन गरिएको छ । यस क्रममा वन क्षेत्रलाई प्रजातिको बाली चक्र अवधीको आधारमा विभिन्न वार्षिक उपखण्डहरु बनाई प्रत्येक वर्ष क्रमिक रुपमा ती उपखण्डहरुमा वन व्यवस्थापनका कृयाकलापहरु सञ्चालन गर्ने योजना अनुरूप बाली चक्र अवधीमा सम्पूर्ण वन क्षेत्रमा पुनरुत्पादनका कार्यक्रम सञ्चालन गरी आदर्श वन बनाउने लक्ष्य राखिएको छ ।

पुनरुत्पादन बढावाको कार्य शुरु गर्दा बुढा, हैसियत विग्रिएका, बृद्धि रोकिएका रुखहरुको बाहुल्यता भएको र अन्य उमेर समूहका रुख विरुवाहरुको उपस्थिति नरहेको वा न्यून रहेको, फाटफुट मात्रामा रुखहरु भई क्षतिग्रस्त भूमीको रुपमा रहेको र माटोमा पुनरुत्पादन गर्ने क्षमता भएका समथल भुमीका क्षेत्रहरुलाई प्राथमिकता दिइएको छ । पुनरुत्पादन कटान पश्चात् पुनरुत्पादन बढावाको लागि कम्तिमा १० वर्षसम्म

तारबार र हेरालु सहितको पुर्ण संरक्षण, वर्षको २ पटक गोडमेल तथा पत्ल्याउने कार्य, वन डढेलोबाट पुर्ण संरक्षण जस्ता कार्यहरू सञ्चालन गरिनेछ ।

जिल्लाका समथर भूमीमा रहेका सबै उत्पादनशील सामुदायिक वनहरू र दुवै साभेदारी वनहरूमा यो कार्यक्रम अभियानकै रूपमा सञ्चालन गरिनेछ । यस हिसाबले यो जिल्ला नमुना जिल्लाको रूपमा रहने अपेक्षा समेत योजनाले गरेको छ । सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको रूपमा रहेको चुरे वन क्षेत्रमा प्राकृतिक पुनरुत्पादनको कार्यलाई संरक्षण गर्न प्राथमिकतामा राखिएको भएता पनि अझै पनि चरीचरण पुर्ण रूपमा नियन्त्रण गर्न नसकिने, वन डढेलो प्रकोप रही रहन सक्ने तथा कतिपय क्षेत्रमा माटोको कमजोर उर्वरा शक्तिको कारणले पुनरुत्पादन हुर्कन नसक्ने आदि कारणले यस क्षेत्रमा पुनरुत्पादन बढावाको कार्य चुनौतिपूर्ण रहेको छ ।

४.४.५.२. कृत्रिम पुनरुत्पादन कार्यक्रम

जिल्लामा वन क्षेत्र न्यून रहेको (करिब १९ प्रतिशत) तथा जनसंख्या अत्यधिक रहेको (जनसंख्याको हिसाबले नेपालकै तेश्रो ठुलो जिल्ला) कारणबाट प्राकृतिक वनले वन पैदावरको आपूर्ति गर्न नसकिरहेको अवस्थामा वन क्षेत्र बाहिर वन विस्तार गर्नु अपरिहार्य भएको छ । त्यसैगरी जिल्लाको उत्तरी ६ स्थानीय तह बाहेकको १० स्थानीय तहको क्षेत्रमा वन क्षेत्र न्यून वा शुन्य प्रायः छ । स्थानीय सरकारसँगको समन्वयमा वन क्षेत्र नभएका स्थानीय तहहरूमा निजी तथा सार्वजनिक जग्गामा वन विकास गर्न विशेष पहल गरिनेछ । वन क्षेत्र बाहिर वन विस्तारको संभावनालाई हेर्दा यस जिल्लामा विगतमा तराई सामुदायिक वन कार्यक्रमको कार्यकालमा ४८ वटा नर्सरी सञ्चालनमा रहेका र तत्कालिन अवस्थामा निजी आवादी क्षेत्रमा वृक्षरोपण भएका रुखहरूले आजको मागलाई केही हदसम्म आपूर्ति गर्न सघाउ पुर्याइरहेको छ । यी जग्गाहरूमा तत्पश्चात् अभियानकै रूपमा वृक्षरोपण हुन सकेको छैन । कृषकहरू राम्रो र भरपर्दो प्रजातिको विरुवाको खोजिमा रहेको पाइन्छ । एकातर्फ मलखाद, सिंचाई, ज्यामीको मुल्य वृद्धि र अर्कोतर्फ कृषि उपजको उत्पादनमा कमी आदिले गर्दा कृषकहरू कृषि बालीको साथ साथै वन बाली तर्फ आकर्षित भएको पाइन्छ । यस अवसरलाई उपयोग गर्न सकिएमा निजी क्षेत्रमा वृक्षरोपणको लागि अपार संभावना रहेको छ ।

जिविकोपार्जनका लागि वन कार्यक्रम लागू भए पश्चात् गरिएको एक अध्ययन अनुसार यस जिल्लामा खोला किनार, नदी उकास, पर्ति चौर, सडक किनार जस्ता सार्वजनिक एवं संस्थागत जग्गाहरू करिब १० हजार हे. रहेको उल्लेख छ । यी क्षेत्रमा समेत वन विस्तार गर्न सकेको अवस्थामा स्थानीय समुदायमा वनको पहुँच, वातावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन अनुकुलनमा ठुलो योगदान पुग्ने देखिन्छ । यसरी हेर्दा जिल्लाको राजमार्ग दक्षिण विभिन्न स्थानमा नर्सरीहरू सञ्चालन गरी वृहत रूपमा विरुवा उत्पादन तथा वितरण र वृक्षरोपणमा सहयोगका कार्यहरू गर्न आवश्यक देखिन्छ । यसका लागि हालको अवस्था समेत देखिने गरी निम्नानुसारका कार्यक्रमहरू प्रस्ताव गरिएको छ ।

क) स्थायी तथा अस्थायी नर्सरी सञ्चालन

यस जिल्लामा स्थायी र अस्थायी प्रकृतिका सामुदायिक, सरकारी तथा निजी नर्सरीहरू सञ्चालन गरिने छ । यसका लागि हाल सञ्चालनमा रहेका नर्सरीहरूलाई प्राथमिकता दिइने छ ।

१. सरकारी नर्सरी

यस जिल्लामा जिल्ला वन कार्यालय अन्तर्गत १ वटा जिल्ला स्तरीय, १ वटा सेक्टर स्तरीय नर्सरी तथा ठकुरापुर इलाकामा एक वटा तथा जिल्ला वन पैदावर आपूर्ति समिति मार्फत् मर्चवार क्षेत्रमा एक वटा

गरी जम्मा ४ वटा नर्सरी सरकारी निकायबाट संचालन हुँदै आएको छ । यी नर्सरीहरूलाई बाह्र महिना विरुवा रहने गरी पानी, नर्सरी नाइके, र अन्य भौतिक साधन श्रोतले सम्पन्न बनाई स्थायी नर्सरीको रूपमा विकास गरिनेछ । जिल्ला नर्सरी र शितलनगर सेक्टर नर्सरीमा आ.व. ०७०।७१ बाट बहुवर्षिय विरुवा उत्पादन शुरु गरिएकोमा यसको सफलताको आधारमा सरकारी निकायबाट सञ्चालन गरिने सबै नर्सरीहरूमा बहुवर्षिय विरुवा उत्पादन गरिनेछ । नर्सरीलाई आत्मनिर्भर गर्नका लागि स्थानीय सरकारहरूसँग समेत समन्वय गर्दै साभेदारी वनको उपभोक्ता क्षेत्रमा साभेदारी वन मार्फत् समेत विरुवा उत्पादन गर्ने कार्यलाई प्रोत्साहन गरिनेछ । लुम्बिनी साभेदारी वन व्यवस्थापन समुहले आफ्नो उपभोक्ता क्षेत्रमा विगत ३ वर्ष देखी वार्षिक करिब २ लाख विरुवा उत्पादन गर्ने लक्ष्य लिई कार्य गरिरहेकोमा सो कार्य देवदह साभेदारी वन मार्फत् पनि सञ्चालन गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ । विगतमा तराई सामुदायिक वन कार्यक्रम लागु भएको अवस्थामा सञ्चालन भएका नर्सरीहरूको हालको अवस्था र त्यसले पुर्याउने सेवा क्षेत्र समेतका विवरण अद्यावधिक गरी हरेक इ.व.का. अर्न्तगत कम्तिमा एक स्थायी सरकारी नर्सरी स्थापना गरी सञ्चालन गरिनेछ । यी नर्सरीहरूमा कृषक एवं उपभोक्ताहरूको माग अनुरूपका स्थानीय तथा छिटो बढ्ने खालका काठ तथा दाउरा उत्पादनका साथै डालेघाँस उत्पादन हुने प्रजातिहरूको छनौट गरी विरुवा उत्पादन गरिनेछ । उपभोक्ताहरूको माग अनुसार गैह्रकाष्ठ वन पैदावर प्रजातिहरूको समेत उत्पादन गरिनेछ । मुख्य रूपमा टिक, मसला, जामुन, सिमल, अर्जुन, सिसौ, खयर, कदम, बकैनो, इपिल इपिल, क्यासिया, अकासिया, सिरिस, निम, बेल, बांस, अमला, कुरिलो आदि रहेका छन् ।

२. सामुदायिक नर्सरी

यस जिल्लाका सामुदायिक वनहरूले पनि वन नर्सरीहरूको स्थापना गरी विरुवा उत्पादनको कार्यक्रम संचालन गरिरहेका छन् । सा.व.उ.स.मा वृक्षारोपणको आवश्यकता अनुसार विरुवा उत्पादनको लागि नर्सरी स्थापना तथा संचालन गर्ने र कतिपय नर्सरीहरू वृक्षारोपण कार्य समाप्त भए पछि स्वत बन्द समेत हुने गरेका छन् । विशेष गरी समूहहरूबाट सन्चालन भएका नर्सरीहरूमा प्राविधिक ज्ञानको कमि हुने भएबाट विरुवाको गुणस्तरमा कमि, धेरै प्रजातिहरूको उत्पादन नहुने र के कति उत्पादन भई कहाँ रोपियो भन्ने बारे अभिलेख समेत नरहने समस्याहरू देखिएको छ ।

विगत वर्षहरूमा यस जिल्लामा सामुदायिक वन नर्सरी संचालन गरी वृक्षारोपण गरिएको भनिँएता पनि के कति र कहाँ-कहाँ त्यस्ता नर्सरीहरू संचालन भयो रेकर्डबाट देखिँदैन । यस जिल्लामा हाल शंकरनगर सामुदायिक वन उपभोक्ता समुह, जितेश्वरी सामुदायिक वन उपभोक्ता समुह, चारपाला सा.व.उ.स, नमुना सा.व.उ.स. र बाउन्नकोटी सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहले नर्सरी सञ्चालन गरी विरुवा उत्पादन गर्ने गरेको पाइन्छ । जिल्ला वन कार्यालयले समेत यी सामुदायिक नर्सरीसँग वार्षिक रूपमा १०,०००-१५,००० वटा विरुवा प्रति नर्सरी उत्पादनको लागि सम्झौता गर्ने गरेको छ ।

यस कार्ययोजना अवधिमा सामुदायिक वन क्षेत्र भित्र खाली क्षेत्र एवं वृक्षारोपण गर्नुपर्ने क्षेत्र धेरै भएका, सा.व.बाट आम्दानी धेरै हुने गरेका तथा उपभोक्ताहरूले नीजि एवं कृषि वन विकास गर्ने चाहना राखेका क्षेत्रमा यस्ता नर्सरी स्थापनामा जोड दिइनेछ । एउटा समुहले मात्र नर्सरी सञ्चालन गर्न नसक्ने अवस्थामा एक भन्दा वढी सामुदायिक वनहरूको सञ्जाल निर्माण गरी यस्ता नर्सरीहरू सञ्चालन गरिनेछ । नर्सरी सञ्चालन गर्ने सामुदायिक वन समूहहरूलाई जिल्ला वन कार्यालयले प्राविधिक सहयोग उपलब्ध गराउने छ । यसरी विरुवा उत्पादन गर्दा बहुउद्देश्यीय, छिटो हुर्कने र आयआर्जनमा प्रत्यक्ष टेवा पुऱ्याउन सक्ने विरुवा उत्पादन गर्न समूहलाई जागरूक बनाउने काम गरिनेछ ।

३. निजी नर्सरी

यस जिल्लामा व्यापारिक प्रयोजनको उद्देश्यले निजी तवरमा विरुवाहरु उत्पादन गरि विभिन्न संघ संस्था तथा व्यक्तिहरुलाई बिक्री गर्ने गरिएको पाईएको छ । यस जिल्लामा खासगरी विभिन्न १७ वटा नर्सरीहरु घरेलु तथा साना उद्योग कार्यालयमा दर्ता भएको रेकर्डबाट देखिन्छ । तथापी ती नर्सरीहरुले के कस्ता विरुवाहरु उत्पादन गरी कहाँ कहाँ वृक्षरोपणको लागि बिक्री गरे भन्ने तथ्यगत विवरण भने तयारी हुन सकेको छैन । निजी नर्सरीको रूपमा यस जिल्लामा रहेको गुप्ता नर्सरीले भने अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा समेत आफ्नो नाम राख्न सफल भएको पाइन्छ । सरकारी एवं सामुदायिक नर्सरीहरुबाट विरुवा आपूर्ति गर्न नसकिरहेको अवस्थामा यस्ता नर्सरीहरुलाई प्रोत्साहन गरी संचालनमा ल्याउन उपयुक्त हुने हुँदा यी नर्सरीहरुलाई प्राविधिक सहयोग र विरुवा खरिद गर्ने कार्यक्रम कार्ययोजनामा समावेश गरिएको छ । पछिल्ला वर्षहरुमा वृक्ष सुधार, वृक्षरोपण तथा निजी वन कार्यक्रम अन्तर्गत विभिन्न निजी कृषकहरु मर्फत् विरुवा उत्पादनको लागि सम्झौता गरी जिल्ला वन कार्यालयले खरिद गरी वितरण गर्दै आइरहेको छ भने लुम्बिनी साभेदारी वन व्यवस्थापन समुहले समेत निजी तथा सार्वजनिक जग्गामा वृक्षरोपण कार्य गर्न निजी किसानहरूसँग सम्झौता गरी वार्षिक २ लाख भन्दा बढी विरुवा उत्पादन गरी वितरण गर्दै आएको पाइन्छ ।

ख) वृक्षरोपण कार्यक्रम

स्थानीयस्तरमा हरियाली बढाउन, भू-क्षयको नियन्त्रण गर्न, वन क्षेत्रको जग्गाको भोगाधिकार लिएका संस्थाले सोधभर्ना गर्न, कृषि क्षेत्रको उत्पादकत्व बढाउन, वन पैदावारको परनिर्भरता कम गर्न, विभिन्न कारणबाट कटान भएका वन क्षेत्रलाई पुनः हराभरा बनाउन तथा खाली, नाङ्गो आवादी जग्गाहरुमा हरियाली बढाउन, जलवायु परिवर्तन अनुकुलन तथा न्युनीकरण गर्न यस जिल्लाका लागि वृक्षरोपण अति नै आवश्यक छ ।

१. सरकारी तवरबाट गरिने वृक्षरोपण

यस जिल्लामा वन क्षेत्र बाहिर करिब १० हजार हे. सार्वजनिक, खाली पर्ति जग्गा रहेको उल्लेख भएता पनि यथार्थपरक विवरणको अभाव, नीजि तथा कृषि वनको रूपमा यस योजना अवधीमा कुन कुन स्थानमा के कति जग्गाधनीले वृक्षरोपण गर्ने भन्ने शुक्ष्म तहको तथ्यांक अभावमा वृक्षरोपण हुने क्षेत्रको विस्तृत कार्ययोजना तयार गर्न नसकिएको हुँदा पछि यसै कार्ययोजनाको आधारमा विस्तृत कार्ययोजना (कहाँ, कति, कुन वर्ष, कसले, कसरी) बनाई कार्यान्वयन गरिने छ । हाललाई कार्य अनुभव र फिल्ड अनुगमनको आधारमा वृक्षरोपण तर्फको अनुमानित कार्यक्रम अनुसुची २.१ मा दिइएको छ ।

वृक्षरोपण सम्बन्धी कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्दा खाली पर्ति, सार्वजनिक जग्गा, वन अतिक्रमण हटाई खाली भएका क्षेत्रहरुमा वार्षिक रूपमा वृक्षरोपण गर्दै गई खेर गईरहेको जमीनलाई वनक्षेत्रमा परिणत गरी व्यवस्थापन गरिने छ । काठ दाउराको आपूर्तिमा निजी वनको योगदान उल्लेखनीय छ । निजी वनका धनीहरुलाई निःशुल्क विरुवा वितरणको कार्यमा अभै व्यापक बनाई वृक्षरोपण कार्यक्रमलाई परिणाममुखी बनाउन निजी क्षेत्रको सहभागितामा जोड दिईने छ । जिल्लाका विभिन्न स्थानमा रहेका खाली पर्ति सार्वजनिक जग्गाहरुमा महिला, दलित र विपन्न वर्गको पहुँच हुने गरी समुह गठन गरी वृहत् रूपमा वृक्षरोपणको कार्यक्रम संचालन गरिने छ । सरकारी तर्फबाट वृक्षरोपण गर्न सकिने संभाव्य क्षेत्रहरु :-

- अतिक्रमण खाली गराईएका र आगामी दिनहरुमा खाली गराइने अतिक्रमित क्षेत्रहरु,
- वनक्षेत्र भित्र रहेका खाली पर्ति चौरहरु,
- सडक र नदी खोलाको किनारका खाली पर्ति जग्गाहरु,
- स्थानीय तहसँगको समन्वयमा पहिचान गरिएका सार्वजनिक जग्गाहरु

२. सामुदायिक वनको तवरबाट गरिने वृक्षरोपण

सामुदायिक वनहरूले आफ्नै आर्थिक स्रोतबाट वा अन्य संघ/संस्थाको सहयोगमा आफ्नो समुदायमा विरूवा उत्पादन गरी वृक्षरोपणको कार्य गर्न सक्ने छन् । हरेक सामुदायिक वनको कार्ययोजनामा उल्लेखित वृक्षरोपणको कार्यलाई यस योजना अवधिमा अनिवार्य रूपमा कार्यान्वयन गरिनेछ । दक्षिण तर्फका आर्थिक स्रोत नभएका समूहहरूलाई स्रोत सम्पन्न उत्तरतर्फका समूहहरूले विरूवा उत्पादन तथा वृक्षरोपण कार्यमा सहयोग गर्ने विशेष कार्यक्रमको प्रस्ताव गरिएको छ । यसको लागि जि.व.का./से.व.का./इ.व.का.ले समन्वयकारी भूमिका खेल्नु पर्ने छ । साथै जिल्ला वन कार्यालयले चाहिने प्राविधिक सेवा उपलब्ध गराउने छ । समूहले गर्ने वृक्षरोपण संरक्षणको शुनिश्चितता, अर्थपूर्ण र गुणात्मक वृक्षरोपणको सिद्धान्तलाई अंगिकार गरी कार्यक्रम संचालन गरिनेछ । सामुदायिक वनभित्र उपभोक्ता समूहको निर्णय बमोजिम गरिव तथा विपन्न वर्गका लागि कवुलियतनामा गरी खाली अथवा हैसियत खराब भएका ठाउँहरू उपलब्ध गराई विभिन्न आयमूलक कार्यक्रमहरू कृषि-वन (Agroforestry) अनुरूप संचालन गराउने प्रतिबद्धता लिइएको छ ।

४.४.५.३ सम्पन्न भएको वृक्षरोपणको विवरण र हालको स्थिति

यस जिल्लामा वि.सं. २०१८ सालदेखि लुम्बिनी वन डिभिजन कार्यालय मार्फत् हुँदै हालसम्म विभिन्न क्षेत्रमा करिब २७०० हे. जग्गामा वृक्षरोपण भएको पाइन्छ । हालसम्म यस जिल्लामा भएको वृक्षरोपणको विस्तृत विवरण अनुसूची १३ मा दिइएको छ । यसरी विभिन्न समयमा भएका वृक्षरोपण क्षेत्रहरू सामुदायिक वनको रूपमा हस्तान्तरण भई उपभोक्ता समूह मार्फत् संरक्षण, व्यवस्थापन तथा उपयोग हुनुको साथै हालको अवस्था सन्तोषजनक रहेको छ ।

४.४.५.४ शहरी वन विकास कार्यक्रम

यस जिल्लाको लुम्बिनी सांस्कृतिक नगरपालिका, सैनामैना नगरपालिका, तिलोत्तमा नगरपालिका लगायतका क्षेत्रमा विगतका वर्षहरूमा नगर साभेदारी कार्यक्रमको रूपमा तथा वन उद्यान निर्माण गर्ने क्रममा वृक्षरोपण गरिएका थिए । त्यसैगरी बुटवल बेलहिया सडक आयोजनाले समेत उक्त सडक निर्माणको क्रममा सडक किनारमा वृक्षरोपण गरी सौन्दर्यीकरण गर्दै आएको पाइन्छ । यसका अलावा विभिन्न नगरपालिका तथा गाउँपालिकाहरूले समेत एक घर दुई विरूवा रोप्ने अभियान कार्यान्वयन गर्न शुरुवात गर्दै आएको पाइन्छ । यस हिसाबले विभिन्न पालिका क्षेत्रहरूमा सम्बन्धीत पालिकाहरूसँग समन्वय गरी उपयुक्त स्थानहरूमा वन उद्यान निर्माण गरिनेछ । त्यसैगरी नगर क्षेत्रका बसपार्क, चौवाटा तथा सडकका किनारहरूमा उपयुक्त प्रजाती यकिन गरी सकभर बहुवर्षिय विरूवा वृक्षरोपणको लागि छुट्टै कार्य योजना बनाई कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ । यसका लागि स्थानीय तह तथा अन्य सरकारी एवं गैरसरकारी संस्थाहरू समेतको समन्वय र सहकार्यमा दिगो व्यवस्थापन तथा संरक्षणको व्यवस्था मिलाईने छ । सोको लागि आवश्यक पर्ने बजेट स्थानीय तहको श्रोतबाट उपलब्ध गराउने व्यवस्था मिलाउन पहल गरिने छ । साथै जिल्ला स्थित सरकारी कार्यालय तथा गैरसरकारी संघसंस्थाहरू, विद्यालय, मन्दिर, आदिको हाताभित्र उपयुक्त प्रजातिको विरूवाबाट वृक्षरोपण गर्नको लागि विशेष पहल गर्नुको साथै उक्त कार्यको अनुगमनको लागि प्रमुख जिल्ला अधिकारीको सयोजकत्वमा एक अनुगमन समिति गठन गरिने छ । उत्कृष्ट ठहर भएको कार्यालय वा संघ संस्थालाई कदर पत्र प्रदान गरिने छ ।

४.४.६ सार्वजनिक तथा नीजि वन प्रबर्द्धन एवं उच्चम विकास सहयोग कार्यक्रम

४.४.६.१ सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापन कार्यक्रम

यो जिल्ला सार्वजनिक जग्गामा वन विकास तथा व्यवस्थापनका संभावनाको दृष्टिकोणले अन्य जिल्लाको तुलनामा अग्र स्थानमा आउँछ । यस जिल्लामा करिब १० हजार हे. सार्वजनिक जग्गामा वृक्षरोपण गर्न सकिने संभावना रहेको छ । विगतमा जिविकोपार्जनका लागि वन कार्यक्रमको अवधिमा सार्वजनिक जग्गामा वृक्षरोपणको लागि चेतना विकास भई केही स्थानहरूमा समुह गठन भई वृक्षरोपण समेत भएको पाइन्छ । यस कार्यमा जिल्ला वन कार्यालयले समन्वयकारी भुमिका खेलेको कार्यान्वयन तहमा स्थानीय पालिका तथा विभिन्न गैर सरकारी संस्था एवं सामुदायिक संस्थाहरूलाई परिचालन गरिनेछ ।

१. उद्देश्य :

वन नभएको क्षेत्रका स्थानीय स्तरमा नै वनको विकास गरी वन पैदावारको राष्ट्रिय वन माथिको चाप काम गर्नुका साथै खेर गइरहेको भूमिको उपयोगबाट वातावरणीय, आर्थिक र सामाजिक फाइदाहरू प्राप्त गर्न सहयोग गर्नु हो ।

२. अपेक्षित उपलब्धिहरू :

- भू-दृष्यमा रुखहरूको संख्या बृद्धि भई प्राकृतिक पूँजीको विकास भएको हुनेछ ।
- स्थानीय स्तरबाट नै वन पैदावारको आपूर्तिमा टेवा पुगेको हुनेछ ।
- वनजन्य उद्योगहरू एवं काष्ठ व्यापारीहरूलाई आवश्यक कच्चापदार्थको आपूर्तिको लागि आधार तयार भएको हुनेछ ।
- वनको माध्यमबाट स्थानीय जनताको रोजगारी तथा आयआर्जनको अवसरमा बृद्धि भएको हुनेछ ।
- वन प्रति स्थानीय बासिन्दाहरूको सकारात्मक सोचको विकास तथा जिल्ला वन कार्यालयको सेवामा विस्तार भएको हुनेछ ।

३. कार्यक्रमहरू :

- विभिन्न पालिकामा रहेका हरियाली विकास गर्न संभावित सार्वजनिक जग्गाहरूको शुक्ष्म रूपमा अध्ययन गरी विवरण संकलन गर्ने ।
- सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापनका लागि स्थानिय पालिकासँग समन्वय गरी स्थानीय बासिन्दा एवं टोल समुहलाई एकिकृत गरी समुह बनाउने ।
- सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापनका लागि स्थानिय पालिका र आवश्यक परेमा जिल्ला प्रशासन कार्यालयसँग समन्वय गरी जग्गाको स्वामित्व भएको निकाय र समुह बिच सम्झौताका लागि सहयोग गर्ने ।
- कृषि वन प्रणाली अपनाई वृक्षरोपणका साथसाथै अन्य नगदे बाली लगाउन प्रोत्साहित गर्ने ।
- वन, वातावरण तथा प्राकृतिक श्रोत सम्बन्धी चेतनामुलक प्रशिक्षण कक्षा सञ्चालन गर्ने ।
- गरीब तथा विपन्न वर्गको जीविकोपार्जनमा सुधार ल्याउन उनीहरूलाई लक्षित गरी आय आर्जन तथा क्षमता विकासका कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।
- सार्वजनिक जग्गामा वृक्षरोपण लक्षित गरी स्थानीय स्तरमा नै नर्सरी सञ्चालन गर्ने ।
- वनको विकास भइसकेपछि सामुदायिक वनको रूपमा हस्तान्तरण गर्ने ।
- नीजि तथा सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापनमा स्थानीय गैह्र सरकारी संस्था मार्फत् सामाजिक परिचालनका कार्य गर्ने ।

४.४.६.२ निजी वन कार्यक्रम

यस जिल्लामा हालसम्म ८५ जना व्यक्तिको नाममा करिब ९६ हे. क्षेत्रफलको जग्गा निजी वनको रूपमा दर्ता भएको पाइन्छ। तथापि निजी वनको रूपमा दर्ता नभएका निजी आवादी जग्गामा समेत प्रशस्त मात्रामा रुख विरुवा लगाउने प्रचलन तथा रुख विरुवा हुर्किरहेको अवस्था छ। तराई मधेश समुदायका कृषकहरूले विशेष गरी आँप, कटहर, बडहर जस्ता प्रजातिहरूलाई बगैँचाको रूपमा नै विकास गरेको पाइन्छ। हाल आएर निजी वनको रूपमा टिक, मसला लगायतको वृक्षरोपणका लागि जिल्ला भरमा नै लहर चलेको पाइन्छ।

१. उद्देश्य :

निजी जग्गामा वन लगाउन चाहने तथा लगाएका कृषकहरूलाई वृक्षरोपण तथा वन व्यवस्थापनका सम्बन्धमा प्राविधिक सहयोग गरि वन पैदावारको राष्ट्रिय वन माथिको चाप काम गर्नुका साथै वातावरणीय, आर्थिक र सामाजिक फाइदाहरू प्राप्त गर्न सहयोग गर्नु हो।

२. अपेक्षित उपलब्धिहरू :

- भू-दृष्यमा रुखहरूको संख्या बृद्धि भई प्राकृतिक पूँजीको विकास भएको हुनेछ।
- वन पैदावारमा आत्मनिर्भर बनी वन पैदावारको माग पूर्ति गर्न तथा अन्य वन क्षेत्रमा निर्भरता घटाउनको लागि निजी वनहरूको प्रवर्द्धन भएको हुनेछ।
- वनजन्य उद्योगहरू एवं काठ व्यापारीहरूलाई आवश्यक कच्चा पदार्थको आपूर्तिमा बढावा भएको हुनेछ।

३. कार्यक्रमहरू :

- निजी वन विस्तार एवं प्रवर्द्धन योजना तयार गरी वन विस्तारको लागि स्थान छनौट गर्ने। रोपण तथा व्यवस्थापनका कार्यमा प्राविधिक सहयोग गर्ने।
- वन सम्बन्धी प्रकाशनहरूका साथै स्थानीय संचार माध्यम मार्फत् निजी तथा कृषि वन सम्बन्धी सुचना तथा जानकारी (अवधारणा, कृषि वन प्रणाली, बहुउद्देश्यीय जातिका बोटविरुवा, रुख र बालीको तालमेल, उपयुक्त प्रजाति, वन पैदावारको बजार वा माग, संभावित सेवाहरू आदि) सम्प्रेषण गरी प्रचार प्रसार गर्ने।
- ग्रामिण स्तरमा विशेषतः दक्षिणी भेगमा निजी नर्सरी संचालन गर्न चाहने कृषकहरूलाई आवश्यक सहयोग गरी प्रत्येक स्थानीय तहमा कम्तीमा एउटा निजी नर्सरी संचालन गर्ने। कृषि तथा निजी वनको लागि नमुना स्थानीय तह घोषणा गर्ने।
- निजी वन विकासका लागि सरकारी स्तरबाट सञ्चालित नर्सरीहरूमा स्थानीय जनताका चाहना अनुसारका विरुवा उत्पादन गरी निःशुल्क वितरण गर्ने। ठुलो संख्यामा विरुवा रोपण गर्ने कृषक तथा स्थानको हकमा ढुवानी र संरक्षणको लागि अनुदान उपलब्ध गराउने कार्यको नमुना थालनी गर्ने।
- एक घर एक रुख एक गाउँ एक वनको नारा व्यवहारमा कार्यान्वयन गर्ने। निजी वन प्रोत्साहनको लागि पुरस्कारको व्यवस्था गर्ने। कृषि वनको विकास एवं प्रवर्द्धन गर्न गाउँस्तरमा एक घर एक मिनी बगैँचा कार्यक्रम कार्यान्वयन गरिनेछ।

- वन संवर्धनका कार्यहरु, वन उपजको मापन र उत्पादन क्षमता, गैह्रकाष्ठ वनपैदावर व्यवस्थापन, विरुवा छनोट तथा वृक्षरोपण प्रविधिहरु, रोग तथा किरा नियन्त्रण, रुखको कटान तथा ओसारपसार, बहुखण्ड बाली व्यवस्थापन जस्ता वन व्यवस्थापनका विविध पक्षमा शिप विकासका लागि आवश्यक तालिम, अध्ययन, अवलोकन भ्रमण प्रदान गर्ने ।
- गरीब तथा विपन्न वर्गको जीविकोपार्जनमा सुधार ल्याउन उनीहरुलाई लक्षित गरी आय आर्जनका लागि खेतका आली तथा डिलहरुमा बाँस, बेत, घाँस, गैह्रकाष्ठ वनपैदावर आदिको खेति गर्ने ।

निजी वनको विकास र विस्तारको लागि योजनाले प्रस्ताव गरेका कार्यक्रमहरु अनुसुची २.१ मा दिईएको छ ।

४.४.६.४ वन उद्यम विकास तथा जीविकोपार्जन सहयोग कार्यक्रम

जिल्लामा प्राकृतिक रूपमा गैह्रकाष्ठ वन पैदावर एवं जडिबुटीजन्य प्रजातिहरुको संभावना नभएको हुँदा यसमा आधारित उद्यमहरुको संभावना देखिदैन । निजी तथा सामुदायिक क्षेत्रमा बाँस, अमृसो, अमला, कुरिलो, लगायतका प्रजातिहरुको विस्तार भईरहेको अवस्थामा विस्तारै यी पैदावरमा आधारित उद्यमहरु सञ्चालनमा आउन सक्ने देखिन्छ । यो जिल्ला औद्योगिक हिसाबले महत्वपूर्ण जिल्ला भएको हुँदा अन्य जिल्लाबाट कच्चा पदार्थ ल्याई वन पैदावरमा आधारित सबै खाले उद्यमहरु सञ्चालन हुने अवस्था पनि विद्यमान छ । अतः यस्ता उद्यमहरुलाई पनि सक्दो सहयोग गरी सञ्चालनका लागि प्रोत्साहन गरिने छ । जिल्लाकै उत्पादनका हिसाबले वन पैदावारमा आधारित फर्निचर, सःमिल, ब्रिकेट कोइला, बेतबाँस, जस्ता उद्यमहरु सञ्चालन हुन सक्ने अवस्था देखिन्छ । विगतमा जीविकोपार्जनका लागि वन कार्यक्रमले सहयोग गरेका सामुदायिक स्तरबाट सञ्चालन भएका उद्यमहरुको अवस्था सन्तोषजनक देखिदैन । यसैले विगतको सिकाइलाई ध्यानमा राखी यस्ता उद्यमहरु सञ्चालन गर्न निजी क्षेत्रलाई पहिलो प्राथमिकता दिई सामुदायिक सहयोगमा सञ्चालन गरी रोजगारी तथा जीविकोपार्जनका अवसरहरु सृजना गर्न निम्न कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरिने छ । यस सम्बन्धि विस्तृत कार्यक्रमहरु अनुसुची २.१ मा दिईएको छ ।

उद्देश्य :

- जिल्लामा वन पैदावारमा आधारित उद्यमहरु सञ्चालन गरी आर्थिक विकास एवं स्थानीय समुदायको रोजगारी तथा जीविकोपार्जनका अवसरहरुमा बृद्धि गर्ने ।

अपेक्षित उपलब्धि :

- हाल सेवा विविधिकरण गर्न नसकिएका वन पैदावारहरुको समेत उपयोग गरी यसमा आधारित उद्यम स्थापना भई स्थानीय व्यक्तिहरुले रोजगारी तथा आर्थिक लाभ प्राप्त गरेको हुनेछ ।

कार्यक्रम :

- सेवा विविधिकरण हुन नसकिरहेका वन क्षेत्रमा केही मात्रामा पाइने लेमनग्रास, पुदिना, खर, हरो, बरो, अमला, सर्पगन्धा, कुरिलो, अम्रिसो, जस्ता प्रजातिहरुको विकास तथा संरक्षण गरीने छ ।
- वन क्षेत्रमा रहेका वनमारा, साना भिँभा मिंजा लगायतका वन पैदावर संकलन गरी जैविक कोइला उत्पादन गर्न सहजीकरण गरिने छ ।
- सामुदायिक वन उपभोक्ता समुह भित्रका विपन्न, गरिब, महिला, दलित तथा पिछडा वर्गलाई घाँस, बाँस, अमृसो, खर, एवं उपयुक्त गैह्रकाष्ठ प्रजातिको रोपण र प्रवर्द्धन, बेतबाँस फर्निचर स्थापना, साना लगानीका जडीबुटी प्रशोधन केन्द्रहरु खोल्ने जस्ता कार्यमा प्रोत्साहन गरिने छ ।

- सामुदायिक वन क्षेत्र भित्र रहेका ताल, तलैया, धार्मिक, ऐतिहासिक महत्व बोकेका र पर्यापर्यटनको हिसाबले महत्वपूर्ण क्षेत्रहरूमा वन क्षेत्रलाई हानी नोक्सानी नहुने गरी स्थान सुहाउँदो पर्यापर्यटकीय उद्यम सञ्चालनमा सहजीकरण गरिनेछ ।
- सबै खाले वन उद्यमहरूको विस्तृत व्यवसायीक योजनालाई अनिवार्य गरी यस कार्यमा सहजीकरण गरिने छ ।
- वन पैदावारमा आधारित उद्यमहरू संचालन भएका समुहमा कच्चा पदार्थमा सकभर आत्मनिर्भर हुन सामुदायिक वन क्षेत्र तथा निजी जग्गामा उत्पादन गर्न जोड दिइनेछ ।
- निजी तथा सामुदायिक नर्सरीहरूलाई वन उद्यमको रूपमा विकास गरिदैं लगिनेछ ।
- बैज्ञानिक वन व्यवस्थापनको कार्यबाट कच्चा पदार्थ उत्पादन हुने, रोजगारी सिर्जना हुने र भविष्यमा अहिलेको भन्दा राम्रो अवस्थाको वन बन्ने आधार तय हुँदै जाने हुँदा यसलाई समेत सामुदायिक वन उद्यमको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।

४.४.७ ऐतिहासिक, धार्मिक, पुरातात्विक तथा पर्यटकीय दृष्टिले महत्वपूर्ण क्षेत्रको संरक्षण एवं विकास

ऐतिहासिक, धार्मिक तथा पर्यटकीय दृष्टिकोणले महत्वपूर्ण मानिएका क्षेत्रहरू जस्तै विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक तथा पुरातात्विक महत्वको स्थल लुम्बिनी क्षेत्र, गौतम बुद्धको मावली देवदह क्षेत्र, सिद्धबाबा धाम, निलकण्ठ धाम, ग्लोबल पिस पार्क एवं धार्मिक वन क्षेत्र, गैडहवा ताल, गजेडी ताल, शंकरनगर वन विहार, बुटवल सामुदायिक वन क्षेत्रको मणिमुकुन्द सेन उद्यान, हिल पार्क आदिको संरक्षण एवं विकासको लागि निम्न बमोजिमका कार्यहरू सञ्चालन गरिनेछ । कार्यक्रम सञ्चालन गर्दा वातावरण मैत्री पर्यटनको अवधारणा अनुसार सम्बन्धित निकायसँग समन्वय गरिनेछ ।

- ऐतिहासिक, धार्मिक तथा पर्यटकीय महत्वका स्थानहरूमा त्यस्ता स्थानहरूको धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्वलाई अझ वृद्धि गर्ने प्रजातिका वोट विरुवा लगाई प्राकृतिक सौन्दर्यले भरीपूर्ण बनाउने ।
- संभव भए सम्म ऐतिहासिक एवं धार्मिक क्षेत्र वरपरको वन क्षेत्रलाई धार्मिक वनको रूपमा विकास गरी ती स्थानहरूको संरक्षण, विकास एवं प्राकृतिक सौन्दर्यतामा वृद्धि गरिनेछ ।
- लुम्बिनीका पर्यटक तालसम्म भन्ने अभियानलाई सहयोग गर्न सामुदायिक वन क्षेत्रमा रहेका गैडहवाताल, गजेडीताल लगायतका क्षेत्रको संरक्षण एवं पर्यापर्यटन विकासको कार्य शुरु गरिनेछ ।
- शहर तथा गाउँ केन्द्रित विभिन्न सामुदायिक वन क्षेत्रमा वातावरणमैत्री ढंगले पर्यापर्यटन विकास गर्न हाल भै रहेका उद्यानहरूलाई थप व्यवस्थित गर्दै आवश्यकता र स्थान सुहाउँदो ढंगले सामुदायिक वनको कार्ययोजनाहरूमा समेत पर्यापर्यटन विकासको अवधारणालाई समावेश गर्दै लगिने छ । विगत देखी नै शंकरनगर सामुदायिक वन अर्न्तगत रहेको वन विहार क्षेत्र, शिवनगर र लक्ष्मी आदर्श सामुदायिक वन अर्न्तगत रहेको हिल पार्क क्षेत्र, चारपाला सामुदायिक वन अर्न्तगतको मिलनपार्क, जितेश्वरी सामुदायिक वन अर्न्तगतको वाटर पार्क, बुटवल सामुदायिक वन क्षेत्रमा रहेको मणिमुकुन्द सेन उद्यान, पर्रोहा सा.व.उ.स. अर्न्तगतको पर्यावरणीय पार्क, लगायत यस्तै प्रकृतिका अन्य क्षेत्रलाई थप व्यवस्थित गर्दै स्थानीय एवं बाह्य पर्यापर्यटनको आकर्षण स्थलको रूपमा विकास गरिनेछ ।
- पर्यापर्यटन विकासको लागि हरेक स्थानिय तहमा सम्बन्धित स्थानीय तहसँगको समन्वय र सहकार्यमा कम्तीमा एक वटा उद्यान निर्माण गर्न जोड दिइनेछ ।

४.४.८ भू तथा जलाधार संरक्षण कार्यक्रम

भू संरक्षणको दृष्टिले संवेदनशिल क्षेत्र चुरे जिल्लाको उत्तरमा फैलिएको छ । दक्षिणी भेगमा विगतमा नदी खोलामा भएको अत्यधिक दोहनका कारण नदी कटान, बहाव परिवर्तन, नदी उकास जस्ता भू संरक्षणसँग सम्बन्धित समस्याहरु जटिल रुपमा देखा परेका छन् । जिल्लाको राजमार्ग दक्षिणका सबै खोला नालाको नदी जन्य पदार्थको संकलन, उत्खनन, जिल्ला समन्वय समिति मार्फत् स्विकृत वातावरणीय प्रभाव अध्ययन प्रतिवेदन बमोजिम भइरहेको र यी क्षेत्रमा नदी संरक्षण सम्बन्धी कार्यहरु पनि सोही योजना बमोजिम जिल्ला समन्वय समितिले नै गरिरहेको हुँदा ती विषयहरुमा यस कार्ययोजनाको सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापन शिर्षकमा उल्लेख भइसकेको छ । उक्त क्षेत्रमा जलउत्पन्न प्रकोप नियन्त्रण कार्यालय, जनताको तटबन्ध कार्यालय र जिल्ला भू संरक्षण कार्यालयले समेत कार्य सञ्चालन गरीरहेका छन् । जिल्ला भू संरक्षण कार्यालय मार्फत् जिल्लाको विभिन्न उपजलाधार क्षेत्रहरुमा जन सहभागितामा भू तथा जलाधार संरक्षण कार्यक्रम सञ्चालन भइरहेको छ ।

त्यसैगरी राष्ट्रपति चुरे संरक्षण कार्यक्रम समेत जिल्लाको विभिन्न क्षेत्रमा लागू भइरहेको छ र पहिलो चरणमा घोडाहा खोला उप जलाधार क्षेत्रमा एकिकृत रुपमा कार्यक्रम सञ्चालन भइरहेका छन् । यस विषयगत क्षेत्रमा नेपाल सरकारबाट स्विकृत चुरे क्षेत्रको गुरुयोजनाको अधिनमा रही जिल्ला वन कार्यालयको कार्यक्षेत्रमा पर्ने चुरे क्षेत्रका जलाधारहरुको उचित व्यवस्थापन गरी उपल्लो तटीय क्षेत्र र तल्लो तटीय क्षेत्रमा प्राकृतिक प्रकोपको चाप कम गर्दै पारिस्थितिक सन्तुलन कायम राख्न सघाउ पुऱ्याउने रहेकाले सो का लागि निम्न कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरिने छ । यस सम्बन्धि विस्तृत कार्यक्रमहरु अनुसुची २.१ मा दिईएको छ ।

उद्देश्य

जलाधार क्षेत्रका स्रोतहरु (जल, जमिन र जङ्गल) को संरक्षण, सम्बर्धन र दीगो सदुपयोग गरी बाढी, पहिरो, भू-क्षय जस्ता प्राकृतिक प्रकोपको चाप कम गर्दै पारिस्थितिक सन्तुलन कायम राख्न सघाउ पुऱ्याउने ।

अपेक्षित उपलब्धि

जल, जमिन र जङ्गलको संरक्षण र दिगो उपयोग गरी प्राकृतिक तथा मानव सिर्जित प्रकोप न्यून भई प्राकृतिक सन्तुलन कायम भएको हुनेछ ।

कार्यक्रम

- चुरे संरक्षणको लागि नेपाल सरकारबाट स्विकृत गुरुयोजनाको अधिनमा रही संरक्षणका लागि भू-क्षमता वर्गीकरणको आधारमा जमिनको उपयोग गर्न दर्ता जग्गा भएका स्थानमा संरक्षणमुखी खेती गरिने छ र पुरानो अतिक्रमण क्षेत्र खाली गराउन असम्भव भएका स्थानमा कृषि वनको रुपमा विकास गरिनेछ ।
- खहरे तथा खोलाको दुवै किनारामा विभिन्न प्रजाति र प्रकृतिका छिटो बढ्ने, बहुवर्षिय र बहुउपयोगी विरुवाहरु रोपण गरी हरित पेटिका बनाईने छ ।
- प्राकृतिक प्रकोप रोकथाम, विकासका पूर्वाधार संरक्षण र भूमि उत्पादकत्व संरक्षणका कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरिने छ ।
- खोला, नदी किनाराबाट अव्यवस्थित रुपमा ढुंगा, गिट्टी र बालुवा निकाल्न निरुत्साहित गर्ने मापदण्डको विकास गरी कार्यान्वयन गरिने छ ।
- तिनाउ नदीको दुवैतर्फ हरित पेटिका बनाउन सम्बन्धीत स्थानीय तह एवं जिल्ला समन्वय समितिसँग अनुरोध गरी पहल गरिने छ ।

४.४.९ बैकल्पिक उर्जा प्रबर्द्धन कार्यक्रम

वन पैदावरको माग अनुसारको आपूर्ति हुन नसक्ने देखिएकोले दाउराको विकल्पको रूपमा बैकल्पिक उर्जामा जोड दिन आवश्यक छ । बैकल्पिक उर्जाको विकासको लागि जिल्ला समन्वय समिति, स्थानीय तह तथा अन्य गैह्र सरकारी संस्थाहरूसँग समन्वय गरी देहायका कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरिनेछ ।

- गोबर ग्यास जडानका लागि सहयोग
- उन्नत चुलो वितरण
- विद्युतीय पंखा चुलो
- ब्रिकेट, जैविक कोइला
- सौर्य उर्जा सहयोग

४.४.१० प्रचार प्रसार कार्यक्रम

यस पञ्चवर्षिय योजनामा प्रस्ताव गरिएका कार्यक्रमहरुको बारेमा स्थानीय जनसमुदाय तथा सम्बन्धित सबै सरोकारवालाहरुलाई चेतना अभिवृद्धि गर्ने विभिन्न कार्यक्रमहरु जस्तै: रेडियो तथा टेलीभिजन कार्यक्रम, डकुमेन्ट्री तयारी तथा प्रसारण, सरोकारवाला अर्न्तकृया, मेडिया अर्न्तकृया, होर्डिंग बोर्ड निर्माण, भित्ते लेखन, पोष्टर, पम्पलेट वितरण, प्रगति प्रतिवेदन प्रकाशन, प्रोफाइल तयारी र प्रकाशन, अध्ययन भ्रमण, स्कूल वन कार्यक्रम, इको क्लब गठन तथा सञ्चालन, वन तथा वातावरण सम्बन्धी दिवस, महोत्सव, सप्ताह सञ्चालन, समुह सम्बन्धी तथ्यांक संकलन, अद्यावधीक तथा प्रकाशन गरिनेछन् । प्रचार प्रसार कार्यक्रमका विस्तृत विवरण अनुसुची २.१ मा उल्लेख गरिएको छ ।

४.४.११ विशेष आयमुलक कार्यक्रम

विपन्न तथा सिमान्तकृत वर्गहरुको वन व्यवस्थापनमा सहभागिता सुनिश्चित गर्दै वन व्यवस्थापन मार्फत उनीहरुको आय आर्जन तथा जिविकोपार्जनमा टेवा पुर्‍याउनको लागि यो योजनाले विभिन्न कार्यक्रमहरु प्रस्ताव गरेको छ । विपन्न तथा पिछडीएको परिवारको लागि रोजगारी तथा आय आर्जन वृद्धिका लागि उपसमुह मार्फत् विभिन्न आयमुलक कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरिनेछन् । यस्ता कार्यक्रमहरुमा जडिबुटी खेती, बेत, बाँस, अमृसो खेती, वनमा आधारित हस्तकलाका सामग्री उत्पादनका लागि शिप तथा क्षमता विकासका कार्यक्रमहरु सञ्चालन गरिनेछन् । यस्ता कार्यक्रमहरुमा सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापन, सामुदायिक वनमा गरीबमुखी कबुलियती वनको अवधारणा कार्यान्वयन, घुम्ती कोष, महिला समुहहरुको परिचालन आदि प्रस्ताव गरिएको छ । घुम्ती कोषमा उपलब्ध गराइने रकम वन बाहेकका अन्य आयमुलक कार्यक्रमहरुमा समेत खर्च गर्न सक्ने हुँदा ती कृयाकलापहरु यहाँ उल्लेख गरिएको छैन । कार्ययोजना अवधीभरमा सञ्चालन गरिने कार्यक्रमहरुको विस्तृत विवरण अनुसुची २.१ मा उल्लेख गरिएको छ । यसका अलावा यी कार्यक्रमहरु सामुदायिक वनको आमदानीको ३५ प्रतिशत रकमबाट सञ्चालन गर्न समेत सहजीकरण गरिनेछ ।

४.४.१२ जलवायु परिवर्तन व्यवस्थापन सहयोगी कार्यक्रम

विश्वव्यापी रूपमा जलवायु परिवर्तनका असरहरु देखिन थालेका सन्दर्भमा नेपालमा समेत राष्ट्रिय अनुकुलन योजना तयार भैसकेको छ । सोही योजनाको अधिनमा रही यस जिल्लाको लागि तयार भएको जिल्ला जलवायु अनुकुलन रणनीतिक योजना २०६८ लाई थप परिमार्जन गरी जिल्ला वन समन्वय समिति

मार्फत् अनुमोदन गरि कार्यान्वयन गरिनेछ । त्यसैगरी स्थानीय स्तरमा समेत नेपाल सरकारबाट स्विकृत स्थानीय अनुकुलन योजनाको खाका अनुरूप हुने गरी स्थानीय अनुकुलन योजना तथा समुदाय तहका सामुदायिक अनुकुलन योजना तयार गरी कार्यान्वयन गरिनेछ । यसका लागि सम्बन्धित स्थानीय तह तथा जिल्लामा क्रियाशिल विभिन्न संघ संस्थाहरूसँग समन्वय गरी निम्न कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ । यी कार्यक्रमहरू यस अधि उल्लेख भएका विभिन्न कार्यक्रमसँग अर्न्तसम्बन्धीत भएकाले अधिकांश क्रियाकलापहरू दोहोरीएको छ ।

४.४.१२.१ जलवायू परिवर्तन न्यूनीकरण (Climate change mitigation) कार्यक्रम

वायुमण्डलमा हरितगृह ग्याँस कम गरी दीर्घकालिन रूपमा नै समाधान गर्ने प्रयासलाई न्यूनीकरण वा निष्प्रभाविकरण भनिन्छ । यसका लागि वन विनाश र वन क्षयीकरण नियन्त्रण, वन श्रोतको संचित मौज्जातमा बृद्धि र वनको दिगो व्यवस्थापन प्रमुख भए तापनि यस जिल्लामा जलवायू परिवर्तन न्यूनीकरणका लागि निम्न बमोजिमका क्रियाकलापहरू संचालन गरिने छ ।

- खाली पर्ति, सार्वजनिक जग्गा, निजी वन, सामुदायिक वन, सरकारद्वारा व्यवस्थित वन, नदी कटान क्षेत्र, शहर र सडकका पेटी लगायतका क्षेत्रहरूमा सम्बन्धीत सरोकारवालाहरूसँग सहयोग र समन्वय गरी वृक्षरोपण गरिने छ ।
- चरिचरन नियन्त्रण र व्यवस्थापन गरी प्राकृतिक पुनरुत्पादन संरक्षण तथा विस्तार गरिने छ ।
- वृक्षारोपण, वन संरक्षण र विकासका लागि विभिन्न मिडियाहरूको सहयोग र सहकार्यमा व्यापक प्रचार प्रसार गरिने छ ।
- वृक्षारोपण, वन संरक्षण र विकासमा विशेष योगदान पुर्याउने व्यक्ति/संस्थालाई पुरस्कृत गरिनेछ ।
- उर्जाको रूपमा प्रयोग हुँदै आएका दाउराको खपतमा कमी ल्याई बैकल्पिक उर्जाका श्रोतहरू जस्तै: प्राकृतिक ग्याँस, बायोग्यास, ब्रिकेट, आदिको उपयोगमा बढावा दिन सम्बन्धित निकायहरूसँग समन्वय र सहकार्य गरिने छ ।
- वन तथा वातावरण मन्त्रालय अर्न्तगतको रेड कार्यान्वयन केन्द्रले तयार गरी नेपाल सरकारले स्विकृत गरेको ERPD मा भएका कार्यक्रम कार्यान्वयन गरिनेछ ।

४.४.१२.२ जलवायू परिवर्तन अनुकुलन (Climate Change Adaptation) कार्यक्रम

जलवायू परिवर्तनबाट वर्तमानमा देखिएका र भविष्यमा पर्न सक्ने असरहरूबाट हुने जोखिमलाई कम गर्न गरिने अग्रसरता र प्राकृतिक तथा मानवीय व्यवहार र क्रियाकलापहरूमा परिवर्तन गरी गरिने प्रयासहरूलाई जलवायू परिवर्तन अनुकुलन भनिन्छ । यसका लागि परिवर्तित अर्थात नयाँ रूपमा सृजना भएको वातावरणमा विभिन्न उपायहरू निकालेर जिउने, बाँच्ने र बस्ने तरीकाहरू अवलम्बन गर्नुपर्ने छ । यस जिल्लामा जलवायू परिवर्तन अनुकुलनका लागि निम्न बमोजिमका क्रियाकलापहरू संचालन गरिनेछ ।

- जलवायू परिवर्तन अनुकुलनका लागि Indigenous knowledge को संरक्षण र विकासको साथै सोको अवलम्बन गरिने छ ।
- सामुदायिक वन क्षेत्र, सार्वजनिक जग्गामा रहेका पोखरी, ताल, तलैयाहरूको उचित संरक्षण, संभारका कार्यहरू गरिनेछ ।
- वन क्षेत्रमा रहेका खोला, खोल्सीहरूमा रनअफ हार्भेष्टिग ड्र्याम निर्माण गरी बहुउपयोग गरिनेछ ।
- बदलिंदो वातावरणमा हुर्कने सक्ने प्रजातिहरूको खोज अनुसन्धान एवं विस्तार गरिनेछ ।

- उन्नत चुल्हो लगायतका नयाँ प्रविधीको पहिचान गरी सोको उपयोग गर्न प्रचार प्रसार र प्रोत्साहन गरिने छ ।
- जलवायू परिवर्तन अनुकुलनका लागि सीप, शिक्षा तथा जनचेतनामूलक तालिम-गोष्ठीको आयोजना गरिने छ ।

कार्ययोजना अवधीभरमा सञ्चालन गरिने जलवायू परिवर्तन न्यूनीकरण वा निष्प्रभाविकरण तथा जलवायू परिवर्तन अनुकुलन सम्बन्धी कार्यक्रमहरुको विस्तृत विवरण अनुसुची २.१ मा उल्लेख गरिएको छ ।

४.४.१३ भौतिक पुर्वाधार निर्माण कार्यक्रम

जिल्ला वन कार्यालय र अर्न्तगतका सेक्टर वन कार्यालय, इलाका वन कार्यालयका भवनहरु पुराना तथा जिर्ण अवस्थाका छन् । कतिपय भवनहरु द्वन्दकालमा क्षतिग्रस्त समेत भएको र कतिपय इलाका वन कार्यालयको आफ्नो भवन नभएकाले ति स्थानहरुमा वन संगठनको पुर्न: संरचना बमोजिम नयाँ कार्यालय भवन निर्माण गर्न अपरिहार्य भएको छ । भवन निर्माणको प्रस्ताव तालिका १.२ मा उल्लेख गरिएको छ ।

४.४.१४ जनशक्ति व्यवस्थापन

यस पञ्चवर्षीय वन व्यवस्थापन कार्ययोजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयनको लागि जिल्ला वन कार्यालय, रुपन्देहीको वर्तमान संगठनात्मक स्वरूपमा व्यवस्था भएको बमोजिम जनशक्ति उपलब्ध हुने अपेक्षा गरिएको छ । साथै मौजुदा दरबन्दी भन्दा संघिय पुर्नसंरचना बमोजिम स्विकृत भएको दरबन्दीमा कम जनशक्तिको व्यवस्था गरिएबाट थप कार्यबोझ समेत हुने भएकाले सम्बन्धित निकायबाट दरबन्दी बमोजिमका योग्य कर्मचारीको व्यवस्थापन हुन जरुरी देखिन्छ । यस योजना अवधिमा संचालन गर्ने कार्यक्रमहरुको संचालन गर्न आवश्यक जनशक्ति, साधन र श्रोतको व्यवस्था संघिय एवं प्रादेशिक वन तथा वातावरण मन्त्रालय र अर्न्तगतका विभागबाट विभिन्न कार्यक्रम तथा संघ संस्थाहरुसंगको समन्वयबाट उपलब्ध हुने अपेक्षा गरिएको छ । साभेदारी वनको कार्ययोजना कार्यान्वयन, सामुदायिक वनमा बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन कार्यका लागि मौजुदा प्राविधिक जनशक्ति अपर्याप्त भएकोले तत् निकायहरुबाट यस सम्बन्धी व्यवस्था हुने अपेक्षा गरिएको छ । सार्वजनिक क्षेत्रमा वन विकास र व्यवस्थापनको लागि सामाजिक परिचालकहरुको आवश्यकता रहेको र मौजुदा संगठनात्मक स्वरूपमा उक्त दरबन्दी नरहेको हुँदा गैह्र सरकारी संस्थाको परिचालनबाट यस क्षेत्रको उपलब्धि हासिल गर्ने अपेक्षा गरिएको छ । यसै अवधि भित्र वनको नयाँ संगठन लागु भई वर्तमान जनशक्ती, बजेट र भौतिक साधन श्रोत उपलब्ध भई वनको संरक्षण र विकासमा सुधार हुने अपेक्षा गरिएको छ ।

यो कार्ययोजना कार्यान्वयन गर्दा जनशक्ति, साधन तथा श्रोतको व्यवस्थापन यस प्रकार हुने आशा गरिएको छ :

- आवश्यक दरबन्दी अनुसारको बैज्ञानिक वन व्यवस्थापनको लागि कार्य दक्षता भएका प्राविधिक कर्मचारीहरुको व्यवस्था सम्बन्धीत निकायबाट हुनेछ ।
- कर्मचारीलाई आवश्यक पर्ने विभिन्न किसिमका तालिमहरु दिई कार्य दक्षता र क्षमतामा बृद्धि ल्याइने छ ।
- रासन सुविधा पाउने र एकै जिल्लामा वर्षौसम्म बस्ने स्थानीय कर्मचारीको बेजिल्ला सरुवा, फिल्डमा कार्यालय तथा निवास भवन, कार्यालयको लागि अति आवश्यक श्रोत साधन (कम्तिमा प्रति इलाका १ मोटरसाइकल, १ कम्प्युटर र प्रिन्टर, १ सेट सर्वे सामाग्री, १ सेट अग्नी रोधक उपकरण, १ सेट वन सर्म्बद्धन उपकरण, नर्सरी व्यवस्थापन, वन व्यवस्थापन, लगायत ऐन नियम,

निर्देशिका सम्बन्धी पुस्तिकाहरु) सम्पन्न भई फिल्ड स्तरमा खटिने कर्मचारीहरुलाई आफ्नो ठाउँमा अनिवार्य बसी काम गर्ने वातावरणको श्रृजना गरिने छ ।

- यो कार्ययोजना कार्यान्वयन गर्दा प्रचलित आर्थिक प्रशासन सम्बन्धी नियमावली अनुसार मितव्ययीता अपनाई कार्य गरिने छ ।
- यस कार्य योजनामा उल्लेख भएका कार्यक्रमहरु संचालन गर्न आवश्यक बजेट विभिन्न योजना तथा नेपाल सरकारको श्रोतबाट व्यवस्था गरिने छ ।

४.४.१५ मानव वन्यजन्तु द्वन्द्व न्यूनीकरण सहयोग कार्यक्रम

यस जिल्लामा बेला वखतमा मानव वन्यजन्तु विच द्वन्द्वका घटना आउने गर्दछन् । ती विशेष गरी कृषि क्षेत्रमा वन्यजन्तुले गर्ने विनास वा क्षतिको रूपमा बुझ्ने गरिन्छ । यसका लागि निम्न बमोजिमका कार्यक्रमहरु संचालन गरिने छ ।

- वन्यजन्तु र जैविक विविधताको महत्वको विषयमा जनचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ ।
- वन्यजन्तुको वासस्थान भएको क्षेत्रहरुमा आवतजावत र वन पैदावार समेत प्रयोग नगर्न उक्त सवेदनशील क्षेत्रहरु तोक्यो होर्डिंग बोर्ड, पोष्टर र ब्यानर, आदिको प्रयोग गरी प्रचार प्रसार गरिने छ ।
- वन्यजन्तुको प्रजातिहरु र त्यसले गर्ने क्षतिको प्रकृति वारे अध्ययन गरी कार्य योजना तयार गरिनेछ ।
- वन्यजन्तुबाट क्षति भएमा सोको लागि कानून बमोजिम राहतको व्यवस्था गरिने छ ।
- वन्यजन्तुको प्रजाति र क्षति गर्ने क्षेत्र पहिचान गरे पश्चात् सुरक्षा निकायको समेत सहयोग लिई मानव र वन्यजन्तुको द्वन्द्व न्यूनीकरण गरिने छ ।

४.४.१६ योजना निर्माण, अनुकरणीय एवं सिर्जनशिल कार्यक्रम

यो कार्ययोजना अवधिमा जिल्लाको वन व्यवस्थापनको दूरदृष्टि सहित रणनीतिक योजना परिमार्जन, इलाका (वा पुर्नसंरचना बमोजिम) स्तरीय दीर्घकालीन योजना तयारी, बैज्ञानिक वन व्यवस्थापनलाई थप प्रभावकारी ढंगले सञ्चालन गर्दै अनुकरणीय एवं सिर्जनशिल कार्यहरुको थालनी गरिनेछ । यस कार्यक्रम अर्न्तगत सञ्चालन हुने कार्यहरु निम्नानुसारको हुनेछ ।

- जिल्ला वन क्षेत्र योजना २०६५ को समय सापेक्ष परिमार्जन गर्ने, यो कार्यको लागि थप स्रोतको परिचालनको प्रयास गरिनेछ ।
- इलाका वन कार्यालयहरुको दीर्घकालिन वन व्यवस्थापन योजना तयारी गर्ने ।
- इलाका वन कार्यालयहरुको प्रोफाइल तयारी तथा नियमित अपडेटका कार्य गर्ने ।
- स्थान सुहाउँदो हुने गरी प्रत्येक स्थानीय तहमा एक नविन कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।
- सामुदायिक तथा साभेदारी वनमा बैज्ञानिक वन व्यवस्थापनबाट सामाजिक आर्थिक तथा वातावरणीय क्षेत्रमा परेका प्रभावहरुको अध्ययन गरि प्रतिवेदन प्रकाशन गर्ने ।
- जिल्लामा बैज्ञानिक वन व्यवस्थापनको श्रोत केन्द्र स्थापना गर्ने ।

४.४.१७ वन पैदावर सदुपयोग तथा आपूर्ति सम्बन्धी कार्यक्रम

क) काठ, दाउराको सदुपयोग तथा आपूर्ति

यस जिल्लामा वनसँग सम्बन्धित विभिन्न निकायबाट काठ दाउराको बिक्री वितरण गरिदै आएकोमा यस कार्ययोजना अवधिमा पनि निरन्तरता दिइनेछ । खासगरी यस जिल्लामा काठ, दाउरा लगायतको वन पैदावर आपूर्तिको मुख्य श्रोत सामुदायिक वनहरु नै हुन् । यी सामुदायिक वनहरुले वन नभएका क्षेत्रका उपभोक्ताहरुको मागलाई केही हदसम्म सम्बोधन गर्न उत्पादन भएको वन पैदावर उपभोक्ताहरुको आन्तरिक माग परिपूर्ति गरी तोकिएको परिमाण जिल्ला वन पैदावर आपूर्ति समितिलाई उपलब्ध गराई सो समिति मार्फत् जिल्लाका उपभोक्ताहरुलाई बिक्री वितरण गरिनेछ । समुह भित्र खपत नभएका वन पैदावरहरु जिल्ला वन पैदावर आपूर्ति समितिलाई उपलब्ध गराए पश्चात् बाँकी वन पैदावर लिलाम बिक्री गर्नेछन् । त्यसैगरी साभेदारी वनको व्यवस्थापन मार्फत् प्राप्त हुने वन पैदावर मध्ये ५० प्रतिशत वन पैदावर साभेदारी वनको प्रभावित क्षेत्रका उपभोक्ताहरुलाई बिक्री वितरण गर्नेछ भने नेपाल सरकारलाई प्राप्त हुने वन पैदावर जिल्ला वन पैदावर आपूर्ति समिति मार्फत् ग्रामिण जनतालाई घरकाजको लागि, कृषि औजारको लागि, विकास निर्माण तथा दैवि प्रकोप प्रयोजनको लागि बिक्री वितरण गरिनेछ । सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको व्यवस्थापन मार्फत् उत्पादन हुने वन पैदावरहरु जिल्लाको वस्तुस्थिति विश्लेषण गरी जिल्ला वन पैदावर आपूर्ति समिति मार्फत वा लिलाम बिक्रीबाट वितरण गरिनेछ । जिल्लाको राष्ट्रिय वन, नीजि वन तथा आवादी मार्फत् उत्पादन हुने परिमाण तालिका ३.२ मा उल्लेख गरिएको छ । वन पैदावर सदुपयोग तथा आपूर्ति सम्बन्धी विस्तृत कार्यक्रम तथा बजेट अनुसुची २.१ मा उल्लेख गरिएको छ ।

ख) नदीजन्य पदार्थ संकलन

यस जिल्लामा नदीजन्य पदार्थको रुपमा ढुंगा, गिटी र बालुवाको संकलन गर्ने गरिएको पाइन्छ । जिल्लाको वन क्षेत्रबाट उत्पादन हुन सक्ने नदी जन्य पदार्थको संकलन तथा सदुपयोग यसै कार्ययोजनाको भाग ३ को बुँदा नं. ३.९ मा उल्लेख भए बमोजिमको विधि, प्रकृया अपनाई तालिका ३.८ मा उल्लेखित परिमाणमा नबढ्ने गरी संकलन तथा बिक्री वितरण गरिनेछ । यसरी नदीजन्य पदार्थ संकलन गर्दा प्रारम्भिक वातावरणीय परिक्षण प्रतिवेदनमा उल्लेख भएका वातावरण संरक्षण सम्बन्धी प्रावधानहरुको हुबहु कार्यान्वयन गरिनेछ ।

४.४.१८ बजेट व्यवस्थापन

४.४.१८.१ आवश्यक कुल बजेट

यो कार्ययोजना बमोजिम जिल्ला वन कार्यालय रुपन्देहीबाट आ.व. ०७५।७६ देखी आ.व. ०७९।८० सम्म कार्यक्रम सञ्चालनको लागि आवश्यक पर्ने कुल बजेट तालिका ४.१ मा उल्लेख गरिएको छ । कार्यक्रम सञ्चालन तथा प्रशासनिक खर्चको विस्तृत विवरण क्रमशः अनुसुची २.१ र २.२ मा उल्लेख गरिएको छ ।

तालिका नं. ४.१ : आर्थिक वर्ष अनुसार आवश्यक कुल बजेट

| सि.नं. | विवरण | आर्थिक वर्ष | | | | | जम्मा |
|--------|----------------|-------------|--------|--------|--------|--------|--------|
| | | ७५/७६ | ७६/७७ | ७७/७८ | ७८/७९ | ७९/८० | |
| १ | कार्यक्रम बजेट | ९३१४७ | १०३२३३ | १०५५७९ | १०४३२५ | १०७१३६ | ५१३४२० |
| २ | प्रशासनिक बजेट | ६००४१ | ६२२७० | ६२६५७ | ६३२६० | ६४२६५ | ३१२४९३ |
| | कुल जम्मा | १५३१८८ | १६५५०३ | १६८२३६ | १६७५८५ | १७१४०१ | ८२५९१३ |

पाँच वर्षमा गरिने कार्यक्रम अनुसार आवश्यक पर्ने बजेट तालिका ४.२ मा प्रस्तुत गरिएको छ । कुल प्रस्तावित बजेटको ६२ प्रतिशत कार्यक्रमतर्फ र ३८ प्रतिशत प्रशासनिक खर्च रहेको छ ।

४.४.१८.२ आवश्यक बजेटका संभावित श्रोतहरू

प्रस्तावित बजेट नेपाल सरकार, प्रदेश सरकारको आन्तरिक श्रोत, तथा अन्य दातृ निकायबाट प्राप्त गरी कार्यान्वयन गरिनेछ । जिल्ला वन विकास कोषमा यसअघि जम्मा भएको रकम, जिल्ला वन पैदावर आपूर्ति समिति मार्फत् प्राप्त हुने रकम, जिल्ला समन्वय समिति तथा स्थानीय तहबाट वन क्षेत्रको विकासको लागि प्राप्त हुने रकमलाई समेत सहयोगी श्रोतको रूपमा प्रयोग गरिनेछ । त्यस्तै सामुदायिक वन तथा साभेदारी वनको कोषको परिचालनबाट स्थानीय स्तरमा वन विकासका कार्यहरू गरिनेछ । आगामी ५ वर्षका लागि प्रस्तावित बजेटका संभावित श्रोतहरू तालिका ४.३ मा दिइएको छ ।

तालिका नं. ४.२ : आगामी ५ वर्षको कार्यक्रम अनुसार प्रस्तावित बजेट

| सि.नं. | विवरण | प्रस्तावित बजेट | | प्रतिशत |
|--------|---|-----------------|---------------|------------|
| | | रु. हजारमा | कार्यक्रम भार | |
| क | प्रस्तावित कार्यक्रम | | | |
| १ | सरकारद्वारा व्यवस्थित वन कार्यक्रम | ३७०० | ०.७ | ६२% |
| २ | सामुदायिक वन विकास तथा व्यवस्थापन | १३५४० | २.६ | |
| ३ | साभेदारी वन व्यवस्थापन कार्यक्रम | २५६२८० | ४९.९ | |
| ४ | वन पैदावर सदुपयोग र आपूर्ति कार्यक्रम | १३०० | ०.३ | |
| ५ | वन तथा जैविक विविधता संरक्षण कार्यक्रम | ४५८०५ | ८.९ | |
| ६ | कृतिम पुनरुत्पादन कार्यक्रम | ७६६९० | १४.९ | |
| ७ | सार्वजनिक तथा निजी वन प्रवर्धन सहयोग | १६३३५ | ३.२ | |
| ८ | उद्यम विकास तथा जीविकोपार्जन सहयोग | १०६८० | २.१ | |
| ९ | विशेष आयमुलक कार्यक्रम | २५०० | ०.५ | |
| १० | ऐतिहासिक, धार्मिक, पुरातात्विक तथा पर्यटकीय दृष्टिले महत्वपूर्ण क्षेत्रको संरक्षण तथा विकास | ३१६५० | ६.२ | |
| ११ | भू तथा जलाधार संरक्षण कार्यक्रम | ५७५० | १.१ | |
| १२ | बैकल्पिक उर्जा प्रवर्धनमा सहयोग कार्यक्रम | ३१५० | ०.६ | |
| १३ | प्रचार प्रसार कार्यक्रम | ६१४५ | १.२ | |
| १४ | जलवायु परिवर्तन व्यवस्थापन सहयोगी कार्यक्रम | २८७५ | ०.६ | |
| १५ | भौतिक पूर्वाधार विकास तथा उपकरण खरिद | १९७८० | ३.९ | |
| १६ | मानव शंसाधन तथा क्षमता विकास | ४७६० | ०.९ | |
| १७ | मानव वन्यजन्तु द्वन्द्व न्युनीकरण सहयोग कार्यक्रम | ३००० | ०.६ | |
| १८ | कार्यक्रम संचालन, समन्वय र अनुगमन | ६७८० | १.३ | |
| १९ | योजना निर्माण तथा सिर्जनशिल कार्य | २७०० | ०.५ | |
| | कार्यक्रम तर्फको जम्मा | ५१३४२० | १०० | |
| ख | कर्मचारी तलब तथा अन्य प्रशासनिक बजेट | ३१२४९३ | १०० | ३८% |
| | कुल जम्मा | ८२५९१३ | | १०० |

तालिका नं. ४.३ : प्रस्तावित कार्यक्रमको लागि आवश्यक बजेटका संभावित श्रोतहरू (रकम रु. हजारमा)

| सि.नं | सम्भाव्य श्रोतहरू | आर्थिक वर्ष | | | | | जम्मा |
|-------|---|-------------|--------|--------|--------|--------|--------|
| | | ७५।७६ | ७६।७७ | ७७।७८ | ७८।७९ | ७९।८० | |
| १ | संघिय तथा प्रादेशिक सरकार | ९५००० | ९६००० | ९७००० | ९८००० | ९९००० | ४८५००० |
| २ | स्थानिय सरकार (जि.स.स. समेत) | ५००० | ५५०० | ६००० | ६५०० | ७००० | ३०००० |
| ३ | जि.व.पै.आपूर्ति समिति | ५००० | ५३०० | ५५०० | ६००० | ६५०० | २८३०० |
| ४ | साभेदारी वनको कोष | ३०००० | ३५००० | ३६००० | ३७००० | ३८००० | १७६००० |
| ५ | सामुदायिक वनको कोष | ३०००० | ३१००० | ३२००० | ३३००० | ३४००० | १६०००० |
| ६ | वनको जग्गा प्रयोग गर्ने निकायले संभौता अनुसार | ५०० | ५०० | ५०० | ५०० | ५०० | २५०० |
| ७ | अन्य परियोजनाहरू | १००० | १००० | १००० | १००० | १००० | ५००० |
| ८ | वन पैदावरमा आधारित उद्योगहरू | ३०० | ४०० | ५०० | ५०० | ५०० | २२०० |
| | कार्यक्रम तथा कर्मचारीको तलव र अन्य चालु समेत गरी जम्मा आवश्यक बजेट | १५३१८८ | १६५५०३ | १६८२३६ | १६७५८५ | १७१४०१ | ८८९००० |

भाग ५ उपलब्धी, अनुगमन तथा समन्वय

५.१ प्राप्त हुने राजश्व तथा आम्दानीको विवरण

कार्ययोजना कार्यान्वयन गर्ने क्रममा सरकारद्वारा व्यवस्थित वन, साभेदारी वन, सामुदायिक वन, निजी आवादी जग्गाको काठ, दाउरा तथा अन्य वन पैदावार तथा मुद्धा समेत बाट वार्षिक करिब ४ करोड राजस्व, मुल्य अभिवृद्धि कर वापत करिब ३० लाख, जिल्ला वन पैदावार आपूर्ति समितिलाई मुनाफा वापत करिब ७५ लाख, साभेदारी वन समुहहरूलाई हुने आम्दानी करिब ३ करोड ५० लाख, सामुदायिक वनहरूलाई हुने आम्दानी करिब ५ करोड ५० लाख गरी करिब १४ करोड २७ लाख कुल राजश्व तथा आम्दानी हुने देखिन्छ। यसरी लगानीको तुलनामा आम्दानी बढी देखिएकोले कार्ययोजना कार्यान्वयन गर्न आर्थिक हिसाबले उत्तम देखिन आउँछ। यो अवधिभरमा वन व्यवस्थापन र सदुपयोगका विभिन्न कार्यक्रमहरू संचालन गरी तल तालिका ५.१ मा देखाए वमोजिमको राजश्व तथा आम्दानी प्राप्त गर्न सकिने अनुमान गरिएको छ। यसको विस्तृत विवरण अनुसूची १.३ मा उल्लेख गरिएको छ।

तालिका ५.१ : आर्थिक वर्ष अनुसार प्राप्त हुने राजश्व र आम्दानीको विवरण

| सि.नं. | राजस्व तथा आम्दानीका स्रोतहरू | आर्थिक वर्ष अनुसारको आम्दानी (रु हजारमा) | | | | | ५ वर्षको जम्मा |
|--------|---|--|---------------|---------------|---------------|---------------|----------------|
| | | ७५/७६ | ७६/७७ | ७७/७८ | ७८/७९ | ७९/८० | |
| १ | नेपाल सरकारलाई प्राप्त हुने राजश्व | ४०५०० | ४९२०० | ४९६०० | ५०२०० | ५०५०० | २४०००० |
| २ | नेपाल सरकारलाई प्राप्त हुने मुल्य अभिवृद्धि कर | ४७९५ | ४९९८ | ५०९९ | ५०९४ | ५१७७ | २४९९५ |
| ३ | जिल्ला वन पैदावार आपूर्ति समितिलाई काठ दाउरा विक्री मार्फत हुने खुद मुनाफा | ७५०० | ८००० | ८५०० | ९५०० | १०००० | ४३५०० |
| ४ | साभेदारी वन समुहलाई काठ दाउरा विक्रीबाट प्राप्तहुने आम्दानी | ३५००० | ४०००० | ४०००० | ४०००० | ४०००० | १९५००० |
| ५ | सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहलाई काठ दाउराको वाट्य तथा आन्तरीक विक्रीबाट प्राप्तहुने आम्दानी | ५५००० | ५६५०० | ५८००० | ६०००० | ६२००० | २९९५०० |
| | कुल राजश्व तथा आम्दानी | १४२७९५ | १४८६९८ | १६९९९९ | १६४७९४ | १६७६७७ | ७९४९९५ |

यो पञ्चवर्षिय वन व्यवस्थापन कार्ययोजना निर्दिष्ट गरिएका उद्देश्यहरू प्राप्त गर्नका लागि तर्जुमा गरिएका विभिन्न वन विकास तथा सदुपयोगका कार्यक्रम तथा योजनाहरू प्रभावकारी रूपमा संचालन वा कार्यान्वयन भएमा समग्र वनजंगलको दीगो रूपमा व्यवस्थापन हुने सामुदायिक वनहरूले समुदायको वन पैदावार माथिको निर्भरतालाई हटाउँदै वन, वातावरण र पारिस्थितिकीय प्रणालीलाई सन्तुलन गर्ने तथा कार्वन व्यापारबाट आर्थिक समृद्धि हासिल गर्न सहयोग गर्ने, निजी तथा सार्वजनिक वन विकासको माध्यमबाट वन पैदावारको स्रोतहरूमा वृद्धि गर्न वन पैदावारको उत्पादकत्वमा वृद्धि हुने हुँदा भविष्यमा वन क्षेत्रबाट प्राप्त हुने राजश्वको मात्रा पनि निश्चित रूपमा बढ्ने अनुमान लगाउन सकिन्छ।

५.२ कार्यक्रम कार्यान्वयनको उपलब्धी

यो कार्ययोजना कार्यान्वयन पश्चात् निम्नानुसारको उपलब्धी हुने अनुमान गरिएको छ ।

- लुम्बिनी साभेदारी वन तथा देवदह साभेदारी वनको गरी २१०० हे. वन क्षेत्रमा वैज्ञानिक व्यवस्थापन हुने र व्यवस्थापनको क्रममा लुम्बिनी साभेदारी वनमा ७० हे. र देवदह साभेदारी वनको ५० हे. क्षेत्रमा पुर्नरुत्पादन कटान र वृक्षरोपण मार्फत् पुनरोत्पादन गराई उक्त क्षेत्रमा १ देखी ५ वर्ष उमेर समुहका विरुवाहरु प्राकृतिक तथा कृत्रिम रुपमा हुर्केका हुने ।
- दुवै साभेदारी वनमा करिब २० कि.मी. अग्नि रेखा निर्माण तथा स्तरोन्नति भई अग्नी प्रकोप न्युन भएको हुनेछ । करिब ७०० हे. वन क्षेत्रमा स्वास्थ्य सुधारका कार्य भई वनको हैसियतमा सुधार भएको हुनेछ ।
- साभेदारी वनको व्यवस्थापन मार्फत् वन क्षेत्रबाट टाढा रहेका उपभोक्ताहरुलाई सहज रुपमा वन पैदावरको उपलब्धतामा वृद्धि हुनेछ ।
- साभेदारी वनको माध्यमबाट वन स्रोत नभएका दक्षिण तर्फका नीजि तथा सार्वजनिक क्षेत्रहरुमा वनको विकास भएको हुनेछ ।
- सरकारद्वारा व्यवस्थित वन क्षेत्र मध्ये चुरे क्षेत्रमा रहेका विभिन्न दृष्टिकोणले अति संवेदनशील ढिक्कामा रहेको क्षेत्रलाई संरक्षित वनको रुपमा घोषणा तथा व्यवस्थापनको पहल गरिएको हुनेछ ।
- उपल्लो तटीय क्षेत्रमा रहेको सरकारद्वारा व्यवस्थित वन एवं संरक्षित वनको प्रभावकारी रुपमा संरक्षण भई तल्लो तटीय क्षेत्रमा वातावरणीय सेवा सुविधाको अभिवृद्धि भएको हुनेछ ।
- हालसम्म सामुदायिक वनको रुपमा समुह गठन भई हस्तान्तरण भएको १६ हजार हे. वन क्षेत्र मध्ये उत्पादनशील वनहरुमा वैज्ञानिक ढंगले वन व्यवस्थापन भएको हुनेछ । यसको अलावा सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको करिब १००० हे. वन क्षेत्र सामुदायिक वनको रुपमा समुह गठन गरी हस्तान्तरण भई व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।
- जिल्लाको समथर भु भाग र उत्पादनशील वन क्षेत्रमा रहेका कम्तिमा २५ वटा सामुदायिक वनहरुमा पुर्ण रुपमा वैज्ञानिक व्यवस्थापन योजना कार्यान्वयन भई उत्पादकत्व वृद्धि हुनुका साथै स्थानीय उपभोक्ताको वन पैदावरको आवश्यकता परिपूर्ति, रोजगारी अभिवृद्धि र वनको अवस्थामा सुधार भएको हुनेछ ।
- सामुदायिक वन उपभोक्ता समुहहरुको संस्थागत तथा मानव स्रोतको विकासबाट सामुदायिक वनको प्रभावकारी संचालन र व्यवस्थापन भएको हुनेछ । वनक्षेत्रको विकासको माध्यमबाट विपन्न, महिला, दलित, जनजाति एवं पछाडि परेका तथा पारिएका वर्गलाई रोजगारीका अवसरहरुको सृजना गरीनेछ ।
- स्थानीय वन समुहका अति विपन्न परिवारहरुलाई जिविकोपार्जन सुधार योजना मार्फत् कम्तीमा ४५० परिवारको जिविकोपार्जन सुधार योजना कार्यान्वयन गर्न सहयोग भएको हुनेछ । साथै सामुदायिक वनको आफ्नै श्रोत तथा साभेदारी वन समुहको श्रोतबाट समेत वैकल्पिक जीविकोपार्जनका अवसरहरु सिर्जना गरी मानवीय तथा आर्थिक गरिबी न्यूनिकरण गर्न सहयोग पुगेको हुनेछ ।
- समुदायमा आधारित वन डढेलो नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन योजना तयारी र यसको कार्यान्वयनबाट चुरे क्षेत्र लगायतको वन क्षेत्रको संरक्षण तथा व्यवस्थापन भएको हुनेछ ।

- जिल्लामा नयाँ अतिक्रमण हुन दिइने छैन साथै करिब १७५ हे. पुरानो अतिक्रमण क्षेत्र समेत क्रमिक रुपमा खाली गरी व्यवस्थापन गरिनेछ ।
- जिल्लामा एक वर्षिय एवं बहु वर्षिय विरुवाहरूको उत्पादन भई वार्षिक करिब ७ लाखको दरले योजना अवधी भरमा करिब ३५ लाख विरुवा उत्पादन, वितरण एवं वृक्षरोपण भएको हुनेछ ।
- यसबाट नीजि, सार्वजनिक तथा कृषि क्षेत्रमा वृक्षरोपण भई जिल्लामा वन पैदावरको आपूर्तिलाई सहज बनाएको हुनेछ ।
- वन क्षेत्र नभएका वा नगन्य मात्रामा भएका दक्षिणतर्फका १० वटा स्थानीय तहमा सम्बन्धित स्थानीय तहको समन्वयमा सार्वजनिक तथा संस्थागत जग्गा पहिचान गरी कम्तिमा ५० वटा समुह गठन भई वृक्षरोपण तथा संरक्षण भएको हुनेछ ।
- जिल्लाको समग्र वन क्षेत्रको विकास तथा व्यवस्थापन मार्फत् यस अवधीमा ५ लाख ६२ हजार श्रमदिन बराबरको रोजगारी सृजना हुने र करिब ७९ करोड ४९ लाख बराबरको राजश्व एवं आमदानी नेपाल सरकार, समिति तथा समुहहरूलाई भएको हुनेछ ।

५.३ रोजगारीका अवसर तथा गरिवी निवारणमा योगदान

वनको विकास (नर्सरी निर्माण, विरुवा उत्पादन, वृक्षरोपण, अग्नि रेखा, वन पथ निर्माण तथा मर्मत, आदि) वनको वैज्ञानिक व्यवस्थापन गर्दा अवलम्बन गरिने वन संम्बर्द्धनका कृयालापहरू, (गोडमेल, भाडी सफाई, पोलको छटनी, पुनरोत्पादन कटान, आदि) वन पैदावार संकलन कार्यहरू, घाटगद्दी निर्माण, पाइलिंग, वनको संरक्षण तथा अन्य व्यवस्थापनका कार्यहरू, आयमुलक कार्यक्रम, वन उद्यम सञ्चालन, वन विकास तथा व्यवस्थापन सम्बन्धि तालिम, गोष्ठी, सुराकी परिचालन आदि जस्ता कार्यहरूबाट रोजगारी सिर्जना हुने देखिन्छ । मुलतः यस वन व्यवस्थापन कार्ययोजनामा समावेश गरिएका कार्यक्रमहरू जस्तैः सामुदायिक वन व्यवस्थापन कार्यक्रम मार्फत् करिब ३० हजार श्रमदिन, साभेदारी वन व्यवस्थापन कार्यबाट करिब ४५ हजार, नर्सरी तथा विरुवा उत्पादन कार्यमा करिब १४ हजार, वन पैदावरको सदुपयोग तथा आपूर्तिमा करिब ८ हजार, वन संरक्षणमा करिब ५.५ हजार, तथा अन्य विविध कार्यमा गरी वार्षिक करिब १ लाख १२ हजार श्रमदिन बराबरको रोजगारी श्रृजना हुने देखिन्छ । यस सम्बन्धि विस्तृत विवरण अनुसुची २.४ मा उल्लेख गरिएको छ । यसबाट सम्बन्धित जनताको आयस्तर बृद्धि भई सामाजिक तथा आर्थिक अवस्थामा सुधार आउने र जिल्लामा बढ्दो गरीबी तथा बेरोजगारीको समस्या समाधान गर्नमा केही हद सम्म टेवा पुग्ने देखिन्छ ।

यस पञ्चवर्षिय वन व्यवस्थापन कार्ययोजनामा व्यवस्था गरिएका विभिन्न कार्यक्रमहरू सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहका वन कार्ययोजनाहरू, निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्रबाट गरिने वन वातावरणमा योगदान पुऱ्याउने क्रियाकलापहरू, ढुङ्गा, गिटी, बालुवा आदि जस्ता वन तथा वनजन्य पैदावारहरूको संकलन तथा बिक्री वितरण जस्ता कार्यले स्थानीय समुदाय, सम्बन्धित वन पैदावारमा आधारित उद्योगी तथा व्यापारीहरूको लागि पूर्ण या आंशिक (मौसमी) रोजगारको श्रृजना हुनेछ । वन पैदावारको बिक्री वितरणबाट श्रृजना भएको रकमले ग्रामीण समुदायहरूबाट (उपभोक्ताहरूबाट) विभिन्न खालका सामुदायिक विकास निर्माणका कार्यहरू, लघु उद्योगहरूको स्थापना, भौतिक पूर्वाधार निर्माण (स्कूल, समूहको भवन), आयआर्जनका कार्यक्रमको कार्यान्वयनले स्थानीय समुदायमा त्यसै खेर गइरहेको मानवीय स्रोतको उपयोग हुने अवस्था देखिन्छ । सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहले श्रृजना गरेको कोषको कम्तिमा ३५% रकम गरिवी न्यूनीकरण कार्यमा खर्च गर्नुपर्ने वाध्यतात्मक प्रावधानको कारणबाट पनि समुदायका अति गरिव, विपन्न, महिला तथा उपेक्षित वर्गको जीवनस्तरमा प्रत्यक्ष प्रभाव परेको देखिनेछ । साथै जिल्ला वन

कार्यालय स्वयंले सरकारी तथा आन्तरिक कोषको परिचालन गरी वन विकास मार्फत् गरिव र विपन्नहरूको जीविकोपार्जनमा टेवा पुऱ्याउने लक्ष्य बोकेका संघ संस्थाहरूसँग समन्वय गरी सहकार्य मार्फत् प्रत्यक्ष टेवा पुऱ्याउने कार्यको थालनी गर्नेछ । गरिवी/विपन्न, दलित, महिला तथा सिमान्तकृत वर्गहरूलाई लक्षित कार्यक्रमहरूको संचालनबाट पनि गरिवी न्यूनीकरणमा टेवा पुगेको देखिनेछ ।

५.४ अनुगमन कार्ययोजना

यो कार्ययोजना कार्यान्वयन गर्दा विभिन्न तहमा अनुगमन गरिने छ । व्यवस्थापन अभ्यास र विकास कार्यक्रमको प्रभावकारिताका लागि अनुगमन अत्यावश्यक तत्व हो । विभिन्न तहमा गरिएको अनुगमनबाट प्राप्त पृष्ठपोषण कार्यान्वयन प्रक्रिया सुधारका लागि महत्वपूर्ण हुन्छ । स्थानीय जनता, समितिका सदस्यहरू, सम्बन्धित सरोकारवालाहरूको प्रतिनिधिहरूलाई समेत संलग्न गराई योजना कार्यान्वयनको अवस्था थाहा पाउन सहभागितात्मक अनुगमन प्रणाली विकसित गरिनेछ ।

यस जिल्लाको लक्ष्य अनुसारका कार्यक्रमको कार्यान्वयन तथा प्रगतिको नियमित अनुगमन तथा मूल्याङ्कन क्षेत्रीय वन निर्देशनालय वा पुर्नसंरचना बमोजिम गठन हुने त्यस्तै कार्यालयबाट हुनेछ । समय समयमा संघिय वन तथा वातावरण मन्त्रालय तथा वन तथा भू-संरक्षण विभागबाट समेत अनुगमन भईरहने छ । त्यस्तै जिल्ला वन अधिकृतबाट समय समयमा स्थलगत भ्रमण गरी कार्यक्रम कार्यान्वयनको निरीक्षण तथा अनुगमन गरिने छ । सा.व. तथा फिल्ड स्तरको कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्दा इ.व.का.का कर्मचारीबाट नियमित निरीक्षण तथा अनुगमन हुनेछ । मन्त्रालय, विभाग, निर्देशनालय तथा जि.व.का. र जिल्ला वन क्षेत्र समन्वय समितिबाट भएको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन र सोको आधारमा प्राप्त सुझावहरूलाई तदारुकताका साथ पालना गरि कार्यक्रमलाई प्रभावकारी बनाईने छ ।

अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्दा कम्तिमा एक तह माथिका अधिकारी तथा निकायबाट गरिने छ र देखा परेका कमी कमजोरीलाई सच्याई आवश्यक सुधारका लागि देहायका कुराहरूलाई ध्यान दिईनेछ ।

- लक्ष्य तथा उद्देश्य अनुरूप उपलब्धी हासिल भइरहेको छ कि छैन ?
- कार्ययोजनामा व्यवस्था भएका क्रियाकलापहरू कार्यान्वयन भइरहेका छन कि छैनन् ?
- जनशक्ति, साधन तथा श्रोतको उचित सदुपयोग भइरहेको छ कि छैन ? आदि ।

जिल्ला वन कार्यालयले यस पञ्चवर्षिय वन व्यवस्थापन कार्ययोजनामा उल्लेखित क्रियाकलापको अनुगमन स्वयं जिल्ला वन कार्यालय, सेक्टर वन कार्यालय वा संघिय संरचना बमोजिम रहने कार्यालयहरू, प्रदेश तहमा रहने उद्योग पर्यटन वन तथा वातावरण मन्त्रालय, प्रदेश वन निर्देशनालय, संघिय वन तथा वातावरण मन्त्रालय, संघिय वन तथा भू संरक्षण विभाग समेतले आवश्यकता अनुसार गर्नेछन् । जिल्लाभित्र अनुगमनको कार्यलाई बढावा दिन हरेक महिना जिल्ला वन कार्यालयमा जिल्लास्तरीय कर्मचारी बैठकको समेत आयोजना गरिनेछ र त्यस्ता बैठकहरूमा उठाइएका तथा प्राप्त भएका रचनात्मक सुझाव/पृष्ठपोषणहरू र अनुगमनबाट प्राप्त सुझाव, नीति, निर्देशन तथा सुधारात्मक उपायहरूलाई तत्काल कार्यान्वयन समेत गरिनेछ । साथै जिल्ला वन कार्यालयको वार्षिक कार्यक्रम तथा अन्य क्रियाकलापहरूको लक्ष्य र प्रगतिलाई पारदर्शी ढंगले तथा सरल रूपमा सबैले देख्ने र बुझ्ने गरी प्रस्तुत गर्न फारमहरूको उपयोग गरिने छ । सरकारद्वारा व्यवस्थित वन तथा साभेदारी वन क्षेत्रबाट वन पैदावर संकलन गर्दा वन पैदावर संकलन तथा विक्री वितरण निर्देशिका २०७३ बमोजिम अनुगमन गरिनेछ । अनुगमन कार्ययोजना तालिका ५.२ मा दिइएको छ । वन संगठनको पुर्नसंरचना बमोजिम तोकिएका भूमिका सोही बमोजिम निर्वाह हुनेछ ।

तालिका ५.२ : वन पैदावार संकलन तथा व्यवस्थापन अनुगमन कार्य योजना

| क्र. सं. | कार्यको विवरण | अनुगमन तथा सुपरिवेक्षणको लागि जिम्मेवार व्यक्ति | प्रतिवेदन तयार गर्ने कर्मचारीहरुको विवरण | प्रतिवेदन पेश गर्ने कार्यालय | समय सिमा |
|----------|---|--|--|------------------------------|--|
| क | कटान क्षेत्र तथा घाटगढि निर्धारण | | | | |
| १ | कटान क्षेत्र वन प्लट निर्धारण | जिल्ला वन अधिकृत | सम्बन्धित सेक्टर वन कार्यालयको सिफारिस | जिल्ला वन कार्यालय | कटान क्षेत्र निर्धारणको लागि माग तथा निवेदन प्राप्त भइ जांचवृष् पश्चात |
| २ | काठ कटान गरी ढुवानी गर्ने बाटो, छोटो अवधिको लागि काठ, दाउरा थुपार्ने ठाउँ (Landings) नक्सांकन तयारी | फिल्ड स्तरका कर्मचारीको सहयोगमा जिल्ला वन अधिकृत | से.व.का., इ.व.का. तथा सम्बन्धित कार्य गर्न जिम्मा पाएको संस्था तथा व्यक्ती | | |
| ३ | घाटगढि स्थलको चार किल्ला निर्धारण तथा पत्र आदेश गर्ने | जिल्ला वन अधिकृत | इ.व.का. तथा सम्बन्धित कर्मचारी | | |
| ख | छपान, मूल्यांकन तथा वन पेशी पूर्जि सम्बन्धि व्यवस्था | | | | |
| ४ | कटान गर्ने रुखहरुको छपान, मूल्यांकन विवरण तयार | रेञ्जर वा सो सरहको कर्मचारी भन्दा माथिको तहको अधिकृत | सम्बन्धित से.व.का.को सिफारिस | | |
| ५ | छपान, मूल्यांकन जांचवृष् कम्तिमा १० प्रतिशत | जिल्ला वन अधिकृत | सम्बन्धित से.व.का.को सिफारिस | | |
| ६ | छपान, मूल्यांकन जांचवृष् कम्तिमा ५ प्रतिशत | क्षेत्रीय वन निर्देशक (सम्बन्धित) | जि.व.का., से.व.का. तथा इ.व.का.को सहयोगमा | क्षे.व.नि. मार्फत जि. व.का. | |
| ७ | वन पेशी पूर्जि इजाजत | जिल्ला वन अधिकृत | | | कार्तिक १ गते देखी फागुन मसान्त सम्म |
| ग | कटान मुखान संकलन व्यवस्था | | | | |
| ८ | कटान मुखानकार्यको सुपरिवेक्षण | जिल्ला वन अधिकृत | अन्य तोकिएको कर्मचारी | जिल्ला वन कार्यालय | निरन्तर, कम्तिमा महिनाको २ पटक |
| ९ | काठ, दाउरा ढुवानी तथा घाटगढि सम्बन्धि व्यवस्था | जि.व.का. तथा तोकिएको कर्मचारी | सेक्टर तथा इलाका वन कार्यालय | जिल्ला वन कार्यालय | निरन्तर |
| १० | काठ, दाउराको घाटगढिको १५ रोजा प्रतिवेदन विवरण पेश | तोकिएको वा खटिएको कर्मचारी | | जिल्ला वन कार्यालय | प्रत्येक १५ दिनमा |
| ३ | वेवारिसी तथा दरिया वुर्दि काठ सम्बन्धि व्यवस्था | | | | |
| ११ | दरिया वुर्दि काठ संकलन (वन क्षेत्रको) | वन अधिकृत | सेक्टर/इ. व.का. | जि.व.का. | |
| १२ | हकदावीको १५ दिने सूचना प्रकाशन | जिल्ला वन अधिकृत | | जि.व.का. | |
| ड | काठ, दाउरा, विकि, निकासी सम्बन्धि व्यवस्था | | | | |
| १३ | विमार्का | जिवअ वा तोकिएको कर्मचारी | | | राजस्व बुझाएको ७ दिन भित्र |
| १४ | निकासी इजाजत | जिल्ला वन अधिकृत | | | २१ दिनको म्याद राखी |
| १५ | दरपीठ | सम्बन्धित कार्यालय र जांच चौकी | जि.व.का. तथा इ.व.का.को सुपरिवेक्षणमा | जिल्ला वन कार्यालय | १५/१५ दिनमा पन्द्र रोजा विवरण साथ प्रतिवेदन |
| च | चिरान सम्बन्धि व्यवस्था | | | | |

| क्र. सं. | कार्यको विवरण | अनुगमन तथा सुपरिवेक्षणको लागि जिम्मेवार व्यक्ति | प्रतिवेदन तयार गर्ने कर्मचारीहरूको विवरण | प्रतिवेदन पेश गर्ने कार्यालय | समय सिमा |
|----------|--|--|--|------------------------------|---------------|
| १६ | काठ चिरान सहमति | सम्बन्धित स.मिलको सहमतिमा जि.व.अ.ले | सम्बन्धित से.व.का.को सिफारिस | | |
| १७ | चिरानी भएको काठको लगत | सम्बन्धित व्यक्ति, स.मिल तथा जि.व.का. | सम्बन्धित से.व.का. | | |
| छ | सरसफाई तथा सुरक्षा व्यवस्था | | | | |
| १८ | काठ कटान क्याम्पको सरसफाई तथा सुरक्षाको उचित प्रवन्ध | जिल्ला वन कार्यालय | सम्बन्धित व्यक्ति वा संस्था वा निकाय | जिल्ला वन कार्यालय | कार्य अवधि भर |
| १९ | स्वस्थ खाने पानिको उचित प्रवन्ध | जिल्ला वन कार्यालय | सम्बन्धित व्यक्ति वा संस्था वा निकाय | जिल्ला वन कार्यालय | कार्य अवधि भर |
| २० | कामदारले प्रयोग गर्ने चर्पी (पानिको स्रोत बाट १०० मिटर टाढा) | जिल्ला वन कार्यालय | सम्बन्धित व्यक्ति वा संस्था वा निकाय | जिल्ला वन कार्यालय | कार्य अवधि भर |
| २१ | फोहोर फाल्ने खाल्डो पानीको सतह भन्दा माथि (पानीको स्रोतबाट ५०मिटर टाढा तथा सतही पानी नपस्ने व्यवस्था) | जिल्ला वन कार्यालय | सम्बन्धित व्यक्ति वा संस्था वा निकाय | जिल्ला वन कार्यालय | कार्य अवधि भर |
| २२ | हावा नलान्ने सुरक्षित स्थानमा खाना पकाउने स्थान | जिल्ला वन कार्यालय | सम्बन्धित व्यक्ति वा संस्था वा निकाय | जिल्ला वन कार्यालय | कार्य अवधि भर |
| २३ | प्राथमिक उपचारको किट व्यवस्था तथा समुहमा कम्तिमा १ जना आधारभूत प्राथमिक उपचारको तालिम प्राप्त व्यक्ति | सम्बन्धित व्यक्ति वा संस्था वा निकाय | सम्बन्धित व्यक्ति वा संस्था वा निकाय | जिल्ला वन कार्यालय | कार्य अवधि भर |
| २४ | कामदारलाई हेल्मेट तथा बूट | सम्बन्धित व्यक्ति वा संस्था वा निकाय | सम्बन्धित व्यक्ति वा संस्था वा निकाय | जिल्ला वन कार्यालय | कार्य अवधि भर |
| ज | अग्नि नियन्त्रण सम्बन्धि व्यवस्था | | | | |
| २५ | अग्नि नियन्त्रणको लागि उचित प्रवन्ध (खाना पकाउने समयको ख्याल गर्ने तथा खाना पकाइ सकेपछि आगो निभाउने कार्य) | सम्बन्धित व्यक्ति वा संस्था वा निकाय | जिल्ला वन कार्यालय, इलाका वन कार्यालय र सम्बन्धित कर्मचारी | | |
| २६ | प्रज्वलनशिल पदार्थहरूको व्यवस्थापन (मोविल, मटिले, डिजेल, चुरोट, सलाइ, आदि) | सम्बन्धित व्यक्ति वा संस्था वा निकाय | जि.व.का., इ.व.का. र सम्बन्धित कर्मचारी | | |
| २७ | अग्नि रेखाको पात पतिंगर सफाई कार्य | सम्बन्धित व्यक्ति वा संस्था वा निकाय | जि.व.का., इ.व.का. र सम्बन्धित कर्मचारी | जि.व.का., इ.व.का. | |
| २८ | घाटगढि स्थलको वरिपरि अग्नि रेखा तथा सरसफाई कार्य | सम्बन्धित व्यक्ति वा संस्था वा निकाय | जि.व.का., इ.व.का. र सम्बन्धित कर्मचारी | जि.व.का., इ.व.का. | |
| २९ | कटान क्षेत्रमा रहेको हागा विगा, बोका आदिको व्यवस्थापन सरसफाई | सम्बन्धित व्यक्ति वा संस्था वा निकाय | जि.व.का., इ.व.का. र सम्बन्धित कर्मचारी | जि.व.का. तथा इ.व.का. | |
| ज | अनुगमन, मूल्यांकन तथा विविध | | | | |
| ३० | कटान मुछान गर्दा खालि भएका क्षेत्रमा वृक्षारोपण | सम्बन्धित व्यक्ति वा संस्था वा निकायको खर्चमा | जिल्ला वन कार्यालय | | |
| ३१ | कटान मुछान तथा अन्य कार्य गर्दा अनियमितता जांचवुझ निरिक्षण | जिल्ला वन अधिकृत | | क्षे.व.नि. र वन विभाग | |
| ३२ | समिति तथा संस्थानबाट भए गरेको काठ दाउरा संकलन र | वन तथा भू संरक्षण मन्त्रालयका प्रमुख अनुगमन तथा मूल्यांकन अधिकृतको | | वन विभाग र वन तथा | |

| क. सं. | कार्यको विवरण | अनुगमन तथा सुपरिवेक्षणको लागि जिम्मेवार व्यक्ति | प्रतिवेदन तयार गर्ने कर्मचारीहरूको विवरण | प्रतिवेदन पेश गर्ने कार्यालय | समय सिमा |
|--------|--|---|--|------------------------------|----------------------------------|
| | विक्री वितरण कार्यको नियमित अनुगमन | संयोजकत्व र क्षेत्रीय स्तरमा क्षे.व.नि.को संयोजकत्वमा वन विभाग, जि.व.का. र समिति वा संस्थानका प्रमुखहरू रहेको अनुगमन टोली | | भूसंरक्षण मन्त्रालय | |
| ३३ | कटान देखी निकासी सम्मको विवरण | जिल्ला वन कार्यालय | | क्षे.व. नि र वन विभाग | मासिक |
| ३४ | आकस्मिक निरिक्षण (कार्य क्षेत्र भित्र) | कार्य क्षेत्र भित्र वन कर्मचारी | | | |
| ३५ | कटान मुछान भएको प्लटको अन्तिम जांच | क्षेत्रीय वन निर्देशक (सम्बन्धित) | | | प्लटमा काम सकिएको एक महिना भित्र |

५.५ समन्वय योजना

यस पञ्चवर्षिय वन व्यवस्थापन कार्ययोजनाको कार्यान्वयनको प्रमुख दायित्व र जिम्मेवारी जिल्ला वन कार्यालय र यसका मातहतका सेक्टर वन कार्यालय र इलाका वन कार्यालयको नै हुन्छ । संघिय संरचना बमोजिम पुर्नगठन भै सो सम्बन्धी कार्य गर्ने सम्बन्धित कार्यालयहरूले नै यसको कार्यान्वयन गर्नेछन् । कार्ययोजनामा प्रावधान गरिएका कार्यक्रम तथा योजनाहरूको प्रभावकारी र अर्थपूर्ण कार्यान्वयनमा यस कार्यालयका सम्पूर्ण प्राविधिक तथा प्रशासनीक कर्मचारीहरूको महत्वपूर्ण योगदानका साथै वन र वातावरणसँग प्रत्यक्ष सरोकार र सम्बन्ध राख्ने सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहहरू, जिल्लास्थित वन, वातावरण र विकास योजनासँग सम्बन्धित थुप्रै कार्यालय तथा संघ संस्थाहरूको महत्वपूर्ण भूमिका र योगदान रहन्छ ।

वन पैदावार चोरी निकासी, अतिक्रमण तथा मौजुदा वन संरक्षण तथा वन विकास कार्य संचालन गर्न प्रशासन, प्रहरी, स्थानीय निकाय, उपभोक्ता समूह तथा अन्य संघ समुदायहरूको सहयोग अति आवश्यक हुने हुंदा ती निकायहरू संग समन्वय राखी जिल्ला स्तरीय समस्याहरू उचित समाधानका उपायहरू पत्ता लगाई समाधान गरिने छ ।

वन एक प्राकृतिक पुनः नविकरण गर्न सकिने खुल्ला सम्पत्ति हो । यसलाई पूर्णरूपमा संरक्षण गरी व्यवस्थापन गर्न जिल्लास्थित जिल्ला वन कार्यालयको एक्लो प्रयासले कदापि सकिन्न र संभव पनि छैन । यस सन्दर्भमा जिल्ला वन कार्यालयले जिल्लास्थित वन, वातावरण र विकाससँग सम्बन्धित विभिन्न सरकारी, गैह्र सरकारी, स्थानीय तथा अन्तर्राष्ट्रिय संघ संस्थाहरूसँग समन्वय र सहकार्य गरी एकीकृत रूपमा कार्यक्रम संचालन गर्नुपर्ने हुन्छ । जिल्लास्थित जिल्ला भू-संरक्षण कार्यालय, कृषि विकास कार्यालय, पशुसेवा कार्यालय, महिला विकास कार्यालय, सामुदायिक वन उपभोक्ता महासंघ, वन पैदावार उद्योग व्यवसायी संघ तथा जिल्ला विकास समितिको कार्यालयहरूसँग आपसी समन्वय गरेर साभ्ना कार्यक्रमहरूलाई एकीकृत रूपमा संचालन गर्न जिल्ला वन कार्यालयले समन्वयकारी भूमिका निर्वाह गर्नेछ । त्यसैगरी वन जंगलको संरक्षण, अतिक्रमण तथा चोरी निकासी नियन्त्रणमा जिल्ला प्रशासन कार्यालय तथा जिल्ला प्रहरी कार्यालयको सहयोग लिइने छ । उक्त कार्यहरूमा यहाँका समुदाय, पत्रकार, राजनैतिक दल, बुद्धिजीविहरूसँगको सहकार्य पनि उत्तिकै महत्वपूर्ण हुन्छ । संघिय संरचना बमोजिम तोकिएका कार्यहरू गर्न जिम्मेवार निकायहरूसँग समन्वय गर्न यस योजनाले बाधा पुर्याएको मानिने छैन ।

तालिका ५.३ समन्वय कार्ययोजना

| क्र. सं. | समन्वयको क्षेत्रहरु | निकाय, संस्था तथा कार्यालयहरु | समन्वयको तरिका (Co-ordination methods) |
|----------|---|--|---|
| १ | वन अतिक्रमण नियन्त्रण | <ul style="list-style-type: none"> प्रदेश वन निर्देशनालय । जिल्ला समन्वय समिति, रुपन्देही । जिल्ला वन क्षेत्र समन्वय समिति, रुपन्देही । जिल्ला प्रशासन कार्यालय, रुपन्देही । जिल्ला प्रहरी कार्यालय, रुपन्देही । ससस्त्र प्रहरी वल, रुपन्देही । राजनीतिक दलहरु, रुपन्देही । नागरिक समाज, रुपन्देही । सामुदायिक वन उपभोक्ता महासंघ, जिल्ला शाखा, रुपन्देही । सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहहरु, रुपन्देही । पत्रकार महासंघ, जिल्ला शाखा, रुपन्देही । | अतिक्रमण कार्यदल बैठक, अनौपचारिक अनुरोध, स्थलगत अवलोकन भ्रमण, स्थानीय निकायहरूसंग बैठक, राजनैतिक दलहरूसँगको बैठक, सामुदायिक वन उपभोक्ताहरूसंग छलफल आदि । |
| २ | वन विकास कार्यक्रमहरु संचालन (वृक्षारोपण, नर्सरी निर्माण, विरुवा उत्पादन) | <ul style="list-style-type: none"> जिल्ला वन क्षेत्र समन्वय समिति, रुपन्देही । जिल्ला समन्वय समितिको कार्यालय, रुपन्देही । महिला तथा बाल विकास कार्यालय, रुपन्देही । कृषि विकास कार्यालय, रुपन्देही । पशु सेवा कार्यालय, रुपन्देही । लुम्बिनी विकास कोष । सामुदायिक वन उपभोक्ता महासंघ, जिल्ला शाखा, रुपन्देही । सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहहरु, रुपन्देही । निजी वन समूहहरु, रुपन्देही । धार्मिक वन समूहहरु, । स्थानीय गैर सरकारी संस्थाहरु, रुपन्देही । स्थानीय तहको कार्यालयहरु, रुपन्देही । | जिल्ला समन्वय समितिको समिक्षा बैठक तथा जिल्ला वन कार्यालयको समिक्षा बैठकहरुमा प्रगति प्रस्तुत । जिल्ला स्थित कार्यालयहरुको कार्यालय प्रमुखहरु संग अनौपचारिक छलफल तथा समन्वय । जिल्ला वन कार्यालयमा जिल्ला वन अधिकृतको संयोजकत्वमा बैठक । प्रमुख जिल्ला अधिकारी तथा स्थानीय विकास अधिकारीलाई चौमासिक रुपमा प्रगतिको संक्षिप्त मौखिक प्रस्तुति । जिल्ला प्रशासन कार्यालयको मासिक बैठकमा प्रगतिको मौखिक प्रस्तुति । फेकोफन लगायत अन्य संघ संस्थाहरु संग स्थलगत छलफल तथा जिल्ला वन कार्यालयमा चौमासिक रुपमा छलफल । |
| ३ | वन व्यवस्थापन (सरकारद्वारा व्यवस्थापन गरिएको वन) | <ul style="list-style-type: none"> जिल्ला वन क्षेत्र समन्वय समिति, रुपन्देही । स्थानीय गैर सरकारी संस्थाहरु, रुपन्देही । नागरिक समाज, रुपन्देही । पत्रकार महासंघ, जिल्ला शाखा, रुपन्देही । | जिल्ला वन क्षेत्र समन्वय समितिलाई सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको व्यवस्थापन तथा संरक्षणबारेमा जानकारी । स्थानीय प्रसार साधनहरुबाट वन व्यवस्थापन तथा वन संरक्षणबारे जानकारी । |
| ४ | फिल्ड स्तरमा समस्या समाधान तथा वन क्षेत्रको कार्यक्रमहरु अनुगमन | <ul style="list-style-type: none"> प्रदेश वन निर्देशनालय । जिल्ला समन्वय समिति, रुपन्देही । जिल्ला वन क्षेत्र समन्वय समिति, रुपन्देही । | वार्षिक कार्यक्रम अनुसारको कार्यक्रम फिल्डस्तरमा गर्ने र फिल्डमा नै समिक्षा गर्ने । जिल्ला वन समन्वय समितिको सदस्यहरुलाई फिल्डस्तरमा अनुगमनमा समावेश गर्ने । फिल्ड स्तरका कार्यालयहरुलाई फिल्डको समस्या समाधान गर्नको लागि पृष्ठपोषण कार्य गर्ने । |
| ५ | वन उद्यम विकास | <ul style="list-style-type: none"> प्रदेशस्तरीय वन अनुसन्धान तथा तालिम केन्द्र जिल्ला समन्वय समिति, रुपन्देही । जिल्ला वन क्षेत्र समन्वय समिति, रुपन्देही । महिला विकास कार्यालय, रुपन्देही । घरेलु तथा साना उद्योग कार्यालय, रुपन्देही । सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहहरु, रुपन्देही । निजी वन समूहहरु, रुपन्देही । | प्रविधि तथा ज्ञानहरुको आदान प्रदान गर्ने संयन्त्र बनाउने । अनौपचारिक बैठकहरु गर्ने । स्विकृत कार्यक्रमहरुको जानकारी वर्षको शुरुमै गराई सहयोगको कार्ययोजना तयार गर्ने र आदान प्रदान गर्ने । स्थलगतरुपमा गाविस, सामुदायिक वनहरु संग समन्वयको लागि भ्रमणहरु गर्ने । |

| क्र. सं. | समन्वयको क्षेत्रहरू | निकाय, संस्था तथा कार्यालयहरू | समन्वयको तरिका (Co-ordination methods) |
|----------|---|---|---|
| ६ | वन पैदावार कटान, अवैध ओसार पसार नियन्त्रण | <ul style="list-style-type: none"> • प्रदेश वन निर्देशनालय । • जिल्ला प्रशासन कार्यालय, रुपन्देही । • जिल्ला समन्वय समिति, रुपन्देही । • जिल्ला वन क्षेत्र समन्वय समिति, रुपन्देही । • निजी वन समूहहरू, रुपन्देही । • धार्मिक वन समूहहरू, । • गा.पा.को कार्यालयहरू, रुपन्देही । • राजनीतिक दलहरू, रुपन्देही । • नागरिक समाज, रुपन्देही । | <p>जिल्ला प्रहरी, प्रशासनको सहयोगको लागि आवश्यक प्रवन्ध गर्ने ।</p> <p>अन्य निकायहरूको सुराकीको सहायता लिने किसिमको संयन्त्र बनाउने ।</p> <p>सूचनाहरू आदान प्रदान गर्ने कार्ययोजना तयार गरि कार्यान्वयन गर्ने ।</p> |
| ७ | सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह शसक्तिकरण | <ul style="list-style-type: none"> • प्रदेश वन निर्देशनालय । • प्रदेश वन अनुसन्धान तथा प्रशिक्षण केन्द्र • जिल्ला समन्वय समिति, रुपन्देही । • जिल्ला वन क्षेत्र समन्वय समिति, रुपन्देही । • महिला विकास कार्यालय, रुपन्देही । • कृषि विकास कार्यालय, रुपन्देही । • पशु सेवा कार्यालय, रुपन्देही । • सामुदायिक वन उपभोक्ता महासंघ, जिल्ला शाखा, रुपन्देही । • सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहहरू, रुपन्देही । • स्थानीय गैर सरकारी संस्थाहरू, रुपन्देही । • गा.पा.को कार्यालयहरू, रुपन्देही । • राजनीतिक दलहरू, रुपन्देही । • नागरिक समाज, रुपन्देही । | <p>समुदाय परिचालनमा देखिने तथा देखिएका विकृतिहरूको जानकारी आदान प्रदान गर्ने ।</p> <p>सामुदायिक वनहरूको परिचालनको तरिकाको बारेमा सबै सरोकारवालाहरूलाई जानकारी गराउने ।</p> <p>स्थानीय पत्रकारहरूलाई वन विकास तथा समुदायको भूमिका बारेमा सूचनाहरू आदान प्रदान गर्ने संयन्त्रको परिचालन गर्ने ।</p> |

५.६ कार्ययोजना संशोधन

वन व्यवस्थापनकै शिलशिलामा कार्ययोजनामा समयानुकूल संशोधन वा परिवर्तन गर्न परेमा तत्कालिन परिस्थिती, ऐन नियम, नितिको परिधीभिन्न रही संशोधन गर्न सकिनेछ । यसरी संशोधित कार्ययोजना स्वीकृत भए पश्चात् कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ । यस कार्ययोजनामा नपरेका कार्यक्रमहरूको लागि छुट्टै कार्ययोजना बनाई स्वीकृत गराई मात्र लागू गरिनेछ । योजना कार्यान्वयनको क्रममा गरिएको अनुगमनबाट प्राप्त पृष्ठपोषणको आधारमा एवं परिवर्तित अवस्था अनुरूप योजनाको मुल उद्देश्य प्राप्त गर्ने गरी योजनामा संशोधन, पुर्न मुल्यांकन गर्नुपर्ने भएमा सो गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।

५.७ प्रतिवेदन जाहेरी

यस कार्ययोजना कार्यान्वयनमा आइपर्ने समस्याका निराकरणका साथै भए गरेका कार्यहरूको इलाका वन कार्यालयबाट सेक्टर वन कार्यालयमा र सेक्टर वन कार्यालयहरूले जिल्ला वन कार्यालयहरूमा नियमित रूपमा साथै जिल्ला वन कार्यालयले क्षेत्रीय वन निर्देशनालय तथा वन विभागमा नियमित रूपमा जाहेरी प्रतिवेदन गरिने छ । मासिक, चौमासिक तथा वार्षिक रूपमा विवरणहरू क्षेत्रीय वन निर्देशनालय तथा वन विभागमा पठाइनेछ । सकारात्मक कार्यक्रमको रिपोर्टिंग गरेर कर्मचारी तथा उपभोक्ताको मनोबलमा वृद्धि गरी नकारात्मक कार्यलाई न्यून गर्न विभागीय तथा कानुनी रूपमा सहजीकरण गरिनेछ । प्रतिवेदन पेश गरिने कार्यहरू तथा जाहेरी सम्बन्धी कार्ययोजना तालिका ५.४ मा उल्लेख गरिएको छ । वन संगठनको पुर्नसंरचना मुताविक स्थापना हुने कार्यालयहरू तथा स्विकृत कार्यविधीको अधिनमा रही सम्बन्धीत कार्यालयहरूमा जाहेरी प्रतिवेदन पेश गर्न यस कार्ययोजनाले बाधा पुर्याएको मानिने छैन ।

तालिका ५.४ प्रतिवेदन तथा जाहेरी सम्बन्धी कार्ययोजना

| सि. नं. | प्रतिवेदन पेश गर्ने पर्ने कार्यहरु | पेश गर्ने निकाय तथा प्रस्तुत गर्ने बर्ग | संचार तथा प्रतिवेदनको तरिका तथा रूप | जिम्मेवार व्यक्ति | | समय सिमा | कैफियत |
|---------|--|--|---|--|------------------|--|--------|
| | | | | तयारी | पेश गर्ने | | |
| १ | प्रगतिहरु तथा विवरण | | | | | | |
| १.१ | स्विकृत वार्षिक कार्यक्रम अनुसारको प्रगति | | | | | | |
| | मासिक | वन विभाग, क्षेत्रीय वन निर्देशनालय, को.ले.नि.का. | प्रतिवेदन । इमेल । फयाक्स । मौखिक | विकास शाखा | जिल्ला वन अधिकृत | प्रत्येक महिनाको ३ गते भित्र | |
| | चौमासिक | वन विभाग, क्षेत्रीय वन निर्देशनालय, जिल्ला विकास समितिको कार्यालय, जिल्ला प्रशासन कार्यालय, को.ले.नि.का. | प्रतिवेदन । इमेल । फयाक्स । बैठक । गोष्ठीमा मौखिक प्रस्तुति | विकास शाखा, लेखा शाखा, सदुपयोग शाखा | जिल्ला वन अधिकृत | मार्ग ७, चैत्र ७, श्रावण ७ गते भित्र | |
| | वार्षिक | वन विभाग, क्षेत्रीय वन निर्देशनालय, जिल्ला विकास समितिको कार्यालय, जिल्ला प्रशासन कार्यालय, को.ले.नि.का. | प्रतिवेदन | विकास शाखा, लेखा शाखा, सदुपयोग शाखा | जिल्ला वन अधिकृत | श्रावण ७ गते भित्र | |
| १.२ | वन पैदावार विक्रि वितरण विवरण (नीजि वन, साभेदारी वन, सामुदायिक वन, सरकारद्वारा व्यवस्थित वन) | | | | | | |
| | मासिक | वन विभाग, क्षेत्रीय वन निर्देशनालय | प्रतिवेदन । इमेल । फयाक्स | वन सदुपयोग, विकास शाखा, लेखा शाखा | जिल्ला वन अधिकृत | प्रत्येक महिनाको ३ गते भित्र | |
| | वार्षिक | वन विभाग, क्षेत्रीय वन निर्देशनालय | प्रतिवेदन । वार्षिक प्रतिवेदन पुस्तिका । इमेल । फयाक्स | वन सदुपयोग शाखा, लेखा शाखा, विकास शाखा | जिल्ला वन अधिकृत | श्रावण ७ गते भित्र | |
| १.३ | वन पैदावार चोरी निकासी तथा वन्यजन्तु अवैध शिकार सम्बन्धि विवरण । प्रतिवेदन | वन तथा वातावरण मन्त्रालय, वन विभाग, जिल्ला प्रशासन कार्यालय | प्रतिवेदन । इमेल । फयाक्स | मुद्दा शाखा | जिल्ला वन अधिकृत | प्रत्येक हप्ता तथा महिनाको ३ गते भित्र | |
| १.४ | वन्य जन्तुहरुबाट भएको जन धनको क्षति विवरण | वन तथा वातावरण मन्त्रालय, वन विभाग, जिल्ला प्रशासन कार्यालय | प्रतिवेदन । इमेल । फयाक्स | मुद्दा शाखा, विकास शाखा | जिल्ला वन अधिकृत | प्रत्येक हप्ता तथा महिनाको ३ गते भित्र | |
| १.५ | वन अतिक्रमण भएको एवं वन अतिक्रमण नियन्त्रण गरेको विवरण | वन तथा वातावरण मन्त्रालय, वन विभाग, जिल्ला प्रशासन कार्यालय | प्रतिवेदन । ईमेल । फयाक्स | सहायक वन अधिकृत, जिल्ला वन कार्यालय | जिल्ला वन अधिकृत | प्रत्येक हप्ता महिनाको ३ गते भित्र | |
| १.६ | वन डहेलो लागे एवं नियन्त्रण गरेको विवरण | वन तथा वातावरण मन्त्रालय, वन विभाग | प्रतिवेदन । इमेल । फयाक्स | विकास शाखा | जिल्ला वन अधिकृत | घटना पश्चात तत्कालै | |
| १.७ | वन मुद्दा सम्बन्धि विवरण (मासिक तथा वार्षिक) | वन विभाग | प्रतिवेदन | मुद्दा शाखा | जिल्ला वन अधिकृत | प्रत्येक महिनाको ७ गते भित्र | |
| १.८ | उजुरी सम्बन्धि छानविन भएको | वन विभाग क्षेत्रीय वन निर्देशनालय | प्रतिवेदन तथा प्रमाणहरु | जांचवुझ गर्न तोकिएको | जि.व.अ. | जांचवुझ समाप्त भएको | |

| सि. नं. | प्रतिवेदन पेश गर्नु पर्ने कार्यहरू | पेश गर्ने निकाय तथा प्रस्तुत गर्ने वर्ग | संचार तथा प्रतिवेदनको तरिका तथा रूप | जिम्मेवार व्यक्ति | | समय सिमा | कैफियत |
|--|--|---|--|--|--|------------------------------------|-----------------|
| | | | | तयारी | पेश गर्ने | | |
| | प्रतिवेदन | | | कर्मचारी | | ३ दिन भित्र | |
| १.९ | अन्य | तोकिए बमोजिम/ आवश्यकतानुसार | | | | | |
| २ योजना तर्जुमा तथा समिक्षा | | | | | | | |
| २.१ | स्थानीय इलाका तथा सामुदायिक स्तरको योजना तर्जुमा | जिल्ला वन कार्यालय | प्रतिवेदन । मौखिक छलफल । | ईलाका तथा सेक्टर वन कार्यालयका तोकिएका कर्मचारीहरू | सम्बन्धित इ.व.का. तथा से.व.का.का प्रमुखहरू | पौष महिना भित्र | |
| २.२ | जिल्ला स्तरीय योजना तर्जुमा | जिल्ला वन कार्यालय, जिल्ला वन समन्वय समिति, जिल्ला समन्वय समिति | प्रतिवेदन । प्रस्तुति | सहायक वन अधिकृत जिल्ला वन कार्यालय, विकास शाखा | जिल्ला वन अधिकृत | माघ देखि फाल्गुण महिना भित्र | |
| २.३ | जिल्ला स्तरीय योजना तर्जुमा गोष्ठी | क्षेत्रीय वन निर्देशनालय, वन विभाग | प्रतिवेदन । मौखिक तथा लिखित प्रस्तुति | सहायक वन अधिकृत जिल्ला वन कार्यालय, विकास शाखा | जिल्ला वन अधिकृत | माघ महिना | |
| २.४ | जिल्ला स्तरीय प्रगति समिक्षा गोष्ठी | क्षेत्रीय वन निर्देशनालय, वन विभाग, जिल्ला समन्वय समितिको कार्यालय, जिल्ला प्रशासन कार्यालय | प्रतिवेदन । मौखिक प्रस्तुति | सहायक वन अधिकृत जिल्ला वन कार्यालय, विकास शाखा | जिल्ला वन अधिकृत | श्रावण देखि भाद्र वा चौमासिक रूपमा | |
| ३ जिल्ला वन क्षेत्र समन्वय समिति बैठक तथा अन्य विवरणहरू | | | | | | | |
| ३.१ | वार्षिक प्रस्तावित योजना तर्जुमा | जिल्ला परिषद | मौखिक प्रस्तुति तथा लिखित प्रस्तुति एवं प्रतिवेदन | सहायक वन अधिकृत जिल्ला वन कार्यालय, विकास शाखा | जिल्ला वन अधिकृत | | |
| ३.२ | वार्षिक समिक्षा | जिल्ला वन समन्वय समिति, जिल्ला वन कार्यालय, क्षेत्रीय वन निर्देशनालय | मौखिक प्रस्तुति तथा लिखित प्रस्तुति । इमेल । वेब साइट अपलोड | स.व.अ., जिल्ला वन कार्यालय, विकास शाखा | जिल्ला वन अधिकृत | | आवश्यकता अनुसार |
| ३.३ | अनुगमन प्रतिवेदन प्रस्तुत | जिल्ला वन समन्वय समिति, क्षेत्रीय वन निर्देशनालय, वन विभाग | मौखिक तथा लिखित प्रस्तुति | सहायक वन अधिकृत जिल्ला वन कार्यालय, विकास शाखा | जिल्ला वन अधिकृत | | |
| ३.४ | वन क्षेत्र अनुगमनको पार्षिक प्रतिवेदन (१५ रोजा) | जिल्ला वन कार्यालय | लिखित प्रस्तुति | से.व.का./ई.व.का.का कर्मचारी | से.व.का., ई.व.का. प्रमुख | प्रत्येक महिनाको १ र १६ गते | |
| ४ सूचना सामाग्रीहरू प्रसारण | | | | | | | |
| ४.१ | सन्देशमुलक सामाग्रीहरू प्रसारण | सरोकारवालाहरू | एफ.एम. रेडियोबाट जिंगल, सूचना तथा कार्यक्रमहरू, छलफल आदि । | विकास शाखा | स.व.अ., जिल्ला वन कार्यालय | | आवश्यकता अनुसार |
| ४.२ | शुसासनमुलक सामाग्रीहरू प्रसारण | सरोकारवालाहरू | एफ.एम. रेडियोहरूबाट सूचना प्रसारण, छलफल, बहस, पत्रिकाहरूमा सूचना प्रकाशन | विकास शाखा | स.व.अ., जिल्ला वन कार्यालय | | ” |

५.८ विविध

५.८.१ विभाग तथा मन्त्रालयको जिम्मेवारी

यस कार्ययोजनामा उल्लेखित कार्यक्रमहरू वर्तमान मौजुदा नीति, निर्देशन र कानूनी संरचनाको परिदृष्यमा तर्जुमा भएको छ। तथापि वन व्यवस्थापन, संरक्षणमा र विभिन्न प्रकारका वन व्यवस्थापन प्रणालीहरू अनुसार कार्यक्रम कार्यान्वयनमा देखिएका सांगठनिक, मनोवैज्ञानिक, कार्यक्रम कार्यान्वयनमा प्रकृया र नीतिगत कमी कमजोरी, समस्याहरू, चुनौतिहरू र अवसरहरू औल्याईएका छन। अधिकांश समस्या, चुनौती र अवसरलाई क्रमशः समाधान तथा कार्यरूप दिन विद्यमान कानूनी र नीतिगत सुधार तथा थप श्रोत साधन जनशक्ति र नयाँ संरचना निर्माणमा क्षेत्रीय वन निर्देशनालय तथा वन विभाग र वन तथा वातावरण मन्त्रालयको अहं भूमिका रहन्छ। यसका अलावा विभागीय र मन्त्रालय तहबाट कार्ययोजना अनुगमन, मूल्याङ्कन तथा पृष्ठपोषणबाट आवश्यक सुधारले वन विकास, वन पैदावार विक्री वितरण, वन र वातावरण संरक्षणलाई जिवन्त र सेवामूलक बनाई उद्देश्य अनुरूपको उपलब्धि बढाउने आशा गर्न सकिन्छ। वन प्रशासन तथा व्यवस्थापनको लागि आवश्यक समयानुकुल अधिकारको प्रत्यायोजन मन्त्रालय तथा विभागले सम्बन्धित निकायलाई गर्दै जाने छ। समय समयमा मन्त्रालय, विभाग तथा क्षेत्रीय वन निर्देशनालयबाट जिल्ला भ्रमण गरी कार्यक्रमहरूको निरीक्षण गरेर आवश्यक सुझाव तथा निर्देशन प्राप्त हुनेछ।

यस कार्ययोजनामा तर्जुमा गरिएका योजना तथा कार्यक्रमहरू संचालन गर्न आवश्यक पर्ने आर्थिक स्रोतको व्यवस्था, प्राविधिक तथा अप्राविधिक कर्मचारीहरूको पदस्थापना/पदपूर्ति र उनीहरूको कार्य सम्पादनमा चुस्तता र निखारपन ल्याउन आवश्यक पर्ने वृत्ति विकासका उच्चशिक्षा, तालिम गोष्ठी, सेमिनार, अध्ययन भ्रमणको समेत व्यवस्था विभाग तथा मन्त्रालयले गर्नु पर्ने हुन्छ। योजना तथा कार्यक्रम कार्यान्वयनका लागि आवश्यक बजेटको व्यवस्था समयमै निकास गर्ने, कार्यान्वयनमा गएका योजना तथा कार्यक्रमको नियमित अनुगमन तथा निरीक्षण गर्न आवश्यक निर्देशन तथा रचनात्मक सुझावहरू दिनुपर्ने दायित्व समेत विभाग र मन्त्रालयको हुन जान्छ। त्यसैगरी कार्यक्रमहरूको अर्थपूर्ण र सफल कार्यान्वयनको लागि चाहिने भौतिक पूर्वाधारको व्यवस्था, साधन स्रोत (गाडी, मोटरसाइकल, साइकल) को अविलम्ब व्यवस्था गर्नुपर्ने दायित्व पनि विभाग तथा मन्त्रालयको हुन आउँछ। त्यसको लागि यथेष्ट बजेटको व्यवस्था गरिनु पर्दछ। विभाग र मन्त्रालयको अर्को महत्वपूर्ण जिम्मेवारी भनेको समय सापेक्ष कार्यक्रमको सफल कार्यान्वयनको लागि आवश्यक ऐन, नियम, नीति, निर्देशन, मार्गदर्शन, निर्देशिकाको निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्नु गराउनु समेत रहेको छ।

५.८.२ योजना कार्यान्वयन

स्वीकृत कार्ययोजना कार्यान्वयन गर्ने प्रमुख दायित्व र जिम्मेवारी जिल्ला वन कार्यालयको हुने हुँदा प्रस्तावित विकाससँग सम्बन्धित विविध योजनाहरूको सफल र अर्थपूर्ण कार्यान्वयनमा जिल्ला वन कार्यालय र मातहतका कार्यालयमा कार्यरत कर्मचारीहरूको भूमिका महत्वपूर्ण र निर्णायक हुन्छ। यस सन्दर्भमा कार्यक्रम तथा योजनाहरू कार्यान्वयनमा वन व्यवस्थापनमा संलग्न मानवीय स्रोतको क्षमता, गतिशीलता, लगनशीलता, अनुशासन तथा कर्तव्यपरायणता जस्ता मानवीय गुणहरूले अहम् भूमिका खेल्ने भएकोले यिनीहरूको कार्य दक्षतामा निखारपन र कुशलता ल्याउन क्षमता अभिवृद्धि गर्ने तथा समय सापेक्ष आफ्नो भूमिकालाई देश, काल, परिस्थिति अनुसार रुपान्तरण गर्नसक्ने बनाउन मानवीय स्रोत विकासको कार्यक्रम संचालन गर्न सम्बन्धित सरोकारवाला निकायहरूसँग समन्वय र सहकार्य गरी गराई कार्यक्रम तर्जुमादेखि लिएर कार्यान्वयनको सबै तह र तप्कामा सहभागी गराई कार्यक्रम तथा योजनाहरू कार्यान्वयन गरिनेछ।

५.८.३ योजना कार्यान्वयन प्रकृया

यो कार्य योजना कार्यान्वयन प्रकृया निम्न बमोजिम रहेको छ ।

- क. वन ऐन, २०४९ र वन नियमावली, २०५१ बमोजिमको प्रावधानहरु कार्यान्वयन गरेर ।
- ख. समुदायमा आधारित विकास कार्यक्रमहरुमा स्थानीय सामुदायिक वनको उपभोक्ता परिचालन गरेर ।
- ग. नीजि क्षेत्रको सहयोग परिचालनको लागि प्रवर्द्धन कार्यक्रम संचालन ।
- घ. वन क्षेत्रको शुसासन कार्यक्रम गर्नको लागि स्थानीय प्रशासन, समुदाय, राजनीतिक दल तथा प्रदेश स्तरका कार्यालयहरु संगको समन्वय परिचालन ।
- ङ. सामुदायिक, नीजि, सरकारी कोषहरुको समायोजनबाट बढी उपलब्धी हासिल गर्ने कार्यक्रममा लगानी ।

व्यवस्थापकीय तरिका

यो कार्ययोजना कार्यान्वयन गर्ने गराउने जिम्मेवारी जिल्ला वन कार्यालय, रुपन्देहीको हुने छ । यस कार्य योजनामा प्रक्षेपण गरी प्रस्ताव गरिएको लक्ष्य प्राप्तिको लागि वार्षिक कार्यक्रम तयार गर्दा विशेष ध्यान दिईने छ । कार्यक्रमहरु जिल्ला वन कार्यालय अन्तर्गतका विभिन्न से.व.का तथा इ.व.का. हरुमा कार्यरत कर्मचारीहरुको परिचालन गरी सम्पन्न गरिने छ । इ.व.का. अन्तर्गतका वन जङ्गलको संरक्षण तथा सो अन्तर्गत संचालन गरिने सम्पूर्ण कार्यक्रमहरु प्रभावकारी रुपमा लागु गर्ने जिम्मेवारी संम्बन्धित इ.व.का.मा कार्यरत कर्मचारीहरुको हुने छ र से.व.का. अन्तर्गतको निरीक्षण, अनुगमन र कार्यान्वयन सुनिश्चित गर्ने जिम्मेवारी सेक्टर प्रमुखको हुने छ । जिल्ला भित्र संचालन गरिने सम्पूर्ण कार्यक्रमहरुको निरीक्षण गर्ने तथा सफलता सुनिश्चित गर्ने जिम्मेवारी जिल्ला वन अधिकृतको हुने छ ।

आर्थिक व्यवस्थापन तरिका

जिल्ला वन कार्यालयमा प्राप्त हुने नेपाल सरकारको स्विकृत कार्यक्रमहरु नेपाल सरकारको आर्थिक ऐन, नियमको परिधि भित्र रही परिचालन गरिनेछ ।

अनुगमन तथा समन्वय प्रकृया

सेक्टर वन कार्यालय तथा ईलाका वन कार्यालय कार्यरत कर्मचारीहरुलाई नियमित तथा सुचारु रुपले परिचालन गरी विभिन्न संस्थाहरूसंग समन्वय गरि कार्यान्वयन गरिने छ ।

- वन संरक्षण कार्यमा स्थानीय प्रशासन, प्रहरी तथा स्थानीय तहहरुको समेत सहयोग लिई वन पैदावारको चोरी निकासी, वन अतिक्रमण तथा चोरी शिकारी जस्ता विभिन्न किसिमका वन अपराधहरुलाई नियन्त्रण गरिने छ ।
- सामुदायिक वन, कवुलियती वन तथा निजी वनहरुलाई प्रोत्साहन तथा प्रचार प्रसार गर्नको लागि तिनीहरुलाई केही प्रतिशत अनुदान, निःशुल्क वन बीउ विजन र विरुवा वितरण गरिनुको साथै प्राविधिक सहयोग उपलब्ध गराईने छ ।
- कार्ययोजना अनुरूप कार्य भए नभएको हेर्नको लागि नियमित रुपमा अनुगमन गरिने छ ।
- वन अतिक्रमण रोकथाम तथा नियन्त्रण गर्नको लागि जिल्ला स्थित राजनीतिक दल, सरकारी तथा गैह्र सरकारी संघ संस्था तथा प्रहरी प्रशासन संग समन्वय गरि कार्य सञ्चालन गरिने छ ।
- नेपाल सरकारको स्वीकृत नीति निर्देशन अनुसार वन व्यवस्थापन पद्धति तथा राष्ट्रिय वन व्यवस्थापन पद्धतिको छुट्टा छुट्टै कार्ययोजना अनुसार जिल्ला वन कार्यालयबाट कार्यान्वयन गरिने छ ।

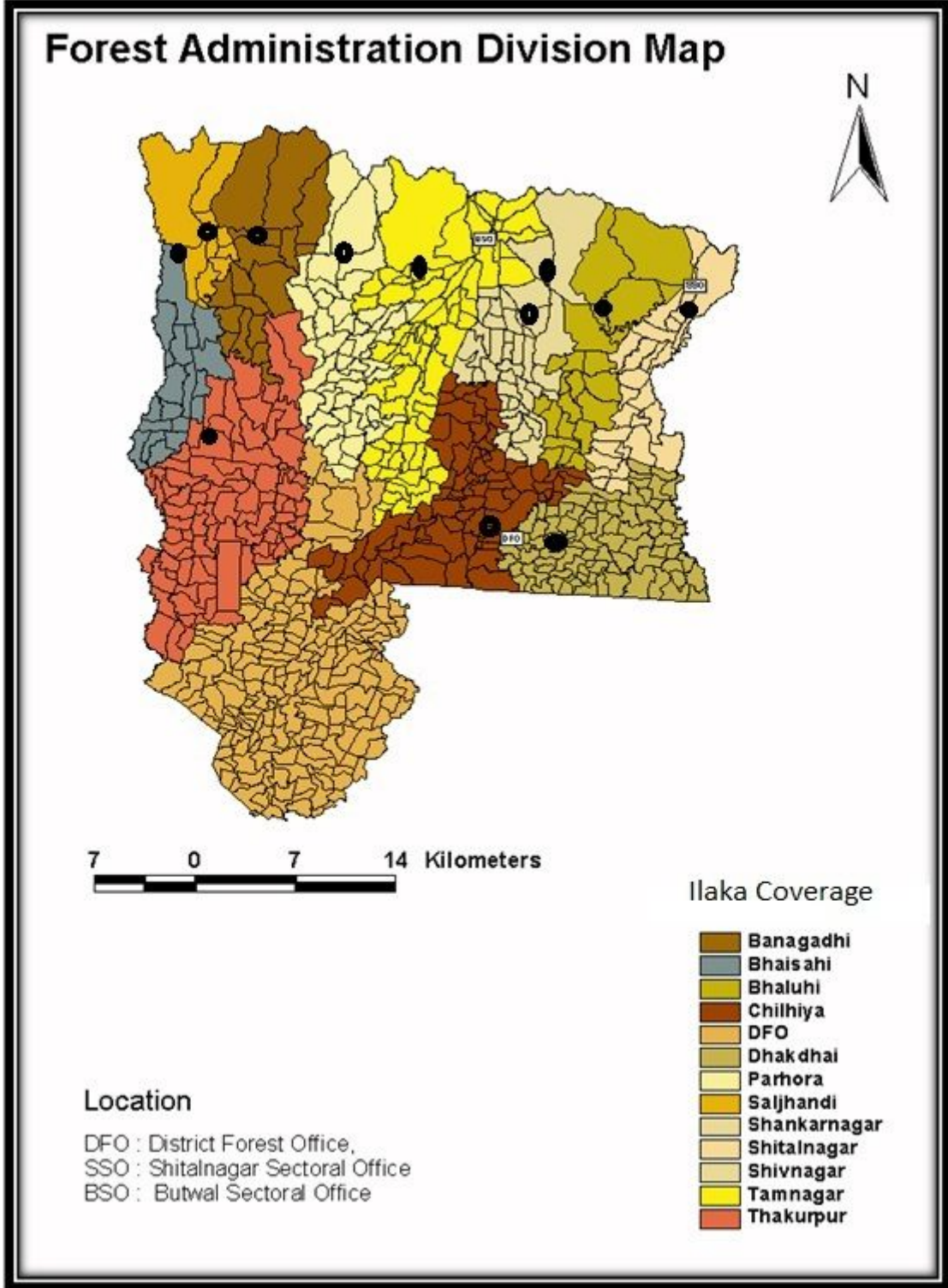
सन्दर्भ सामाग्री

- वन नीति २०७१
- वन क्षेत्रको रणनीति २०७२ ।
- वन ऐन, २०४९ तथा वन नियमावली, २०५१ ।
- वातावरण संरक्षण ऐन, २०५३ ।
- राष्ट्रिय निकुञ्ज तथा वन्यजन्तु संरक्षण ऐन २०२९ ।
- साईटिस ऐन, २०७४ ।
- हाम्रो वन, विभिन्न अंक, वन विभाग, काठमाडौं ।
- OFMP (Operational Forest Management Plan) रुपन्देही ।
- जिल्ला वन कार्यालय रुपन्देहीको वार्षिक प्रतिवेदन २०७४
- सामुदायिक वन विकास कार्यक्रमको मार्गदर्शन २०७१ ।
- सामुदायिक वनको स्रोत सर्वेक्षण मार्गदर्शन (परिमार्जित) २०६१ ।
- साभेदारी वन व्यवस्थापन निर्देशिका, २०६८, वन तथा भू-संरक्षण मन्त्रालय, काठमाडौं ।
- जि.व.का. रुपन्देहीको आ. व. ०७०/०७१ देखि ०७४/७५ अवधिको पञ्चवर्षिय वन कार्ययोजना ।
- रुपन्देही जिल्लाको वन क्षेत्रगत योजना २०६५ ।
- लुम्बिनी साभेदारी वनको वन व्यवस्थापन कार्ययोजना २०७१ ।
- देवदह साभेदारी वनको वन व्यवस्थापन कार्ययोजना २०७३ ।
- जिल्ला वन क्षेत्र समन्वय समिति गठन तथा सञ्चालन निर्देशिका, २०६८ ।
- वन पैदावर संकलन तथा विक्री वितरण निर्देशिका, २०७३ ।
- रुपन्देही जिल्लाको चुरे वन क्षेत्रको संरक्षण तथा व्यवस्थापन योजना (आ. व. २०६८/६९ देखि २०७२/७३ सम्म)
- जिल्ला वस्तुगत विवरण रुपन्देही २०६४, शाखा तथ्यांक कार्यालय, कपिलवस्तु ।
- राष्ट्रिय जनगणना २०६८ को संक्षिप्त नतिजा, केन्द्रीय तथ्यांक विभाग, २०६९ ।
- वन अतिक्रमण नियन्त्रण रणनीति २०६८ ।
- राष्ट्रिय सिमसार नीति २०६९ ।
- राष्ट्रिय अनुकुलन कार्यक्रम २०६९ ।
- चुरे क्षेत्रको गुरुयोजना २०७४ ।

अनुसुचीहरु

अनुसुची १ : नक्साहरु

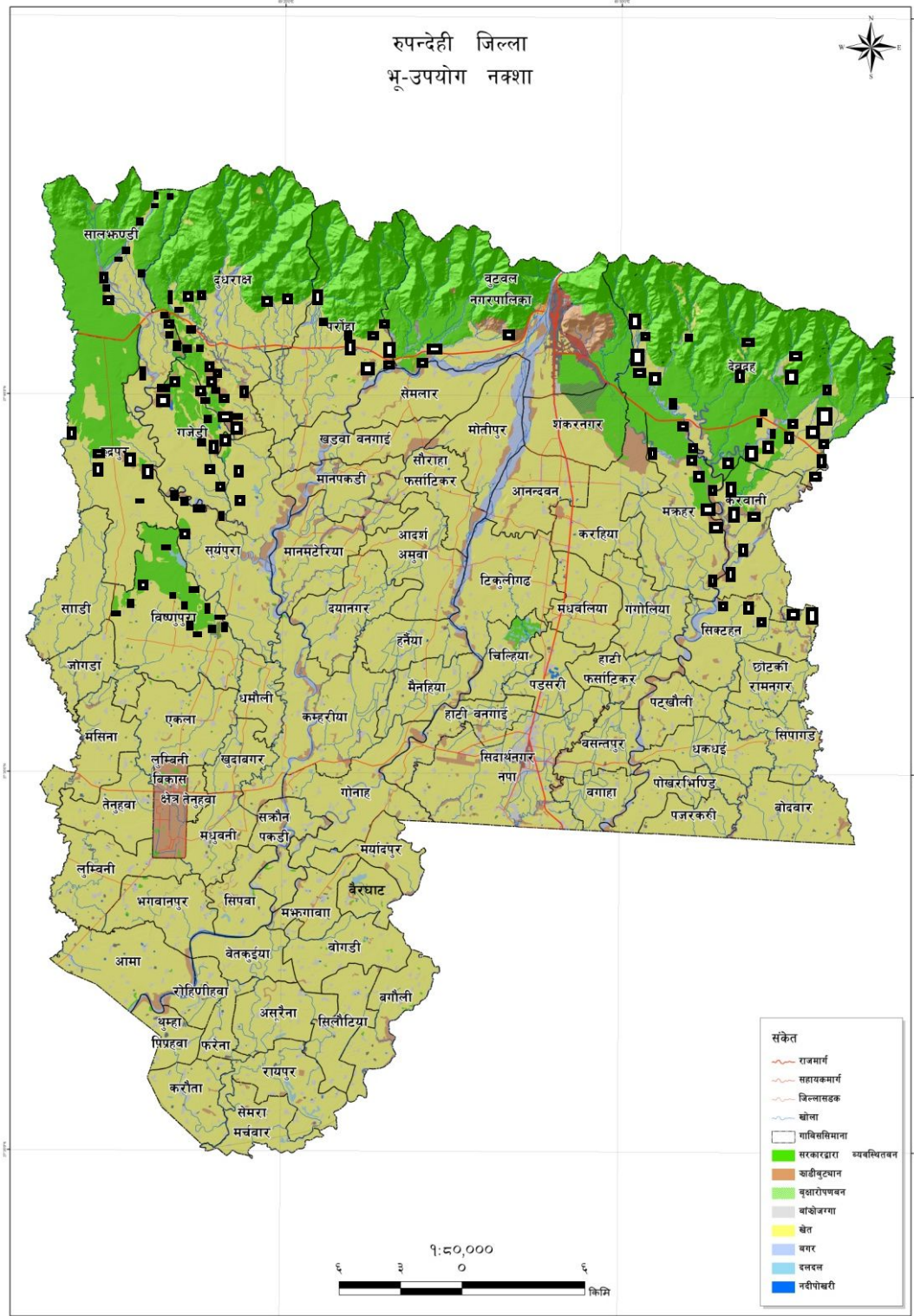
१.१ : जिल्लाको इलाका र सेक्टर वन कार्यालयको क्षेत्र देखिने नक्सा



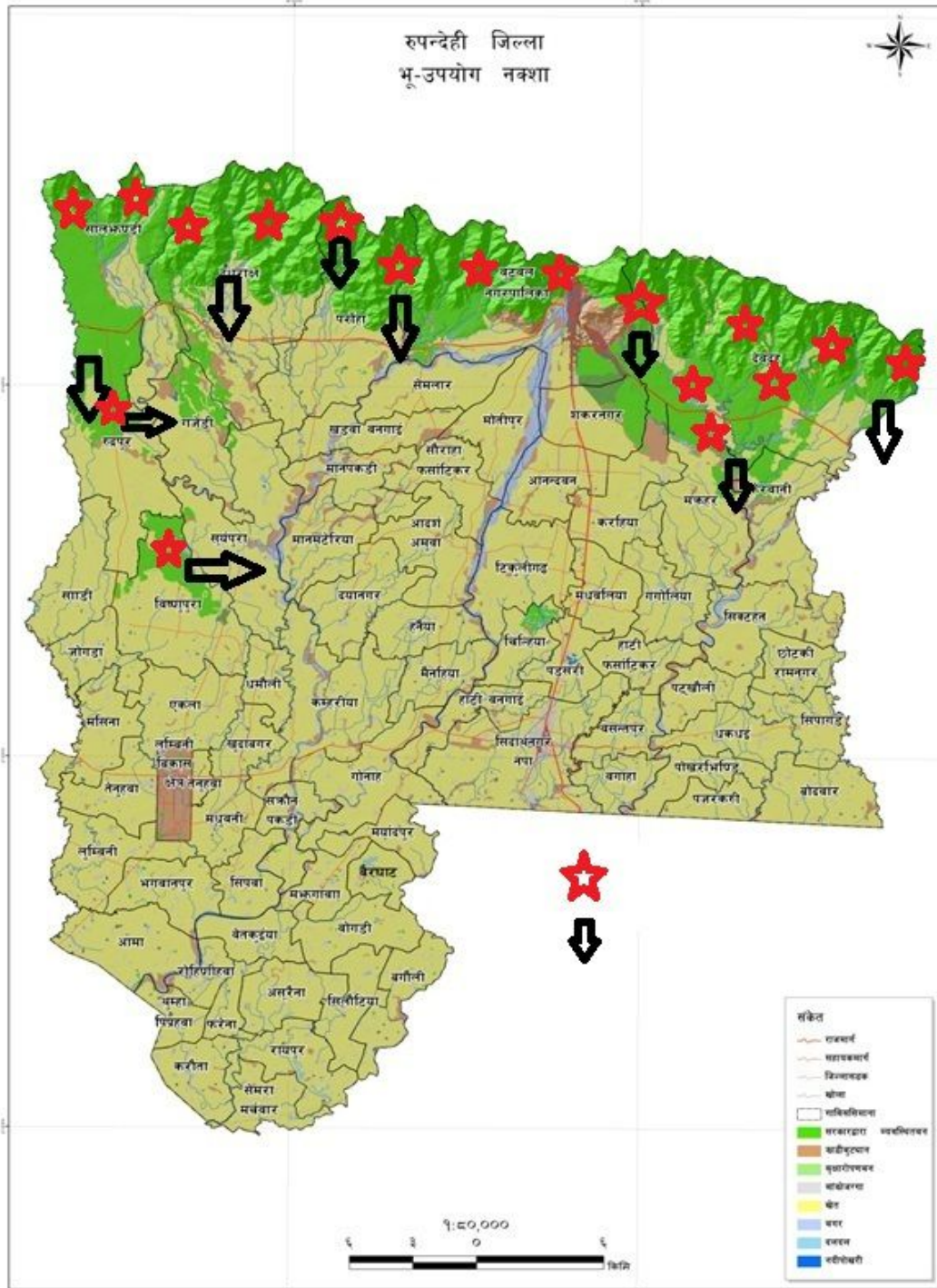
१.२ : रुपन्देही जिल्लाको भू उपयोग नक्सा



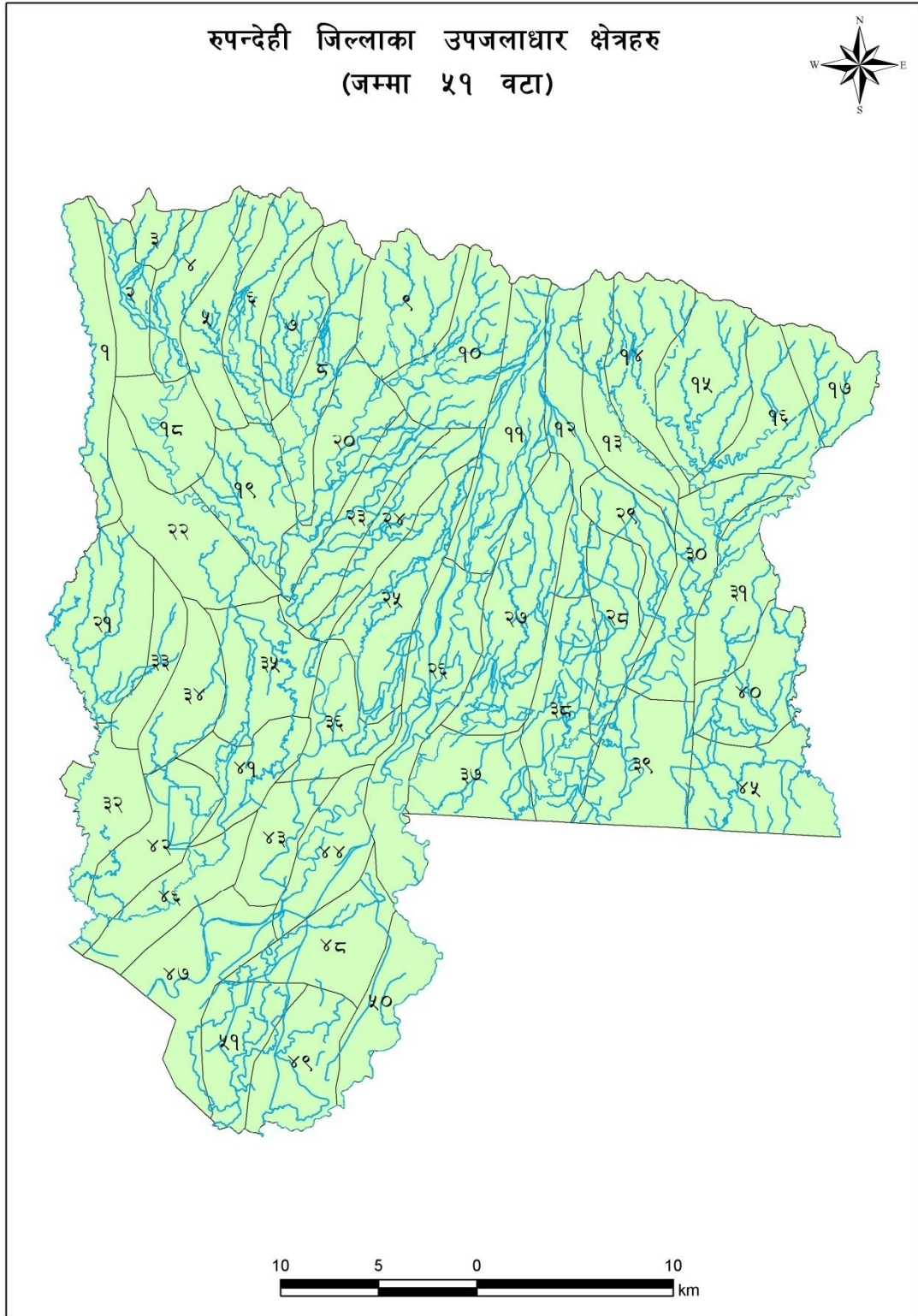
१.३ : रुपन्देही जिल्लाको वन अतिक्रमण क्षेत्र देखाइएको नक्सा



१.४ : वन डढेलो र वन पैदावर चोरी निकासीको हिसावले संवेदनशिल क्षेत्र देखाइएको नक्सा

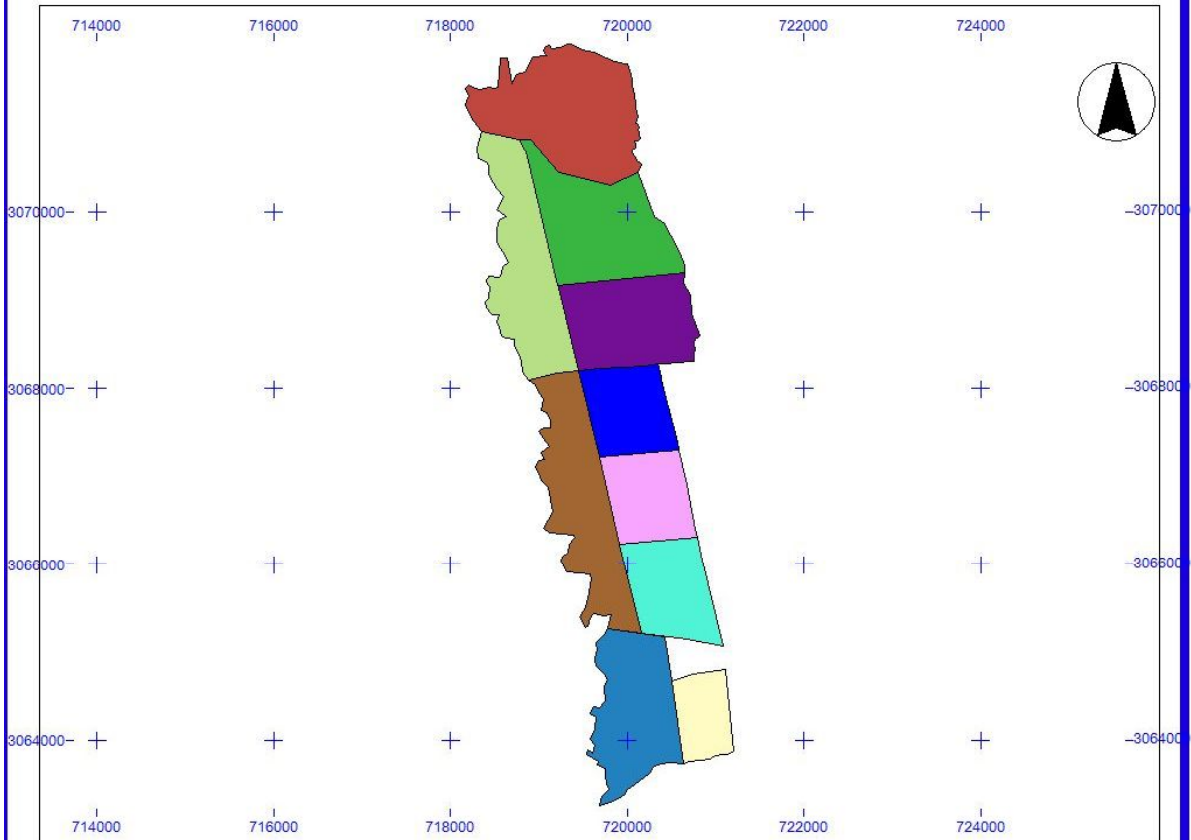


१.५ : रुपन्देही जिल्लाको उपजलाधार क्षेत्र देखाइएको नक्सा



१.६ लुम्बिनी साभेदारी वनमा रहेका आवधिक खण्डहरु

Lumbini CFM with Periodic Blocks



1000 0 1000 2000 Meters

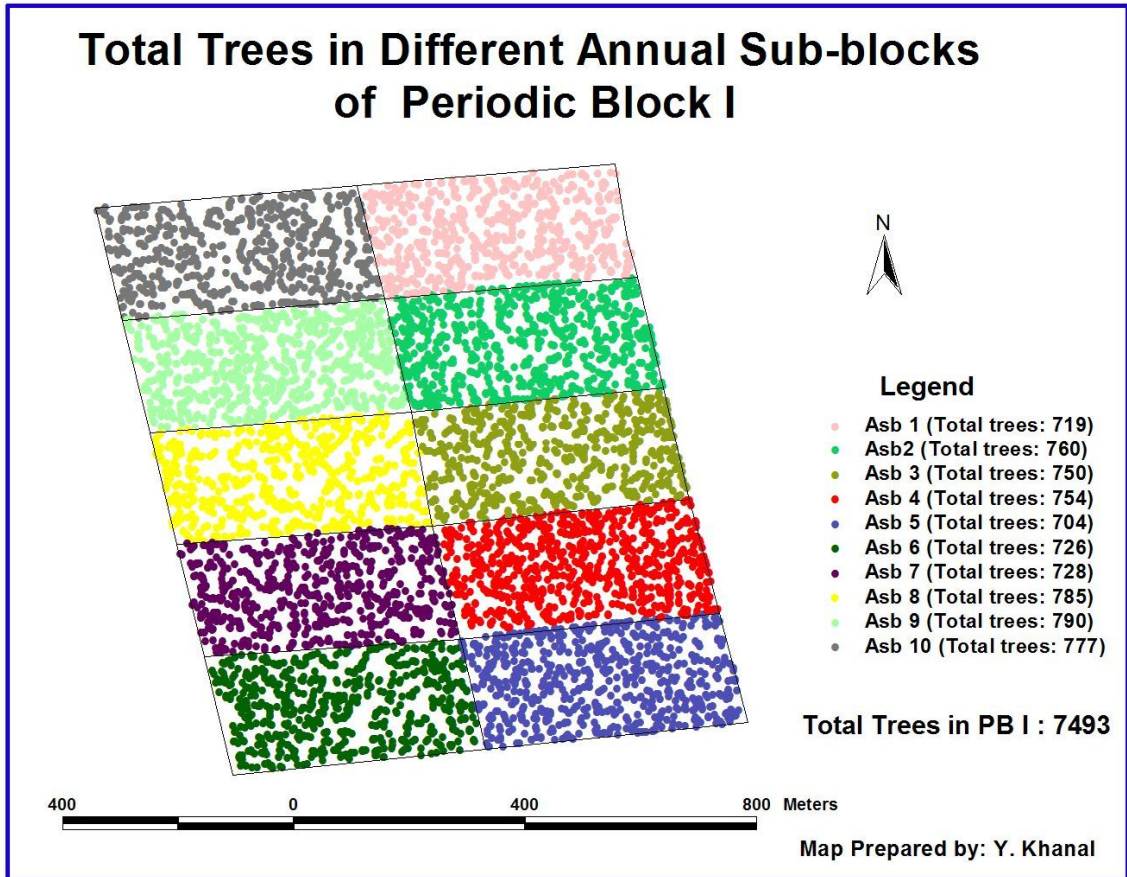
Total Area : 1321 Ha

Map Prepared By : Y. Khanal

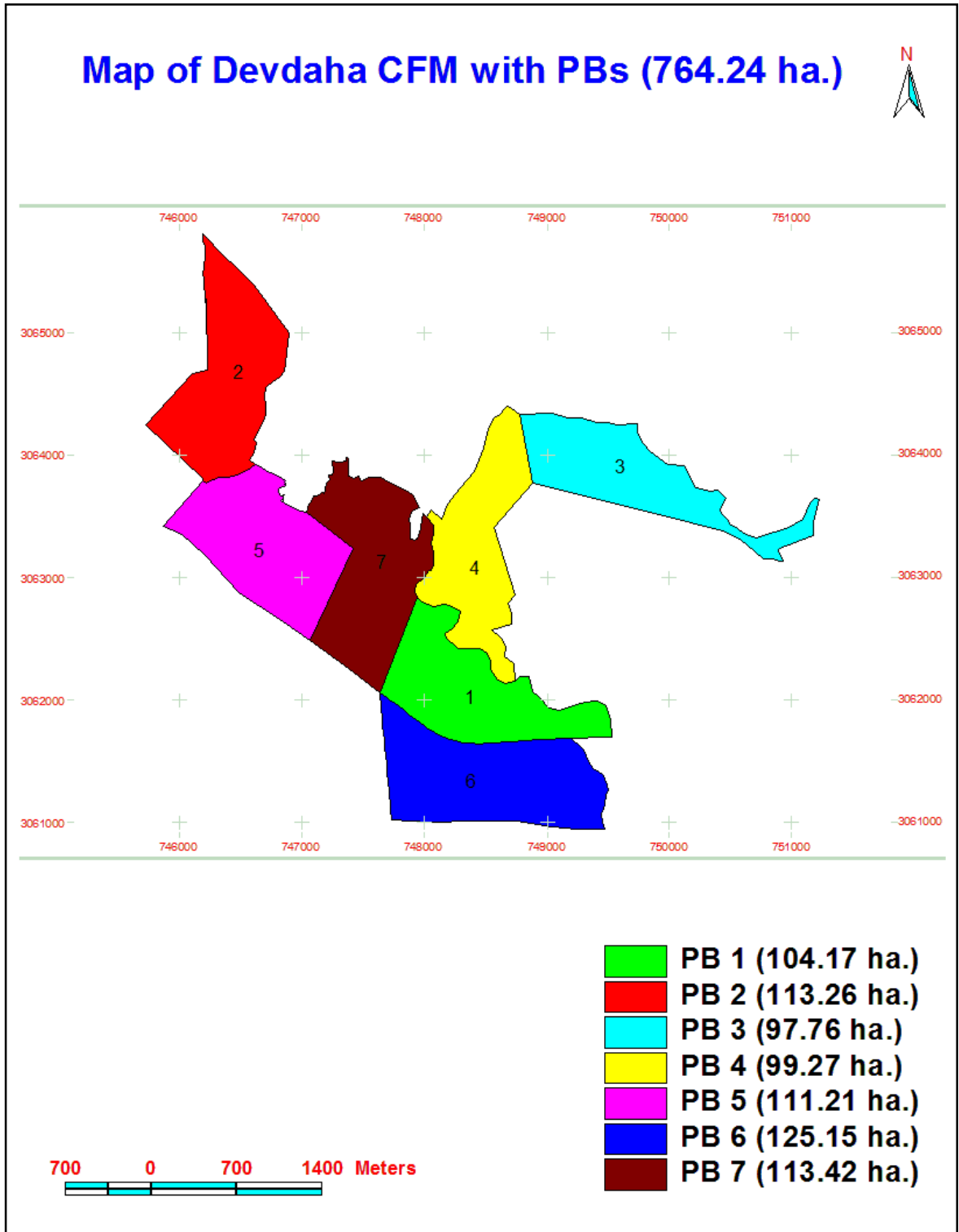
Legend

- Plantation Block (58 ha)
- Conservation area (204 ha)
- PB VIII (164 ha)
- PB VII (162 ha)
- PB VI (170 ha)
- PB V (141 ha)
- PB IV (100 ha)
- PB III (90 ha)
- PB II (144 ha)
- PB I (90 ha)

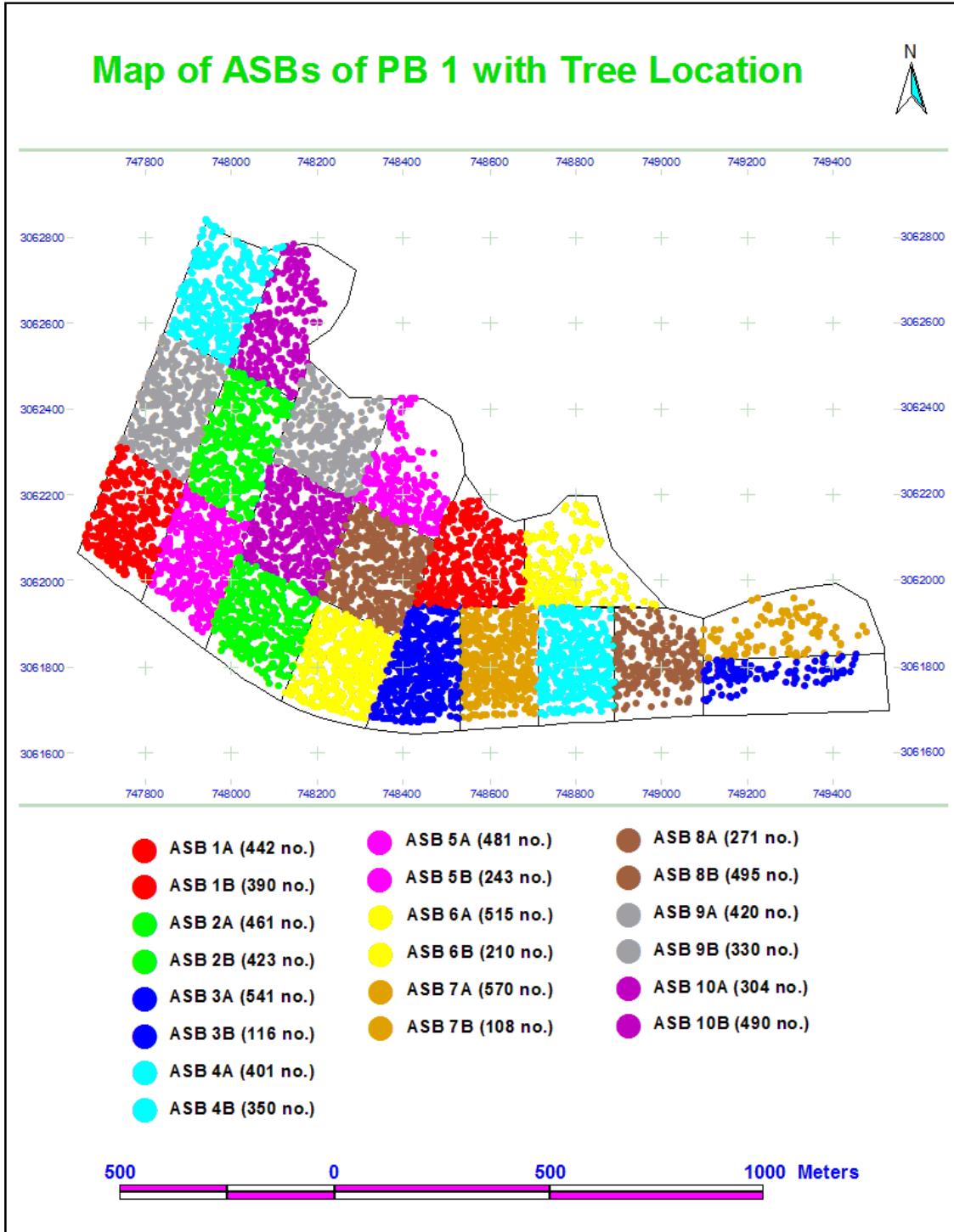
१.७ लुम्बिनी साभेदारी वनको आवधिक खण्ड १ मा रहेका उपखण्ड र सो मा रहेको रुखहरु देखाइएको नक्सा



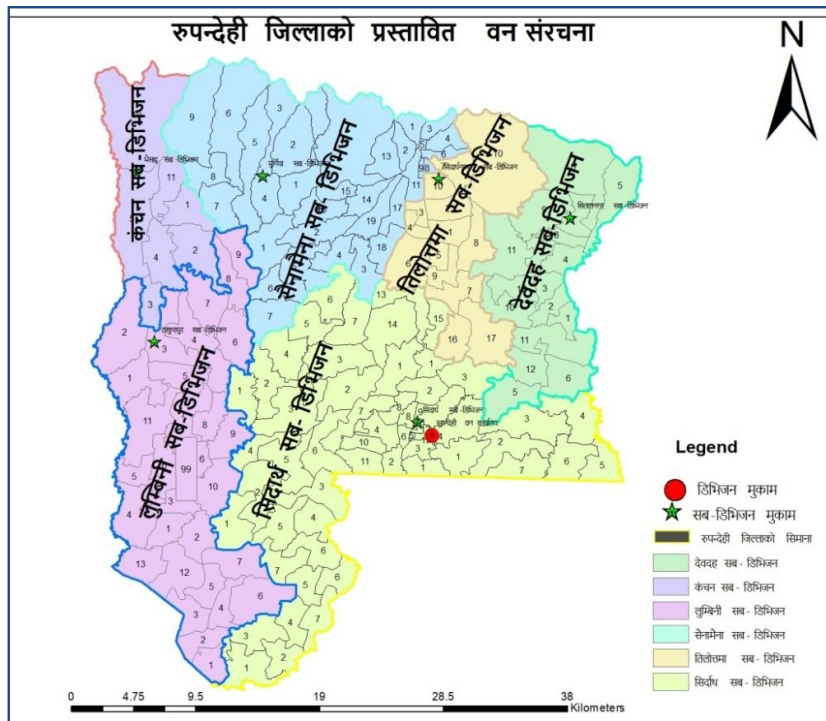
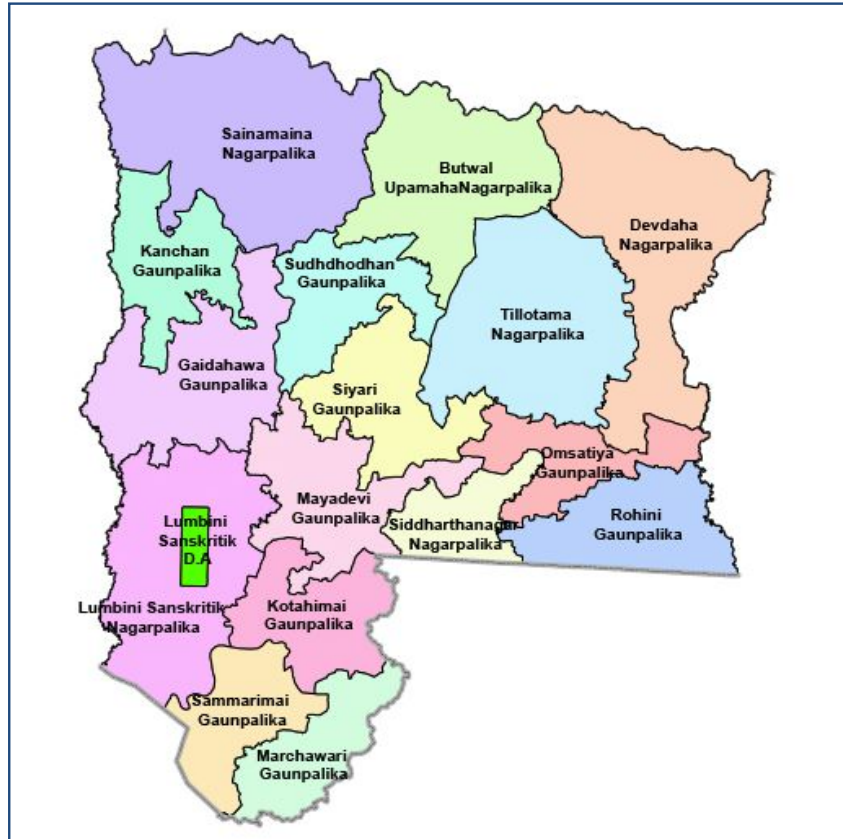
१.८ देवदह साभेदारी वनमा रहेका आवधिक खण्डहरु देखाइएको नक्सा



१.९ देवदह साभेदारी वनको आवधिक खण्ड १ मा रहेका उपखण्डहरु र सो मा रहेका रुखहरु देखाइएको नक्सा



१.१० रुपन्देही जिल्लाको स्थानिय तह तथा प्रस्तावित सब डिभिजन कार्यालय र सो को सेवा क्षेत्र देखाइएको नक्सा



अनुसूची २.१ : आगामी ५ वर्षमा गरिने प्रस्तावित कार्यक्रमहरु

| सि.नं | कृयाकलापको नाम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | ५ वर्षको जम्मा | |
|------------|--|--|-------------|------|--------|------|--------|------|--------|------|--------|------|----------------|------|
| | | | ७५।७६ | | ७६।७७ | | ७७।७८ | | ७८।७९ | | ७९।८० | | परिमाण | बजेट |
| | | | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | | |
| १ | सरकारद्वारा व्यवस्थित वन कार्यक्रम (४.४.१ संग सम्बन्धित) | | | | | | | | | | | | | |
| १.१ | चुरे क्षेत्रमा रहेको विभिन्न दृष्टिकोणले अति संवेदनशील ठिक्कामा रहेको क्षेत्रलाई संरक्षित वनको रूपमा घोषणाकोलागि पुर्वाधार तयारी | प्याकेज | | | १ | १०० | | | | | | | १ | १०० |
| १.२ | संरक्षित वनको कार्ययोजना तयारी र वन विभागबाट स्वकृति | गोटा | | | | | १ | ६०० | | | | | १ | ६०० |
| १.३ | संरक्षित वनको कार्ययोजना कार्यान्वयन | प्याकेज | | | | | | | १ | १५०० | १ | १५०० | २ | ३००० |
| १.४ | उपभोक्ताले परम्परा देखी संरक्षण तथा उपयोग गर्दै आएको वन क्षेत्र छुट्याई सामुदायिक वनको रूपमा हस्तान्तरण | यसका कृयाकलापहरू यस भन्दा तल सि.नं २ (सा.व.) मा विस्तृत रूपमा उल्लेख भएकोले यहा बजेट तथा कार्यक्रम लक्ष्य नराखिएको | | | | | | | | | | | | |
| १.६ | संरक्षित वन, सामुदायिक वन र साभेदारी वन वन्न नसकेको क्षेत्रको प्रभावकारी रूपमा संरक्षण गर्ने । | यसका कृयाकलापहरू यस तलको सि.नं ४ (वन संरक्षण)मा विस्तृत रूपमा उल्लेख भएकोले यहा बजेट तथा कार्यक्रम लक्ष्य नराखिएको | | | | | | | | | | | | |
| | सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको जम्मा | | ० | ० | १ | १०० | १ | ६०० | १ | १५०० | १ | १५०० | ४ | ३७०० |
| २ | सामुदायिक वन विकास तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम (४.४.३.१ संग सम्बन्धित) | | | | | | | | | | | | | |
| २.१ | उपभोक्ता समूह कार्यक्रम | | | | | | | | | | | | | |
| २.१.१ | उपभोक्ता समूह गठनमा सहजीकरण | गोटा | २ | १० | २ | १० | २ | १० | २ | १० | २ | १० | १० | ५० |
| २.१.२ | सामुदायिक वनको वन कार्ययोजना तयारी (गरिव, महिला र दलित लक्षित) | गोटा | २ | ३० | २ | ३० | २ | ३० | २ | ३० | २ | ३० | १० | १५० |
| २.१.३ | सामुदायिक वनको कार्ययोजना पूनरावलोकन (गरिव, महिला र दलित लक्षित) | गोटा | ५ | ७५ | ५ | ७५ | ५ | ७५ | ५ | ७५ | ५ | ७५ | २५ | ३७५ |
| २.१.४ | सामुदायिक वनको विधान कार्ययोजना कार्यान्वयनमा सहयोग | गोटा | १० | २०० | १० | २०० | १० | २०० | १० | २०० | १० | २०० | ५० | १००० |
| २.१.५ | सामुदायिक वनको निरीक्षण तथा अनुगमन | गोटा | १०२ | ५१ | १०४ | ५२ | १०६ | ५३ | १०८ | ५४ | ११० | ५५ | ५३० | २६५ |
| २.१.६ | उपभोक्ता समूह मूल्यांकन तथा पुरस्कार | जिल्ला | १ | २० | १ | २० | १ | २० | १ | २५ | १ | २५ | ५ | ११० |

| सि.नं | कृयाकलापको नाम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | ५ वर्षको जम्मा | |
|-------|--|--------|-------------|-------------|--------|-------------|--------|-------------|--------|-------------|--------|-------------|----------------|--------------|
| | | | ७५।७६ | | ७६।७७ | | ७७।७८ | | ७८।७९ | | ७९।८० | | परिमाण | बजेट |
| | | | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | | |
| २.१.७ | सा.व.को बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन योजना तयारी | गोटा | १ | ३०० | १ | ३०० | १ | ३०० | १ | ३०० | १ | ३०० | ५ | १५०० |
| २.१.८ | सा.व.को बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन कार्यान्वयन कोचिंग | गोटा | ५ | १५० | ५ | १५० | ५ | १५० | ५ | १५० | ५ | १५० | २५ | ७५० |
| २.१.९ | सा.व.को बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन योजना कार्यान्वयनमा सहयोग | गोटा | १ | ३०० | १ | ३०० | १ | ३०० | १ | ३०० | १ | ३०० | ५ | १५०० |
| २.२ | समुहलाई तालिम, गोष्ठी, अन्तरक्रिया, भ्रमण | | | | | | | | | | | | | |
| २.२.१ | सामुदायिक वन व्यवस्थापन अभ्यास | गोटा | १२ | २४० | १२ | २४० | १२ | ३०० | १२ | ३०० | १२ | ३२० | ६० | १४०० |
| २.२.२ | रेकर्ड किपिङ तथा लेखा कोचिङ | पटक | ६ | ९० | ६ | ९० | ६ | ९० | ६ | १२० | ६ | १२० | ३० | ५१० |
| २.२.३ | इलाका स्तरीय सा.व. अन्तरक्रिया गोष्ठी | गोटा | ६ | १२० | ६ | १२० | ६ | १२० | ६ | १२० | ६ | १२० | ३० | ६०० |
| २.२.४ | जलवायु परिवर्तन (PES, REDD) अभिमुखीकरण | पटक | ४ | ८० | ४ | १०० | ५ | १२० | ५ | १३० | ५ | १४० | २३ | ५७० |
| २.२.५ | अवलोकन भ्रमण उपभोक्ताहरूलाई(आन्तरिक) | पटक | १ | ४० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ६० | १ | ६० | ५ | २६० |
| २.२.६ | सा.व.मा पर्याप्यटन अभिमुखीकरण गोष्ठी | पटक | १ | ४० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | ५ | २४० |
| २.२.७ | अवलोकन भ्रमण उपभोक्ता समुह(जिल्लाबाहिर) | गोटा | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | ५ | १००० |
| २.३ | सा.व.मा गरीवहरूको लागि कार्यक्रम सहयोग | | | | | | | | | | | | | |
| २.३.१ | आयमूलक कार्यक्रममा सहयोग (गरीवको लागि) | जिल्ला | २ | ७० | २ | ८० | २ | ८० | २ | ९० | २ | ९० | १० | ४१० |
| २.३.२ | सा.व.मा क.व. गठन प्रविधि हस्तान्तरण | गोटा | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |
| २.३.३ | सा.व.मा क.व. व्यवस्थापन सहयोग | गोटा | ३ | १५० | ४ | २०० | ५ | २५० | ६ | ३०० | ७ | ३५० | २५ | १२५० |
| २.४ | सामुदायिक वनको प्राविधिक परिक्षण तथा प्रभाव अध्ययन | | | | | | | | | | | | | |
| २.४.१ | सामुदायिक वनको प्राविधिक परिक्षण | गोटा | २ | १०० | २ | १०० | २ | १०० | २ | १०० | २ | १०० | १० | ५०० |
| २.४.२ | सामुदायिक वनमा गरिएको बैज्ञानिक वन व्यवस्थापनको सामाजिक आर्थिक तथा वातावरणीय क्षेत्रमा परेको प्रभाव अध्ययन | गोटा | १ | १०० | १ | १०० | १ | १२० | १ | १३० | १ | १५० | ५ | ६०० |
| | सामुदायिक वन तर्फको जम्मा | | | २४६६ | | २५६७ | | २७१८ | | २८४४ | | २९४५ | | १३५४० |

| सि.नं | कृयाकलापको नाम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | ५ वर्षको जम्मा | | |
|--------|---|---------|-------------|-------|--------|-------|--------|-------|--------|-------|--------|-------|----------------|--------|--|
| | | | ७५।७६ | | ७६।७७ | | ७७।७८ | | ७८।७९ | | ७९।८० | | परिमाण | बजेट | |
| | | | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | | | |
| ३ | साभेदारी वन व्यवस्थापन कार्यक्रम (४.४.३.२ संग सम्बन्धित) | | | | | | | | | | | | | | |
| ३.१ | लुम्बिनी साभेदारी वन तर्फको | | | | | | | | | | | | | | |
| क. | साभेदारी वन भित्र गरिने कृयाकलापहरू | | | | | | | | | | | | | | |
| ३.१.१ | नक्सा अपडेट, कार्ययोजना परिमार्जन र सिमांकन तथा अग्नीरेखा सम्बन्धी कार्य | प्याकेज | १ | ८०० | १ | ८०० | १ | ८०० | १ | ८०० | १ | ८०० | ५ | ४००० | |
| ३.१.२ | वन व्यवस्थापनका विस्तृत कृयाकलापहरू (काठ दाउरा संकलन समेत) | प्याकेज | १ | ११००० | १ | ११२०० | १ | ११५०० | १ | १२०० | १ | १२५० | ५ | ५८२०० | |
| ३.१.३ | आगामी वर्षको व्यवस्थापनको लागि क्षेत्र छुनौट र अन्य योजना पुर्वाधार तयारी | प्याकेज | १ | १८० | १ | २२० | १ | २५० | १ | २८० | १ | ३१० | ५ | १२४० | |
| ३.१.४ | साभेदारी वनको संरक्षण सम्बन्धी | प्याकेज | १ | १७०० | १ | १७५० | १ | १८०० | १ | १८३० | १ | १८६० | ५ | ८९४० | |
| ख | साभेदारी वनको लाभान्वित क्षेत्रमा गरिने क्रियाकलापहरू (वन क्षेत्र बाहिर) | | | | | | | | | | | | | | |
| ३.१.५ | निजी तथा सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापन | प्याकेज | १ | ७६०० | १ | ७६५० | १ | ७७०० | १ | ७७३० | १ | ७७६० | ५ | ३८४४० | |
| ३.१.६ | सामुदायिक विकाश सम्बन्धी कार्यक्रमहरू | प्याकेज | १ | ४००० | १ | ४००० | १ | ४००० | १ | ४००० | १ | ४००० | ५ | २०००० | |
| ३.१.७ | कार्यालय संचालन तथा व्यवस्थापन | प्याकेज | १ | ११०० | १ | ११२० | १ | ११६० | १ | ११९० | १ | १२४० | ५ | ५८१० | |
| ३.१.८ | संस्थागत विकास | प्याकेज | १ | १५०० | १ | १५०० | १ | १५०० | १ | १५४० | १ | १५९० | ५ | ७६३० | |
| ३.१.९ | तालिम तथा क्षमता अभिवृद्धि | प्याकेज | १ | १००० | १ | १००० | १ | १००० | १ | १००० | १ | १००० | ५ | ५००० | |
| ३.१.१० | प्रचार प्रसार | प्याकेज | १ | ४०० | १ | ४५० | १ | ५०० | १ | ५३० | १ | ५८० | ५ | २४६० | |
| ३.१.११ | काठ दाउरा विक्री वितरण | प्याकेज | १ | ४०० | १ | ४३० | १ | ४६० | १ | ४९० | १ | ५२० | ५ | २३०० | |
| ग | दुवै क्षेत्र संग सम्बन्धित साभेदारी कार्यक्रमहरू | | | | | | | | | | | | | | |
| ३.१.१२ | अनुगमन,मूल्यांकन भ्रमण खर्च | | | ७५० | | ८०० | | ८५० | | ९०० | | ९५० | | ४२५० | |
| ३.१.१३ | कार्यक्रमको फोटो प्रोफाइल तथा प्रतिवेदन तयारी र प्रकाशन | प्याकेज | १ | १०० | १ | १३० | १ | १५० | १ | १७० | १ | १९० | ५ | ७४० | |
| ३.१.१४ | विभिन्न चरणमा योजना तर्जुमा तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन विस्तृत कार्यविधि तयारी | प्याकेज | १ | १०० | १ | १२० | १ | १३० | १ | १४० | १ | १५० | ५ | ६४० | |
| | लुम्बिनी साभेदारी वन तर्फको कूल जम्मा | | | ३०६३० | | ३११७० | | ३१८०० | | ३२६०० | | ३३४५० | | १५९६५० | |
| ३.२ | देवदह साभेदारी वन तर्फको कार्यक्रम | | | | | | | | | | | | | | |

| सि.नं | कृयाकलापको नाम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | ५ वर्षको जम्मा | |
|--------|---|---|-------------|-------|--------|-------|--------|-------|--------|-------|--------|-------|----------------|--------|
| | | | ७५।७६ | | ७६।७७ | | ७७।७८ | | ७८।७९ | | ७९।८० | | परिमाण | बजेट |
| | | | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | | |
| क. | वन क्षेत्र भित्र गरिने कृयाकलाप | | | | | | | | | | | | | |
| ३.२.१ | नक्सा अपडेट, कार्ययोजना परिमार्जन र सिमांकन तथा अग्नीरेखा सम्बन्धी कार्य | प्याकेज | १ | ८०० | १ | ८०० | १ | ८०० | १ | ८०० | १ | ८०० | ५ | ४००० |
| ३.२.२ | वन व्यवस्थापनका विस्तृत कृयाकलापहरू (काठ दाउरा संकलन समेत) | प्याकेज | १ | ८००० | १ | ८५०० | १ | ९००० | १ | ९५०० | १ | १००० | ५ | ४५००० |
| ३.२.३ | आगामी वर्षको व्यवस्थापनको लागि क्षेत्र छुनौट र अन्य योजना पुर्वाधार तयारी | प्याकेज | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |
| ३.२.४ | साभेदारी वनको संरक्षण सम्बन्धी | प्याकेज | १ | १५०० | १ | १५०० | १ | १५०० | १ | १५०० | १ | १५०० | ५ | ७५०० |
| ख | साभेदारी वनको लाभान्वित क्षेत्रमा गरिने क्रियाकलापहरू (वन क्षेत्र बाहिर) | | | | | | | | | | | | | |
| ३.२.५ | निजी तथा सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापन | प्याकेज | १ | १००० | १ | १२०० | १ | १२०० | १ | १२०० | १ | १२०० | ५ | ५८०० |
| ३.२.६ | सामुदायिक विकाश सम्बन्धी कार्यक्रमहरू | प्याकेज | १ | १००० | १ | १००० | १ | १००० | १ | १००० | १ | १००० | ५ | ५००० |
| ३.२.७ | कार्यालय संचालन तथा व्यवस्थापन | प्याकेज | १ | ११०० | १ | ११२० | १ | ११६० | १ | ११९० | १ | १२४० | ५ | ५८१० |
| ३.२.८ | संस्थागत विकास | प्याकेज | १ | १५०० | १ | १५०० | १ | १५०० | १ | १५४० | १ | १५९० | ५ | ७६३० |
| ३.२.९ | तालिम तथा क्षमता अभिवृद्धि | प्याकेज | १ | १००० | १ | १००० | १ | १००० | १ | १००० | १ | १००० | ५ | ५००० |
| ३.२.१० | प्रचार प्रसार | प्याकेज | १ | ४०० | १ | ४५० | १ | ५०० | १ | ५३० | १ | ५८० | ५ | २४६० |
| ३.२.११ | काठ दाउरा विक्री वितरण | प्याकेज | १ | ४०० | १ | ४३० | १ | ४६० | १ | ४९० | १ | ५२० | ५ | २३०० |
| ग | दुवै क्षेत्र संग सम्बन्धित साभ्ना कार्यक्रमहरू | | | | | | | | | | | | | |
| ३.२.१२ | अनुगमन, मूल्यांकन भ्रमण खर्च | | | ७५० | | ८०० | | ८५० | | ९०० | | ९५० | | ४२५० |
| ३.२.१३ | कार्यक्रमको फोटो प्रोफाइल तथा प्रतिवेदन तयारी र प्रकाशन | प्याकेज | १ | १०० | १ | १३० | १ | १५० | १ | १७० | १ | १९० | ५ | ७४० |
| ३.२.१४ | विभिन्न चरणमा योजना तर्जुमा तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन विस्तृत कार्यविधि तयारी | प्याकेज | १ | १०० | १ | १२० | १ | १३० | १ | १४० | १ | १५० | ५ | ६४० |
| | देवदह साभेदारी वन तर्फको कूल जम्मा | | | १७७५० | | १८६५० | | १९३५० | | २००६० | | २०८२० | | ९६६३० |
| | साभेदारी वन तर्फको कूल जम्मा | | | ४८३८० | | ४९८२० | | ५११५० | | ५२६६० | | ५४२७० | | २५६२८० |
| ४ | कवुयिती वन कार्यक्रम | यस सम्बन्धी कार्यक्रम यस जिल्लामा नभएकोले बजेट तथा कार्यक्रम लक्ष्य नराखिएको | | | | | | | | | | | | |
| ५ | धार्मिक वन कार्यक्रम | यसका कृयाकलापहरू यस तलको सि.नं १३ मा समेटिएको हुदा यहा बजेट तथा कार्यक्रम लक्ष्य नराखिएको | | | | | | | | | | | | |

| सि.नं | कृयाकलापको नाम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | ५ वर्षको जम्मा | |
|----------|---|---------|-------------|--|------------|--|------------|--|------------|--|------------|--|----------------|-------------|
| | | | ७५।७६ | | ७६।७७ | | ७७।७८ | | ७८।७९ | | ७९।८० | | परिमाण | बजेट |
| | | | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | | |
| ६ | वन पैदावर सदुपयोग र आपूर्ति कार्यक्रम | | | | | | | | | | | | | |
| ६.१ | राष्ट्रिय वन क्षेत्रवाट काठ संकलन (परिमाण: क्यूफिट हजारमा) | | | | | | | | | | | | | |
| ६.१.१ | सरकारद्वारा व्यवस्थित वन | | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | ५ | १००० |
| ६.१.२ | लुम्बिनी साभेदारी वन | | ८४ | वजे^ सम्बन्धित कार्यक्रम र माल धनीले व्यहोर्ने हुदा थप व्यभार नपर्ने | ८४ | वजे^ सम्बन्धित कार्यक्रम र माल धनीले व्यहोर्ने हुदा थप व्यभार नपर्ने | ८४ | वजे^ सम्बन्धित कार्यक्रम र माल धनीले व्यहोर्ने हुदा थप व्यभार नपर्ने | ८४ | वजे^ सम्बन्धित कार्यक्रम र माल धनीले व्यहोर्ने हुदा थप व्यभार नपर्ने | ८४ | वजे^ सम्बन्धित कार्यक्रम र माल धनीले व्यहोर्ने हुदा थप व्यभार नपर्ने | ४२० | |
| ६.१.३ | देवदह साभेदारी वन | | २५ | | २५ | | २५ | | ३५ | | २५ | | १३५ | ० |
| ६.१.४ | सामुदायिक वन | | २८० | | २८० | | २८० | | २८० | | २८० | | १४०० | ० |
| ६.२ | नीजि आवादी जग्गावाट काठ उत्पादन | | | | | | | | | | | | ० | ० |
| ६.२.१ | घरसारमा खपत (क्यूफिट हजारमा) | | ७० | | ७० | | ७० | | ७० | | ७० | | ३५० | ० |
| ६.२.२ | व्यापारिक प्रयोजनको लागि विक्री (क्यूफिट हजारमा) | | ७० | | ७० | | ७० | | ७० | | ७० | | ३५० | ० |
| ६.३ | अन्य जिल्लावाट भित्रिएको (क्यूफिट हजारमा) | | ३०० | | ३०० | | ३०० | | ३०० | | ३०० | | १५० | ० |
| ६.४ | जिवपैआस मार्फत विक्री वितरण (सि.नं ६.१ मध्ये जिवकालाई हस्तान्तरण भएको काठ (परिमाण : क्यूफिट हजारमा) | | १६ | | २० | | २० | | २५ | | २५ | | १०६ | ० |
| ६.५ | वन सदुपयोगमा संलग्न कामदारहरूको फोटो सहितको अभिलेखिकरण | जना | | | ३० | १०० | ३० | १०० | ३० | १०० | | | ९० | ३०० |
| | वन सदुपयोग र आपूर्ति तर्फको कूल जम्मा | | ८४६ | २०० | ८८० | ३०० | ८८० | ३०० | ८९५ | ३०० | ८५५ | २०० | ४३ | १३०० |
| ७ | वन तथा जैविक विविधता संरक्षण कार्यक्रम (४.४.४ संग सम्बन्धित कार्यक्रम) | | | | | | | | | | | | | |
| ७.१ | वन सिमांकन | | | | | | | | | | | | | |
| ७.१.१ | वन क्षेत्रको नक्साकन, अभिलेखीकरण तथा अपडेट | प्याकेज | १ | ३०० | १ | ५०० | | | १ | ५० | | | ३ | ८५० |
| ७.१.२ | वन क्षेत्रको सिमांकन | कि.मि. | | | | | २५ | ५०० | २५ | ५०० | २५ | ५०० | ७५ | १५०० |
| ७.२ | अतिक्रमण नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन | | | | | | | | | | | | ० | ० |
| ७.२.१ | जिल्ला अतिक्रमण नियन्त्रण कार्यदल बैठक | पटक | ३ | ६० | ३ | ६० | ३ | ६० | ३ | ६० | ३ | ६० | १५ | ३०० |

| सि.नं | कृयाकलापको नाम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | ५ वर्षको जम्मा | |
|------------|---|---------|-------------|------|--------|------|--------|------|--------|------|--------|------|----------------|-------|
| | | | ७५।७६ | | ७६।७७ | | ७७।७८ | | ७८।७९ | | ७९।८० | | परिमाण | बजेट |
| | | | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | | |
| ७.२.२ | सहभागितामूलक गस्ती परिचालन (अतिक्रमण र चोरी निकासी नियन्त्रण) | प्याकेज | १ | ३०० | १ | ३५० | १ | ४०० | १ | ४५० | १ | ५०० | ५ | २००० |
| ७.२.३ | अतिक्रमण हटाई तारवार सहितको वृक्षरोपण तथा व्यवस्थापन | हेक्टर | ३५ | २००० | ३५ | २५०० | ३५ | २७०० | ३५ | ३००० | ३५ | ३३०० | १७५ | १३५०० |
| ७.२.४ | वृक्षरोपण संरक्षणको लागि हेरालुको व्यवस्था | गोटा | २ | १५० | ४ | ३०० | ६ | ४५० | ८ | ६०० | १० | ७५० | ३० | २२५० |
| ७.३ | चोरी निकासी नियन्त्रण | | | | | | | | | | | | ० | ० |
| ७.३.१ | संदिग्ध व्यक्ति र संवेदनशील क्षेत्र र नाकाहरूको आकलन र अध्यावधिक (अतिक्रमण र वन्यजन्तु समेत) | प्याकेज | १ | ५० | १ | ७० | १ | ८० | १ | ९० | १ | १०० | ५ | ३९० |
| ७.३.२ | वन तथा वन्यजन्तु सम्बन्धी मुद्दा तहकिक्ता | जिल्ला | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |
| ७.३.३ | सुराकी परिचालन (अतिक्रमण नियन्त्रण र वन्यजन्तु संरक्षण समेत) | प्याकेज | १ | ७० | १ | १०० | १ | १३० | १ | १५० | १ | १८० | ५ | ६३० |
| ७.३.४ | संवेदनशील क्षेत्र र नाकाहरूमा वन संरक्षण सम्बन्धी सचेतना कार्यक्रम (विद्यालयमा समेत) | प्याकेज | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |
| ७.४ | वन डढेलो नियन्त्रण | | | | | | | | | | | | ० | ० |
| ७.४.१ | वन डढेलो नियन्त्रण संजाल गठन तथा परिचालन | गोटा | ६ | ३०० | ६ | ३०० | ६ | ३०० | ६ | ३०० | ६ | ३०० | ३० | १५०० |
| ७.४.२ | अग्नि संवेदनशील सुचना केन्द्र स्थापना तथा संचालन | गोटा | | | २ | ४०० | २ | ४०० | | | | | ४ | ८०० |
| ७.४.३ | अग्नि रोधक सामाग्री खरिद तथा वितरण | सेट | १ | ३०० | १ | ३०० | १ | ३०० | | | | | ३ | ९०० |
| ७.४.४ | अग्नी रोधक सामाग्री व्यवस्थापन तथा संचालन तालिम | गोटा | ३ | १५० | ३ | १५० | ३ | १५० | १ | १५० | १ | १५० | ११ | ७५० |
| ७.४.५ | सेना प्रहरी नागरिक समाज संगको सहकार्यमा सहभागितामूलक वन डढेलो नियन्त्रण, व्यवस्थापन | जिल्ला | १ | ३०० | १ | ३०० | १ | ३०० | १ | ३०० | १ | ३०० | ५ | १५०० |
| ७.४.६ | अग्नि रेखा तथा वन पथ निर्माण | कि.मि. | ५ | ७५० | ५ | ७५० | ५ | ७५० | ५ | ७५० | ५ | ७५० | २५ | ३७५० |
| ७.४.७ | अग्निरेखा नियमित सरसफाई तथा स्तरोन्नती | प्याकेज | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | ५ | १००० |
| ७.४.८ | अग्नि नियन्त्रक स्वयंसेवक तथा सुराकी परिचालन | प्याकेज | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |

| सि.नं | कृयाकलापको नाम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | ५ वर्षको जम्मा | |
|---------|---|---------|-------------|------|--------|------|--------|------|--------|------|--------|------|----------------|------|
| | | | ७५।७६ | | ७६।७७ | | ७७।७८ | | ७८।७९ | | ७९।८० | | परिमाण | बजेट |
| | | | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | | |
| ७.५ | चरीचरण नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन | | | | | | | | | | | | | |
| ७.५.१ | चरीचरण नियन्त्रण तथा व्यवस्थापन अर्न्तकृया गोष्ठी | गोटा | ४ | १२० | ४ | १२० | २ | ६० | | | | | १० | ३०० |
| ७.५.२ | पूर्ण चरीचरण नियन्त्रण हुने क्षेत्रहरूको तथ्यांक तयारी तथा अद्यावधिक | गोटा | १ | ५० | १ | २० | १ | २० | १ | २० | १ | २० | ५ | १३० |
| ७.५.३ | चरीचरण मुक्त क्षेत्रहरूको घोषणा | गोटा | १ | २५ | ३ | ७५ | ३ | ७५ | १ | २५ | १ | २५ | ९ | २२५ |
| ७.५.४ | उत्कृष्ट चरीचरण नियन्त्रण क्षेत्रहरूलाई पुरस्कार | पटक | | | १ | १५ | | | १ | १५ | | | २ | ३० |
| ७.६ | जैविक विविधता संरक्षण कार्यक्रम | | | | | | | | | | | | ० | ० |
| ७.६.१ | वनस्पति संरक्षण तथा व्यवस्थापन | | | | | | | | | | | | ० | ० |
| ७.६.१.१ | लोपोन्मुख प्रजातिको प्राकृतिक वासस्थान संरक्षण (विजयसाल, सतिसाल, बाभी, चिउरी आदि) | प्याकेज | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |
| ७.६.१.२ | बाउन्नकोटी सामुदायिक वनमा रहेको टिक वन विउ बगैँचाको व्यवस्थापन | प्याकेज | १ | ३० | १ | ३० | १ | ३० | १ | ३० | १ | ३० | ५ | १५० |
| ७.६.१.३ | शंकरनगर सामुदायिक वनमा रहेको सिमल वन विउ बगैँचाको व्यवस्थापन | प्याकेज | १ | ३० | १ | ३० | १ | ३० | १ | ३० | १ | ३० | ५ | १५० |
| ७.६.१.४ | चारपाला सामुदायिक वनमा रहेको विजयसाल र राजवृक्षको वंशाणु संरक्षण तथा व्यवस्थापन | प्याकेज | १ | ३० | १ | ३० | १ | ३० | १ | ३० | १ | ३० | ५ | १५० |
| ७.६.१.५ | जामुन, अर्जुन, खमारी, बकैनो, बडहर जस्ता स्थानीय माग भएका प्रजातिको विउ बगैँचा स्थापना, संरक्षण र व्यवस्थापन | प्याकेज | | | ५ | ५०० | ५ | १०० | ५ | १०० | ५ | १०० | २० | ८०० |
| ७.६.२ | वन्यजन्तु संरक्षण तथा व्यवस्थापन | | | | | | | | | | | | ० | ० |
| ७.६.२.१ | लुम्बिनी क्षेत्रमा रहेको निलगाई संरक्षण | प्याकेज | १ | ७० | १ | ७० | १ | ७० | १ | ७० | १ | ७० | ५ | ३५० |
| ७.६.२.२ | गैडहवा ताल क्षेत्रमा गिद्धको वासस्थान संरक्षण, जटायु रेप्टरेण्ट सञ्चालन तथा विकास | प्याकेज | १ | १५० | १ | १७० | १ | २०० | १ | २३० | १ | २५० | ५ | १००० |
| ७.६.२.३ | देवदह क्षेत्रमा गिद्धको वासस्थान संरक्षण | प्याकेज | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | ५ | २५० |

| सि.नं | कृयाकलापको नाम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | ५ वर्षको जम्मा | |
|---------|---|---|-------------|------|--------|------|--------|------|--------|------|--------|------|----------------|-------|
| | | | ७५।७६ | | ७६।७७ | | ७७।७८ | | ७८।७९ | | ७९।८० | | परिमाण | बजेट |
| | | | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | | |
| ७.६.२.४ | सारस संरक्षण कार्यक्रम | प्याकेज | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | ५ | २५० |
| ७.६.२.५ | बाघ तथा यसको आहारा प्रजातिको वासस्थान सुधार | प्याकेज | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |
| ७.६.२.६ | घाइते तथा समस्याग्रस्त वन्यजन्तुको उद्धार | प्याकेज | १ | १५० | १ | १५० | १ | १५० | १ | १५० | १ | १५० | ५ | ७५० |
| ७.६.२.७ | शंकरनगर सामुदायिक वनको वन विहार खण्डमा रहेका वन्यजन्तुहरूको आहारा उपलब्ध गराउन सहयोग | प्याकेज | १ | ५०० | १ | ५०० | १ | ५०० | १ | ५०० | १ | ५०० | ५ | २५०० |
| ७.६.३ | जडिबुटी संरक्षण तथा विस्तार | | | | | | | | | | | | ० | ० |
| ७.६.३.१ | जिल्लाको जडिबुटी पहिचान तथा श्रोत नक्शाकन | प्याकेज | | | १ | १०० | | | | | | | १ | १०० |
| ७.६.३.२ | प्राकृतिक जडिबुटीको संरक्षण, विकास र व्यवस्थापन | प्याकेज | | | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | ४ | २०० |
| ७.६.३.३ | जडिबुटी प्रजातिको खेती विस्तार | प्याकेज | | | १ | ३०० | १ | ३०० | १ | ३०० | १ | ३०० | ४ | १२०० |
| ७.६.४ | सिमसार क्षेत्र व्यवस्थापन | | | | | | | | | | | | ० | ० |
| ७.६.४.१ | सिमसार क्षेत्र पहिचान र वर्गीकरण | पटक | | | १ | १०० | | | | | | | १ | १०० |
| ७.६.४.२ | महत्वपूर्ण सिमसार क्षेत्रको जैविक विविधता अभिलेखीकरण | गोटा | | | | | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ३ | ३०० |
| ७.६.४.३ | सिमसार क्षेत्रको संरक्षण तथा सौन्दर्यीकरण | प्याकेज | १ | ३०० | १ | ३०० | १ | ३०० | १ | ३०० | १ | ३०० | ५ | १५०० |
| ७.६.४.४ | चुरे क्षेत्रमा पोखरी निर्माण | गोटा | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | ५ | १००० |
| ७.७ | वन संरक्षणमा उत्कृष्ट कार्य गर्ने वन कर्मचारी तथा सुरक्षाकर्मीलाई पुरस्कार र प्रमाणपत्र | पटक | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | ५ | २५० |
| | वन संरक्षण कार्यक्रमतर्फको जम्मा | | ९९ | ७२३५ | ११५ | ९६९० | १३७ | ९५८५ | १३२ | ९४०० | १३२ | ९८९५ | ६१५ | ४५८०५ |
| ८ | प्राकृतिक पुनरुत्पादन कार्यक्रम | यसका कृयाकलापहरू यस माथिको सि.नं १,२, ३ र ७ का विभिन्न कार्यक्रमहरूमा समेटिएको हुदा दोहोरोपन हटाउने कारण यहा बजेट तथा कार्यक्रम लक्ष्य नराखिएको | | | | | | | | | | | | |
| ९ | कृतिम पुनरुत्पादन कार्यक्रम (४.४.५ सँग सम्बन्धित) | | | | | | | | | | | | | |
| ९.१ | नर्सरी निर्माण तथा सन्चालन | | | | | | | | | | | | | |

| सि.नं | कृयाकलापको नाम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | ५ वर्षको जम्मा | |
|-------|---|--------|-------------|-------|--------|-------|--------|-------|--------|-------|--------|-------|----------------|-------|
| | | | ७५।७६ | | ७६।७७ | | ७७।७८ | | ७८।७९ | | ७९।८० | | परिमाण | बजेट |
| | | | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | | |
| ९.१.२ | नर्सरी निर्माण (एक तथा बहु वर्षे विरूवाका लागी) | गोटा | २ | ८०० | १ | ४०० | | | | | | | ३ | १२०० |
| ९.१.३ | नर्सरी मर्मत तथा स्तर सुधार | गोटा | ६ | ३०० | ६ | ३०० | ६ | ३०० | ६ | ३०० | ६ | ३०० | ३० | १५०० |
| ९.१.४ | वनजन्य विरूवा उत्पादन तथा खरिद (गोटा) | हजार | ६०० | ४८०० | १००० | ८००० | १००० | ८००० | १००० | ८००० | १००० | ८००० | ४६०० | ३६८०० |
| ९.१.५ | विरूवा उत्पादन र खरिद (दुई वर्षसम्मको विरूवा) (गोटा) | हजार | ४० | २४०० | ४० | २४०० | ४० | २४०० | ४० | २४०० | ४० | २४०० | २०० | १२००० |
| ९.१.६ | विरूवा उत्पादन र खरिद (तीन वर्षसम्मको विरूवा) (गोटा) | हजार | | | २० | २००० | २० | २००० | २० | २००० | २० | २००० | ८० | ८००० |
| ९.१.७ | बास विरूवा उत्पादन/खरिद (कटिंग) (गोटा) | हजार | १० | ५०० | १० | ५५० | १० | ६०० | १० | ७०० | १० | ७०० | ५० | ३०५० |
| ९.१.८ | विरूवा उत्पादन अनुदान (सा.व.उ.स.लाई) (टिक विरूवा सहित) | हजार | ५० | २५० | ५० | २५० | ५० | २७० | ५० | २७० | ५० | ३०० | २५० | १३४० |
| ९.१.९ | निजी कृषकसंग विरूवा खरिद | हजार | १०० | ८०० | १०० | ८०० | १०० | ८०० | १०० | ८०० | १०० | ८०० | ५०० | ४००० |
| ९.२ | विरूवा वितरण तथा वृक्षरोपण | | | | | | | | | | | | | |
| ९.२.१ | विरूवा वितरण, निजी, सामुदायिक तथा सार्वजनिक क्षेत्रमा (दुवानी आफ्नै खर्चमा) | हजार | २०० | ० | ६०० | ० | ६०० | ० | ६०० | ० | ६०० | ० | २६०० | ० |
| ९.२.२ | विरूवा वितरण निजी, सार्वजनिक क्षेत्रमा (दुवानी अनुदान) | हजार | १०० | ३०० | १०० | ३०० | १०० | ३०० | १०० | ३०० | १०० | ३०० | ५०० | १५०० |
| ९.२.३ | सार्वजनिक जग्गामा तारवार सहित वृक्षरोपण | हेक्टर | २० | १२०० | २० | १२०० | २० | १२५० | २० | १३०० | २० | १३५० | १०० | ६३०० |
| ९.२.४ | अतिक्रमण हटाएको क्षेत्रमा तारवार सहित वृक्षरोपण | हेक्टर | २० | | २० | | २० | | २० | | २० | | १०० | ० |
| ९.२.५ | आयोजना परियोजनाको संभौता लगायत अन्य संघ संस्थाको सहयोगमा वृक्षरोपण | हेक्टर | १० | | १० | | १० | | १० | | १० | | ५० | ० |
| ९.२.६ | अन्य सरकारी खाली वन क्षेत्रमा गरिने वृक्षरोपण | हेक्टर | ५ | | ५ | | ५ | | ५ | | ५ | | २५ | ० |
| ९.३ | सडक, नहर किनार र नगर हरियाली वन कार्यक्रम | कि.मी. | २ | २०० | २ | २०० | २ | २०० | २ | २०० | २ | २०० | १० | १००० |
| | कृतिम पुर्नरूपादन कार्यक्रमको जम्मा | | ११६५ | ११५५० | १९८४ | १६४०० | १९८३ | १६१२० | १९८३ | १६२७० | १९८३ | १६३५० | ९०९८ | ७६६९० |
| १० | सार्वजनिक तथा निजी वन प्रबर्धन सहयोग कार्यक्रम (४.४.६ सँग सम्बन्धित) | | | | | | | | | | | | | |

| सि.नं | कृषाकलापको नाम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | ५ वर्षको जम्मा | |
|---------|---|---------|-------------|------|--------|------|--------|------|--------|------|--------|------|----------------|-------|
| | | | ७५।७६ | | ७६।७७ | | ७७।७८ | | ७८।७९ | | ७९।८० | | परिमाण | बजेट |
| | | | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | | |
| १०.१ | निजी तथा कृषि वन विकास कार्यक्रम | | | | | | | | | | | | | |
| १०.१.१ | निजी वन विस्तार योजना तयारी | गोटा | १ | १०० | | | | | | | | | १ | १०० |
| १०.१.२ | स्थल छनौट तथा रोपणमा सहजीकरण | प्याकेज | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | ५ | १००० |
| १०.१.३ | रोपण पश्चात्का प्राविधिक सहयोग | प्याकेज | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | ५ | २५० |
| १०.१.४ | अधिल्लो वर्षको वृक्षरोपण अनुगमन | प्याकेज | १ | ३० | १ | ३० | १ | ३० | १ | ३० | १ | ३० | ५ | १५० |
| १०.१.५ | अधिल्लो वर्षको विरूवा संरक्षण तथा व्यवस्थापन अनुदान | प्याकेज | १ | ९० | १ | ९० | १ | ९० | १ | ९० | १ | ९० | ५ | ४५० |
| १०.१.६ | नीजि वन संजाल निर्माण र क्षमताअभिवृद्धि | प्याकेज | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | ५ | २५० |
| १०.१.७ | नीजि वन प्रोत्साहन पुरस्कार | पटक | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |
| १०.१.८ | नीजि वन दर्ता सहजीकरण योजना तयारी | गोटा | १० | १०० | १० | १०० | १० | १०० | १० | १०० | १० | १०० | ५० | ५०० |
| १०.१.९ | एक घर एक मिनि बगैचा कार्यक्रम | गा.पा | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |
| १०.१.१० | कृषि वन प्रवर्द्धन कार्यक्रम | प्याकेज | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |
| १०.१.११ | नीजि तथा कृषि वन नमुना गाउ घोषणा | गोटा | | | १ | १५ | २ | ३० | ३ | ४५ | ३ | ४५ | ९ | १३५ |
| १०.२ | सार्वजनिक जग्गा विकास तथा व्यवस्थापन कार्यक्रम | | | | | | | | | | | | | |
| १०.२.१ | सार्वजनिक जग्गाको तथ्यांक संकलन | गापा | १० | १०० | १० | १०० | १० | १०० | १० | १०० | १० | १०० | ५० | ५०० |
| १०.२.२ | समुह गठन, कार्ययोजना तयारी र समुह परिचालन | समुह | १० | ५० | १० | ५० | १० | ५० | १० | ५० | १० | ५० | ५० | २५० |
| १०.२.३ | आयमुलक कार्यक्रम | समुह | ५ | ५०० | ५ | ५०० | ५ | ५०० | ५ | ५०० | ५ | ५०० | २५ | २५०० |
| १०.२.४ | अन्तर समुह सन्जाल निर्माण र परिचालन | समुह | | | १ | १०० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | ४ | २५० |
| १०.२.५ | वन, वातावरण तथा प्राकृतिक श्रोत चेतनामुलक प्रशिक्षण | गोटा | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |
| १०.३ | नीजि तथा सार्वजनिक वन विकासमा सामाजिक परिचालन प्रति स्थानीय तह १ जनाको दरले | जना | १६ | १६०० | १६ | १६०० | १६ | १६०० | १६ | १६०० | १६ | १६०० | ८० | ८००० |
| | नीजि तथा सार्वजनिक वन विकास कार्यक्रमको जम्मा | | ६१ | ३२७० | ६२ | ३२८५ | ६३ | ३२५० | ६४ | ३२६५ | ६४ | ३२६५ | ३१४ | १६३३५ |
| ११ | उद्यम विकास तथा जीविकोपार्जन सहयोग कार्यक्रम | | | | | | | | | | | | | |

| सि.नं | कृयाकलापको नाम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | ५ वर्षको जम्मा | |
|--------|---|---------|-------------|-------|--------|------|--------|------|--------|------|--------|------|----------------|-------|
| | | | ७५।७६ | | ७६।७७ | | ७७।७८ | | ७८।७९ | | ७९।८० | | परिमाण | बजेट |
| | | | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | | |
| ११.१ | उच्चम विकास सहयोग | | | | | | | | | | | | | |
| ११.१.१ | वन पैदावारमा आधारित उच्चम स्थापना/संचालन सहयोग | प्याकेज | ४ | ८०० | ४ | ८०० | ४ | ८०० | ४ | ८०० | ४ | ८०० | २० | ४००० |
| ११.१.२ | उच्चमी कृषकलाई नर्सरी एवं वृक्षरोपणमा व्यवसायीक वन्न क्षमता विकास अनुशिक्षण | पटक | ५ | ३०० | ५ | ३०० | ५ | ३०० | ५ | ३०० | ५ | ३०० | २५ | १५०० |
| ११.२ | जीविकोपार्जन सहयोग | | | | | | | | | | | | | |
| ११.२.१ | स्थानिय वन समुहलाई जिविकोपार्जन सुधार योजना तयारीमा सहयोग | समुह | ६ | ३६ | ६ | ३६ | ६ | ३६ | ६ | ३६ | ६ | ३६ | ३० | १८० |
| ११.२.२ | जिविकोपार्जन सुधार योजना कार्यान्वयनमा सहयोग | परिवार | २० | १००० | २० | १००० | २० | १००० | २० | १००० | २० | १००० | १०० | ५००० |
| | उच्चम विकास तथा जीविकोपार्जन सहयोग कार्यक्रमतर्फको जम्मा | | ३५ | २१३६ | ३५ | २१३६ | ३५ | २१३६ | ३५ | २१३६ | ३५ | २१३६ | १७५ | १०६८० |
| १२ | विशेष आयमुलक कार्यक्रम | प्याकेज | १ | ५०० | १ | ५०० | १ | ५०० | १ | ५०० | १ | ५०० | ५ | २५०० |
| १३ | ऐतिहासिक, धार्मिक, पुरातात्विक तथा पर्यटकीय दृष्टिले महत्वपूर्ण क्षेत्रको संरक्षण तथा विकास (४.४.७ संग सम्बन्धित) | | | | | | | | | | | | | |
| १३.१ | देवदहको दह संरक्षण तथा व्यवस्थापन | प्याकेज | | | १ | ३०० | | | | | | | १ | ३०० |
| १३.२ | बुद्धको मावली गाउमा रहेको पाकरी वृक्ष तथा सो क्षेत्रको संरक्षण | प्याकेज | | | १ | २०० | | | | | | | १ | २०० |
| १३.३ | समयमाई सामुदायिक वनमा रहेको गजेडी तालको व्यवस्थापन तथा सौन्दर्यीकरण | प्याकेज | १ | ५००० | | | | | | | | | १ | ५००० |
| १३.४ | धार्मिक वन विकास तथा व्यवस्थापन | प्याकेज | १ | २०० | १ | २०० | १ | २५० | १ | २५० | १ | २५० | ५ | ११५० |
| १३.५ | सामुदायिक वनभित्र पर्यापर्यटन विकासको लागि उद्यान निर्माण तथा वातावरणमैत्री पुर्वाधार विकास | प्याकेज | ५ | ५००० | ५ | ५००० | ५ | ५००० | ५ | ५००० | ५ | ५००० | २५ | २५००० |
| | ऐतिहासिक, धार्मिक तर्फको जम्मा | | १ | १०२०० | ८ | ५७०० | ६ | ५२५० | ६ | ५२५० | ६ | ५२५० | ३३ | ३१६५० |
| १४ | भू तथा जलाधार संरक्षण कार्यक्रम (४.४.८ संग सम्बन्धित) | | | | | | | | | | | | | |
| १४.१ | उपल्लो तटीय क्षेत्रको संरक्षण | | | | | | | | | | | | | |
| १४.१.१ | संवेदनशील क्षेत्रको पुर्नरूपादन संरक्षण | हेक्टर | १० | १०० | १० | १०० | १० | १०० | १० | १०० | १० | १०० | ५० | ५०० |
| १४.१.२ | वायोइन्जिनियरीग गल्छी । खोल्सी संरक्षण | गोटा | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |

| सि.नं | कृष्याकलापको नाम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | ५ वर्षको जम्मा | |
|--------|---|---------|-------------|------|--------|------|--------|------|--------|------|--------|------|----------------|------|
| | | | ७५।७६ | | ७६।७७ | | ७७।७८ | | ७८।७९ | | ७९।८० | | परिमाण | बजेट |
| | | | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | | |
| १४.१.३ | कृषि वन तथा संरक्षण खेती | हेक्टर | ५ | २५० | ५ | २५० | ५ | २५० | ५ | २५० | ५ | २५० | २५ | १२५० |
| १४.२ | तल्लोतटीय क्षेत्रको संरक्षण | | | | | | | | | | | | | |
| १४.२.१ | नदी उकास जग्गामा वृक्षरोपण | हेक्टर | ५ | ५०० | ५ | ५०० | ५ | ५०० | ५ | ५०० | ५ | ५०० | २५ | २५०० |
| १४.२.२ | वायोइन्जिनियरींग खोला किनारा संरक्षण | कि.मी. | २ | २०० | २ | २०० | २ | २०० | २ | २०० | २ | २०० | १० | १००० |
| | भू तथा जलाधार संरक्षण तर्फको जम्मा | | २३ | ११५० | २३ | ११५० | २३ | ११५० | २३ | ११५० | २३ | ११५० | ११५ | ५७५० |
| १५ | वनमा चाप घटाउन बैकल्पिक उर्जा प्रबर्धनमा सहयोग (४.४.९ संग सम्बन्धित) | | | | | | | | | | | | | |
| १५.१ | गोबर ग्यास निर्माण सहयोग | परिवार | २५ | २५० | २५ | २५० | २५ | २५० | २५ | २५० | २५ | २५० | १२५ | १२५० |
| १५.२ | उन्नत चुल्हो निर्माण सहयोग | गोटा | १०० | ५० | १०० | ५० | १०० | ५० | १०० | ५० | १०० | ५० | ५०० | २५० |
| १५.३ | ब्रिकेट बनाउन तालिम तथा मेशिन राख्न सहयोग | प्याकेज | १ | ३०० | | | | | | | १ | ३०० | २ | ६०० |
| १५.४ | ब्रिकेट बजारीकरणमा सहयोग | प्याकेज | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | ५ | २५० |
| १५.५ | सौर्य उर्जा सहयोग | परिवार | २० | १०० | २० | १०० | २० | १०० | २० | १०० | २० | १०० | १०० | ५०० |
| १५.६ | स्थानीय श्रोत व्यक्ति उत्पादनमा सहयोग । तालिम | जना | २० | १०० | | | २० | १०० | | | २० | १०० | ६० | ३०० |
| | बैकल्पिक उर्जा कार्यक्रमतर्फको जम्मा | | १६७ | ८५० | १४६ | ४५० | १६६ | ५५० | १४६ | ४५० | १६७ | ८५० | ७९२ | ३१५० |
| १६ | प्रचार प्रसार कार्यक्रम (४.४.१० संग सम्बन्धित) | | | | | | | | | | | | | |
| १६.१ | वन डहेलो, वन संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन सम्बन्धी पम्पलेट प्रकाशन तथा वितरण | प्याकेज | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |
| १६.२ | वन संरक्षण तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी एफएम मार्फत सुचना सम्प्रेषण | प्याकेज | १ | १५० | १ | १५० | १ | १५० | १ | १५० | १ | १५० | ५ | ७५० |
| १६.३ | वन विकास तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी मेडिया अर्न्तकृत्या | प्याकेज | २ | १०० | २ | १०० | २ | १०० | २ | १०० | २ | १०० | १० | ५०० |
| १६.४ | वन विकास तथा व्यवस्थापन सम्बन्धी राजनितिक दल, नागरिक तथा पत्रकार विच अवलोकन भ्रमण | प्याकेज | २ | १२० | २ | १२० | २ | १२० | २ | १२० | २ | १२० | १० | ६०० |
| १६.५ | विभिन्न किसिमका होर्डिंग बोर्ड निर्माण | प्याकेज | १ | ७५ | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ४७५ |

| सि.नं | कृयाकलापको नाम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | ५ वर्षको जम्मा | |
|-------------|--|---------|-------------|-------------|-----------|-------------|-----------|-------------|-----------|-------------|-----------|-------------|----------------|-------------|
| | | | ७५।७६ | | ७६।७७ | | ७७।७८ | | ७८।७९ | | ७९।८० | | परिमाण | बजेट |
| | | | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | | |
| १६.६ | वन व्यवस्थापन कृयाकलापको डकुमेन्टी निर्माण तथा प्रसारण | प्याकेज | १ | १५० | १ | १५० | १ | १५० | १ | १५० | १ | १५० | ५ | ७५० |
| १६.७ | वन वातावरण सम्बन्धी स्कूल वन हरियाली कार्यक्रम | गोटा | १० | २०० | १० | २०० | १० | २०० | १० | २०० | १० | २०० | ५० | १००० |
| १६.९ | उत्कृष्ट कार्यहरूको संगालो प्रकाशन तथा वितरण | गोटा | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |
| १६.१० | वन महोत्सव, समारोह, दिवस | पटक | १ | ३० | १ | ३० | १ | ३० | १ | ४० | १ | ४० | ५ | १७० |
| १६.११ | वन्यजन्तु संरक्षण सम्बन्धी अर्न्तकृया | पटक | २ | ५० | २ | ५० | २ | ५० | २ | ५० | २ | ५० | १० | २५० |
| १६.१२ | स्थानीय वन समुहहरूको database कम्पाइल, अद्यावधिक, व्यवस्थापन र प्रकाशन | जिल्ला | १ | २०० | | | | | | | १ | २०० | २ | ४०० |
| १६.१३ | चुरे संरक्षण सम्बन्धी अन्तरकृया छुलफल | पटक | २ | ५० | २ | ५० | २ | ५० | २ | ५० | २ | ५० | १० | २५० |
| | प्रचार प्रसार कार्यक्रमतर्फको जम्मा | | २५ | १३२५ | २४ | ११५० | २४ | ११५० | २४ | ११६० | २५ | १३६० | १२२ | ६१४५ |
| १७ | जलवायु परिवर्तन व्यवस्थापन सहयोगी कार्यक्रम (४.४.१.२ संग सम्बन्धित) | | | | | | | | | | | | | |
| १७.१ | जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी सचेतना गोष्ठी र समुदाय अनुकुलन योजना तयारी | गोटा | ५ | १२५ | ५ | १२५ | ५ | १२५ | ५ | १२५ | ५ | १२५ | २५ | ६२५ |
| १७.२ | समुदाय जलवायु परिवर्तन अनुकुलन योजना कार्यान्वयनमा सहयोग | गोटा | ५ | २५० | ५ | २५० | ५ | २५० | ५ | २५० | ५ | २५० | २५ | १२५० |
| १७.३ | वातावरणीय सेवाको भुक्तानीको शुरुवात | प्याकेज | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |
| १७.४ | वातावरणीय अनुकुलन कार्यक्रम | प्याकेज | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |
| | जलवायु परिवर्तन व्यवस्थापन कार्यक्रमको जम्मा | | १२ | ५७५ | १२ | ५७५ | १२ | ५७५ | १२ | ५७५ | १२ | ५७५ | ६० | २८७५ |
| १८ | भौतिक पूर्वाधार विकास तथा उपकरण खरिद | | | | | | | | | | | | | |
| १८.१ | भौतिक पूर्वाधार निर्माण | | | | | | | | | | | | | |
| १८.१.१ | संस्थागत पुर्नसंरचना अनुरूप इलाका वन कार्यालय भवन निर्माण | गोटा | | | १ | ३००० | १ | ३००० | १ | ३००० | १ | ३००० | ४ | १२००० |
| १८.१.२ | जिल्ला वन कार्यालय भवन निर्माण | गोटा | | | | | १ | ३००० | | | | | १ | ३००० |
| १८.१.३ | भवन मर्मत | प्याकेज | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |

| सि.नं | कृयाकलापको नाम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | ५ वर्षको जम्मा | |
|-------------|---|---------|-------------|------------|-----------|-------------|-----------|-------------|----------|-------------|----------|-------------|----------------|--------------|
| | | | ७५।७६ | | ७६।७७ | | ७७।७८ | | ७८।७९ | | ७९।८० | | परिमाण | बजेट |
| | | | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | | |
| १८.१.४ | कम्पाउन्डवाल निर्माण र मर्मत | प्याकेज | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | १ | २०० | ५ | १००० |
| १८.२ | भौतिक सामग्री तथा उपकरण खरिद | | | | | | | | | | | | | |
| १८.२.१ | मोटर साइकल खरिद (पुनर्संरचना अनुरूप प्रति सब डिभिजन १ गोटाको दरले) | गोटा | | | ६ | १५०० | | | | | | | ६ | १५०० |
| १८.२.२ | वन व्यवस्थापन औजार खरिद (पुनर्संरचना अनुरूप प्रति सबडिभिजन १ गोटाको दरले) | सेट | | | ३ | ४५० | ३ | ४५० | | | | | ६ | ९०० |
| १८.२.३ | कम्प्युटर, प्रिन्टर (पुनर्संरचना अनुरूप प्रति सब डिभिजन १ गोटाको दरले) | प्याकेज | | | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ४ | ४०० |
| १८.२.४ | वन सर्वेक्षण सामग्री खरिद (पुनर्संरचना अनुरूप प्रति सबडिभिजन १ गोटाको दरले) | सेट | | | ३ | २४० | ३ | २४० | | | | | ६ | ४८० |
| | भौतिक पुर्वाधार विकास तथा उपकरण खरिद तर्फको जम्मा | | २ | ३०० | १६ | ५५९० | ११ | ७०९० | ४ | ३४०० | ४ | ३४०० | ३७ | १९७८० |
| १९ | मानव शंसाधन तथा क्षमता विकास | | | | | | | | | | | | | |
| १९.१ | वन मापन तालिम | पटक | २ | १०० | | | २ | १०० | | | २ | १०० | ६ | ३०० |
| १९.२ | जलवायु परिवर्तन तथा रेड अभिमुखीकरण | पटक | १ | ५० | | | १ | ५० | | | १ | ५० | ३ | १५० |
| १९.३ | वन कार्वन मापन तालिम | पटक | | | १ | १५० | | | १ | १५० | | | २ | ३०० |
| १९.४ | कानुनी कार्यविधि तालिम | पटक | १ | ५० | | | १ | ५० | | | १ | ५० | ३ | १५० |
| १९.५ | जलवायु परिवर्तनको प्रभावसंग जुध्न अनुकूलन हुने गरी सा.व.को कार्ययोजना परिमार्जन सम्बन्धी अभिमुखीकरण | पटक | १ | ४० | १ | ४० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ५० | ५ | २३० |
| १९.६ | बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन तालिम | पटक | १ | १५० | | | १ | १५० | | | १ | १५० | ३ | ४५० |
| १९.७ | जिपिएस जिआइएस तालिम | पटक | | | १ | १५० | | | १ | १५० | | | २ | ३०० |
| १९.८ | टिम विल्डिंग गोष्ठी | पटक | १ | २५० | १ | २५० | १ | २५० | १ | ३०० | १ | ३०० | ५ | १३५० |
| १९.९ | मानव वन्यजन्तु द्वन्द न्युनिकरण सम्बन्धी अभिमुखीकरण | पटक | १ | ५० | १ | ५० | १ | ६० | १ | ६० | १ | ६० | ५ | २८० |
| १९.१० | अध्ययन अवलोकन भ्रमण (कर्मचारी) | पटक | १ | २५० | १ | २५० | १ | २५० | १ | २५० | १ | २५० | ५ | १२५० |

| सि.नं | कृयाकलापको नाम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | ५ वर्षको जम्मा | |
|-------|---|---------|-------------|------|--------|------|--------|------|--------|------|--------|------|----------------|------|
| | | | ७५।७६ | | ७६।७७ | | ७७।७८ | | ७८।७९ | | ७९।८० | | परिमाण | बजेट |
| | | | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | | |
| | मानव शंसाधन तथा क्षमता विकासतर्फको जम्मा | | ९ | ९४० | ६ | ८९० | ९ | ९६० | ६ | ९६० | ९ | १०१० | ३९ | ४७६० |
| २० | मानव बन्वजन्तु द्वन्द न्यूनीकरण सहयोग कार्यक्रम | | | | | | | | | | | | | |
| २०.१ | मानव बन्वजन्तु र पर्यावरणबारे अभिमुखीकरण | गोटा | ५ | १०० | ५ | १०० | ५ | १०० | ५ | १०० | ५ | १०० | २५ | ५०० |
| २०.२ | बन्वजन्तुबाट हुने क्षति न्यूनीकरण सम्बन्धी प्रविधी हस्तान्तरण | प्याकेज | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |
| २०.३ | बन्वजन्तुबाट हुने क्षतिको राहत | प्याकेज | १ | ४०० | १ | ४०० | १ | ४०० | १ | ४०० | १ | ४०० | ५ | २००० |
| | मानव बन्वजन्तु द्वन्द न्यूनीकरण सहयोग कार्यक्रम | | ७ | ६०० | ७ | ६०० | ७ | ६०० | ७ | ६०० | ७ | ६०० | ३५ | ३००० |
| २१ | कार्यक्रम संचालन, समन्वय र अनुगमन | | | | | | | | | | | | | |
| २१.१ | जिल्ला वन समन्वय समिति बैठक | गोटा | ४ | १६० | ४ | १६० | ४ | २०० | ४ | २०० | ४ | २०० | २० | ९२० |
| २१.२ | जिल्ला स्तरीय योजना तर्जुमा गोष्ठी | जिल्ला | १ | ४० | १ | ५० | १ | ५० | १ | ६० | १ | ६० | ५ | २६० |
| २१.३ | वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन, जिविकोपार्जन र शुसाशन सम्बन्धी अभिमुखीकरण (इलाका र जिल्लास्तर) | पटक | ३ | १२० | ३ | १२० | ३ | १२० | ३ | १२० | ३ | १२० | १५ | ६०० |
| २१.४ | चौमासिक सिकाइ आदान प्रदान गोष्ठी | पटक | ३ | ९० | ३ | ९० | ३ | ९० | ३ | ९० | ३ | ९० | १५ | ४५० |
| २१.५ | जि.व.का.को मासिक स्टाफ बैठक | पटक | १२ | ६० | १२ | ६० | १२ | ६० | १२ | ६० | १२ | ६० | ६० | ३०० |
| २१.६ | सुरक्षा निकाय विच समन्वय बैठक (जिल्ला स्तर) | पटक | ३ | ६० | ३ | ६० | ३ | ६० | ३ | ६० | ३ | ६० | १५ | ३०० |
| २१.७ | सुरक्षा निकाय विच समन्वय बैठक (सब डिभिजन स्तर) | पटक | १२ | १२० | १२ | १२० | १२ | १२० | १२ | १२० | १२ | १२० | ६० | ६०० |
| २१.८ | अन्तर जिल्ला वन संरक्षण समन्वय बैठक | पटक | ३ | ६० | ३ | ६० | ३ | ६० | ३ | ६० | ३ | ६० | १५ | ३०० |
| २१.९ | चुरे संरक्षणको लागि समन्वय बैठक | पटक | ३ | ६० | ३ | ६० | ३ | ६० | ३ | ६० | ३ | ६० | १५ | ३०० |
| २१.१० | कार्यक्रम तथा नियमित अनुगमन | ल.स. | १ | ४०० | १ | ५०० | १ | ५५० | १ | ६०० | १ | ७०० | ५ | २७५० |
| | कार्यक्रम संचालन तथा समन्वय तर्फको जम्मा | | ४५ | ११७० | ४५ | १२८० | ४५ | १३७० | ४५ | १४३० | ४५ | १५३० | २२५ | ६७८० |

| सि.नं | कृयाकलापको नाम | इकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | ५ वर्षको जम्मा | |
|-------|---|-------|-------------|-------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|--------|----------------|--------|
| | | | ७५।७६ | | ७६।७७ | | ७७।७८ | | ७८।७९ | | ७९।८० | | परिमाण | बजेट |
| | | | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | | |
| २२ | योजना निर्माण तथा अनुकरणीय सिर्जनशिल कार्य | | | | | | | | | | | | | |
| २२.१ | जिल्लाको वन क्षेत्र योजना परिमार्जन | गोटा | | | १ | २०० | | | | | | | १ | २०० |
| २२.२ | इलाका स्तरिय दिर्घकालिन योजना तयारी | इलाका | १ | ५० | २ | १०० | ४ | २०० | ३ | १५० | २ | १०० | १२ | ६०० |
| २२.३ | इलाका स्तरिय प्रोफाइल तयारी तथा अपडेट | इलाका | २ | १५० | २ | १५० | ३ | २२५ | ३ | २२५ | २ | १५० | १२ | ९०० |
| २२.४ | एक जिल्ला एक नविन कार्यक्रम | गोटा | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | १ | १०० | ५ | ५०० |
| २२.५ | बैज्ञानिक वन व्यवस्थापन श्रोत केन्द्र स्थापना | गोटा | | | १ | ५०० | | | | | | | १ | ५०० |
| | योजना तथा सिर्जनशिल कार्यको जम्मा | | ४ | ३०० | ७ | १०५० | ८ | ५२५ | ७ | ४७५ | ५ | ३५० | ३१ | २७०० |
| | कार्यक्रम तर्फको कुल जम्मा | | २५०२ | ९३१४७ | ३३७२ | १०३२३३ | ३४११ | १०५५७९ | ३३९१ | १०४३२५ | ३३७४ | १०७१३६ | १६०५६ | ५१३४२० |

अनुसूची २.२ : आगामी ५ वर्षको लागी प्रस्तावित तलव तथा अन्य चालु खर्च अन्तरगतको बजेट

| खर्च संकेत | खर्च शीर्षक | ईकाई | आर्थिक वर्ष | | | | | | | | | | ५ वर्षको जम्मा | |
|-------------------|--|-------|-------------|-------|--------|-------|--------|-------|--------|-------|--------|-------|----------------|--------|
| | | | ७५।७६ | | ७६।७७ | | ७७।७८ | | ७८।७९ | | ७९।८० | | परिमाण | बजेट |
| | | | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | परिमाण | बजेट | | |
| २११११ | तलव | जना | १२० | ४८००० | १२० | ५०००० | १२० | ५०००० | १२० | ५०५०० | १२० | ५१००० | ६०० | २४९५०० |
| २१११३ | महगी भत्ता | जना | १२० | ३१२० | १२० | ३१२० | १२० | ३१२० | १२० | ३१२० | १२० | ३१२० | ६०० | १५६०० |
| २१११९ | अन्य भत्ता | लस | | ३५ | | ४० | | ४५ | | ५० | | ५५ | ० | २२५ |
| २११२१ | पोशाक | जना | १२० | ९०० | १२० | ९०० | १२० | ९०० | १२० | ९०० | १२० | ९०० | ६०० | ४५०० |
| २११२२ | खाद्यान्न | जना | १२० | ५०४० | १२० | ५२९२ | १२० | ५५५७ | १२० | ५८३४ | १२० | ६१२६ | ६०० | २७८४९२ |
| २२१११ | पानी तथा विजुली | वटा | १० | १०० | १० | ११० | १० | १३० | १० | १३५ | १० | १४० | ५० | ६१५ |
| २२११२ | संचार महसूल | लाईन | ४ | ११० | ४ | ११० | ४ | ११० | ४ | ११० | ४ | ११० | २० | ५५० |
| २२१२१ | घर भाडा | सख्या | ३ | २०० | ३ | २०० | ३ | २०० | | | | | ९ | ६०० |
| २२२११ | इन्धन तथा अन्य इन्धन | गाडी | ४ | ६५० | ४ | ६६० | ४ | ६८० | ४ | ७०० | ४ | ७२० | २० | ३४१० |
| २२२१२ | संचालन तथा मर्मत संभार | लस | | ३५० | | ३५० | | ३५० | | ३५० | | ४०० | ० | १८०० |
| २२२१३ | विमा | गाडी | ४ | ५० | ४ | ५० | ४ | ५० | ४ | ५० | ४ | ५० | २० | २५० |
| २२३११ | कार्यालय सम्बन्धी | सख्या | १५ | ४५० | १५ | ४५० | १५ | ४७५ | १५ | ४७५ | १५ | ५०० | ७५ | २३५० |
| २२३२१ | निर्मित सार्वजनिक सम्पत्तिको मर्मत संभार | वटा | १० | ३०० | १० | २०० | १० | २०० | १० | १५० | १० | २०० | ५० | १०५० |
| २२४११ | सेवा तथ परामर्श | जना | २ | २६० | २ | २८० | २ | ३०० | २ | ३२४ | २ | ३५० | १० | १५१४ |
| २२५२२ | कार्यक्रम खर्च | किसिम | २ | ४० | २ | ४० | २ | ४० | २ | ४० | २ | ४० | १० | २०० |
| २२६११ | अनुगमन मूल्यांकन | लस | | | | | | | | | | | | ० |
| २२६१२ | भ्रमण खर्च | लस | | ३०० | | ३०० | | ३०० | | ३०० | | ३०० | ० | १५०० |
| २२७११ | विविध खर्च | लस | | ३६ | | ४८ | | ६० | | ७२ | | ८४ | ० | ३०० |
| २६४११ | सरकारी निकाय, समिति निशर्त चालु अनुदान | लस | | १०० | | १२० | | १४० | | १५० | | १७० | ० | ६८० |
| चालु तर्फको जम्मा | | | | ६००४१ | | ६२२७० | | ६२६५७ | | ६३२६० | | ६४२६५ | | ३१२४९३ |

अनुसूची १.३ : आगामी ५ वर्षमा प्राप्त हुने राजश्व तथा आम्दानीको प्रक्षेपण

| सि.नं | आम्दानीका श्रोतहरू | आर्थिक वर्ष अनुसारको आम्दानी (रु हजारमा) | | | | | ५ वर्षको जम्मा |
|-------|--|--|---------------|---------------|---------------|---------------|----------------|
| | | ७५/७६ | ७६/७७ | ७७/७८ | ७८/७९ | ७९/८० | |
| १ | नेपाल सरकारलाई प्राप्त हुने राजश्व | | | | | | |
| १.१ | जिल्ला वन पैदावार आपूर्ति समिति मार्फत काठ दाउरा बिक्रीबाट | ४००० | ४१०० | ४२०० | ४३०० | ४४०० | २१००० |
| १.२ | साभेदारी वन, सरकारद्वारा व्यवस्थित वनबाट जिवकालाई प्राप्त भएका काठ दाउरा लिलाम बिक्री बाट | ३१६०० | ४०००० | ४०००० | ४०००० | ४०००० | १९१६०० |
| १.३ | नदीजन्य पदार्थ हुंगा, मिस्कट, बालुवाको बिक्री | ३००० | ३००० | ३००० | ३००० | ३००० | १५००० |
| १.४ | बोलपत्र बिक्री, दण्ड जरीवाना र अन्य वन क्षेत्रको आय | ४०० | ४०० | ४०० | ४०० | ४०० | २००० |
| १.५ | सा.व.बाट समूह बाहिर काठ बिक्री हुंदा प्राप्त वनपैदावर शुल्क | १५०० | १७०० | २००० | २५०० | २७०० | १०४०० |
| | राजश्वमा प्राप्त हुने कुल रकम | ४०५०० | ४९२०० | ४९६०० | ५०२०० | ५०५०० | २४०००० |
| २ | नेपाल सरकारलाई प्राप्त हुने मुल्य अभिवृद्धि कर | | | | | | |
| २.१ | साभेदारी वन, सरकारद्वारा व्यवस्थित वनबाट जिवकालाई प्राप्त भएका काठ दाउरा लिलाम बिक्री | १२०० | १२५० | १३०० | १३५० | १४०० | ६५०० |
| २.२ | जिल्ला वन पैदावार आपूर्ति समितिबाट काठ दाउरा बिक्री हुंदा | ५२० | ५३३ | ५४६ | ५५९ | ५७२ | २७३० |
| २.३ | सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहले काठ दाउराको बाह्य बिक्री गर्दा | २०४० | २१०० | २१३० | २१५० | २१७० | १०५९० |
| २.४ | निजी नम्बरी आवादीबाट काठ माल धनीले व्यापारिक प्रयोजनमा बिक्री गर्दा | १०३५ | १०३५ | १०३५ | १०३५ | १०३५ | ५१७५ |
| | प्राप्त हुने कुल मु.अ.कर रकम | ४७९५ | ४९१८ | ५०११ | ५०९४ | ५१७७ | २४९९५ |
| | नेपाल सरकारमा जाने कुल रकम (१ र २ को जम्मा) | ४५२९५ | ५४११८ | ५४६११ | ५५२९४ | ५५६७७ | २६४९९५ |
| ३ | जिल्ला वन पैदावार आपूर्ति समितिलाई काठ दाउरा बिक्री मार्फत हुने खुद मुनाफा | २५०० | ३००० | ३५०० | ३५०० | ४००० | १६५०० |
| ४ | साभेदारी वन समूहलाई काठ दाउराको आन्तरिक बिक्रीबाट प्राप्तहुने आम्दानी | ३५००० | ४०००० | ४०००० | ४०००० | ४०००० | १९५००० |
| ५ | सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहलाई काठ दाउराको बाह्य तथा आन्तरिक बिक्रीबाट प्राप्त हुने आम्दानी | ५५००० | ५६५०० | ५८००० | ६०००० | ६२००० | २९१५०० |
| | नेपाल सरकार बाहेक समिति तथा समूहहरूले प्राप्त गर्ने कुल रकम (३,४ र ५ को जम्मा) | ९२५०० | ९९५०० | १०१५०० | १०३५०० | १०६००० | ५०३००० |
| | कुल आम्दानी रकम | १३७७९५ | १५३६१८ | १५६१११ | १५८७९४ | १६१६७७ | ७६७९९५ |

अनुसुची १.४ : आगामी ५ वर्षमा प्राप्त हुने रोजगारीको प्रक्षेपण

| सि. नं | रोजगारीका कार्यक्रम तथा विषयगत क्षेत्र | वार्षिक औसत रोजगारी (श्रमदिन) | पाँच वर्षमा प्राप्त हुने रोजगारी (श्रमदिन) |
|--------|--|-------------------------------|--|
| १ | सरकारद्वारा व्यवस्थित वनमा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | ४०० | २००० |
| २ | सामुदायिक वनमा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | ३०००० | १५०००० |
| ३ | साभेदारी वनमा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | ४५००० | २२५००० |
| ४ | वन सदुपयोग र आपूर्तिमा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | ८१०० | ४०५०० |
| ५ | वन संरक्षण कार्यक्रममा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | ५५६० | २७८०० |
| ६ | कृतिम पुनरूत्पादन कार्यक्रममा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | १४३१२ | ७१५६० |
| ७ | नीजि तथा सार्वजनिक वन विकासमा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | १२४६ | ६२३० |
| ८ | उद्यम विकास तथा जीविकोपार्जन सहयोग कार्यक्रममा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | ८०० | ४००० |
| ९ | विशेष आयमुलक कार्यक्रममा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | ४०० | २००० |
| १० | ऐतिहासिक, धार्मिक क्षेत्र संरक्षणमा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | १६८ | ८४० |
| ११ | भू तथा जलाधार संरक्षणमा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | ६८० | ३४०० |
| १२ | वैकल्पिक उर्जा कार्यक्रममा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | ४१० | २०५० |
| १३ | प्रचार प्रसार कार्यक्रममा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | ४८० | २४०० |
| १४ | जलवायु परिवर्तन व्यवस्थापन कार्यक्रममा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | ३८० | १९०० |
| १५ | भौतिक पुर्वाधार विकासमा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | २८७० | १४३५० |
| १६ | मानव शंसाधन तथा क्षमता विकासमा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | ४५० | २२५० |
| १७ | मानव बन्धुजन्तु द्वन्द्व न्युनीकरण सहयोग कार्यक्रममा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | १३० | ६५० |
| १८ | कार्यक्रम संचालन तथा समन्वयमा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | ८५० | ४२५० |
| १९ | योजना तथा सिर्जनशिल कार्यमा हुने क्रियाकलाप संचालनबाट | ३४० | १७०० |
| | कुल जम्मा रोजगारी (श्रमदिनमा) | ११२५७६ | ५६२८८० |
| | कुल जम्मा रोजगारी (व्यक्ति संख्या पुर्णवर्षमा) | ५१० | २५५० |

अनुसुची ३ : पुर्व वन व्यवस्थापन कार्य योजनाको अवधिहरु खुलेको विवरण

| सि.नं. | कार्ययोजना | कार्ययोजना अवधी | कार्यान्वयन गर्ने निकाय | कैफियत |
|--------|------------|---------------------|------------------------------|----------------------------------|
| १ | प्रथम | २०२७ देखी २०३१ | लुम्बिनी वन डिभिजन | |
| २ | द्वितीय | २०३१ देखी २०३५ | लुम्बिनी वन डिभिजन | |
| ३ | तेश्रो | २०४५।४६ देखी ०४९।५० | जिल्ला वन कार्यालय रुपन्देही | |
| ४ | चौथो | २०५०।५१ देखी ०५४।५५ | जि.व.का. रुपन्देही | |
| ५ | पाँचौं | ०५५।५६ देखी ०५९।६० | जि.व.का. रुपन्देही | वन विभागबाट स्विकृत भई नआएको |
| ६ | ओएफएमपी | २०५२।५३ देखी ०५६।५७ | जि.व.का. रुपन्देही | पुर्ण रुपमा कार्यान्वयन नभएको |
| ७ | छैठौं | २०६०।६१ देखी ०६४।६५ | जि.व.का. रुपन्देही | |
| ८ | सातौं | ०६५।६६ देखी ०६९।७० | जि.व.का. रुपन्देही | |
| ९ | आठौं | ०७०।७१ देखी ०७४।७५ | जि.व.का. रुपन्देही | |

अनुसुची ४ : जिल्ला वन कार्यालय रुपन्देहीमा कार्यरत जिल्ला वन अधिकृतहरूको कार्यावधि

| क्र.सं. | जिल्ला वन अधिकृतको नाम | आएको मिति | गएको मिति |
|---------|-------------------------------|-----------|-----------|
| १ | श्री धुवराज भट्टराई | ०३३/७/१ | ०३७/३/३० |
| २ | श्री वि. दिपक प्रसाद उपाध्याय | ०३७/६/२ | ०३८/११/५ |
| ३ | श्री गोकुलराज पाण्डे | ०३८/१२/२६ | ०३९/९/२३ |
| ४ | श्री कन्हैया राज श्रेष्ठ | ०३९/१०/७ | ०४०/६/२० |
| ५ | श्री हिक्मत सिंह के.सी. | ०४०/११/१२ | ०४३/२/१५ |
| ६ | श्री श्रीनिवास खनाल | ०४३/२/१९ | ०४४/९/७ |
| ७ | श्री गणेश राय | ०४४/९/२९ | ०४७/४/१२ |
| ८ | श्री हरिहर सिग्देल | ०४७/४/२४ | ०४७/८/११ |
| ९ | श्री राजन कुमार पोखरेल | ०४७/९/३ | ०४८/३/३ |
| १० | श्री गोपाल कुमार श्रेष्ठ | ०४८/३/१० | ०५०/९/१५ |
| ११ | श्री कृष्णराज बाशुकला | ०५०/९/१५ | ०५१/४/२२ |
| १२ | श्री राज बहादुर राउत | ०५१/४/२३ | ०५३/६/२० |
| १३ | श्री यम बहादुर थापा | ०५३/६/२९ | ०५४/१०/२४ |
| १४ | श्री गोविन्द प्रसाद काफ्ले | ०५४/१०/२० | ०५५/६/९ |
| १५ | श्री गोपाल प्रसाद बासकोटा | ०५५/६/२१ | ०५६/९/२६ |
| १६ | श्री राजन कुमार पोखरेल | ०५६/१०/५ | ०६०/२/९ |
| १७ | श्री रामकृष्ण कार्की | ०६०/२/१० | ०६०/९/१ |
| १८ | श्री विशु बाबु तिवारी | ०६०/९/२ | ०६३/५/४ |
| १९ | श्री इमामुद्दिन अन्सारी | ०६३/४/२६ | ०६४/६/२० |
| २० | श्री यम बहादुर थापा | ०६४/६/२१ | ०६६/१/४ |
| २१ | श्री जीवन कुमार ठाकुर | ०६६/१/१३ | ०६६/११/९ |
| २२ | श्री शिव कुमार वाग्ले | ०६६/१०/१४ | ०६९/६/१८ |
| २३ | श्री दिपक ज्ञवाली | ०६९/६/२२ | ०७१/५/१२ |
| २४ | श्री इन्द्रबहादुर प्रछाई | ०७१/६/१२ | ०७३/६/३० |
| २५ | श्री रोमराज लामिछाने | ०७३/६/२८ | हालसम्म |

अनुसूची ५ : पुनरोत्पादन सर्वेक्षणको विवरण

(सरकारद्वारा व्यवस्थित वनको पुनरोत्पादन सर्वेक्षणको प्राथमिक तथ्यांक)

| प्लट नं. | विरुवा | | | | लाभ्रा | | | | कैफियत । क्षेत्र |
|----------|--------|-------|------|-------------|--------|-------|------|-------------|------------------|
| | साल | अस्ना | अन्य | जम्मा । हे. | साल | अस्ना | अन्य | जम्मा । हे. | |
| १ | ४ | १ | १ | ६००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| २ | ५ | ० | १ | ६००० | २ | ० | ० | ८०० | चुरे |
| ३ | ५ | ० | ० | ५००० | ० | १ | १ | ८०० | चुरे |
| ४ | २ | २ | १ | ५००० | २ | ० | ० | ८०० | चुरे |
| ५ | ४ | ० | १ | ५००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ६ | ३ | १ | २ | ६००० | ० | ० | १ | ४०० | चुरे |
| ७ | २ | २ | १ | ५००० | २ | ० | ० | ८०० | चुरे |
| ८ | ३ | ० | २ | ५००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ९ | ५ | १ | २ | ८००० | ० | ० | १ | ४०० | चुरे |
| १० | २ | १ | ० | ३००० | ० | ० | १ | ४०० | चुरे |
| ११ | ४ | ० | १ | ५००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| १२ | २ | ० | १ | ३००० | २ | ० | ० | ८०० | चुरे |
| १३ | ३ | २ | ० | ५००० | १ | १ | ० | ८०० | चुरे |
| १४ | ० | ० | २ | २००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| १५ | १ | १ | १ | ३००० | २ | ० | १ | १२०० | चुरे |
| १६ | ० | १ | ३ | ४००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| १७ | ४ | ० | १ | ५००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| १८ | ३ | १ | १ | ५००० | ० | ० | १ | ४०० | चुरे |
| १९ | १ | १ | २ | ४००० | ० | १ | ० | ४०० | चुरे |
| २० | २ | ० | १ | ३००० | १ | ० | १ | ८०० | चुरे |
| २१ | १ | ० | २ | ३००० | ० | ० | १ | ४०० | चुरे |
| २२ | २ | १ | १ | ४००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| २३ | १ | १ | २ | ४००० | २ | ० | ० | ८०० | चुरे |
| २४ | ६ | ० | १ | ७००० | ० | १ | ० | ४०० | चुरे |
| २५ | १ | १ | २ | ४००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| २६ | ४ | ० | १ | ५००० | ० | ० | १ | ४०० | चुरे |
| २७ | ५ | ० | १ | ६००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| २८ | १ | २ | २ | ५००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| २९ | ३ | ० | ३ | ६००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ३० | १ | ० | १ | २००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ३१ | ३ | ० | १ | ४००० | ० | ० | १ | ४०० | चुरे |
| ३२ | १ | ३ | ० | ४००० | २ | ० | ० | ८०० | चुरे |
| ३३ | ४ | ० | १ | ५००० | ० | १ | ० | ४०० | चुरे |
| ३४ | १ | ० | १ | २००० | ० | ० | १ | ४०० | चुरे |
| ३५ | ५ | १ | ० | ६००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ३६ | २ | ० | १ | ३००० | ० | १ | ० | ४०० | चुरे |
| ३७ | २ | १ | १ | ४००० | १ | ० | १ | ८०० | चुरे |
| ३८ | २ | १ | ० | ३००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ३९ | ४ | ० | २ | ६००० | ० | ० | ० | ० | चुरे |
| ४० | २ | १ | १ | ४००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |

| प्लट नं. | विरुवा | | | | लाभ्रा | | | | कैफियत । क्षेत्र |
|----------|--------|-------|------|-------------|--------|-------|------|-------------|------------------|
| | साल | अस्ना | अन्य | जम्मा । हे. | साल | अस्ना | अन्य | जम्मा । हे. | |
| ४१ | ३ | १ | २ | ६००० | ० | १ | ० | ४०० | चुरे |
| ४२ | २ | ० | १ | ३००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ४३ | ३ | ० | २ | ५००० | ० | ० | १ | ४०० | चुरे |
| ४४ | २ | १ | ३ | ६००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ४५ | ३ | ० | १ | ४००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ४६ | २ | १ | १ | ४००० | ० | १ | १ | ६०० | चुरे |
| ४७ | ३ | ० | ० | ३००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ४८ | २ | ० | १ | ३००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ४९ | १ | १ | ० | २००० | ० | ० | ० | ० | चुरे |
| ५० | ४ | ० | २ | ६००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ५१ | १ | ० | १ | २००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ५२ | १ | १ | ० | २००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ५३ | २ | ० | १ | ३००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ५४ | ३ | ० | ० | ३००० | १ | १ | ० | ६०० | चुरे |
| ५५ | १ | १ | १ | ३००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ५६ | २ | १ | २ | ५००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ५७ | १ | ० | ० | १००० | १ | ० | १ | ६०० | चुरे |
| ५८ | ० | १ | १ | २००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ५९ | १ | ० | १ | २००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ६० | ३ | १ | २ | ६००० | ० | ० | १ | ४०० | चुरे |
| ६१ | १ | ० | १ | २००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ६२ | १ | ० | १ | २००० | ० | ० | ० | ० | चुरे |
| ६३ | ० | १ | १ | २००० | १ | ० | १ | ६०० | चुरे |
| ६४ | २ | ० | ४ | ६००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ६५ | ० | १ | १ | २००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ६६ | ३ | ० | ० | ३००० | २ | १ | ० | १२०० | चुरे |
| ६७ | १ | २ | २ | ५००० | १ | १ | ० | ६०० | चुरे |
| ६८ | ६ | ० | १ | ७००० | ३ | ० | १ | १६०० | चुरे |
| ६९ | २ | १ | २ | ५००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| ७० | १ | ० | २ | ३००० | १ | ० | ० | ४०० | चुरे |
| | | | | ४११४ | | | | ५०९ | |

श्रोत : फिल्ड सर्भे , २०७४,

(सामुदायिक वन श्रोत सर्वेक्षण मार्गदर्शन २०६१ बमोजिम विरुवा : १० वर्ग मिटर र लाभ्रा : २५ वर्ग मिटरको प्लटमा मापन गरिएको ।)

अनुसुची ६ : वन अनुसन्धान तथा विउ उत्पादन प्लटहरुको विवरण

| सि.नं. | नाम | विवरण | ठेगाना | कैफियत |
|--------|---|--|---------------------|--------|
| १ | वन अनुसन्धान तथा सर्वेक्षण विभाग, पश्चिमाञ्चल क्षेत्रीय इकाई, योगीकुटि | साल वन व्यवस्थापन अनुसन्धान | बु.न.पा. १२ | |
| २ | बाउन्नकोटी सा.व. | टिक वन वीउ बगैचा | चि.म.टि.प. | |
| ३ | शंकरनगर सा.व. | सिमल बि. एस. ओ. | शंकरनगर | |
| ४ | चारपाला सा.व. | राजवृक्ष र विजयसालको वंशाणु संरक्षण | बुटवल १४, तामनगर | |

अनुसुची ७ : काठ, दाउराको वर्तमान बिक्रि मूल्य सूचीको विवरण

| सि.नं. | आ.व. | प्रजाति | ग्रेड | किसिम | इकाई | आपूर्ति समितिको दर (मु.अ.कर र अग्रिम आयकर समेत) रु. |
|--------|--------|---------|-------|--------|-------|---|
| १ | ०७४।७५ | साल | ए | गोलिया | घ.फि. | १४४६।०० |
| | | साल | ीब | गोलिया | घ.फि. | ९५३।०० |
| | | साल | सि | गोलिया | घ.फि. | ६२४।०० |
| | | अस्ना | ए | गोलिया | घ.फि. | ६२४।०० |
| | | अस्ना | ीब | गोलिया | घ.फि. | ४५९।०० |
| | | साल | | दाउरा | चट्टा | २६८८५।०० |
| | | अन्य | | दाउरा | चट्टा | २०८८५।०० |

अनुसूची ८.१ :सामुदायिक वनको विवरण

| FUG CODE | Ilaka | VDC AND WARD NO. | FUG NAME | APPROVAL DATE | APPROVAL FY | AREA | HOUSE HOLDS | VEGETATION TYPE* | FOREST CONDITION+ |
|--------------|--------------|--|-----------------------|---------------|-------------|----------|-------------|------------------|-------------------|
| RUP/SH/18/01 | ShankarNagar | Karahiya1-9 | Karahiya | 2047/08/11 | 2047/048 | 269.00 | 3285 | S/P | G |
| RUP/SI/04/01 | ShitalNagar | Kerwani-3,4,5 | Petbaniya | 2047/08/16 | 2047/048 | 20.65 | 170 | P | G |
| RUP/BH/06/02 | Bhaluhi | Makrahar-1,9 | Sangrahawa Makrahar | 2049/03/06 | 2048/049 | 24.51 | 96 | P | G |
| RUP/SH/17/01 | ShankarNagar | Anandawan-7 | Anandawan | 2049/03/06 | 2048/049 | 50.84 | 127 | P | VD |
| RUP/TH/46/01 | Thakurapur | Bishnupura-4,5,9 | Bishnupura Sangrahawa | 2049/04/15 | 2049/050 | 140.34 | 161 | P | VD |
| RUP/SI/08/01 | ShitalNagar | Siktahan-9 | Siktahan | 2050/01/31 | 2049/050 | 11.56 | 469 | P | VD |
| RUP/SH/16/01 | ShivaNagar | Butwal Na.Pa. | Shivnagar | 2050/03/23 | 2049/050 | 392.60 | 1979 | F/S/P | G |
| RUP/TA/16/06 | Tam Nagar | Butawal-6,8 | Lakshmi Aadarsha | 2050/05/21 | 2050/051 | 186.50 | 1050 | F/P | D |
| RUP/TA/16/04 | Tam Nagar | Butawal-1-4 | Butwal | 2050/10/03 | 2050/051 | 497.97 | 919 | S | G |
| RUP/TA/16/02 | Tam Nagar | Butawal -15 | Jiteswari | 2054/02/16 | 2053/054 | 900.00 | 1905 | F/S/P | G |
| RUP/TA/16/03 | Tam Nagar | Butawal -14 | Charpala | 2054/02/30 | 2053/054 | 2,010.40 | 6831 | S/P | G |
| RUP/SI/08/02 | ShitalNagar | Siktahan-1,7 | Siktahan | 2054/03/17 | 2053/054 | 17.77 | 200 | P | G |
| RUP/SI/08/03 | ShitalNagar | Siktahan-2 | Parsotampur | 2054/03/17 | 2053/054 | 8.00 | 48 | P | G |
| RUP/SI/05/01 | ShitalNagar | Deodaha-5,6 | Shreejana | 2054/03/31 | 2053/054 | 14.11 | 165 | F/P | VD |
| RUP/MA/57/01 | DirectDFO | Majhagawa-2 | Marchawar | 2054/07/05 | 2054/055 | 94.53 | 3000 | P | G |
| RUP/BI/44/01 | Bhaisahi | Rudrapur-1,2,3,4,5,6 | Rudrapur | 2054/12/30 | 2054/055 | 446.41 | 2900 | F/S | VG |
| RUP/TA/16/05 | Tam Nagar | Butawal Na.Pa.-5 | Chure | 2055/02/22 | 2054/055 | 231.86 | 410 | S/P | G |
| RUP/SH/15/01 | ShankharNaga | Shankarnagar-1-9 | Shankar Nagar | 8/11/2047 | 2047/48 | 584.56 | 1811 | S/P | G |
| RUP/BA/40/02 | Bangsadi | Gajedi-3 | Samaya Mai | 2055/09/19 | 2055/056 | 92.03 | 308 | S | G |
| RUP/BH/06/01 | Bhaluhi | Makrahar-6,7,8,9 | Kalika | 2055/10/01 | 2055/056 | 64.93 | 832 | P | G |
| RUP/BA/40/01 | Bangsadi | Gajedi-2,7,8 | Deurali | 2055/10/27 | 2055/056 | 67.04 | 1065 | F/P | D |
| RUP/TH/39/01 | Thakurapur | Suryapura- | Aichabal Thakurapur | 2056/03/30 | 2055/056 | 43.75 | 336 | F/P | G |
| RUP/BI/44/02 | Thakurapur | Rudrapur- | Rudrapur Dhaminatal | 2056/08/11 | 2056/057 | 131.90 | 1482 | S | G |
| RUP/TA/27/01 | Tam Nagar | Motipur-9 | Mahila | 2056/09/19 | 2056/057 | 1.89 | 37 | P | D |
| RUP/TH/46/02 | Thakurapur | Bishnupura- | Nava Durga | 2057/02/01 | 2056/057 | 196.17 | 323 | S | G |
| RUP/TA/27/02 | Tam Nagar | Motipur-9 | Swawalamban | 2057/02/29 | 2056/057 | 0.78 | 36 | P | VD |
| RUP/BA/40/03 | Bangsadi | Gajedi- | Namuna | 2057/04/02 | 2057/058 | 115.66 | 698 | S/P | G |
| RUP/SI/05/02 | ShitalNagar | Deodaha- | Buddha Mawali | 2058/03/31 | 2057/058 | 63.04 | 712 | S | G |
| RUP/TA/26/01 | Tam Nagar | Semlar 2 | Ratanpur | 12/5/2058 | 2058/059 | 14.50 | 125 | P | |
| RUP/BI/44/03 | Thakurapur | Rudrapur-9 | Santisirgana | 7/2/2059 | 2058/059 | 18.86 | 224 | S/P | D |
| RUP/TA/27/03 | Tam Nagar | Motipur-8 | Motipur | 2058/06/04 | 2058/059 | 10.00 | 260 | P | |
| RUP/BI/45/01 | Bhaisahi | Sadi-1 | Buddha | 2058/06/17 | 2058/059 | 10.39 | 320 | S | D |
| RUP/DH/03/01 | Dhakdhahi | ChotkiRamnagar | Samaj | 2058/07/01 | 2058/059 | 1.59 | 110 | P | |
| RUP/SA/43/01 | SalJhandi | SalJhandi | Rajapani | 2058/10/17 | 2058/059 | 270.55 | 372 | S | G |
| RUP/DH/09/01 | Dhakdhahi | Patkhauli | Rachana | 2059/01/03 | 2058/059 | 1.47 | 18 | P | |
| RUP/PA/41/01 | Parroha | Parroha-4,5,6 | Parroha | 2059/01/17 | 2058/059 | 712.00 | 1592 | F/S | G |
| RUP/PA/41/02 | Parroha | Parroha- | Bolbam | 2059/01/17 | 2058/059 | 623.02 | 1180 | F/S | G |
| RUP/PA/41/03 | Parroha | Parroha- | Saina Maina | 2059/01/17 | 2058/059 | 956.69 | 1900 | F/S | G |
| RUP/SI/05/03 | ShitalNagar | Deodaha- | Mahamaya Mahila | 2059/01/24 | 2058/059 | 5.84 | 44 | S/P | D |
| RUP/SI/04/02 | ShitalNagar | Kerwani- | Mayadevi | 2059/02/04 | 2058/059 | 75.22 | 259 | S/P | D |
| RUP/CH/24/01 | Chilia | Chilia, Padsari, Madhauliya & Tikulighad | Baunna Koti | 2059/2/30 | 2058/059 | 154.75 | 5582 | P | G |
| RUP/TH/46/03 | Thakurapur | Bishnupura- | Gaindatal | 2059/06/23 | 2059/060 | 70.54 | 77 | S | G |
| RUP/SA/43/02 | Saljhandi | Saljhandi | Saljhandi | 2059/09/30 | 2059/060 | 149.07 | 172 | S | VG |
| RUP/TH/39/02 | Thakurapur | Suryapura- | Shiddhartha | 2059/12/02 | 2059/060 | 41.56 | 251 | F | G |
| RUP/SA/43/03 | Sal Jhandi | Sal Jhandi-2,3 | Shinghdasja | 2060/01/12 | 2059/060 | 75.22 | 161 | F | G |
| RUP/BH/05/04 | Bhaluhi | Deodaha- | Buddha Nagar | 2060/01/24 | 2059/060 | 98.21 | 141 | F | G |
| RUP/SA/43/04 | Sal Jhandi | Sal Jhandi | Shanti | 2060/02/09 | 2059/060 | 164.73 | 535 | F | G |
| RUP/SA/43/05 | Sal Jhandi | Sal Jhandi-1 | JhimJimiya | 2060/05/08 | 2060/061 | 350.53 | 459 | F | G |
| RUP/SI/04/03 | ShitalNagar | Kerwani- | Shristi | 2060/09/29 | 2060/061 | 60.85 | 460 | S/P | D |
| RUP/SI/04/04 | ShitalNagar | Kerwani- | Chetana Women | 2061/01/17 | 2060/061 | 6.76 | 36 | P | VD |
| RUP/SA/43/06 | Sal Jhandi | Sal Jhandi | Pipaldanda | 2062/02/18 | 2061/062 | 19.83 | 492 | S/P | D |
| RUP/SH/17/02 | ShankarNagar | Anandawan | Aanandvan Madhuvan | 2062/03/30 | 2061/062 | 17.32 | 244 | P | VD |
| RUP/TA/27/04 | Tam Nagar | Motipur- | Hariharpur | 2062/03/30 | 2061/062 | 14.37 | 96 | P | VD |
| RUP/PA/29/01 | Parroha | Man Pakadi | Rajad | 3/30/2062 | 2061/62 | 9.20 | 142 | P/G | VD |
| RUP/TH/39/03 | Thakurapur | Suryapura-5 | Matribhumi | 2063/02/22 | 2062/063 | 20.38 | 80 | P | D |
| RUP/TA/27/05 | Tam Nagar | Motipur-6 | Dhandapur | 062/3/30 | 2062/63 | 20.61 | 49 | P/G | VD |
| RUP/DH/10/01 | Dhakdhahi | Dhakdhahi | Rohini | 2063/3/32 | 2062/63 | 15.54 | 32 | P | VD |
| RUP/DH/12/01 | Dhakdhahi | Pokharbhindi | GautamBuddha | 2063/3/32 | 2062/63 | 9.89 | 134 | P | VD |
| RUP/TA/27/06 | Tam Nagar | Motipur- | Sauraha | 7/14/2063 | 2063/64 | 22.48 | 72 | P | VD |
| RUP/TA/27/07 | Tam Nagar | Motipur-8 | Saurahiya | 3/12/2065 | 2064/65 | 16.59 | 106 | P | VD |
| RUP/PA/31/01 | Parroha | ManMateria 5 | Gaudi | 3/23/2065 | 2064/65 | 6.24 | 128 | P | VD |
| RUP/PA/31/02 | Parroha | ManMateria 7 | Sisawa | 3/23/2065 | 2064/65 | 7.37 | 75 | P | VD |
| RUP/PA/31/03 | Parroha | ManMateria 9 | Jiteswari | 3/23/2065 | 2064/65 | 7.66 | 68 | P | VD |

| FUG CODE | Ilaka | VDC AND WARD NO. | FUG NAME | APPROVAL DATE | APPROVAL FY | AREA | HOUSE HOLDS | VEGETATION TYPE* | FOREST CONDITION* |
|--------------|--------------|------------------|---------------------------|---------------|-------------|-----------|-------------|------------------|-------------------|
| RUP/BH/06/03 | Bhaluhi | Makrahar 9 | Samaeiya | 3/29/2065 | 2064/65 | 14.13 | 521 | P | VD |
| RUP/TA/34/01 | Tam Nagar | Harnaiea 6,7 | HarnaieaPragatisil | 3/31/2065 | 2064/65 | 7.98 | 141 | P | VD |
| RUP/TA/30/01 | Tam Nagar | Farsatikar 3 | Tilottma | 11/22/2065 | 2065/66 | 23.73 | 355 | P | VD |
| RUP/TH/46/04 | Thakurapur | Bishnupura- | PohawaManthadha riBaba | 3/18/2066 | 2065/66 | 126.58 | 403 | F | D |
| RUP/BI/44/04 | Bhaisahi | Rudrapur-2 | PiparichapaMahiia | 3/21/2066 | 2065/66 | 185.82 | 364 | F | VG |
| RUP/SA/43/08 | Sal Jhandi | Sal Jhandi | Bhulkepani | 3/31/2066 | 2065/66 | 390.29 | 459 | F | VG |
| RUP/SA/43/07 | Sal Jhandi | Sal Jhandi | Kanchan | 2066/2/29 | 2065/66 | 131.55 | 219 | F | VG |
| RUP/BH/06/04 | Bhaluhi | Makrahar 6 | GangaJamuna | 4/6/2066 | 2066/67 | 15.28 | 177 | P | VD |
| RUP/TH/46/05 | Thakurapur | Bishnupura- | Jitpur | 4/12/2066 | 2066/67 | 121.00 | 490 | F | D |
| RUP/TA/27/08 | Tam Nagar | Motipur-1 | TinaukholaNiyrantran | 4/23/2066 | 2066/67 | 20.05 | 115 | P | VD |
| RUP/BH/05/05 | Bhaluhi | Devdaha | Palpali | 7/26/2066 | 2066/67 | 188.13 | 78 | F | VG |
| RUP/BH/05/06 | Bhaluhi | Devdaha | Pragati | 7/29/2066 | 2066/67 | 284.74 | 350 | F | VG |
| RUP/BH/05/07 | Bhaluhi | Devdaha | Milan | 8/21/2066 | 2066/67 | 164.61 | 339 | F | VG |
| RUP/BH/05/08 | Bhaluhi | Devdaha | Janapirya | 9/3/2066 | 2066/67 | 237.17 | 405 | F | VG |
| RUP/BH/05/09 | ShitalNagar | Devdaha | Shivalaya | 9/30/2066 | 2066/67 | 183.00 | 675 | F | G |
| RUP/BH/05/11 | Bhaluhi | Devdaha | Hariyali | 10/14/2066 | 2066/67 | 43.13 | 427 | F | D |
| RUP/SH/16/07 | ShankharNaga | Butwal Na.Pa. | Ramnagar | 10/14/2066 | 2066/67 | 71.86 | 486 | F | G |
| RUP/BH/06/05 | Bhaluhi | Makrahar 6 | ShukhuraHariyali | 1/6/2067 | 2066/67 | 192.49 | 4334 | F | gG |
| RUP/BA/42/01 | Bansgadi | Dudhrakchya | Malmala | 2/28/2067 | 2066/67 | 469.18 | 1349 | F/S | D |
| RUP/SA/43/10 | Sal Jhandi | Sal Jhandi | Pahilakhola | 2/17/2068 | 2067/68 | 125.99 | 301 | F | G |
| RUP/SI/05/12 | ShitalNagar | Devdaha 2, 3 | Buddha | 3/31/2069 | 2068/69 | 497.52 | 443 | F | G |
| RUP/SI/04/05 | ShitalNagar | Kerwani 6 | Hariyali | 4/1/2069 | 2068/69 | 1.03 | 51 | P | D |
| RUP/TA/32/01 | Tam Nagar | Pa. Amuwa 7 | Samaya Mai | 9/19/2069 | 2069/70 | 3.03 | 81 | P | D |
| RUP/Sv/05/13 | ShivaNagar | Devdaha -9 | Rambhadevi | 3/31/2070 | 2069/70 | 197.50 | 61 | F | G |
| RUP/BA/42/02 | Bansgadi | Dudhrakchya 1,5, | Inguriya | 3/31/2070 | 2069/71 | 487.20 | 808 | F | G |
| RUP/TA/34/02 | Tam Nagar | Harnaiea 9 | Ramjanaki | 32/3/071 | 070/71 | 3.00 | 79 | P | D |
| RUP/BH/05/14 | Bhaluhi | Devdaha 10 11 | Rohini | 32/3/2071 | 070/71 | 207.41 | 433 | F | G |
| RUP/SI/05/13 | Shita Nagar | Devdaha 8 | Smiriti | 31/3/2071 | 070/71 | 305.55 | 1000 | F | G |
| RUP/BH/05/15 | Bhaluhi | Devdaha 7 | Sarankalika | 29/05/2072 | 72/73 | 491.18 | 64 | F | G |
| RUP/TA/16/06 | Tam Nagar | Butwal 18 | Nareshwor | 12/9/2072 | 72/73 | 14.97 | 101 | P | G |
| RUP/SI/08/04 | ShitalNagar | Siktahan | Janaura | 19/09/2072 | 72/73 | 4.34 | 80 | P | |
| RUP/SI/08/05 | ShitalNagar | Siktahan | NavaRohini | 19/09/2072 | 72/73 | 7.30 | 54 | P | |
| RUP/BH/05/16 | Bhaluhi | Devdaha 11 | Trishuli | 2/1/2073 | 72/73 | 59.64 | 101 | F | G |
| RUP/BH/05/17 | Bhaluhi | Devdaha 12 | Alki | 29/03/2073 | 72/73 | 92.36 | 175 | F | G |
| RUP/CH/25/01 | Chilia | Tilottama 18 | Jamunaghat | 31/03/2073 | 72/73 | 10.38 | 51 | P | |
| RUP/DH/14/01 | Dhakdhahi | Basantapur 4 | Betwolia | 31/03/2073 | 72/73 | 4.35 | 80 | P | |
| RUP/BA/42/03 | Bansgadi | Sainamaina 12 | Barpani | 18/10/2073 | 73/74 | 76.00 | 514 | F | G |
| RUP/CH/20/01 | Chilia | Omsatiya 3 | Shivamandir | 16/02/2074 | 73/74 | 2.38 | 137 | P | |
| RUP/BA/42/05 | Dhakdhahi | Rohini 1 | Kusmi | 30/03/2074 | 73/74 | 4.93 | 29 | P | |
| RUP/PA/28/01 | Parroha | Khadwabangai 4 | Phulbari | 9/11/2074 | 74/75 | 6.15 | 161 | P | |
| | | | | | | 16,211.56 | 63,842 | | |

Where,
F = Natural High Forest
S = Natural Forest (Shrub Land)
P = Plantation
G = Grass Land

VG = Very Good
G = Good
D = Degraded
VD = Very Degraded

अनुसूची ८.२ : दर्ता भएको नीजि वनको विवरण

| द.नं. | दर्ता मिति | निजी वन धनिको नाम र ठेगाना | निजी वन रहेको स्थान | निजी वनको क्षेत्रफल | | | दर्ता हुँदा रहेका विरुवाको विवरण | |
|-------|------------|--|---------------------|---------------------|----|-----|--|--------|
| | | | | वि. | क. | धुर | जात | संख्या |
| १ | २०४२।१।२१ | श्रीमती नानु पौडेल सि.न.पा. ९ | सि.न.पा. ९ | १ | १० | १२ | | |
| २ | २०४२।३।३१ | मो. मुसलिम | वगाहा ३ | ० | १ | ७ | | |
| ३ | २०४२।३।३२ | मो. रजाक खाँ | वगाहा ३ | ० | १ | ७ | | |
| ४ | २०४३।४।१३ | राजेन्द्र कठरिया, राधेश्याम चौधरी | सि.न.पा. ४ | ३ | १७ | ९ | | |
| ५ | २०४३।४।१७ | श्रीमती पूर्ण कुमार श्रेष्ठ | सि.न.पा. ८ | १ | १२ | १५ | | |
| ६ | २०४४।३।३० | श्री हेरम्बराज दुङ्गेल | हाटि वनगाई ६ | ० | ११ | २ | | |
| ७ | २०४४।४।४ | श्री उद्धव प्रसाद अधिकारी | हाटि वनगाई २ | २ | १० | ५ | ०४५।११।११ मा लगत कट्टा | |
| ८ | २०४४।४।१९ | श्री वामन नारायण पाण्डे | मर्यादापुर ३ | ३ | ११ | १४ | | |
| ९ | २०४४।७।३० | श्रीमती सार्वित्रि देवी चौधरी | मैनिहवा २ | ६ | १८ | ११ | | |
| १० | २०४४।८।२७ | बसन्त कुमारी साङ्गाछे सुनार काठमाण्डौ | | ० | ९ | १५ | | |
| ११ | २०४५।३।७ | प्रसाद तेली | पडसरी ३ | ० | ७ | ० | | |
| १२ | २०४६।१।२।२ | टिकाराम भण्डारी | आमा १ | ० | १ | १० | | |
| १३ | ०४।१।१।३० | सोनुमती जैसवाल | जोगडा ७ | ० | १७ | ० | | |
| १४ | २०४९।१।०।४ | मोहनीलाल पाण्डे | आनन्दवन ७ | ० | ४ | ० | | |
| १५ | २०५०।१।२३ | टेक नारायण श्रेष्ठ | छिपागाढ ७ | १ | ८ | २ | | |
| १६ | ०४।१।०।१४ | श्रेश प्रसाद पन्थ | मैनिहवा १ | १८ | २ | ० | | |
| १७ | २०५०।२।५ | जिवनेश्वरी सेन | बु.न.पा. १० | ० | ७ | १६ | | |
| १८ | २०५०।४।२८ | जय सिंह छन्तेल | सालभण्डी ४ | ० | ३ | ० | सिसौ ३७५ | ३७५ |
| १९ | २०४९।४।७ | राजेन्द्र प्रसाद श्रेष्ठ | केरवानी ६ | ३ | ४ | १४ | | |
| २० | २०५१।३।२१ | रिता देवी अधिकारी | देवदह ८ | ० | १ | १६ | | |
| २१ | २०५१।१।२।२ | ओम बहादुर के.सी. | मक्रहर ४ | ० | २ | १० | | |
| २२ | २०५३।१।१२ | काशीराम बनिया | बिष्णुपुरा १ | ० | १६ | १ | | |
| २३ | २०५३।१।११ | बाबुराम शर्मा | मानमटेरीया ८ | ० | १३ | ६ | | |
| २४ | २०५४।२।१९ | बिजय प्रसाद धिताल | आनन्दवन १ | ५ | ० | १२ | | |
| २५ | २०५४।२।२७ | छमकला खड्का | मक्रहर | ० | १२ | १४ | | |
| २६ | २०५४।४।१६ | मुक्तिराम चापागाई | शंकरनगर | ० | ३ | ० | सिसौ ३७ लहरे पिपल ७ | ४४ |
| २७ | २०५४।४।१६ | कृष्ण प्रसाद अर्याल | टिकुलिगाढ ८ | ० | १५ | ३ | सिसौ ९०० | ९०० |
| २८ | २०५४।४।१६ | श्रीमती दुलारी थरुनी, कृष्ण विहारी चौधरी | मक्रहर ७ | १ | ० | ३ | लहरे पिपल ९०, सिसौ १५० सिमल ३ | २४३ |
| २९ | २०५४।४।१६ | बिष्णु प्रसाद पौडेल | करैया ९ | ४ | ३ | १८ | लहरे पिपल ३८५, मसल २२००, सिसौ १८०० आँप लिची १४० | ४५२५ |
| ३० | २०५४।४।१६ | भिम माया पुन | आनन्दवन ६ | १ | १२ | १८ | लहरे पिपल, २०९, सिसौ ३०० | ५०९ |
| ३१ | २०५४।४।१६ | प्रसाद थारु | मक्रहर १ | ० | ८ | ० | लहरे पिपल १०८, सिसौ ३०० | ४०८ |
| ३२ | २०५४।४।१६ | कर्ण बहादुर पुन | आनन्दवन ६ | १ | ५ | ८.३ | लहरे पिपल २०० | २०० |
| ३३ | २०५४।४।१६ | पुनराम भण्डारी | पर्वाहा २ | ० | १० | ० | लहरे पिपल १३७ | १३७ |
| ३४ | २०५४।४।१६ | शुक्र बहादुर थापा आले | बु.न.पा. १५ | ० | ९ | १० | लहरे पिपल १९ सिसौ १० | २९ |
| ३५ | २०५४।४।१६ | दिलिप सिंह काउचा | बु.न.पा. १५ | ० | १६ | २ | लहरे पिपल ५०, सिसौ ३०० | ३५० |
| ३६ | २०५४।४।१६ | रुद्रमणी उपाध्याय | पर्वाहा ६ | ० | ११ | १० | लहरे पिपल ४४ | ४४ |
| ३७ | २०५४।४।१६ | खडानन्द चाँपागाई | आनन्दवन ३ | ३ | १२ | १८ | विभिन्न ३५६ | ३५६ |

| द.नं. | दर्ता मिति | निजी वन धनिको नाम र ठेगाना | निजी वन रहेको स्थान | निजी वनको क्षेत्रफल | | | दर्ता हुँदा रहेका विरुवाको विवरण | |
|-------|------------|----------------------------------|---------------------|---------------------|----|-----|---|--------|
| | | | | वि. | क. | धुर | जात | संख्या |
| ३८ | २०५४।४।१६ | श्रीमती जुक्त माया राना | पर्रोहा ५ | ० | १० | ० | लहरे पिपल ५४ | ५४ |
| ३९ | २०५४।५।१८ | लाल बहादुर राना | बु.न.पा. १५ | ० | १८ | १० | सिसौ १८५५, आँप ११, निम ३, खयर ५, अन्य ७ | १९३४ |
| ४० | २०५४।६।९ | मंगला देवी क्षेत्री आचार्य | मक्रहर ४ | १ | १० | १० | सिसौ २००, आँप ५, अन्य २५० | ४५५ |
| ४१ | ०५४।१०।१५ | निल प्रसाद पुन | बु.न.पा. १५ | ० | १८ | ० | लहरे पिपल ३५, सिसौ २० | ५५ |
| ४२ | ०५४।१०।१५ | कृष्माखर काफ्ले | आनन्दवन २ | ० | ३ | १.५ | सिसौ २० | २० |
| ४३ | ०५४।१०।१५ | रुद्र नाथ काफ्ले | आनन्दवन २ | ३ | १९ | ६ | सिसौ ५२०, लहरे पिपल १८० | ७०० |
| ४४ | ०५४।१०।१५ | गोविन्द बहादुर पुन | बु.न.पा. १५ | ० | १७ | १५ | लहरे पिपल ६०, सिसौ ६२ | १२२ |
| ४५ | ०५४।१०।१५ | राम कुमार चौधरी | | ० | ३ | १६ | लहरे पिपल ८२, | ८२ |
| ४६ | ०५४।१०।१५ | मोहनीलाल पाण्डे | आनन्दवन ७ | १ | १० | ६ | लहरे पिपल ९२, सिसौ २५ | ११७ |
| ४७ | ०५४।१०।१५ | कृष्णलाल भण्डारी | आनन्दवन ९ | ० | ३ | ० | लहरे पिपल ८०, | ८० |
| ४८ | ०५४।१०।१५ | आत्माराम गौतम | बु.न.पा. १४ | १ | ७ | ० | लहरे पिपल ९६ सिसौ ३० | १२६ |
| ४९ | ०५४।१०।२० | ओम प्रसाद राना | बु.न.पा. १५ | १ | १६ | ५ | लहरे पिपल २०, सिसौ ९ | २९ |
| ५० | ०५४।१०।२० | प्रमे ब. थापा | बु.न.पा. १५ | ० | १० | ६ | लहरे पिपल ८९, सिसौ ३३ | १२२ |
| ५१ | ०५४।१०।२० | देवेन्द्र नाथ पाण्डे | सेमलार १ | १ | ० | ० | सिसौ ४०९, | ४०९ |
| ५२ | ०५४।१०।२२ | राम प्रसाद मिश्र | पडसरी ५ | १ | १२ | १० | लहरे पिपल ४४० | ४४० |
| ५३ | २०५४।११।१७ | मान बहादुर आले | करहिया ७ | २ | १ | ० | सिसौ १९०० | १९०० |
| ५४ | ०५४।११।२७ | निज बहादुर क्षेत्री | शंकरनगर ७ | १ | ० | ० | सिसौ १२४८ टिक १०, मसला ५०, अन्य ४० | १३३८ |
| ५५ | २०५४।२।५ | श्रीमती नुर कुमारी न्यौपाने | हाटी वनगाई ४ | ० | १६ | ९ | लहरे पिपल २४७, सिसौ ६१ आँप १ | ३०९ |
| ५६ | २०५४।२।१० | गोविन्द मणी त्रिपाठी | मभगावा १ | १ | ४ | ११ | लहरे पिपल १०२, सिसौ ८०० आँप १५ | ९१७ |
| ५७ | २०५४।२।२७ | उजर सिंह दर्लामी | आनन्दवन ६ | ३ | २ | ५ | सिसौ २००, सिमल १००, अन्य १५ | ३१५ |
| ५८ | २०५४।४।७ | श्रीमती उमा अधिकारी | बुटवल १४ | ० | १६ | ३ | सिसौ १०७ | १०७ |
| ५९ | २०५४।५।२९ | रुद्र बहादुर खत्री | खडवा वनगाई ८ | १ | ० | १५ | लहरे पिपल ८०, सिसौ ७५ आँप १० | १६५ |
| ६० | २०५४।८।२३ | खुमानन्द खनाल, ज्ञान प्रसाद खनाल | पर्रोवा ७ | १ | १२ | १० | सिसौ २४०० | २४०० |
| ६१ | २०५४।१२।२५ | कर्ण बहादुर सुनुवार | सि.न.पा. १ | ४ | ७ | ११ | सिसौ ८१५० | ८१५० |
| ६२ | २०५४।३।२५ | लक्ष्मी माया अधिकारी | करहिया ८ | १ | १६ | ० | सिसौ १३५ | १३५ |
| ६३ | २०५६।४।४ | जंग बहादुर बुढाथोकी | आनन्दवन २ | २ | ३ | १० | सिसौ १२०९, आँप २२, लिचि १७ लहरे पिपल ४८ | १२९६ |
| ६४ | २०५६।९।१५ | ब्रजेन्द्र नाथ शुक्ला | गोनाहा ५ | ३ | १८ | २ | सिसौ १३३२, सिमल ६०, | १३९२ |
| ६५ | २०५६।९।१५ | श्रीमती बिन्दु देवी शुक्ला | गोनाहा ५ | ४ | ११ | १४ | सिसौ ४७७, लहरे पिपल २३५ | ७१२ |
| ६६ | २०५६।१०।७ | कतवारु सैथवार | गंगालिया ५ | ० | १३ | ५ | लहरे पिपल ८०, सिसौ १०७ अन्य १३ | २०० |
| ६७ | २०५६।१०।७ | शिव कुमार चौधरी | मक्रहर १ | १ | ४ | १४ | लहरे पिपल २००, | २०० |
| ६८ | २०५६।१०।१९ | नारयण प्रसाद पाण्डे | दुधराक्ष ७ | ० | १४ | ० | लहरे पिपल १९९, सिसौ ३६, मसला ३ | १३८ |
| ६९ | ०५६।१०।२० | तोयनाथ भण्डारी | दुधराक्ष ७ | ० | ६ | १२ | लहरे पिपल १२०, सिसौ २६, मसला १० | १५६ |
| ७० | ०५६।१०।२० | केवल प्रसाद भण्डारी | दुधराक्ष ७ | ० | ७ | १८ | लहरे पिपल १५०, सिसौ ३०, मसला ५, सिमल ५ | १९० |
| ७१ | २०५७।६।८ | श्रीमती माया गुरुङ्ग | मक्रहर ९ | ० | १० | ५ | सिसौ ६८०, जामुन २५, | ७१२ |

| द.नं. | दर्ता मिति | निजी वन धनिको नाम र ठेगाना | निजी वन रहेको स्थान | निजी वनको क्षेत्रफल | | | दर्ता हुँदा रहेका विरुवाको विवरण | |
|------------------|------------|---|---------------------|---------------------|-----|-----|--|--------|
| | | | | वि. | क. | धुर | जात | संख्या |
| | | | | | | | सिमल ७ | |
| ७२ | २०५७६१८ | श्रीमती विमला गुरुङ्ग | मकहर ९ | ० | १० | १ | सिसौ ७००, सिमल १०, जामुन २० | ७३० |
| ७३ | २०५७६१८ | चित्र बहादुर गुरुङ्ग | मकहर ९ | १ | ० | ० | सिसौ १३५०, जामुन ३०, बरौ २ | १३८२ |
| ७४ | २०५७९१२६ | अम्बिका चाई | बसन्तपुर ८ | ० | ४ | ८.५ | सिसौ ३८७, आँप ७, लिची १ | ३८५ |
| ७५ | २०५७९२१३ | सूर्यध्वज खाड | कमरिया | १ | १३ | १९ | सिसौ १४००, आँप ३२, सिमल १८ अन्य १३८ | १५८८ |
| ७६ | २०५८१२१२ | चिरञ्जिवी लम्साल | दुधराक्ष ४ | २ | ११ | १६ | सिसौ २४८, अन्य ४६ | २९४ |
| ७७ | २०५८६१९६ | नरेश आसवानी सिन्धी | बसन्तपुर ८ | ० | ६ | १३ | टिक ४५० | ४५० |
| ७८ | २०५८६१९६ | उमेश कुमार सिन्धी | बसन्तपुर ८ | ३ | २ | ३ | टिक १४२०, सिसौ १२२० | २६४० |
| ७९ | २०५८६१९६ | गोवरधन लाल सिन्धी | बसन्तपुर ८ | २ | ९ | ७ | टिक ९१५, सिसौ ७५६ | १६७१ |
| ८० | २०५८१७१ | महेन्द्र बहादुर श्रेष्ठ | केरवानी ९ | २ | ८ | ९ | सिसौ १७८०, सिमल ५७९, अन्य २१८ | २५७७ |
| ८१ | २०५८१७१४ | अबुहरेष खाँ | बगाहा ७ | ० | २ | ७ | सिसौ २५० | २५० |
| ८२ | २०६०११२ | गोमा जिजी | सिक्टहन ८ | २ | ७ | ० | सिसौ १७९५ | १७९५ |
| ८३ | २०६०११२ | अमित कुमार गुप्ता | सिक्टहन ८ | ३ | १४ | ० | सिसौ २५४५ | २५४५ |
| ८४ | २०६५३१७ | अशोक कुमार गुरुङ्ग | सि.न.पा. १२ | २ | ४ | १६ | सिसौ २५०० | २५०० |
| ८५ | २०७४१२१२४ | राम कुमार खनिया | विष्णुपुरा १ | ० | ९ | ११ | टिक १४५, सिसौ १७ सिमल ३, आँप १५ मसला ४ इमिचि १ | १८५ |
| | | जम्मा | | १०४ | ७९६ | ६२८ | | ५२५८९ |
| कूल जम्मा | | १४९ विगाहा ७ कठ्ठा ९.१२ धुर अर्थात ९५.७८ हे. | | | | | | |

अनुसुची ८.३ : साभेदारी वनको विवरण

| सि. नं. | नाम | क्षेत्रफल (हे.) | घरधुरी | स्विकृत मिति | नविकरण मिति | वन क्षेत्र रहेको स्थान | उपभोक्ता क्षेत्र |
|---------|----------------------|-----------------|--------|--------------|-------------|---|---|
| १ | लुम्बिनी साभेदारी वन | १३२१ | २५,९३४ | २०६७।४।५ | २०७१।१।३ | सैनामैना न.पा. वार्ड नं. १० र कञ्चन गाउँपालिका वार्ड नं. ५ | सैनामैना न.पा. वार्ड नं. १० र ११, कञ्चन गा.पा. ३-५, गैडहवा गा.पा. १-९, मायादेवी गा.पा. १, कोटहीमाई गा.पा. १ र लुम्बिनी सां. न.पा. १-१३ गरी कुल जम्मा ६ स्थानीय तहका २९ वार्ड (साविकका १६ गा.वि.सहरु क्रमशः सालभण्डी, रुद्रपुर, साडी, जोगडा, सुर्यपूरा, धमौली, खुदाबगर, मसिना, तेनहुवा, विष्णुपुरा, मधुवनी, आमा, भगवानपुर, लुम्बिनी र सिपवा) |
| २ | देवदह साभेदारी वन | ७६४.२४ हे. | २४,५२२ | | | देवदह न.पा.को वार्ड नं. १०, बुटवल उ.म.न.पा.को वार्ड नं. ७ र तिलोत्तमा न.पा.को वार्ड नं. ११ मा | देवदह न.पा. ९ र १०, तिलोत्तमा न.पा. १ - १२ र १७, ओमसतिया गा.पा. ३ - ५, रोहिणी गा.पा. १ र २ नं. वार्ड गरी कुल २ न.पा. र २ गा.पा.को २० वटा वार्डमा (साविकका ११ गा.वि.स. देवदह, संकरनगर, आनन्दवन, करहिया, मक्रहर, गंगोलिया, हाटि फर्साटिकर, पट्खौली, वसन्तपुर बगाहा र पोखरभिण्डी गाविस) |

अनुसुची द.४ : धार्मिक वनको विवरण

| सि.नं. | नम | ठेगाना | क्षेत्रफल (हे.) | हस्तान्तरण मिति | कैफियत |
|--------|------------------------------------|-----------------------------------|-----------------|-----------------|--------|
| १ | सिद्धबाबा धार्मिक वन | बुटवल उ.म.न.पा. ३ | ९.७५ | | |
| २ | लोकेश्वर धार्मिक वन | देवदह न. पा. २ खैरेनी | ४.२० | | |
| ३ | ग्लोबल पिस पार्क एवं धार्मिक वन | बुटवल उ.म.न.पा. १२ तामनगर | १०.३५ | २०७१ | |
| ४ | शिद्धेश्वर गोधाम धार्मिक वन | देवदह न.पा. १० रोहीणीनगर भलुही | ३.४२ | २०७३ | |
| | जम्मा | | २७.७२ | | |

अनुसुची ८.५ : जिल्लामा सुचिकृत सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापन समुहको विवरण

| SN | PILMG NAME | CODE | Area (ha) | Formation Date | Type | VDC | ward No | Tole | HH |
|----|-------------------------|------------------|-----------|----------------|---------------------------|--------------------|---------|------------------|-----|
| 1 | Kalimai | RUP/69/PLMG/01 | 1.457 | 2065.6.14 | Sarbajanik | Karauta | 1 | Karauta | 120 |
| 2 | Samayamai | RUP/69/PLMG/02 | 1.873 | 2065.6.2 | Sarbajanik | Karauta | 9 | Pipari | |
| 3 | Janakalyan | RUP/69/PLMG/03 | 1.556 | 2065.6.1 | Sarbajanik | Karauta | 4 | | |
| 4 | Jana Bikas | RUP/68/PLMG/01 | 3.938 | 2065.5.2 | Sarbajanik | Thumhawa | | | |
| 5 | Gautam | RUP/68/PLMG/02 | 1.203 | 2065.6.0 | Sarbajanik | Thumhawa | 6 | babuthumt | 49 |
| 6 | Siddhartha | RUP/68/PLMG/03 | 1.252 | 2065.7.2 | Sarbajanik | Thumhawa Pipara | 6 | gulahariya | 85 |
| 7 | Ram Janaki | RUP/68/PLMG/04 | 2.459 | 2067.6.0 | Sarbajanik | Thumhawa | | | |
| 8 | Shiva Krishak | RUP/67/PLMG/01 | 4.149 | 2065.3.1 | Sarbajanik | Rohinihawa | 3 | roinihawa | 60 |
| 9 | Dano | RUP/67/PLMG/02 | 1.608 | 2065.4.12 | Sarbajanik | Rohinihawa | 7 | bharawaliy | 92 |
| 10 | Ban Shakti | RUP/67/PLMG/03 | 2.53 | 2065.5.10 | Sarbajanik | Rohinihawa | 1 | chakikiya | 92 |
| 11 | Jagadamba | RUP/67/PLMG/04 | 4.519 | 2066.2.14 | Sarbajanik | Rohinihawa | 2 | pandediha | 61 |
| 12 | Saraswati | RUP/67/PLMG/05 | 2.122 | 2066.2.24 | Sarbajanik | Rohinihawa | 1 | dewanadih | 32 |
| 13 | Shree Ganesh | RUP/67/PLMG/06 | | 2066.5.17 | Sarbajanik | Rohinihawa | 4 | | |
| 14 | Kalimai | RUP/67/PLMG/07 | 0.761 | 2066.8.24 | Sarbajanik | Rohinihawa | 8,9 | debethuml | 99 |
| 15 | Durga | RUP/67/PLMG/08 | 0.181 | 2067.4.0 | Sarbajanik | Rohinihawa | 5,6 | kharaudau | 130 |
| 16 | Sadabahr | RUP/61/PLMG/01 | 2.219 | | Sarbajanik | Betkuiya | 5 | naudihawa | 36 |
| 17 | Brindaban | RUP/61/PLMG/02 | 1.96 | 2067 | Sarbajanik | Betkuiya | 3 | betkuiya | 75 |
| 18 | Kalimai | RUP/61/PLMG/03 | 0.586 | 2066 | Sarbajanik | Betkuiya | 4 | betkuiya | 46 |
| 19 | Samayamai | RUP/61/PLMG/04 | 0.267 | 2067.5.9 | Sarbajanik | Betkuiya | 6 | Harde | 47 |
| 20 | Bishnu | RUP/61/PLMG/05 | 1.7 | 2067.2.20 | Sarbajanik | Betkuiya | 5 | bijayagaru | 50 |
| 21 | Kotahi Mai Hariyali | RUP/70/PLMG/01 | 0.506 | 2065.11.2 | Sarbajanik | Rayapur | 9 | punnikot | |
| 22 | Naba Durga Hariyali | | 3.311 | | Sarbajanik | Rayapur | 4 | | |
| 23 | Paropakar Hariyali | RUP/70/PLMG/03 | 2.383 | 2066.2.1 | Sarbajanik | Rayapur | 4 | pandey piparhawa | |
| 24 | Ban Shakti | RUP/70/PLMG/04 | 0.21 | 2066.2.27 | Sarbajanik | Rayapur | 2 | purba sem | 49 |
| 25 | Manakamana Hariyali | RUP/70/PLMG/05 | 0.931 | 2066.4.0 | Sarbajanik | Rayapur | 2 | piprahawa | |
| 26 | Marchawari Mai Hariyali | RUP/70/PLMG/06 | 4.704 | 2066.1.10 | Sarbajanik | Rayapur | 6 | Parilaha | 67 |
| 27 | Lumbini Hariyali Bikas | RUP/70/PLMG/.... | 5.417 | | Sarbajanik | Rayapur | 8 | Raipur | |
| 28 | Samayamai Public land | | 0.863 | 2067.2.10 | Sarbajanik | Rayapur | 5 | maharajung | |
| 29 | Sri Krishna | RUP/66/PLMG/01 | 0.3 | 2062.5.2 | Sarbajanik | Farena | 3 | thulo bijauri | |
| 30 | Laxmi | RUP/66/PLMG/02 | 0.295 | 2062.7.21 | Sarbajanik & Sansthatagat | Farena | 3 | sano bijaur | 46 |
| 31 | Gautam Buddha | RUP/66/PLMG/04 | 0.71 | 2067.3.21 | Sansthatagat | Farena | 1 | Jigauna | 81 |
| 32 | Manakamana | RUP/66/PLMG/05 | 1 | 2066.3.2 | Sarbajanik | Farena | 5,6 | Sudesar | |
| 33 | Kalimai | RUP/65/PLMG/01 | 2.838 | 2062.10.1 | Sarbajanik | Asuraina | 8 | mahadehiya | |
| 34 | Annapurna | RUP/65/PLMG/02 | 0.107 | 2063.3.20 | Sarbajanik | Asuraina | 3 | satahawa | 70 |
| 35 | Jaya Ambe | RUP/65/PLMG/03 | 0.143 | 2063.3.28 | Sarbajanik | Asuraina | 9 | Dihuli | |
| 36 | Aadarsha Krishak | RUP/65/PLMG/04 | 1.412 | 2064.1.5 | Sarbajanik | Asuraina | 1 | pokharhwa | |

| SN | PILMG NAME | CODE | Area (ha) | Formation Date | Type | VDC | ward No | Tole | HH |
|----|-------------------------------------|----------------|-----------|----------------|---------------------------|------------------|---------|----------------|-----|
| 37 | Samayamai | RUP/65/PLMG/05 | 0.055 | 2064.10.2 | Sarbajanik | Asuraina | 6 | parashawa | 30 |
| 38 | Shiv Shankar | RUP/65/PLMG/06 | 0.404 | 2065.11.1 | Sarbajanik | Asuraina | 7 | Rudrapur | 92 |
| 39 | Jana Kalyan | RUP/65/PLMG/07 | 0.554 | 2065.11.28 | Sarbajanik & Sansthatagat | Asuraina | 4 | Gharbhariya | |
| 40 | Shiva Shakti Hariyali Bikas | RUP/65/PLMG/08 | 1.309 | 2065.12.10 | Sarbajanik | Asuraina | 2 | Asuraina | |
| 41 | Jagadamba Hariyali Bikas Group | RUP/65/PLMG/09 | 0.174 | 6067 | Sarbajanik | Asuraina | 3 | Nibihawa | |
| 42 | Kalimai | RUP/71/PLMG/01 | 1.28 | 2066.12.07 | Sarbajanik | Semara Marchawar | 6 | Manaura | |
| 43 | Durga | RUP/71/PLMG/03 | 3.965 | 2067.04.11 | Sarbajanik | Semara Marchawar | 1,9 | Haringadh | 34 |
| 44 | Kotahimai | RUP/71/PLMG/04 | 0.622 | 2067.04.19 | Sarbajanik | Semara Marchawar | 7 | Pachware | 76 |
| 45 | Ganga | RUP/71/PLMG/02 | 1.169 | 2067.01.19 | Sarbajanik | Semara Marchawar | 2 | Sumergadh | |
| 46 | Radha | RUP/71/PLMG/05 | 0.426 | 2067.5.2 | Sarbajanik | Semara Marchawar | 4 | Kotihawa | |
| 47 | Star Hariyali | RUP/62/PLMG/01 | 1.099 | 2062.01.18 | | Bogadi | 6 | | |
| 48 | Pashupati | RUP/62/PLMG/02 | 1.381 | 2063.02.13 | Sarbajanik | Bogadi | 1 | Bogadi | 116 |
| 49 | Jaya Ambe | RUP/62/PLMG/03 | 0.9 | 2063.2.30 | Sarbajanik | Bogadi | 4 | Shree Ram tole | 23 |
| 50 | Bhanhiya | RUP/62/PLMG/04 | 1.359 | 2065.2.4 | | Bogadi | 9 | | |
| 51 | Janachetana | RUP/62/PLMG/05 | 0.379 | 2066.9.3 | Sarbajanik | Bogadi | 5 | Dube Kataiya | 80 |
| 52 | Phulbariya | RUP/64/PLMG/01 | 1.086 | 2063.5.28 | Sarbajanik | Silautiya | 6 | Fulbariya | 40 |
| 53 | Nawa Durga | RUP/64/PLMG/02 | 1.958 | 2064.7.16 | Sarbajanik & Sansthatagat | Silautiya | 3 | Khaira | 82 |
| 54 | Marchawari Devi | RUP/64/PLMG/03 | 0.11 | 2065.2.28 | Sarbajanik | Silautiya | 6,7 | Baniahiaha | 74 |
| 55 | Jagadamba | RUP/64/PLMG/04 | 0.758 | 2065.6.5 | Sarbajanik | Silautiya | 9 | Mahuari | 108 |
| 56 | Namuna | RUP/64/PLMG/05 | 0.279 | 2065.08.27 | Sarbajanik | Silautiya | 2 | Silautiya | 23 |
| 57 | Bolbum Hariyali Bikash | RUP/64/PLMG/06 | 0.348 | 2066.01.12 | | Silautiya | 4 | | |
| 58 | Manakamna | RUP/64/PLMG/07 | 1.045 | 2067.2.20 | Sarbajanik | Silautiya | 1 | Mahadva | 101 |
| 59 | Shivashakti | RUP/63/PLMG/01 | 0.38 | 2067.3.25 | Sarbajanik & Sansthatagat | Bagauli | 4 | Therki | 114 |
| 60 | Ram Janaki | RUP/63/PLMG/02 | 1.362 | 2067.3.30 | Sarbajanik | Bagauli | 3 | Naudihawa | 80 |
| 61 | Durga Hariyali Ban Bikas Group | RUP/57/PLMG/01 | 3.132 | 2067.01.16 | | Majhgawa | 7,8,9 | | |
| 62 | Manakamana | RUP/57/PLMG/02 | 2.854 | 2067.01.27 | Sarbajanik | Majhgawa | 9 | Benanagar | 42 |
| 63 | Janakalyan Hariyali Ban Bikas group | RUP/57/PLMG/03 | 0.732 | 2067.02.14 | | Majhgawa | 1,2 | | |
| 64 | Shri Shanti | RUP/02/PLMG/01 | 2.787 | 2066.01.20 | | Chhipagadh | 4 | | |
| 65 | Sundar | RUP/02/PLMG/02 | 1.302 | 2066.05.24 | | Chhipagadh | 6 | | |
| 66 | Karbala Hariyali | RUP/02/PLMG/03 | 0.249 | 2066.11 | | Chhipagadh | 3 | | |
| 67 | Shiva Mandir | RUP/02/PLMG/04 | 1.005 | 2066.06.18 | | Chhipagadh | 9 | Karauta | 120 |
| 68 | Shri Janchetana Hariyali | RUP/10/PLMG/01 | 0.802 | 2061 | | Dhakdhai | 7 | | |
| 69 | Ramjanaki | RUP/10/PLMG/02 | 1.968 | 2066.02.10 | | Dhakdhai | 1 | | |

| SN | PILMG NAME | CODE | Area (ha) | Formation Date | Type | VDC | ward No | Tole | HH |
|-----|----------------------------------|----------------|-----------|----------------|--------------|------------------|---------|------------------|-----|
| 70 | Om Satiya | RUP/09/PLMG/01 | 1.744 | 2065.05.26 | | Patkhauli | 1 | | |
| 71 | Naba Durga | RUP/09/PLMG/02 | 6.776 | 2061 | | Patkhauli | 9 | | |
| 72 | Kushmi | RUP/13/PLMG/01 | 2.327 | 2067.2.26 | | Bagaha | 2 | | |
| 73 | Gonaha Ramjanaki | RUP/54/PLMG/01 | 0.932 | 2062.01.10 | Sansthatagat | Gonaha | 4 | Gonaha | 142 |
| 74 | Jai Madhesh Hariyali | RUP/54/PLMG/02 | 0.522 | 2062.02.05 | Sarbajanik | Gonaha | 2 | Shivpur | 55 |
| 75 | Buddha Hariyali | RUP/54/PLMG/04 | 2.033 | | | Gonaha | 5 | | |
| 76 | Samayamai Hariyali | RUP/54/PLMG/05 | 1.882 | 2066.02.19 | | Gonaha | 7,8 | Barsauli | |
| 77 | Madanpur Adarsha Hariyali | RUP/55/PLMG/02 | 0.305 | 2063.03.13 | Sarbajanik | Maryadpur | 8 | madanpur | 45 |
| 78 | Parsiya Hariyali | RUP/55/PLMG/03 | 0.151 | | | Maryadpur | | | |
| 79 | Saraswati Hariyali | RUP/52/PLMG/02 | 1.682 | 2067.03.22 | | Madhubani | 2 | | |
| 80 | Gautam Buddha | RUP/47/PLMG/01 | 1.665 | 2065.11.0 | | Jogada | 3 | | |
| 81 | Naba Durga | RUP/47/PLMG/02 | 3.418 | 2065.11.21 | Sarbajanik | Jogada | 6 | khadauchawa | 68 |
| 82 | Om Shanti | RUP/47/PLMG/03 | 2.524 | 2066.01.07 | Sarbajanik | Jogada | 2 | sadahawa | 122 |
| 83 | Durga Mandir | RUP/47/PLMG/04 | 0.521 | 2065.05.08 | Sarbajanik | Jogada | 5 | Dhupahi | 88 |
| 84 | Khadaichawa | RUP/47/PLMG/05 | 1.126 | 2066.08.03 | Sarbajanik | Jogada | 6 | khahauchawa | 70 |
| 85 | sarswati Samudaik | RUP/49/PLMG/02 | 1.716 | 2063.04.11 | Sarbajanik | Masina | 8 | mahadeva | 62 |
| 86 | Sagarmatha | RUP/49/PLMG/03 | 1.272 | 2065.01.08 | Sarbajanik | Masina | 2 | dhuwadhar | 27 |
| 87 | Madarsa Arabia Ibne Kum Aljaijia | RUP/50/PLMG/01 | 0.765 | 2065.02.12 | Sansthatagat | Tenuhawa | 3 | | |
| 88 | Ram Janaki | RUP/51/PLMG/01 | 1.38 | 2066.01.21 | Sarbajanik | Lumbini Aadarsha | 6 | Ganaura | 139 |
| 89 | Madhuwari | RUP/51/PLMG/02 | 2.066 | 2067.02.06 | Sarbajanik | Lumbini Aadarsha | 9 | sano mahu | 30 |
| 90 | Naba Durga | RUP/45/PLMG/01 | 2.197 | 2066.6.02 | | Sadi | 6 | | |
| 91 | Bhujauli | RUP/45/PLMG/02 | 1.968 | 2066.6.02 | | Sadi | 6 | | |
| 92 | Chamkiya | RUP/45/PLMG/03 | 0.12 | 2067.03.1 | | Sadi | 6 | | |
| 93 | Malabardevi | RUP/45/PLMG/04 | 0.992 | | | Sadi | 4 | | |
| 94 | Sadi Public land | | 1.515 | | | Sadi | 7 | | |
| 95 | Tigertop Karbala | RUP/48/PLMG/01 | 3.677 | 2061.11.28 | Sarbajanik | Ekala | 8 | Karmahawa | 63 |
| 96 | Siddhartha | RUP/48/PLMG/02 | | 2063.01.30 | Sansthatagat | Ekala | 6 | Dhupahi | 102 |
| 97 | Bharbaliya | RUP/48/PLMG/03 | 0.917 | 2063.02.25 | Sarbajanik | Ekala | 1 | bharawaliya | 135 |
| 98 | Sundari | RUP/48/PLMG/04 | 0.651 | 2063.03.13 | Sarbajanik | Ekala | 3 | bhagatpur | 39 |
| 99 | Anandaban | RUP/48/PLMG/05 | 1.134 | 2063.10.25 | Sarbajanik | Ekala | 9 | pakadihawa | 48 |
| 100 | Buddha Hariyali | RUP/48/PLMG/03 | 0.773 | 2063.03.30 | Sarbajanik | Ekala | 4,5 | Adhiyari | 62 |
| 101 | Laxmi | RUP/48/PLMG/07 | 0.126 | 2066.04.16 | Sarbajanik | Ekala | 5 | sekuwadada | 28 |
| 102 | Gyankunja Hariyali | RUP/48/PLMG/07 | 0.394 | 2066.07.14 | Sarbajanik | Ekala | 6 | purba chiripurwa | 33 |
| 103 | Shivnagar | RUP/39/PLMG/01 | 1.952 | 2061.11.22 | Sarbajanik | Suryapura | 1 | Dhusuwa | 70 |
| 104 | Nawa Durga | RUP/39/PLMG/02 | 3.179 | | | Suryapura | 2 | | |
| 105 | Samaya Mai hariyali bikas group | RUP/39/PLMG/04 | 3.247 | 2064.01.22 | | Suryapura | 3 | | |

| SN | PILMG NAME | CODE | Area (ha) | Formation Date | Type | VDC | ward No | Tole | HH |
|--------------|-----------------------------------|------------------|---------------|----------------|-------------------------|------------|---------|------------------|-----|
| 106 | Kadmahawa | RUP/39/PLMG/05 | 0.099 | 2064.02.21 | | Suryapura | 3 | | |
| 107 | Dolai | RUP/39/PLMG/06 | 3.394 | 2064.03.14 | | Suryapura | 2 | | |
| 108 | Baikunthadham | RUP/39/PLMG/07 | 0.945 | 2064.10.15 | Sarbajanik & Sansthagat | Suryapura | 5 | Thakurapur | 69 |
| 109 | Janahit | RUP/39/PLMG/08 | 5.624 | | Sarbajanik | Suryapura | 2 | Khairahani Kataa | 74 |
| 110 | Kotahimai | RUP/39/PLMG/09 | 0.36 | 2062.01.01 | | Suryapura | 8 | | |
| 111 | Hasnapur Saudiyak Ban Bikas group | RUP/39/PLMG/10 | 2.719 | 2066.03.15 | | Suryapura | 2 | | |
| 112 | Saraswoti | RUP/39/PLMG/11 | 5.621 | 2067.07.14 | | Suryapura | | | |
| 113 | Manthadhari Hriyali | RUP/46/PLMG/01 | 4.157 | | Sarbajanik | Bishnupura | 1,6,7 | Pohawa | 218 |
| 114 | Ahirandihawa | RUP/46/PLMG/... | 1.77 | | Sarbajanik | Bishnupura | 5 | Ahirandihawa | 71 |
| 115 | Bareimai | RUP/37/PLMG/01 | 3.267 | 2063.04.16 | Sarbajanik | Kamhariya | 1 | mahadeva | |
| 116 | Chita Hariyali | | 0.358 | | | Kamhariya | 2 | | |
| 117 | Pragatishil Hariyali | RUP/31/PLMG/03 | 10.159 | 2062.02.16 | Sarbajanik | Manmateria | 8 | dhanaura | 60 |
| 118 | Smriti Hariyali | RUP/31/PLMG/09 | 7.195 | 2063.03.17 | | Manmateria | 9 | | |
| 119 | Boharawa | RUP/31/PLMG/06 | 4.993 | 2064.05.20 | Sarbajanik | Manmateria | 7 | boharawa | 40 |
| 120 | Katarhani Mehnawal | RUP/31/PLMG/07 | 1.565 | 2065.04.25 | Sarbajanik | Manmateria | 2 | mehanawal | 53 |
| 121 | Kardhaniya | RUP/31/PLMG/08 | 0.425 | 2065.05.21 | Sarbajanik | Manmateria | 7 | siswa/gogali | 162 |
| 122 | Jaya Hanuman Hriyali | RUP/31/PLMG/10 | 1.508 | 2065.12.1 | | Manmateria | 7 | | |
| 123 | Gautam Buddha Hariyali | RUP/37/PLMG/01 | 2.226 | 2065.05.01 | | Khudabagar | 2 | | |
| 124 | Lumbini PLMG | RUP/37/PLMG/03 | 0.183 | 2066.01.1 | | Khudabagar | 8 | | |
| 125 | Leduwa Public land | RUP/41/PLMG/.... | 0.638 | | | Parroha | | | |
| 126 | Kushma public land | RUP/41/PLMG/.... | 2.265 | | | Parroha | | | |
| 127 | Barawa Public land | RUP/01/PLMG/.... | 0.681 | | Sarbajanik | Bodbar | 4 | Barawa | |
| 128 | Turiya Public land | RUP/01/PLMG/.... | 0.355 | | Sarbajanik | Bodbar | 4 | | |
| Total | | | 216.86 | | | | | | |

अनुसूची ९ : अन्य प्रयोजनको लागि दिइएको वन क्षेत्रको विवरण

| सि. नं. | आयोजना /संस्थाको नाम ठेगाना | आयोजनाले ओगटेको वन क्षेत्रको जग्गाको क्षेत्रफल (हे.) | उद्देश्य | वन क्षेत्र | नेपाल सरकारको निर्णय मिति | अवधी | राजश्व असुली तरिका | राजश्व दर | कैफियत |
|---------|---|--|---|--------------------|------------------------------|---------|--------------------|-----------|--------|
| १ | बुटवल औद्योगिक क्षेत्र | १५.२६ हे. (३०० रोपनी) | औद्योगिक क्षेत्र स्थापना | बुटवल १० | ०३११०१२२ | - | - | - | |
| २ | बुटवल टेक्निकल इन्स्टिच्युट बुटवल ६ | चारकिल्ला मात्र उल्लेख | बुटवल टेक्निकल इन्स्टिच्युट सञ्चालनार्थ | बुटवल ६ लक्ष्मीनगर | २०३५।९।२८ (राज्यमन्त्रीस्तर) | | | | |
| ३ | धागो कारखाना | १.४ हे. (२८ रोपनी) | धागो कारखाना सञ्चालनार्थ | बुटवल १२ | २०४९।६।५ | - | - | - | |
| ४ | बुटवल न.पा. | ३.२५ हे | | बुटवल | २०५०।६।३ | - | - | - | |
| ५ | सुकुम्बासी समस्या समाधान आयोग | २७४ हे | सुकुम्बासी समस्या समाधान गरी पुर्जा वितरण | जिल्ला भित्र | २०५१।१।६ | - | - | - | |
| ६ | चिल्हिया क्षेत्रमा धर्मशाला निर्माण | १.० हे | धर्मशाला निर्माण | चिल्हिया | २०५१।१२।१३ | - | - | - | |
| ७ | सिद्धार्थ बाल तथा महिला अस्पताल बुटवल ७ | ७.८ हे | अस्पताल सञ्चालन | बुटवल ९ शिवनगर | ०५।४।१२३ | - | - | - | |
| ८ | जिल्ला भू संरक्षण कार्यालय रुपन्देही | ०.०८ हे | कार्यालय निर्माण तथा सञ्चालन | सिद्धार्थनगर | २०५७।७।२७ | - | - | - | |
| ९ | सुस्त मनस्थिती बाल विद्यामन्दिर बुटवल | ०.१४ हे | सुस्त मनस्थिती बाल विद्यामन्दिर सञ्चालन | बुटवल ९ शिवनगर | २०५८।०।५ | - | - | - | |
| १० | जिल्ला अदालत रुपन्देही | ०.१४ हे | कार्यालय निर्माण तथा सञ्चालन | सिद्धार्थनगर | २०५८।८।५ | - | - | - | |
| ११ | जिल्ला खानेपानी कार्यालय | ०.०७ हे | | | २०५८।९।६ | - | - | - | |
| १२ | मानवज्ञान नि.मा.वि. बुटवल | ०.३४ हे | विद्यालय सञ्चालन | बुटवल १२ रामनगर | २०५८।१०।९ | - | - | - | |
| १३ | नेपाल विद्युत प्राधिकरण ग्रामिण विद्युतिकरण | ०.८५ हे. (२५ कट्टा) | सब स्टेशन निर्माण | बुटवल १० | ०५।९।२।२६ | ४० वर्ष | - | - | |

| सि. नं. | आयोजना /संस्थाको नाम ठेगाना | आयोजनाले ओगटेको वन क्षेत्रको जग्गाको क्षेत्रफल (हे.) | उद्देश्य | वन क्षेत्र | नेपाल सरकारको निर्णय मिति | अवधी | राजश्व असुली तरिका | राजश्व दर | कैफियत |
|---------|--|--|---|---------------------------------|---------------------------|---------|---------------------------------------|--------------------|--------|
| | तथा विद्युत प्रसारण सुधार आयोजना | | | | | | | | |
| १४ | नेपाल विद्युत प्राधिकरण, पश्चिमाञ्चल क्षेत्रीय कार्यालय, बुटवल | ०.५१ हे. (१५ कट्ठा) | विद्युत सब स्टेसन निर्माण तथा सञ्चालन | देवदह | २०६०।७।२४ मा मन्त्रिस्तर | ४० वर्ष | वन नियमावली २०५१ को अनुसूची २० अनुसार | ७५।० | |
| १५ | नेपाल विद्युत प्राधिकरण ग्रामिण विद्युतिकरण तथा विद्युत प्रसारण सुधार आयोजना | ०.२५४३ हे. (५ रोपनी) | १३२ के.भी. प्रसारण लाइन सब स्टेसन विस्तार | बुटवल १० | ०६१।३।२९ | - | - | - | |
| १६ | लुम्बिनी केबलकार प्रा.लि. बुटवल न.पा. ५ | ०.२ हे. (४ रोपनी) | केबलकार निर्माण | बुटवल ५ गोलपार्क | २०६१।१२।२४ | २० वर्ष | " " | १२०० प्रति हे. | |
| १७ | बुटवल नगरपालिका | ११.२५ हे. | बुटवल मण्डप निर्माण | बुटवल न.पा. १२ | २०६३।१२।१९ | - | " " | - | |
| १८ | जिल्ला सरकारी वकिलको कार्यालय रुपन्देही | ०.०५ हे. | कार्यालय सञ्चालन | सिद्धार्थनगर | २०६४।५।१९ | - | - | - | |
| १९ | नेपाल कोरिया इन्स्टिच्युट अफ टेक्नोलोजी बु.न.पा. १४ तामनगर (सिटिभिटी) | ६.३ हे. | इन्स्टिच्युट अफ टेक्नोलोजी सञ्चालनको लागि | बुटवल १४ तामनगर | मन्त्रीपरिषद, २०६५।८।४ | २५ वर्ष | रु. ९४५० प्रत्येक आ.व.मा | रु. १५०० प्रति हे. | |
| २० | नेपाली सेना (रणसार्दुल गण रामनगर व्यारेक बुटवल) | १५०२.३ हे. | एकिकृत सैन्य तालिम केन्द्र निर्माण तथा सञ्चालन | सालभण्डी दुधराक्ष | २०६६।११।२३ | - | - | - | |
| २१ | नेपाल प्रहरी दंगा नियन्त्रण गण रुपन्देही | १० हे. | दंगा नियन्त्रण गण स्थापनाको लागि | रुद्रपुर २, फायरलाइन | २०६८।३।२२ | - | - | - | |
| २२ | बुटवल नगरपालिका | ४.८४ हे. | बुटवल न.पा. को फोहरमैला केन्द्र निर्माण (ल्याण्डफिल साइट) | बु.न.पा. ९ शिवनगर सा.व. क्षेत्र | २०६८।४।१९ | २५ वर्ष | वन नियमावली २०५१ को अनुसूची २० अनुसार | रु. ५००। प्रति हे. | |

| सि. नं. | आयोजना / संस्थाको नाम ठेगाना | आयोजनाले ओगटेको वन क्षेत्रको जग्गाको क्षेत्रफल (हे.) | उद्देश्य | वन क्षेत्र | नेपाल सरकारको निर्णय मिति | अवधी | राजश्व असुली तरिका | राजश्व दर | कैफियत |
|------------|---|--|--|--|-------------------------------|------|--|-------------------------|--------|
| २३ | देवदह आदर्श बहुमुखी क्याम्पस देवदह | ०.१७ हे. (५ कट्टा) | क्याम्पस निर्माण तथा सञ्चालन | देवदह | ०६८१९१२ | - | केरवानी ७ रुपन्देहीमा ५ कट्टा जग्गा सट्टा भर्ना प्राप्त | | |
| २४ | नेपाल विद्युत प्राधिकरण, वितरण तथा ग्राहक सेवा, ३३ के.भि. फिडर आयोजना बुटवल | १.१६९ हे. | ३३ के.भि. औद्योगिक फिडर चार्ज गर्न | बुटवल न.पा. १२ | २०६८१२१० | - | - | - | |
| २५ | महिला तथा बालबालिका कार्यालय रुपन्देही | ०.०७९ हे. | कार्यालय स्थापना तथा सञ्चालन | सिद्धार्थनगर न.पा. | २०७०१७२९ | - | - | - | |
| २६ | नेपाल सामुदायिक योग तथा प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र सैनामैना रुपन्देही | ४.४५ हे. | प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र स्थापना तथा सञ्चालन | सैनामैना १ र बुटवल १२ को संगमस्थल बमाहा खोला किनार | २०७०१२१३ | - | जुठापौवा ३ पात्याको ९५-१५-३-०२ जग्गा सट्टा भर्ना प्राप्त | जि.व.का. पात्याको नाममा | |
| २७ | भारतीय पेन्सन पेड्गं अफिस | ०.७ हे. | पेन्सन क्याम्प सञ्चालन | बुटवल १ फुलवारी | ०७३११११७ | - | - | - | |
| २८ | बुटवल उ.म.न.पा. | ०.५२७६ हे. | बुटवल खानेपानी उपआयोजनाको रिर्जभवायर टंकी निर्माण गर्न | बुटवल ९ शिवनगर सा.व. | २०७४१५१२६ | - | - | - | |
| स्थान : २८ | | | | | जम्मा क्षेत्रफल : १८४६.९८ हे. | | | | |

श्रोत : जि.व.का.को. अभिलेख, २०७५ र वन तथा वातावरण मन्त्रालयबाट प्रकाशित प्रतिवेदन २०७५

अनुसुची १०.१ : जिल्ला वन कार्यालय देखी सेक्टर वन कार्यालय र इलाका वन कार्यालय भवन रहेको स्थानसम्मको दुरी, बाटोको किसिम र सञ्चारको व्यवस्था सम्बन्धी विवरण

| सि.नं. | कार्यालय | कार्यालय रहेको ठेगाना | दुरी (कि.मी.) | बाटोको किसिम | सञ्चारको व्यवस्था | कैफियत |
|--------|------------------|-----------------------|---------------|-------------------|---------------------------|--------------------------|
| १ | बुटवल से.व.का. | बुटवल, ९ | २३ | पिचबाटो, राजमार्ग | कार्यालयमा कुनै | |
| २ | शितलनगर से.व.का. | देवदह | ३३ | पिचबाटो, राजमार्ग | सञ्चारको व्यवस्था नभएको । | आफ्नै कार्यालय भवन नभएको |
| ३ | तामनगर इ.व.का. | बु.न.पा. १२ | २८ | पिचबाटो, राजमार्ग | | |
| ४ | परोहा इ.व.का. | सैनामैना | ३५ | पिचबाटो, राजमार्ग | | |
| ५ | बाँसगढी इ.व.का. | सैनामैना | ४० | पिचबाटो, राजमार्ग | | |
| ६ | सालभण्डी इ.व.का. | सैनामैना | ४४ | पिचबाटो, राजमार्ग | कर्मचारीको | |
| ७ | भैसाही इ.व.का. | कञ्चन गा.पा. | ४८ | पिचबाटो, राजमार्ग | नीजि | |
| ८ | ठकुरापुर इ.व.का. | गैडहवा गा.पा. | ३४ | पिचबाटो | मोबाइल | |
| ९ | चिल्हिया इ.व.का. | सिद्धार्थनगर | ० | | मार्फत् | आफ्नै कार्यालय भवन नभएको |
| १० | धकधई इ.व.का. | ओमसतिया | ० | | खबर | |
| ११ | भलुही इ.व.का. | देवदह | २९ | पिचबाटो, राजमार्ग | आदान | |
| १२ | शितलनगर इ.व.का. | देवदह | ३३ | पिचबाटो, राजमार्ग | प्रदान गर्ने | |
| १३ | शिवनगर इ.व.का. | बुटवल ७ | २३ | पिचबाटो, राजमार्ग | गरेको । | |
| १४ | शंकरनगर इ.व.का. | तिलोत्तमा न.पा. | १९ | पिचबाटो, राजमार्ग | | आफ्नै कार्यालय भवन नभएको |

अनुसुची १०.२: जिल्ला वन कार्यालयसँग (सदरमुकामबाट) साविक गा.वि.स.हरूको दुरी

| साविक गा.वि.स./ न.पा. | सदरमुकाम सम्मको दुरी (माइल) | हालको गा.पा. /न.पा |
|------------------------|-----------------------------|------------------------|
| मक्रहर | १० | तिलोत्तमा न.पा. |
| केरवानी | १४ | देवदह न.पा. |
| देवदह | १३ | देवदह न.पा. |
| छौ. रामनगर | ९ | ओमसतिया गा.पा. |
| सिक्कटहन | १० | देवदह न.पा. |
| पटखौली | ७ | ओमसतिया गा.पा. |
| छिपागढ | ९ | रोहिणी गा.पा. |
| धकधई | ६ | रोहिणी गा.पा. |
| पोखरभिन्डी | ६ | रोहिणी गा.पा. |
| बोदवार | ११ | रोहिणी गा.पा. |
| पजरकट्टी | ६ | रोहिणी गा.पा. |
| गंगोलिया | ८ | तिलोत्तमा न.पा. |
| चिल्हिया | ४ | सियारी गा.पा. |
| पडसरी | २ | ओमसतिया गा.पा. |
| बसन्तपुर | ३ | ओमसतिया गा.पा. |
| बगाहा | ४ | रोहिणी गा.पा. |
| सिद्धार्थनगर नगरपालिका | ० | सिद्धार्थनगर नगरपालिका |
| मधवलिया | ६ | तिलोत्तमा न.पा. |
| हा. फर्साटिकर | ५ | ओमसतिया गा.पा. |
| हाटिवनगाई | ३ | मायादेवी गा.पा. |
| मैनहिया | ८ | सियारी गा.पा. |
| दयानगर | ११ | सियारी गा.पा. |
| प. अमुवा | ९ | सियारी गा.पा. |
| टिकुलीगढ | ७ | तिलोत्तमा न.पा. |
| शंकरनगर | ११ | तिलोत्तमा न.पा. |
| करहिया | १० | तिलोत्तमा न.पा. |
| आनन्दवन | ९ | तिलोत्तमा न.पा. |
| सेमलार | १८ | बुटवल उ.म.न.पा. |
| मानपकडी | १२ | शुद्धोदन गा.पा. |
| ख. वनगाई | १४ | शुद्धोदन गा.पा. |
| हनैया | ९ | सियारी गा.पा. |
| सौ. फर्साटिकर | १२ | शुद्धोदन गा.पा. |
| बुटवल नगरपालिका | २२ कि.मी. | बुटवल उ.म.न.पा. |
| परोहा | १८ | सैनामैना न.पा. |
| मोतिपुर | १३ | बुटवल उ.म.न.पा. |
| विष्णुपुरा | १४ | गैडहवा गा.पा. |
| गजेडी | १६ | कञ्चन गा.पा. |
| सूर्यपुरा | १३ | गैडहवा गा.पा. |
| मानमटेरिया | १३ | शुद्धोदन गा.पा. |

| | | |
|---------------|----------|---------------------|
| दुधराक्ष | २० | सैनामैना न.पा. |
| रुद्रपुर | १७ | कञ्चन गा.पा. |
| सालभण्डी | २१ | सैनामैना न.पा. |
| साडी | १४ | गैडहवा गा.पा. |
| असुरैना | १३ | सम्मरीमाई गा.पा. |
| वोगडी | १८ | कोटहीमाई गा.पा. |
| मभगावा | १२ | कोटहीमाई गा.पा. |
| समेरा मर्चवार | १८ | मर्चवारी गा.पा. |
| करौता | १८ | सम्मरीमाई गा.पा. |
| थु. पिप्रहवा | १६ | सम्मरीमाई गा.पा. |
| फरेना | १४ | सम्मरीमाई गा.पा. |
| वेतकुइया | १२ | सम्मरीमाई गा.पा. |
| रोइनीहवा | १५ | सम्मरीमाई गा.पा. |
| रायपुर | १७ | मर्चवारी गा.पा. |
| सिलौटिया | १४ | मर्चवारी गा.पा. |
| वगौली | १६ | मर्चवारी गा.पा. |
| सक्रोन पकडी | १० | कोटहीमाई गा.पा. |
| वैरघाट | १० | कोटहीमाई गा.पा. |
| मर्यादपुर | ८ | कोटहीमाई गा.पा. |
| गोनाहा | ७ | मायादेवी गा.पा. |
| जोगडा | १२ | गैडहवा गा.पा. |
| धमौली | १० | मायादेवी गा.पा. |
| एकला | १० | लुम्बिनी सां. न.पा. |
| खुदावागर | ९ | लुम्बिनी सां. न.पा. |
| मसिना | १४ | लुम्बिनी सां. न.पा. |
| तेनुहवा | १२ | लुम्बिनी सां. न.पा. |
| लुम्बिनी | २३ कि.मी | लुम्बिनी सां. न.पा. |
| भगवानपुर | १५ | लुम्बिनी सां. न.पा. |
| त्रामा | १७ | लुम्बिनी सां. न.पा. |
| सिपवा | ११ | कोटहीमाई गा.पा. |
| मधुवनी | १० | लुम्बिनी सां. न.पा. |
| कम्हरिया | ८ | मायादेवी गा.पा. |

अनुसूची ११.१ : वन अतिक्रमणको विस्तृत विवरण

| से.व.का. | इलाका | साविक गा.वि.स. | वडा नं. | अतिक्रमण भएको स्थान | अन्दाजी क्षेत्रफल (हे) | घरघुरी संख्या | अतिक्रमण मिति | अतिक्रमण हटाउन (सकिने/ नसकिने / कठिन) | कैफियत |
|----------|----------|----------------|---------|--|------------------------|---------------|-----------------------|---------------------------------------|---------------------|
| वुटवल | ठकुरापुर | विष्णुपुरा | ५ | वरगदवा | १० | १२० | २०३७ देखि | नसकिने | |
| " | " | " | ६ | वरगदवा | ४ | १० | २०३७ देखि | " | |
| " | " | " | ५ | गैडहवा | ३५ | २५ | २०३७ देखि | " | |
| " | " | " | १ | गैडहवा ताल पूर्व उत्तर | १२ | ३८ | २०३७ देखि | " | |
| " | " | " | १,९ | गैडहवा ताल उत्तर | १० | १५ | २०४९ देखि | " | |
| " | " | " | ९ | चंचलीमाइको धान | २२ | ४१ | २०३७ देखि | " | |
| " | " | " | ४ | कुशमहवा मुखियाटोल | ५० | ५० | २०३७ देखि | " | |
| " | " | " | ४,१ | जितपुर सा.व., मुडफुटुवा उत्तर | ५० | ३० | २०५४ देखि | सकिने (प्रयास जारी) | ७ वटा खरको कच्ची घर |
| " | " | " | १ | पोहिया | २५ | १७ | २०३७ देखि | नसकिने | |
| " | " | " | १ | मिनमिनवा | ३५ | २० | २०३७ देखि | " | |
| " | " | " | १ | धठैनिया | १५ | १५ | २०३७ देखि | " | |
| " | " | रुद्रपुर | ७ | मनधहवा | २० | ८ | २०३७ देखि | " | |
| " | " | " | ९ | ठकुरापुर | ३ | ३० | २०३७ देखि | " | |
| " | " | " | ७ | करंडघारी | ५० | १८० | २०३७ देखि | " | |
| " | " | " | ९ | हनुमान नगर प्रतापपुर जिगनीया डाडा | १३० | १५५ | २०३७ देखि | " | |
| " | " | " | ७,१ | अस्नैया | १५० | १२५ | २०३७ देखि | " | |
| " | " | सूर्यपुरा | ५ | काकीटोल धमिनाताल | ११५ | १५० | २०३७ देखि | " | |
| " | " | सूर्यपुरा | १ | दुसुवा, हर्नेया | १०० | ४४० | २०३७ देखि | " | |
| वुटवल | ठकुरापुर | सूर्यपुरा | ५ | शान्ति बजार सालघारी | ४० | ४० | " | " | |
| " | " | " | ५ | ऐचावाल | २० | १५ | " | " | खेत |
| " | " | " | २ | पिपरीचापा | १५० | ३५० | २०३६ देखि | " | |
| " | " | " | २ | कोत्रहवा | १०० | ५०० | " | " | |
| " | " | " | ३ | भैसाही | १६० | ३०० | " | " | |
| " | " | " | ४ | सन्डहवा | २०० | ४०० | " | " | |
| " | " | " | ५ | वनकसियाचापा | १५० | ३०० | " | " | |
| " | " | " | ६ | रुद्रपुर | २०० | ४०० | " | " | |
| " | " | " | ८ | वरगदवा, भारगौरा, रुद्रपुर | १५० | २५० | " | " | |
| " | सालभण्डी | सालभण्डी | १ | पुलवारी भिमपुर | ७५ | १०० | " | " | |
| " | " | " | २ | कटनी | २५ | ३० | " | " | |
| " | " | " | ३ | पानवारी | २० | ५० | " | " | |
| " | " | " | ५ | जरलेवा र वनभुसडी | ३० | ७५ | " | " | |
| " | " | " | ७ | वनकट्टी डाडा | २० | ८५ | " | " | |
| " | बांसगढी | गजेडी | २ | बेलभरीया | २८ | | २०२७ देखि र २०५३ देखि | " | |
| " | " | " | १,२ | बकुलाघाट | ९ | | " | " | |
| " | " | " | ३ | रातडाडा | ८ | | " | " | |
| " | " | " | ९ | चौधरीघोला | १२ | | " | " | |
| " | तामनगर | बु.न.पा. | १४ | चिडियाखोला राजमार्ग देखि पश्चिम दक्षिण | ८ | ५५ | २०५० देखि | " | |
| " | " | " | ९ | सतगढी खोला पूर्व | ३ | १५ | " | " | |

| से.व.का. | इलाका | साविक गा.वि.स. | वडा नं. | अतिक्रमण भएको स्थान | अन्दाजी क्षेत्रफल (हे) | घरघुरी संख्या | अतिक्रमण मिति | अतिक्रमण हटाउन (सकिने/ नसकिने / कठिन) | कैफियत |
|----------|---------|----------------|---------|--|------------------------|---------------|---------------|---------------------------------------|----------------|
| " | " | " | १५ | जितगढी डाडा | २ | २५ | " | " | |
| " | " | " | १ | सिखवेउराली | १ | ५० | " | " | |
| " | " | " | १४ | ज्यामिरे पैरो मुनि | १ | १ | " | " | |
| " | " | " | ५ | चिडियाखोला राजमार्ग देखि पश्चिम दक्षिण | ३ | १५० | " | " | |
| " | " | " | ५ | बमघाट नाग मन्दिर | २ | ४० | " | " | |
| " | " | " | ६ | आदर्शनगर | ५ | १५ | " | " | |
| " | परोहा | परोहा | १ | कान्छीबजार सिसौडाडा, असनैया, लु.रोड छेउछाउ | ६० | १५० | २०२५ देखि | " | |
| " | " | " | २ | बर्माडाडा | ४० | ८० | " | " | |
| " | " | " | ४ | मुर्गिया बजार पारी र खासी खप्पर खोला पर्सवाल | २०० | २०० | " | " | |
| " | " | " | ५ | मुरघनिटोल सोरौली उचादेहवा | ७५ | १५० | " | " | |
| " | " | " | ६ | खगनपुर सैनामैना,वनकट्टा,रानीकुवा | ७५ | २०० | " | " | |
| सितलनगर | भलुही | मकरहर | ६ | भु.पु.सैनिक | २५० | ८०० | ०३८।४० | " | |
| " | " | " | ६ | मन्द्रानी | ३० | २१० | २०३८।०४० | " | |
| " | " | " | ६ | पेट्टानी | २५ | ८० | २०३० | " | |
| " | " | " | | महनाजोत | ४०० | १००० | ०३६।३७ | " | |
| " | " | देवदह | ९ | बरेलीडाडा | ३० | ६० | ०३५।३६ | " | |
| " | " | " | ९ | मुठावास | १० | ३० | ०४०।४२ | " | |
| " | " | " | ३ | सरनटांडी | १२० | ५५ | २०३।१०३५ | " | |
| " | " | " | ७ | घोडाहा उत्तर दक्षिण | ३५ | ७५ | २०४।०।४२ | " | |
| " | " | " | ३ | केउली | १० | १५ | २०४।०।४२ | " | |
| " | " | " | ३ | सटरखोला | ५ | १५ | २०४।०।४२ | " | |
| " | " | " | ३ | गजेडी | १५ | २० | २०४।०।४२ | " | |
| " | " | देवदह | ८ | वागकुमार | १० | २० | २०२४ | " | साइमन्ड र समेत |
| " | सितलनगर | " | १ | टटेराचापी | २०० | ४५० | २०३३ | " | |
| " | " | " | ५ | बाढीपिडित | ५० | ३५० | २०३६ | " | |
| " | " | " | ५ | सितलनगर | ६० | २०० | २०३६ | " | |
| " | " | " | १,२,३,४ | पिपलडाडा, खैरेनी, दाउन्ने, प्रगती बजार कोलवा | ४८० | १०५० | २०२८ | " | |
| " | " | " | ६ | मुखीयाटोल | ६० | १२५ | २०३६ | " | |
| " | " | " | ६ | स्यालभुके प्रगतिटोल | ६० | ४०० | २०३६ | " | |
| " | " | " | ७ | टटेराचापी | ४५ | ११५ | २०३६ | " | |
| " | " | केरवानी | ७ | पिपैया डमरुवा, भवानीपुर | १५० | १२०० | २०२९ | " | |
| " | शिवनगर | देवदह | ९ | चरङ्गे | १००० | १५०० | २०२७ | " | |
| वुटवल | बांसगढी | गजेडी | ५ | मसिना | ११९ | ९० | | | |
| " | " | " | ६ | वगई | १५० | ६० | | | |
| " | " | " | ७ | सुकेताल | ११० | १५० | | | |
| " | " | " | ८ | राफलापुर | ८० | ११० | | | |

| से.व.का. | इलाका | साविक गा.वि.स. | वडा नं. | अतिक्रमण भएको स्थान | अन्दाजी क्षेत्रफल (हे) | घरघुरी संख्या | अतिक्रमण मिति | अतिक्रमण हटाउन (सकिने/ नसकिने / कठिन) | कैफियत |
|----------|----------|----------------|---------|---|------------------------|---------------|---------------|---------------------------------------|--------|
| " | " | " | २ | बेलभरिया बकुलाघाट शान्तिवजार | २१५ | १४५ | | कठिन | |
| " | " | " | १ | लौसा, ठूलो उकाली,साना उकाली, रातडाडालौसाताल | २७५ | ३१५ | | कठिन | |
| " | " | " | ३ | दानापुर, कुचेरा, सोनपुर | २१० | १९० | | कठिन | |
| " | " | " | ४ | कुत्ता भैरवघाट,गजेडी गाउँको केहीभाग | १७० | ३५० | | कठिन | |
| " | " | " | ९ | ढोले | ६५ | ५५ | | कठिन | |
| " | " | दुधराक्ष | ९ | बनकट्टीडाडा, उपल्लो बासगढी | २५५ | १९५ | | कठिन | |
| " | " | " | ५ | बांसगढी | १८५ | ११७ | | कठिन | |
| " | " | सूर्यपुरा | १,२ | ढुस्सा, सितलडाडा मैनाहिया आमी | २९० | १७५ | | | |
| " | " | दुधराक्ष | ७ | देवापार | १७५ | ११७ | | कठिन | |
| " | " | " | ४ | बनरहवा,वाचंखीपुर, भुजेनी, कुमारगढी | २१५ | १६० | | कठिन | |
| " | " | " | ६ | बालापुर | ७५ | १०० | | कठिन | |
| " | " | " | ६ | बक्सर्ड | १० | १५ | | कठिन | |
| | कुलजम्मा | | | | ८३४६ | | | | |

हटाउन नसकिने कारणहरु :

- (क) ५ वर्ष देखि २५ वर्ष सम्मका पुरानो बसोवास भैसकेको :
- (ख) हाल उक्त स्थानहरुमा यातायात विजुली, खानेपानी आदिको भौतिक सुविधा भएकोले
- (ग) मतदाता नामावलीमा नाम समावेश भैसकेको
- (घ) राजनैतिक दवावको कारणले बाधा हुने ।
- (ड.) सुकुम्बासीको जग्गालाई लालपूर्जा दिने भएकोले ।

अनुसुची ११.२ : वन क्षेत्र अतिक्रमण गरी बसेका विद्यालयहरुका विवरण

क) शितलनगर सेक्टर वन कार्यालय अन्तर्गतको वन क्षेत्रमा रहेका

| क्र.सं. | विद्यालयको नाम | ठेगाना (साविक गा.वि.स.) | ओगटेको क्षेत्रफल (बिघामा) | स्थापना | इलाका |
|---------|-----------------------------------|-------------------------|---------------------------|---------|---------|
| १ | चरङ्गे सिता मा. वि. | देवदह-९ | ०-५-० | | शिवनगर |
| २ | सन्दिप प्रा.वि. | देवदह-७, घोडाहा | ४-०-० | | भलुही |
| ३ | कालिका प्रा. वि. | देवदह-३, सरहनटाँडी | ०-५-० | | भलुही |
| ४ | सरस्वती नि.मा.वि. | देवदह-३, केउली | ०-५-० | | भलुही |
| ५ | जनकल्याण प्रा.वि. | देवदह-९, मुढावास | ०-५-० | | भलुही |
| ६ | भुल्के नि.मा.वि. | मक्रहर-६, भू.पू. सैनिक | ५-०-० | | भलुही |
| ७ | गणेशनगर नि.मा.वि. | मक्रहर-६, गणेशनगर | ४-०-० | | भलुही |
| ८ | नवज्योति शंकरमान श्रेष्ठ प्रा.वि. | मक्रहर-८ | १-०-० | | भलुही |
| ९ | जनता मा.वि. | मक्रहर-९ | ७-०-० | | भलुही |
| १० | मानवज्ञान उच्च मा.वि. | बु.न.पा.-१२, रामनगर | २-१३-३ | | शंकरनगर |
| ११ | जनभावना मा.वि. | करहिया-८ | २-१०-० | | शंकरनगर |
| १२ | देवदह आदर्श बहुमुखी क्याम्पस | देवदह-५, सितलनगर | ३-०-० | २०६७ | सितलनगर |
| १३ | देवदह उच्च मा.वि. | देवदह-५ | २-०-० | २०४० | सितलनगर |
| १४ | यूगज्योति मा.वि. | देवदह-३ | ३-०-० | २०४२ | सितलनगर |
| १५ | उदय प्रा.वि. | देवदह-५ | २-०-० | २०५२ | सितलनगर |
| १६ | मदरटङ्गस एकेडमी | देवदह-२ | १-०-० | २०५५ | सितलनगर |
| १७ | न्यू लुम्बिनी ई.बो. स्कूल | देवदह-२ | १-०-० | २०५२ | सितलनगर |
| १८ | बुद्ध पब्लिक ई.बो. स्कूल | देवदह-२ | १-०-० | २०५८ | सितलनगर |
| १९ | प्रजापति गौमति प्रा.वि. | देवदह-२ | ३-०-० | २०५३ | सितलनगर |
| २० | देवदह आ.ब. क्याम्पस (शाखा) | देवदह-२ | ३-०-० | २०६७ | सितलनगर |
| २१ | ग्रिनप्लान्ट हा.सेकेण्डरी स्कूल | देवदह-४ | १-१०-० | २०४७ | सितलनगर |
| २२ | देवदह ई.बो. हाई स्कूल | देवदह-४ | १-०-० | २०५७ | सितलनगर |
| २३ | सगरमाथा कलेज | देवदह-५ | १-१०-० | २०६५ | सितलनगर |
| २४ | जनता मा.वि. | देवदह-६ | ३-०-० | | सितलनगर |
| २५ | महामाया उच्च मा.वि. | केरवानी-७ | ५-०-० | २०२७ | सितलनगर |
| २६ | मायादेवी प्रा.वि. | केरवानी-६ | १-०-० | २०४९ | सितलनगर |
| २७ | मदरल्याण्ड एकेडमी | केरवानी-६ | १-०-० | २०५५ | सितलनगर |
| २८ | केरवानी उच्च मा.वि. | देवदह-१ | ३-१०-० | २०१० | सितलनगर |
| २९ | ज्ञानज्योति मा.वि. | देवदह-६ | १-०-० | २०४३ | सितलनगर |

ख) बुटवल सेक्टर वन कार्यालय अर्न्तगतका वन क्षेत्रमा रहेका

| सि.नं. | इलाका | विद्यालयको नाम | ठेगाना साविक गा.वि.स. | चर्चेको जग्गा (विघामा) | कैफियत |
|--------|----------|------------------------------|-----------------------|---------------------------|-----------------|
| १ | परोहा | परोहा उच्च मा.वि. | परोहा - १ | ७ -०-० | भवन र कम्पाउन्ड |
| २ | | सैनामैना उच्च मा.वि. | परोहा - ६ | २-६-३ | " |
| ३ | | दुर्गा भवानी उच्च मा.वि. | परोहा - ६ | ११ -०-० | " |
| ४ | | जनज्योति नि.मा.वि. | परोहा - ४ | ०-९-४ | |
| ५ | | परोहा परमेश्वर | परोहा - २ | ३-१०-० | |
| ६ | | सुद्धोधन प्रा.वि. | परोहा - ९ | ०-४-० | |
| ७ | | कालिका नि.मा.वि. | परोहा - ५ | ०-१६-० | |
| ८ | बाँसगढी | जनचेतना मा.वि. | दुधराक्ष - ५ | २-०-० | |
| ९ | | कालिका मा.वि. | दुधराक्ष - ४ | ४-०-० | |
| १० | | दुर्गा उच्च मा.वि. | गजेडी - १ | १-०-० | |
| ११ | | बुद्धभूमि मा.वि. | गजेडी - २ | ७-०-० | |
| १२ | | गजेडी उच्च मा.वि. | गजेडी - ४ | ३-०-० | |
| १३ | | प्रगति उच्च मा.वि. | गजेडी - २ | ३-०-० | |
| १४ | | इन्द्रुरिया प्रा.वि. | दुधराक्ष - १ | ४-१५-० | |
| १५ | | गोरखनाथ प्रा.वि. | दुधराक्ष - १ | २-५-० | |
| १६ | सालभण्डी | सालभण्डी मा.वि. | सालभण्डी - १ | १५-०-० | |
| १७ | | कन्चन प्रा.वि. | सालभण्डी - ३ | ३-१५-० | |
| १८ | | मडेरवा देवि नि.मा.वि. | सालभण्डी - ५ | ६-०-० | |
| १९ | ठकुरापुर | नवदुर्गा मा.वि. | विष्णुपुरा - १ | ४-१०-० | |
| २० | | हरैया बहुमुखी क्याम्पस | रुद्रपुर - ८ | ४-१०-० | |
| २१ | | धमिनाताल नि.मा.वि. | रुद्रपुर - ७ | ६-०-० | |
| २२ | | रुद्रपुर उच्च मा.वि. | रुद्रपुर - १ | ६-०-० | |
| २३ | | मुक्तीधाम नि.मा.वि. | विष्णुपुरा - ९ | १-१०-० | |
| २४ | | ज्ञानज्योति नि.मा.वि. | रुद्रपुर - ९ | ३-०-० | |
| २५ | भैसाही | ज्ञानोदय नि.मा.वि. | रुद्रपुर - २ | २-०-० | |
| २६ | | भैसाही मा.वि. | रुद्रपुर - ३ | १-१०-० | |
| २७ | | लुम्बीनी ज्ञान निकेतन मा.वि. | रुद्रपुर - ६ | १-१०-० | |
| २८ | | बालकल्याण नि.मा.वि. | रुद्रपुर - ५ | ५-०-० | |
| २९ | तामनगर | जितेश्वरी नि.मा.वि. | बु.न.पा. - १५ | २-०-० | |
| ३० | | बाल स्कुल | बु.न.पा. - १५ | ०-५-० | |
| | | जम्मा | | ११५-५-७ (अनुमानित) | |

अनुसुची १२ : वन तथा वन्यजन्तु सम्बन्धि अपराधहरुको अद्यावधिक विवरण

१२.१: जिल्ला वन कार्यालय रुपन्देहीमा दायर वन मुद्दाको विवरण

| सि.नं. | आर्थिक वर्ष | मुद्दा संख्या | अभियुक्त संख्या | बरामद काठ (घ.फि.) |
|--------|-------------|---------------|-----------------|-------------------|
| १ | ०७०।७१ | २६ | ४४ | १५०.८ |
| २ | ०७१।७२ | १६ | ३५ | १७५.३३ |
| ३ | ०७२।७३ | १२ | ३४ | ४७७.२६ |
| ४ | ०७३।७४ | ८ | १९ | ६२०.१६ |
| ५ | ०७४।७५ | ७ | १७ | १५७.२७ |

१२.२: रुपन्देही जिल्ला अदालतमा दायर वन मुद्दाको विवरण

| सि.नं. | आर्थिक वर्ष | मुद्दा संख्या | अभियुक्त संख्या | बरामद काठ (घ.फि.) |
|---|-------------|---------------|-----------------|-------------------|
| १ | ०७०।७१ | १५ | ५१ | ४०७.०५ |
| २ | ०७१।७२ | १८ | ५२ | ७१०.०६ |
| ३ | ०७२।७३ | २ | ५ | ३६.०६ |
| ४ | ०७३।७४ | ९ | ३९ | ४९५.८५ |
| ५ | ०७४।७५ | ५ | १० | १७०.६२ |
| <p>आ.व. ०७४।७५ मा गैडाको खाग ओसारपसारको को १ मुद्दा ९ जना अभियुक्त र धुवाँसे चितुवा र चरी बाघको छाला ओसारपसारको १ मुद्दा दायर भएको सो मा ३ जना अभियुक्त रहेको ।</p> | | | | |

अनुसुची १३ : जिल्लामा हाल सम्म भएको वृक्षरोपणको विवरण

| क्र.सं. | अवधि | क्षेत्रफल (हे.) | वृक्षारोपण गर्ने निकाय |
|---------|----------|-----------------|--|
| १ | २०१८-०२५ | १६३ | लुम्बिनी वन डिभिजन |
| २ | २०३२-०४३ | ६२०.३२ | सामुदायिक तथा निजी वन महाशाखा |
| ३ | २०४१-०५० | ५९०.४६ | तराई सामुदायिक वन विकास कार्यक्रम |
| ४ | २०५१-०५६ | ९७.५ | कबुलियती वन |
| ५ | २०५७-०५९ | १८.९ | कबुलियति वन र वन व्यवस्थापन कार्यक्रम |
| ६ | २०६०-०६१ | २८.७६ | एल.एफ.पी.को सहयोगमा (सरकारी वनमा ४.२५ हे.सामुदायिक वनमा १०.५ सार्वजनिक जग्गा धकधई ९.२५ र मानमटेरियामा ४.६७ हेक्टर जग्गा) |
| ७ | २०६१-०६२ | ७२.९४ | २९.०६ सामुदायिक क्षेत्रमा ३३.८८ नेकोसबाट र १० हे. जि.व.का.बाट सार्वजनिक पर्तिमा |
| ८ | ०६२-०६३ | ४१.५ | मोतिपुर २० हे. कालीगण्डकी जलविद्युतको क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण र विभिन्न सा.व.मा २१.५ हेक्टर |
| ९ | ०६३-०६४ | १०८.८६ | सार्वजनिक जग्गा २३.५ सामुदायिक १० हे, सौराहा ४ हे नेकोसबाट ०६२/०६३ मा थप ३७ हे र ०६३ आषाढ श्रावणमा ३४.८६ हे. वृक्षारोपण सम्पन्न भएको । विभिन्न सा.वन र सार्वजनिक जग्गामा लाखौं विरुवा लगी वृक्षारोपण गरेको क्षेत्रफल रेकर्ड प्राप्त नभएको |
| १० | ०६४-०६५ | ५५.७९ | एल.एफ.पी.को आर्थिक सहयोगमा देवदह चरङ्गेमा ६ हेक्टर जग्गामा अमला रोपण, तिनाउ नदी किनारामा २० हेक्टर बांस रोपण र विभिन्न २० स्थानमा २९.७९ हेक्टर सार्वजनिक जग्गामा समुह मार्फत वृक्षारोपण भएको । |
| ११ | ०६४-०६५ | १२ कि.मी. | मर्चवार नहर किनाराका सार्वजनिक जग्गाहरुमा वृक्षारोपण गरेको । |
| १२ | ०६६-०६७ | २५.० हे. | सार्वजनिक |
| १३ | ०६७-०६८ | ८.० हे. | सार्वजनिक |
| १४ | ०६८-६९ | ३० हे. | सार्वजनिक जग्गा (आमा १० हे., तेनुहवा ५ हे., भगवानपुर २ हे., जोगडा ३ हे.) सामुदायिक वन: ८हे. (प्रगति, बुद्धनगर, मिलन, हरियाली, बुद्धमावली, प्रगति महिला, शिवालय, बुद्ध सा.व.उ.स. देवदहमा १।१ हे. का दरले), बु.न.पा.संग साभेदारीमा १ हे. र बसन्तपुर गा.वि.स. ६ को गोन्हिया जल उपभोक्तासँग समन्वय गरी १ हे.मा । |
| १५ | ०६९-७० | ७० हे. | जितपुर सा.व. विष्णुपुरामा ३० हे., रोहिणी खोलाको नदी उकास जग्गामा १० हे., नीजि तथा सार्वजनिक जग्गामा १० हे. र विभिन्न सा.व.मा २० हे. |
| १६ | ०७० -७१ | १५१.३३ हे. | बुद्ध सा.व. देवदह १९.२९ हे, जितपुर सा.व.१८ हे. बुटवल न.पा. ४२ हे. सार्वजनिक र निजी जि.व.का. मार्फत ५६.२५ हे. ३९ सार्वजनिक |

| क्र.सं. | अवधि | क्षेत्रफल (हे.) | वृक्षारोपण गर्ने निकाय |
|-------------|---------|-----------------|---|
| | | | जग्गा व्यवस्थापन समूह क्षेत्रमा रिम्स र नेकोसमार्फत ५५.७९ हे. |
| १७ | ०७१ -७२ | ११३.३४ हे. | नवदुर्गा सा.व.६.५ हे. सगरहवा सा.व. १० हे. पोखरभिण्डी १.७८ हे. बसन्तपुर ४.३५ हे. तिलोत्तमा १६ मा १२ हे. बुद्ध सा.व.मा १३.७५ हे. देवदह क्षेत्र १२.३८ हे. मिलन सा.व. ६.५ हे. प्रगति सा.व. ३ हे. हरियाली सा.व.५.५९ हे. मानमटेरिया ६ हे. लु.सां.न.पा. ५ हे. मभगावाँ ५ हे. हर्नेया २.५ हे. सिक्टहन २.२५ हे. मानपकडी २.५ हे. सिपवा ४.५ हे. सुर्यपुरा २.२८ हे. मक्रहर १.५ हे. सौ. फर्साटिकर १.५ हे. अमुवा १.५ हे. र अन्यत्र १.९६ हे. |
| १८ | ०७२ -७३ | १४५.०२ हे. | सिक्टहन बडकिगुम्बी ३.२० हे., हाटिफसीटकर छठिमाइ १.४८ हे., पिपलडाँडा सा.व. २.५ हे., देउराली सा.व.१५ हे., शिवालय सा.व. १०.३७ हे., रतनपुर सा.व. ३.१० हे., स्मृति सा.व. ८ हे., हरियाली २ हे., सगरहवा सा.व. २१.७७ हे., नवदुर्गा सा.व. १० हे., जितपुर सा.व. ९ हे., ऐचावल सा.व. २.५ हे., जितेश्वरी सा.व. मानमटेरिया, ८.५ हे., बेतवलिया ३ हे., बुद्ध सा.व. ५ हे., समाज सा.व. १ हे., गौतमबुद्ध सा.व. १ हे., समयमाइ सा.व. ५.५ हे., रुद्रपुर धमिनाताल १५.१० हे., सैनामैना ७.५ हे., नमुना सा.व. २.५ हे., बुद्धमावली सा.व. ३ हे., रोहिणी १.५ हे. र मिलन सा.व. २.५ हे. |
| १९ | ०७३ -७४ | ८६.६० हे. | शिवालय सा.व. ९ हे., खैरेनीकुट्टा सार्वजनिक जग्गा ५.६५ हे., बुद्धनगर सा.व. २.३२ हे., शिवनगर सा.व. ३.२५ हे., देउराली सा.व. १.५ हे., नमुना सा.व. २ हे., धकधई इ.व.का. क्षेत्र अन्तरगत ८ हे., ऐचावल ठकुरापुर सा.व. ४ हे., गौतमबुद्ध सा.व. १ हे., नवदुर्गा सा.व. ६ हे., रुद्रपुर धमिनाताल सा.व. ११.३८ हे., जमुनाघाट सा.व. २.५ हे., शंकरनगर सा.व. ७ हे., रुद्रपुर सा.व. ४ हे., वोल्बम सा.व. ३ हे., चारपाला सा.व. १० हे., स्मृती सा.व. ६ हे. । |
| २० | ०७४ -७५ | ३७ हे. | रुद्रपुर धमिनाताल सा.व.५ हे., जितपुर सा.व. २ हे., ऐचावल ठकुरापुर सा.व. ३ हे., बुद्ध सा.व. ५ हे., नवदुर्गा, मैनीहवा, कुशमी र गौतमबुद्धमा १२ हे., सगरहवा सा.व. ५ हे. र सुखौरा हरियाली सा.व.मा ५ हे. । |
| कुल जम्मा : | | | २७२१.८३ हेक्टर र १२ कि.मी. |

अनुसुची १४ : जिल्लामा भएका स्थायी नर्सरी तथा अन्य नर्सरीहरूको विवरण

| सि.नं. | नर्सरीको नाम | नर्सरी भएको स्थान | नर्सरीको क्षमता | नर्सरीको प्रकार | कैफियत |
|--------|-----------------------------|-------------------|-----------------|-----------------|-----------|
| १. | जिल्ला नर्सरी | बसन्तपुर ८ | २,००,००० | स्थायी | सरकारी |
| २. | शितलनगर इलाका वन नर्सरी | देवदह | १,००,००० | स्थायी | सरकारी |
| ३. | मर्चवार नर्सरी | मभगावा | ८०,००० | अस्थायी | सरकारी |
| ४. | ठकुरापुर इ.व.का. नर्सरी | विष्णुपुरा | ८०,००० | स्थायी | सरकारी |
| ५. | मानमटेरीया नर्सरी | मानमटेरीया | ५०,००० | अस्थायी | सरकारी |
| ६. | बाउन्नकोटी सा.व.उ.स. नर्सरी | चिल्हिया | १५,००० | अस्थायी | सामुदायिक |
| ७. | शंकरनगर सा.व.उ.स. नर्सरी | शंकरनगर | २०,००० | अस्थायी | सामुदायिक |
| ८. | चारपाला सा.व.उ.स. नर्सरी | बुटवल १२ | १५,००० | अस्थायी | सामुदायिक |
| ९. | जितेश्वरी सा.व.उ.स. नर्सरी | बुटवल १३ | २०,००० | अस्थायी | सामुदायिक |
| १०. | नमुना सा.व.उ.स. नर्सरी | सैनामैना | ४०,००० | अस्थायी | सामुदायिक |
| ११. | रुद्रपुर सा.व.उ.स. नर्सरी | कञ्चन ५ | २०,००० | अस्थायी | सामुदायिक |

**अनुसूची १५ : जिल्लाबाट संकलन भइ बिक्री वितरण भएको काठ, दाउरा, जडिवुटि,
हुंगा गिट्टी बालुवा आदिको उत्पादन परिमाण तथा बिक्री भइ आएको राजस्व
परिमाणको शुरु देखि हाल सम्मको अद्यावधिक तथ्यांक विवरण**

१५.१ विगत ५ वर्षमा जि.व.का, टिसिएन र आपूर्ति समितिबाट भएको काठ दाउरा बिक्रीको विवरण

| सि. नं. | आ.व. | जि.व.का.को बिक्री | | | टि सि एन को बिक्री | | | आपूर्ति समितिको बिक्री | | |
|---------|--------|-------------------|----------|-------|--------------------|------|-------|------------------------|--------|-------|
| | | साल | अन्य | दाउरा | साल | अन्य | दाउरा | साल | अन्य | दाउरा |
| १ | ०७०।७१ | ७२१.१३ | १४२०.६५ | २.५ | ५१७९.३५ | ० | ० | ७५७८.१४ | ० | १२ |
| २ | ०७१।७२ | १८३३७.५१ | १९४३२.९३ | ७४ | ० | ० | ० | १४२६५.२९ | ० | ७ |
| ३ | ०७२।७३ | ११३३९.३९ | १२५०९.६६ | १९ | ० | ० | ० | १४९२०.७५ | ० | १४.९ |
| ४ | ०७३।७४ | १४२७५.७६ | २२४०२.१३ | १०७ | ० | ० | ० | १५१३४.९२ | ० | १० |
| ५ | ०७४।७५ | ११९७०.६१ | ८९८७.८ | ५६.४ | ० | ० | ० | १८३४१.१५ | २१०.४७ | ३५.५ |

१५.२ सामुदायिक वन तथा नीजि आवादी जग्गाको काठ दाउरा बिक्रीको विवरण

| सि. नं. | आ.व. | सा.व. आन्तरिक बिक्री | | | सा.व.को बाहिर बिक्री | | | नीजि आवादीको बिक्री | |
|---------|--------|----------------------|----------|--------|----------------------|----------|--------|---------------------|--------|
| | | साल | अन्य | दाउरा | साल | अन्य | दाउरा | अन्य | दाउरा |
| १ | ०७०।७१ | २३८३४.९६ | ४५५१.६८ | १८.७२ | १२३७.२० | २७७.०८ | १९.०० | ८०९७४.५० | २२०.२६ |
| २ | ०७१।७२ | ४२०९८.५० | ९६२८.११ | १२७.६४ | २७८१.२८ | ३९७९.७८ | १०.०० | १०६२३७.६९ | २४४.९ |
| ३ | ०७२।७३ | ७४०२०.५४ | १८३३४.३ | १८०.८५ | ३५६३.४३ | १२६३९.५७ | ३८.०० | ६५३३२.२२ | १६०.५२ |
| ४ | ०७३।७४ | ४६७३१.७८ | २४०३९.०३ | १७०.०४ | ६८००.६२ | ७१९२.२२ | २९.०० | ७७०८८.३५ | १९०.२३ |
| ५ | ०७४।७५ | ४६००३.३८ | १३७७१.०३ | १२४.७६ | ५५२९.०३ | १७२६०.२६ | ३६.७५ | ४४५९०.६७ | ६०.९७ |
| | जम्मा | २३२६८९.२ | ७०३२४.१५ | ६२२.०१ | १९९११.५६ | ४३८४२.९१ | १३२.७५ | ३७४२२३.४ | ८७६.८८ |

१५.३ विगत ५ वर्षमा वन क्षेत्रबाट प्राप्त राजश्वको विवरण

| सि.नं. | आ.व. | वन क्षेत्रको आय रु. | बोलपत्र बिक्री | दण्ड जरिवाना | बेरुजु दाखिला | कुल जम्मा |
|--------|--------|---------------------|----------------|--------------|---------------|-------------|
| १ | ०७०।७१ | ६११२२०४.२५ | २४२३००.०० | २५००२.०० | ४७९७४.८० | ६४२७४८१.०५ |
| २ | ०७१।७२ | ३३१०४५२९.७५ | ४३२०००.०० | ५०००.०० | २२४९०५.०० | ३३७६६४३४.७५ |
| ३ | ०७२।७३ | ३४६८५९९८.५० | ६०६५००.०० | ७०९६८८.५० | ६३६७३६.४९ | ३६६३८९२३.४९ |
| ४ | ०७३।७४ | ४०३८९०५९.५७ | ३५७९००.०० | ८२२१३५.४० | ३२८६६१.०० | ४१८९७७५५.९७ |
| ५ | ०७४।७५ | ३३८०२८०१.५४ | ३००००० | ५३७०० | ४४१८२९ | ३४५९८३३०.५४ |
| | जम्मा | १४८०९४५९३.६१ | १९३८७००.० | १६१५५२५.९ | १६८०१०६.२९ | १५३३२८९२५.८ |

१५.४ विभिन्न जिल्लाबाट निकासी इजाजत लिई यस जिल्लामा घाटगद्दी गरी आ.व. ०७४।७५ मा
निकासी गरेको जडिबुटीको विवरण

| क्र.सं. | जात | परिमाण (के.जि.) |
|---------|----------------|-----------------|
| १ | सतुवा | ७३३१.५० |
| २ | वन लसुन | ५४९०.०० |
| ३ | तेजपात | २६२४०४.०० |
| ४ | दालचिनी | ४४४१९.८० |
| ५ | काउलो बोक्रा | ११९००.०० |
| ६ | रिठा दाना | २९०३५.०० |
| ७ | ऋमला | १७२०५.०० |
| ८ | पाषणवेद | २८०२५.०० |
| ९ | चुत्रो बोक्रा | १५०.०० |
| १० | चिराईतो | १५१००.०० |
| ११ | मजिठो | ८९०३.०० |
| १२ | कालिकाठको गेडा | ३१७५९.०० |
| १३ | टिमुर फल | ६६३०.०० |
| १४ | कुरिलो जरा | २८३००.०० |
| १५ | विषजरा | ५५०.०० |
| १६ | सिलाजित | ३००.०० |
| १७ | सल्लाको खोटो | २५००.०० |
| १८ | अमलवेद | ५००.०० |
| | जम्मा | ५००५०२.३० |

अनुसुची १६ : जिल्लामा संचालित आयोजना, योजनाहरु संचालन भएको अवधि तथा मुख्य उपलब्धिहरु

| सि.नं. | आयोजनाको नाम | संचालन भएको अवधि | मुख्य उपलब्धिहरु |
|--------|----------------------------------|-----------------------------------|--|
| १ | तराई सामुदायिक वन कार्यक्रम | सन् १९८४ देखि सन् १९९१ सम्म | <ul style="list-style-type: none"> ● जिल्लाका विभिन्न स्थानमा ४३ वटा नर्सरी जिल्ला वन कार्यालय मार्फत् र १३ वटा निजी नर्सरी सञ्चालन गराई सार्वजनिक तथा निजी आवादी क्षेत्रमा व्यापक वृक्षरोपण भएको । ● सो अवधिमा भएको वृक्षरोपणबाट हाल सम्म पनि जिल्लाको वन पैदावर आपूर्तिमा सहज भएको । |
| २ | जिविकोपार्जनका लागि वन कार्यक्रम | सन् २००१ देखि २०१० सम्म | <ul style="list-style-type: none"> ● सार्वजनिक तथा संस्थागत जग्गामा समुह गठन गरी वन विकासमा सहयोग गरेको । ● सामुदायिक वन व्यवस्थापनमा सहजीकरण गर्न सहयोग गरेको । ● जलवायु परिवर्तन अनुकूलन गरीवी न्युनीकरणका कार्यमा सहयोग । |
| ३ | बहुसरोकारवाला वन कार्यक्रम | सन् २०१२ देखि २०१६ जुन महिना सम्म | <ul style="list-style-type: none"> ● सामुदायिक तथा साभेदारी वन व्यवस्थापन समुहहरुमा वैज्ञानिक वन व्यवस्थापन कार्य सञ्चालन तथा सहजीकरणमा सहयोग, ● सामुदायिक वन उपभोक्ता समुह तथा सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापन समुहहरुलाई सामाजिक परिचालन तथा गरिवी न्युनीकरणमा सहयोग, ● समुदायस्तरका जलवायु परिवर्तन अनुकूलनका कार्य योजना तयारी र कार्यान्वयनमा सहयोग एवं सहजीकरण, ● नदी उकास तथा सार्वजनिक जग्गा व्यवस्थापनमा सहयोग एवं सहजीकरण ● निजी तथा सार्वजनिक जग्गामा वृक्षरोपणको लागि सहजीकरण एवं विरुवा खरिद एवं ढुवानीमा सहजीकरण |

अनुसुची १७: कर्मचारी दरबन्दी विवरण

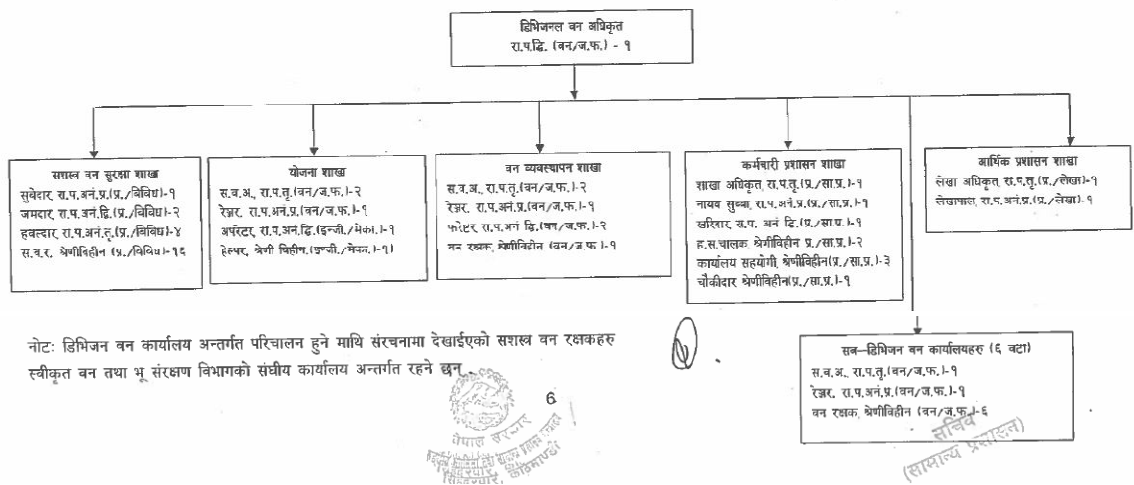
अनुसुची १७.१: जिल्ला वन कार्यालय रुपन्देहीको मौजुदा कर्मचारी दरबन्दी विवरण

| सि.नं. | पद | स्विकृत दरबन्दी | पदपूर्ति | रिक्त | कैफियत |
|--------------|-------------------|-----------------|-----------|-----------|---|
| १ | जि.व.अ. | १ | १ | ० | |
| २ | स.व.अ. | १६ | १३ | ३ | |
| ३ | शा.अ. | १ | १ | ० | |
| ४ | लेखा अधिकृत | १ | ० | १ | रिक्त |
| ५ | रेन्जर | ६ | ४ | २ | रिक्त |
| ६ | ना.सु. | ३ | ३ | ० | |
| ७ | सह लेखापाल | १ | ० | १ | रिक्त |
| ८ | खरीदार | १ | १ | ० | |
| ९ | टाइपिष्ट | १ | ० | १ | रिक्त |
| १० | व.का.स.(फरेष्टर) | १२ | ६ | ६ | २ जना लो.से.आ.मा माग |
| ११ | ड्राइभर | ३ | ० | ३ | |
| १२ | वनरक्षक | ५२ | ४२ | १० | |
| १३ | कार्यालय सहयोगी | ७ | ७ | ० | |
| १४ | जमदार | ३ | ९ | २५ | स.व.र.तर्फ कुल दरबन्दी ३५ मध्ये १० जना कार्यरत रहेको र १६ जना करारमा काम लगाएको । |
| १५ | हवल्दार | ३ | १ | | |
| १६ | स.व.र. | २९ | - | | |
| जम्मा | | १४० | ८८ | ५२ | |

अनुसूची १७.२: डिभिजन वन कार्यालय रुपन्देहीको २०७५ मा स्विकृत दरबन्दी तथा संगठन विवरण

| सि.नं. | पद | श्रेणी | सेवा | समुह | स्विकृत दरबन्दी |
|--------------|-------------------|----------------|---------|----------------|-----------------|
| १ | डिभिजनल वन अधिकृत | रा.प.द्वि. | वन | जनरल फरेष्ट्री | १ |
| २ | सहायक वन अधिकृत | रा.प.तृ. | वन | जनरल फरेष्ट्री | १० |
| ३ | शाखा अधिकृत | रा.प.तृ. | प्रशासन | सा.प्र. | १ |
| ४ | लेखा अधिकृत | रा.प.तृ. | प्रशासन | लेखा | १ |
| ५ | रेन्जर | रा.प.अनं प्र. | वन | जनरल फरेष्ट्री | ८ |
| ६ | नायब सुब्बा | रा.प.अनं प्र. | प्रशासन | सा.प्र. | १ |
| ७ | लेखापाल | रा.प.अनं प्र. | प्रशासन | लेखा | १ |
| ८ | खरीदार | रा.प.अनं द्वि. | प्रशासन | सा.प्र. | १ |
| ९ | फरेष्टर | रा.प.अनं द्वि. | वन | जनरल फरेष्ट्री | २ |
| १० | वन रक्षक | श्रेणी विहिन | वन | जनरल फरेष्ट्री | ३७ |
| ११ | कार्यालय सहयोगी | श्रेणी विहिन | | | ३ |
| १२ | हलुका सवारी चालक | श्रेणी विहिन | | | २ |
| १३ | सुवेदार | रा.प.अनं प्र. | विविध | | १ |
| १४ | जमदार | रा.प.अनं द्वि. | विविध | | २ |
| १५ | हवल्दार | रा.प.अनं तृ. | विविध | | ४ |
| १६ | स.ब.र. | श्रेणी विहिन | विविध | | १६ |
| १७ | चौकिदार | श्रेणी विहिन | | | १ |
| १८ | अपरेटर | रा.प.अनं द्वि. | इञ्जि | मेकानिक्स | १ |
| १९ | हेल्पर | श्रेणी विहिन | इञ्जि | मेकानिक्स | १ |
| जम्मा | | | | | ९४ |

प्रदेश सरकार
५ नं. प्रदेश
उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय
वन निदेशनालय
डिभिजन वन कार्यालय, रुपन्देहीको संगठन संरचना



अनुसुची १८: रुपन्देही जिल्लाको गा.पा./न.पा. गत रुपमा रहेको वन क्षेत्रको विवरण

| क्र.सं. | गा.पा./न.पा.को नाम | क्षेत्रफल (हेक्टर) | वन क्षेत्र (हे.) | स्थानीय तहमा वन क्षेत्र (प्रतिशत) | जिल्लाको वन क्षेत्र (प्रतिशत) |
|---------|---------------------|--------------------|------------------|-----------------------------------|-------------------------------|
| १ | देवदह न.पा. | १३७१० | ७३९० | ५४ | २९ |
| २ | लुम्बिनी सां. न.पा. | ११२३० | ० | ० | ० |
| ३ | सैनामैना न.पा. | १६१३० | ९१७० | ५७ | ३७ |
| ४ | सिद्धार्थनगर न.पा. | ३६१० | १० | ० | ० |
| ५ | तिलोत्तमा न.पा. | १२६३० | १३६० | ११ | ५ |
| ६ | गौडहवा गा.पा. | ९६८० | ७३० | ८ | ३ |
| ७ | कञ्चन गा.पा. | ५८५० | १२८० | २२ | ५ |
| ८ | कोटहीमाई गा.पा. | ५८३० | ० | ० | ० |
| ९ | मर्चवारी गा.पा. | ४८६० | ० | ० | ० |
| १० | मायादेवी गा.पा. | ७२५० | ० | ० | ० |
| ११ | ओमसतिया गा.पा. | ४८६० | ० | ० | ० |
| १२ | रोहिणी गा.पा. | ६४७० | २० | ० | ० |
| १३ | सम्मरीमाई गा.पा. | ५०८० | ० | ० | ० |
| १४ | सियारी गा.पा. | ६६४० | १४० | २ | ० |
| १५ | सुद्धोदन गा.पा. | ५७६० | २० | ० | ० |
| १६ | बुटवल उ.म.न.पा. | १०१७० | ४९८० | ४९ | २० |
| | जम्मा | १२९७६० | २५११० | १९ | १०० |

श्रोत : स्थानीय तहमा वन तथा जलाधार प्रोफाइल कार्यदल, वन तथा भू संरक्षण मन्त्रालय, २०७४

अनुसुची १९: रुपन्देही जिल्लाको प्रस्तावित सब डिभिजनहरुको नाम, केन्द्र तथा सेवाक्षेत्र विवरण

| सि.नं. | सब डिभिजन कार्यालयको नाम | सब डिभिजन कार्यालयको मुकाम | सब डिभिजन कार्यालयको सेवा क्षेत्र |
|--------|--------------------------|--|---|
| १ | कञ्चन सब डिभिजन | कञ्चन ५, भैसाही, फायरलाइन | कञ्चन गा.पा. र सैनामैना न.पा. १० र ११ |
| २ | सैनामैना सब डिभिजन | सैनामैना ४, मुर्गिया वा बुटवल १२, तामनगर | बुटवल न.पा. वार्ड नं. ७ र १० बाहेकको क्षेत्र, सैनामैना १ देखी ९ र शुद्धोदन गा.पा. |
| ३ | लुम्बिनी सब डिभिजन | गैडहवा गा.पा. ठकुरापुर | गैडहवा गा.पा. लुम्बिनी सां. न.पा. र कोटहीमाई गा.पा. |
| ४ | सिद्धार्थ सब डिभिजन | सिद्धार्थनगर | मायादेवी गा.पा., सियारी गा.पा., मर्चवारी गा.पा., सम्मरीमाई गा.पा., सिद्धार्थनगर न.पा., रोहिणी गा.पा., ओमसतिया गा.पा. १, २, ३, ४ र तिलोत्तमा न.पा. १३, १४ र १५ |
| ५ | तिलोत्तमा सब डिभिजन | बुटवल १०, रामनगर | देवदह न.पा. १०, बुटवल उ.म.न.पा. ७ र १०, तिलोत्तमा न.पा. १ देखी ९ र १६ देखी १७ |
| ६ | देवदह सब डिभिजन | देवदह, शितलनगर | देवदह न.पा. १० बाहेक सबै, तिलोत्तमा न.पा. १० देखी १२ र ओमसतिया गा.पा. ५ र ६ |